

خواجه تثمس الدين عظيمي

الکتاب پبلی کیشنز 1-K-5 ناظم آباد نمبر 1 کراچی



## انتساب

حضرت لقمان علیہ السلام کے نام جن کو اللہ تعالٰی نے حکمت عطا کی

وَ لَقَدْ أَ تَيْنَا لُقُمْنَ الْحِكْمَةَ أَنِ اشْكُرْ لِللهِ (لقمن ـــــا۱۱) اور ہم نے لقمان کو حکمت دی تاکہ وہ اللہ کا شکر کرے۔ اور جو بھیرا ہے تمہارے واسطے زمین میں کئی رنگ کا اس میں نشانی ہے ان لوگوں کو جو سوچتے ہیں0

اور اس کی نشانیوں سے ہے آسان زمین کا بنانا اور بھانت بھانت بولیاں تمہاری اور رنگ اس میں بہت پتے ہیں بوجھنے والوں کوo

تو نے دیکھا؟ کہ اللہ نے اتارا آسان سے پانی پھر ہم نے نکالے اس سے میوے طرح طرح ان کے رنگ اور پہاڑوں میں گھاٹیاں ہیں سفید اور سرخ طرح طرح ان کے رنگ اور بھجنگ کالے o

(القرآن)



كار تقرابي

جمله حقوق محفوظ ہیں

اشاعت ـــــ نومبر 1998ء

تعداد ۔۔۔۔۔ ایک ہزار

قيت ــــــ 195رويے

دُينا نَننگ كمپوزنگ درد. اقبال ليزر كمپوزنگ كراچي

فون: 7763165

پبلشر ـــــ الكتاب پبلى كيشنز-كراچي

فون: 626433

طباعت و اشاعت پاکستان میں کی گئی

#### هرست

| هرست4                 |
|-----------------------|
| مرض داشت              |
| اب نمبر ا             |
| کلر تھراپی کا نظریہ   |
| اب نمبر ٦٠            |
| روشنی اور رنگ         |
| يف                    |
| .نگ اور بصارتی نظام   |
| نگ کیوں نظر آتے ہیں   |
| عگوں کی روحانی تخیوری |
| هنک رنگ               |
| سانی رنگ              |
| يلا رنگ               |
| اب نمبر اله           |
| افاديت اور خواص       |
| سورج کی وشنی کراژانت  |



| ţ    | 2 | Į |
|------|---|---|
| ž    | Ė | Š |
| •    |   | 0 |
| 5    | _ | 7 |
| (    | Ţ | Ş |
| 6    | Ż | 2 |
| į    | į | , |
| 9 10 | Š | Š |
| 9    | ξ | 2 |
| 20.0 | Š | > |
| -    | 2 |   |

| ندرنی روسنی بمقابله مصنوعی روسنی                        |
|---|
| باب نمبر الله على الله الله الله الله الله الله الله ال |
| رنگ اور صحت   |
| رنگ اور غذا   |
| ر مگوں کے نفسیاتی اثرات                                 |
| جىم مثالى   |
| رگوں کے مراکز   |
| إب نمبرهـ   |
| ی گول کے خواص   |
| قواص  |
| ىرخ رنگ   |
| ار نجی رنگ  |
| زرد رنگ   |
| بېز رنگ   |
| آسانی رنگ   |
| نیلا رنگ  |
| نفثی رنگ  |
| زمزی رنگ (Magenta)(مزی رنگ (Magenta)                    |



|   | Č                |   |   |        |  |
|---|------------------|---|---|--------|--|
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   | ι                |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
|   |                  |   |   |        |  |
| - | ĕ                |   |   | ï      |  |
|   | ÷                | 3 | E | è      |  |
| Ŧ | Ť                | 3 | 2 | Ė      |  |
| 7 | Ť                | 3 | 2 |        |  |
|   |                  |   |   | ,      |  |
|   |                  |   |   | ,      |  |
|   | į                |   |   |        |  |
|   | į                |   |   |        |  |
|   | į                |   |   |        |  |
|   | į                |   |   |        |  |
|   | į                |   |   |        |  |
|   | 10.00            |   |   |        |  |
|   | 10.00            |   |   |        |  |
|   | 10.00            |   |   | 0 0 0  |  |
|   | 10.00            |   |   | 0.00   |  |
|   | 10.00            |   |   | 0.00   |  |
|   | 10.00            |   |   | 2000   |  |
|   | 10.00            |   |   | 10000  |  |
|   | 10.00            |   |   | 0000   |  |
|   | 10.00            |   |   | 0000   |  |
|   | 4128 4121        |   |   | 0.000  |  |
|   | 4128 4121        |   |   | 100000 |  |
|   | 4128 4121        |   |   |        |  |
|   | 10.00            |   |   | 00000  |  |
|   | 4128 4121        |   |   | 0.000  |  |
|   | 4128 4121        |   |   | 100000 |  |
|   | 4128 4121        |   |   | 100000 |  |
|   | THE RESERVE      |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE      |   |   |        |  |
|   | 4128 4121        |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE      |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |
|   | THE REST OF SEC. |   |   |        |  |

| شعور کا سفر                                     |
|---|
| باب نمبر ۲                                      |
| رنگ اور الهامی کتابیں                           |
| باب نمبر ۷۔                                     |
| تخلیق اور رنگ                                   |
| باب نمبر ۸۔                                     |
| مرض اور رنگین خواب                              |
| باب نمبر و                                      |
| امراض کی تشخیص                                  |
| بیاری کی وجوہات                                 |
| لطيف اور كثيف وجود                              |
| ر عگوں میں کمی و بیشی معلوم کرنے کا طریقہ       |
| باب نمبر ۱۰ــــــــــــــــــــــــــــــــــــ |
| طريقه علاج                                      |
| اصول  |
| ر گلول سے علاق                                  |
| باب نمبر االـ                                   |
| نظام ہضم' حبگر اور لبلیہ کی بیاریاں             |



|   | ľ | Š   | )       | ĺ   |       |
|---|---|-----|---------|-----|-------|
|   | į |     |         |     |       |
| ( |   |     |         | )   |       |
|   |   |     | J       | 9   |       |
|   | ļ | ļ   | 7       | )   |       |
|   |   |     |         |     |       |
| ļ |   |     | ζ       | ļ   |       |
| Ì | Ļ | J   | r       |     |       |
|   | ١ | ý   | d       | 2   |       |
|   |   |     |         |     |       |
|   |   |     |         | 0   |       |
|   |   |     |         |     |       |
|   |   |     | 3       |     |       |
|   |   |     |         |     |       |
|   |   |     | 000     |     |       |
|   |   |     |         |     |       |
|   |   | 000 | 7.02.00 | SUC | ars.( |

| معده کا زخم                                      |
|--|
| نفخ و قراقر معده                                 |
| پیٹ کے کیڑے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اسهال  |
| چيْنْ  |
| ٣٩٤  |
| قبض  |
| ذہنی دباؤ کی وجہ سے پیٹ کی خرابی                 |
| ہاضمہ کی خرابی                                   |
| پکی  |
| چپوٹی آنت کی سوزش                                |
| بڑی آنت کی سوزش                                  |
| خونی بواسیر                                      |
| ر تح البواسير                                    |
| بطَّندر  |
| ير قان   |
| ورم جبّر   |
| عِكْر كا سكرٌ جانا                               |



|   | P | Š | í |
|---|---|---|---|
|   | ì | 7 | 0 |
|   | ï | ē | š |
|   | 1 | * | , |
|   | 5 | 7 | ) |
|   | ( | Ţ | 3 |
|   | ζ | I | j |
| į | 3 | Ż | _ |
|   | į | Ĺ | 0 |
|   | è | ŝ | Š |
|   | 5 | ξ |   |
|   | 9 | S | 5 |
|   | Ē | Š | , |
|   | Š | ⋛ | Þ |
|   |   |   |   |

| استىقاء                    |
|----------------------------|
| فيا بيطس                   |
| خونی تے                    |
| باب نمبر ۱۲۔               |
| نظام تنفس کی بیماریاں      |
| نزله و زکام                |
| كمانى                      |
| دمـ                        |
| نمونيا                     |
| ئی۔پی                      |
| باب نمبر ۱۱۳               |
| دل اور نظام خون کی بیاریاں |
| اختلاج قلب                 |
| انجائنا                    |
| دل كا دوره                 |
| خون کی کمی                 |
| لو بلڈ پریشر               |
| <b>پائی بلٹ پریشر</b>      |



|   | Þ | 2 | ď |
|---|---|---|---|
|   | 3 | ø | ч |
|   | 5 | ż |   |
|   | 5 |   | Ξ |
|   | C |   | ٦ |
|   | , | ۳ | P |
|   |   |   | 0 |
|   | ¢ | į | ٩ |
|   | 3 | e | 7 |
|   | 5 | _ | Ξ |
|   | G | Ξ | = |
|   | ( | τ | Э |
|   |   | 1 | z |
|   | ς | į | ٦ |
|   | 6 |   | õ |
| - | × |   | 4 |
|   |   |   | - |
|   | ä | d |   |
|   | s | 3 | 2 |
|   | c |   | 3 |
|   | E | 5 |   |
|   | Ε |   | × |
|   | 3 | 5 |   |
|   | ø | • | _ |
|   | 8 | ٠ | 5 |
|   | 9 |   | Ξ |
|   | ä | ė | ø |

| جسم پر نیلے نشانات   |
|--|
| باب نمبر۱۳۰ الله المبر۱۳۰ الله المبر۱۳۰ الله الله الله الله الله الله الله الل |
| مر دانه امراض  |
| جريان  |
| جاق  |
| نامر دینامر دی   |
| فيا بيطس   |
| سرعت انزال   |
| كثرت احتلام  |
| باب نمبرهار  |
| گردہ اور مثانہ کے امراض  |
| بسر میں پیشاب  |
| سوزاک  |
| گردول کا ورم   |
| گردول کا حاد ورم   |
| گردول کا مزمن ورم  |
| ورد گرده   |
| مثانے اور پیشاب کی نالی کا ورم   |



| Ş | ó |   | d  |
|---|---|---|----|
|   |   |   |    |
| 3 | • | 7 | ۳  |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
| e | 7 | ٦ |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   | į |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
| ä |   | á | i, |
| 5 |   |   |    |
| 6 |   | ú | ã  |
| 0 |   | e |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   | 9  |
| 4 |   | b | ı  |
| ä |   | ŕ | ۰  |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
|   |   |   |    |
| - | ú |   | ,  |
|   |   |   |    |
| 4 | ٠ |   | b  |
| 9 |   |   |    |
| ä | á |   | ø  |
|   |   |   |    |

| بیثاب میں خون آنا       |
|-------------------------|
| إب نمبر ١٦              |
| دما غی امراض            |
| صفراوی درد سر           |
| ررد شقیقه               |
| نکھوں کے پنچ اندھرا آنا |
| ئنت                     |
| بر کی                   |
| ييف مال عمومي مرگي      |
| ما غی ورم               |
| گردن تور بخار           |
| الخ                     |
| سر میں پانی بھر جانا    |
| ل لقوه                  |
| رعشه                    |
| فثى ـ ب ہوشى            |
| ىكتە                    |
| عرق النساء              |



| ζ | 3 | Ų | ļ |
|---|---|---|---|
| ş | Ġ | į |   |
| Ċ | 1 | 3 | ١ |
|   | Ī |   |   |
| Ę | į | n | ١ |
| 3 | ÷ |   |   |
| ( | 1 | C |   |
| Š | j | ή | ١ |
| 3 | ý | 4 |   |
|   |   | 8 | , |
| 9 |   | Þ |   |
| ě | ĕ | 2 |   |
| į |   | 2 |   |
| ė | ē | 7 |   |
| 1 |   | 2 |   |
| в | ä | 7 | ۰ |

| باب تمبر الد الله الله الله الله الله الله الله  |
|--|
| ہار مونز کی بیاریاں                              |
| تھائی رائیڈ ہارمونز کی زیادتی                    |
| تقائی رائیڈ ہارمونز کی کمی                       |
| باب نمبر۱۸ اــــــــــــــــــــــــــــــــــــ |
| نفسياتي يباريان                                  |
| شيز و فرينيا                                     |
| ۇر <sub>ىي</sub> ىن                              |
| جنون   |
| پاگل پن  |
| نىيان  |
| ڈراؤنے خواب                                      |
| نينر نه آنا                                      |
| ٣٠٠٠ ١72   |
| خوف اور دہشت                                     |
| فوبيافوبيا                                       |
| مخصوص فوبيا                                      |
| تكرار خيال اور تكرار عمل                         |



| طینشن کی وجہ سے سر درد |
|------------------------|
| باب نمبر ۱۹            |
| جلد کے امراض           |
| سياه داغ               |
| كيل مهات               |
| گرمی دانے              |
| پتی احجِملنا           |
| داد                    |
| چمبل ـ سورياسس         |
| برس                    |
| باب نمبر ۲۰ـ           |
| بچوں کی بیاریاں        |
| دانت نكانا             |
| كمانى                  |
| اسهال                  |
| ام الصبيان             |
| كالى كھانى             |
| 102                    |

|  | 3 |   |  |
|--|---|---|--|
|  |   |   |  |
|  | C |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  | ξ |   |  |
|  |   |   |  |
|  | 5 |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   | т |  |
|  | 3 |   |  |
|  |   |   |  |
|  | ς |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  | ٥ |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  | è |   |  |
|  | ŝ |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |
|  |   |   |  |

| لا كُرًا كَارًالا كَارًا عَارِيًا عَارِيًا            |
|---|
| 196   |
| خىرە  |
| باب نمبر ۲۱   |
| عورتوں کے امراض                                       |
| ایام تکلیف سے آنا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ایام کا رک جانا                                       |
| ایام کی زیادتی  |
| اندام نهانی کا ورم                                    |
| ليكوريا   |
| بانجم پن  |
| حمل ضائع ہو جانا                                      |
| دودھ میں کی   |
| باب نمبر ۲۲ـــــــــــــــــــــــــــــــــــ        |
| ناک' کان' گلے کے امراض                                |
| منه میں چھالے   |
| حاد گلے کا ورم  |
| مز من گلے کا ورم                                      |



| þ  | ŝ | ú | ŕ  |
|----|---|---|----|
| 5  | å | ų | Ų  |
| S  | Ġ |   |    |
| ĺ  |   |   | ľ  |
|    |   | 4 |    |
| ١  | į | n | )  |
| S  | ė | ė |    |
| ĺ  | 1 | Ç | j. |
| Ü, | J | ή | ľ  |
| 5  | Ġ | i |    |
| 7  | 7 | , |    |
| 9  |   | Ç |    |
| è  | Ġ | ς |    |
| 5  | 1 | 7 |    |
| á  | ě | 2 |    |
| ė  | ē | 7 | ۲. |
| ŝ  |   | Þ | b  |
| ŝ  |   | Þ | ,  |
|    |   |   |    |
|    |   |   |    |

| الرجی کی وجہ سے ناک کا بہنا                     |
|---|
| نكسير پچوٹئا                                    |
| سائی نس کا ورم                                  |
| دانتول کا درد                                   |
| پائیریا   |
| باب نمبر ۲۳ ـــــــــــــــــــــــــــــــــــ |
| آ نکھ کی بیاریاں                                |
| نگاه کی کمزوری                                  |
| شکوری   |
| آثوب چثم  |
| گو <sub>ا</sub> نجنی                            |
| پپوٹول کا ورم                                   |
| آئکھ کی بیرونی جبلی کا ورم                      |
| باب نمبر ۲۳ ـ                                   |
| متفرق امراض                                     |
| كُمْيا  |
| نقرس  |
| بجوک نہ لگنا                                    |



| 226 | موڻايا                           |
|-----|----------------------------------|
| 227 | دانت پیینا                       |
| 227 | جسمانی کمزوری                    |
| 228 | بفا پھو سی                       |
| 228 | و لگنا                           |
| 229 | ىانى <b>فائىي</b> ر              |
| 230 | ليريا                            |
| 231 | يدُز                             |
| 233 | قد اور وزن کا چارٹ               |
| 233 | ند اور وزان کا جاری <sup>ی</sup> |

|  | 9   |   |
|--|-----|---|
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  | ١,  |   |
|  |     |   |
|  | . 3 |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  | - ( |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     | J |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |
|  |     |   |

| قد (جوتوں کے بغیر) |     | وزن ( کلوگرام ) کپڑوں کے بغیر |             |      |         |
|--------------------|-----|-------------------------------|-------------|------|---------|
| نئ                 | انچ | کم وزن                        | نا رمل و زن | موثا | بهتمونا |
| 4                  | 9   | 34                            | 42-53       | 63   | 84      |
| 4                  | 10  | 35                            | 44-55       | 66   | 88      |
| 4                  | 11  | 36                            | 45-56       | 68   | 90      |
| 5                  | 0   | 37                            | 46-58       | 69   | 92      |
| 5                  | 1   | 38                            | 47-59       | 71   | 95      |
| 5                  | 1   | 39                            | 49-61       | 73   | 97      |
| 5                  | 2   | 40                            | 50-62       | 75   | 100     |
| 5                  | 3   | 41                            | 51-64       | 77   | 102     |
| 5                  | 4   | 42                            | 52-66       | 79   | 105     |
| 5                  | 5   | 43                            | 54-67       | 81   | 108     |
| 5                  | 5   | 44                            | 55-69       | 83   | 110     |
| 5                  | 6   | 45                            | 56-71       | 85   | 113     |
| 5                  | 7   | 46                            | 58-72       | 87   | 116     |
| 5                  | 8   | 47                            | 59-74       | 89   | 118     |
| 5                  | 9   | 48                            | 61-76       | 91   | 121     |
| 5                  | 9   | 50                            | 62-77.5     | 93   | 124     |
|                    |     |                               |             |      |         |

| 233 | ••••• | ••••• | ••••• | بجربات                    |
|-----|-------|-------|-------|---------------------------|
| 235 |       |       |       | ڈاکٹر فیاض تحکیم          |
| 238 |       | ••••• |       | اكٹر شگفت <b>ة ف</b> يروز |



|   | ĺ                                |   |   |        |  |
|---|----------------------------------|---|---|--------|--|
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   | τ                                |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
| - | ÷                                |   |   | ï      |  |
|   | ė                                | 3 | E | è      |  |
| ÷ | ۰                                | 3 | 2 | Ė      |  |
| 7 | i                                | 3 | 2 |        |  |
|   |                                  |   |   | ,      |  |
|   |                                  |   |   | ,      |  |
|   | į                                |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   |                                  |   |   |        |  |
|   | į                                |   |   |        |  |
|   | 10.00                            |   |   |        |  |
|   | 10.00                            |   |   |        |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0.00   |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0.00   |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0.00   |  |
|   | 10.00                            |   |   | 2000   |  |
|   | 10.00                            |   |   | 10000  |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0000   |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0000   |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   | 0.000  |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   | 100000 |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   |        |  |
|   | 10.00                            |   |   | 0.000  |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   | 0.000  |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   | 100000 |  |
|   | THE RESERVE AND ADDRESS.         |   |   | 100000 |  |
|   | THE RESERVE AND ADDRESS.         |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AND ADDRESS.         |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE                      |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AND ADDRESS.         |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |
|   | THE RESERVE AS A PERSON NAMED IN |   |   |        |  |

| اِلكُرْ جاويد سميع                    |
|---------------------------------------|
| يُّاكثر ناهيد جاويد                   |
| لِأَكْثَرُ مِيالَ مِخَارُ الْحَقِّ    |
| يًا كثر مظفر الدين                    |
| يًا كثر عبدالغفور                     |
| يُّا كُثْر عامر فياض                  |
| عكيم وقار يوسف                        |
| عليم قاضى مقصود احمد                  |
| عكيم محمد ذوالفقار كھوكھر             |
| عكيم سلام عارف                        |
| عكيم نور عجم                          |
| اِ اکثر احمد ممتاز اختر               |
| يًا كثر جميل احمد صديقي               |
| يُّاكثر حنا طاهر جليل                 |
| ڈاکٹر ایس۔نیلوفر                      |
| 298 MOHAMMAD ZAFAR                    |
| یماریوں کے اردو / انگریزی نام         |
| نظام مهضم' حبگر اور لبلبه کی بیماریاں |



| نظام تنقس کی بیاریاںنظام تنقس کی بیاریاں |
|--|
| دل اور نظام خون کی بیاریاں               |
| مر دانه امراض                            |
| گرده اور مثانه کی بیماریاں               |
| دما غی امراض                             |
| ہار مونز کی بیاریاں                      |
| نفسياتي بياريان                          |
| جلد کے امراض                             |
| پچوں کی بیاریاں                          |
| عور تول کے امراض                         |
| ناک' کان اور گلے کے امراض                |
| آ نکھ کی بیماریاں                        |
| 24.2                                     |



# www.ksars.or

### عرض داشت

رنگوں کی تھیوری' رنگوں کی افادیت اور رنگوں سے علاج کے بارے میں عوام تک معلومات بہم پہنچانے کے لئے ۱۹۲۰ء سے ملک کے مختلف اخبارات روزنامہ حریت'جسارت' مشرق' اعلان' ملت(گجراتی)' جنگ پاکستان' جنگ لندن' اخبار جہاں اور MAG میں مختلف عنوانات سے کالم لکھے گئے۔

اخبارات 'روحانی ڈانجسٹ پاکستان 'روحانی ڈانجسٹ انٹر نیشنل برطانیہ اور بالمشافہ ملاقات کے ذریعے جن لوگوں کو مشورہ دیا گیا یا علاج کیا گیا ان کی تعداد تقریباً ۱۸ لاکھ ہے۔۲۰ سال کے عرصے میں جیسے جیسے لوگوں نے اس طریقۂ علاج سے استفادہ کیا ہے ہم ان کے تجربات کو محفوظ کرتے رہے۔

مارچ 1924ء میں کتاب رنگ اور روشن سے علاج شائع ہوئی تھی جو عوام میں بہت مقبول ہوئی۔اس کتاب کی مسلسل اشاعت جاری ہے۔رنگوں سے علاج کے سلسلہ میں مختلف کتابیں لکھی جا چکی ہیں۔میں نے ان کتابوں کا گہری نظر سے مطالعہ کیا ہے۔اس کے علاوہ اپنے ذہن سے اضافے کئے پھر ان اضافوں کا اور اس چھان بین کا تجزیہ کیا ہے۔

یہ تو میں نہیں کہہ سکتا کہ مریضوں کو سو فیصدی فاکدہ ہوا ہے لیکن اتنا ضرور ہے کہ اگر صحیح طریقۂ کار سے علاج کیا جائے تو نانوے فیصدی فاکدہ ہو گا۔ سب سے بڑی بات یہ ہے کہ علاج مفت برابر ہے۔ آسان ہے اور کوئی پابندی یا کسی قشم کا قابل ذکر پرہیز ان علاجوں میں نہیں کیا جاتا اور یہ علاج ہر گھر میں جو پانی استعال ہوتا ہے اس پانی سے ہوتا ہے۔ فرق اتنا ہے کہ چند قشم کے رنگ پانی میں سرائیت کر جاتے ہیں۔ جب یہ پانی استعال ہوتا ہے تو معدہ اس کو چیک نہیں کرتا بلکہ براہ راست یہ پانی خون میں اور اعصاب میں شامل ہو جاتا ہے۔ یہ اس کی بہت بڑی خصوصیت ہے جو دنیا کی کسی دوا میں نہیں ہے۔ آپ اس بات سے اندازہ لگا سکتے ہیں کہ انسانی جسم کے اندر یہ پانی کیا تغیر پیدا کر سکتا ہے۔

دوسری خصوصیت ہے ہے کہ بیہ پانی خون کے اندر دور کرتا ہے جیسے عام پانی دور کرتا ہے۔ بیہ خصوصیت بھی دنیا کی کسی دوا میں نہیں ہے۔



دنیا کی ہر دوا اپنا اثر حچھوڑتی ہے اور اپنا اثر حجھوڑ کر خارج ہو جاتی ہے۔کلر تھراپی کی طرح اعصاب میں پیوست نہیں ہوتی۔ سے اسی علاج کی ایک اہم خصوصیت ہے۔

کلر تھراپی سے تیار شدہ پانی کی ایک خاصیت یہ بھی ہے کہ رنگ سے جو پانی الگ ہوتا ہے وہ پانی اعصاب کو رگوں کو ول اور دماغ کو اور خون کے ذرات کو سب کو دھو ڈالٹا ہے اور جتنے زہر یلے مادے ہوتے ہیں انہیں اپنے ساتھ لے جاتا ہے جو خارج ہو جاتے ہیں۔

اس کتاب کار تھراپی کو پیش کرنے کا بنیادی مقصد یہ ہے کہ رنگوں پر کی گئی تحقیق سے پوری نوع انسانی کو فائدہ پنچے اور مستقبل کے غیر جانبدار محقق کے لئے تحقیق و تلاش کے نئے روزن کھلیں۔

رنگوں کی تاریخ رنگوں میں روشنی کا طول موج اور فریکوئنسی رنگوں کی تخلیق رنگ فی الواقع کیا ہیں؟ رنگوں سے متعلق موجودہ سائنسی نظریات، رنگوں سے متعلق روحانی نظریہ، کائنات میں رنگ اور اہروں کا نظام، اہروں کی تقسیم سے حواس کا بننا اور اہروں کی کمی بیشی سے انسان کے اندر لا شار خلیات میں ہونے والی کیمیاوی تبدیلیاں کتاب میں ان سب پہلوؤں پر سیر حاصل بحث کی گئی ہے۔

ایلو پیتھی، یونانی طب، ہومیو پیتھی، ایکو پنگچر، ایورویدک، مقناطیسی علاج، بایو کیمک یا کوئی بھی طریقۂ علاج ہو سب میں بیہ بات مشترک ہے کہ جسم پر ارتعاش کے ذریعہ اثرات مرتب ہوتے ہیں۔

ار تعاش دو طرح ہوتا ہے۔

ا۔ بالواسطہ

۲۔ براہ راست

کلر تھراپی پر مزید ریسری جاری ہے۔انشاء اللہ یہ طریقۂ علاج علم طب کو ایک نئے دور میں داخل کر دے گا اور اس آسان اور مفت برابر علاج سے مخلوق خدا کو فائدہ پننچے گا۔یہ بات بعید از امکان نہیں ہے کہ فطرت سے ہم آہنگ علاج کلر تھراپی عوام الناس اور خواص میں قبولیت عام حاصل کرے گا۔

ہم نے ایک لیبارٹری قائم کی ہے۔اس لیبارٹری میں ''کروم'' کے نام سے نئے نئے تجربات کئے جا رہے ہیں۔ جس میں اللہ کے فضل و کرم سے کامیابی ہو رہی ہے۔اللہ کی ذات پر تقین ہے کہ تجربات کے بعد رئلین پانی سے علاج کے ساتھ ساتھ نئی نئی دوائیں وجود میں آئیں گی اور عوام الناس کو کلر تھراپی سے علاج کرنے میں مزید آسانیال فراہم ہو جائیں گی۔

آپ کی دعاؤں کا محتاج خواجہ شمس الدین عظیمی مرکزی مراقبہ ہال سرجانی ٹاؤن۔کراچی کیم جون ۱۹۹۸ء

## باب تمبرا

### كلرتھرايى كا نظرىيە

بقاء کے لئے انسان کئی چیز وں کامحتاج ہے۔اس میں ایک ضرورت بیاریوں سے محفوظ رہنااور شفاء حاصل کرناہے۔ بیاری کیسے بنی، دنیا میں پہلا بیار کون تھا؟ دواکا خیال کس کے ذہن میں آیا؟ پہلی دواکس نے ایجاد کی؟اس سلسلے میں حکماء نے مختلف باتیں کہی ہیں۔ تاہم بعض قدیم حکماء کی رائے میں یکسانیت پائی جاتی ہے۔

بقراط Hippocrat اور جالینوس Galen کا گمان ہے کہ یہ فن الہامی ہے۔ ابو جابر مغربی اور اس کے ہم خیالوں دانشوروں کی رائے میں فن طب کی بنیاد وحی ہے۔ کتاب 'دلیون الانبیاء'' میں فن طب کو الہامی بتایا گیا ہے۔ حضرت شیث علیہ السلام، حضرت ادریس علیہ السلام، حضرت داؤد علیہ السلام، حضرت لقمان علیہ السلام، حضرت سلیمان علیہ السلام، حضرت موسیٰ علیہ السلام اور حضرت عیسیٰ علیہ السلام کے دور میں طب کا فن رائج رہا ہے۔ علم طب سید نا حضور علیہ الصلاق والسلام کے زمانے میں موجود تھا اور آج بھی حضور علیہ الصلاق والسلام کا معین کردہ علاج موجود ہے۔

علاج انسان کی الیی ضرورت ہے جوموت وحیات کے مابین گردش کرتا ہے۔ بیاری سے نجات حاصل کرنے کے لئے انسان نے ہر دور میں تدبیر کی ہے۔ان تدابیر سے نئے نئے نظریئے قائم ہوتے رہے اور ان نظریات پر نئے نئے فلسفے بنتے رہتے ہیں۔

طب کابنیادی فلسفہ ہیہ ہے کہ بیار انسان کو شفابخش اصولوں اور علاج معالجہ سے صحت مند کر دیاجائے۔

بیاری کی وجوہات اور علاج کے طریقے مختلف ہیں۔ ہر طریقۂ علاج ایک فلسفہ ہے جس کے مطابق علاج تبویز کیا جاتا ہے۔ دنیا میں جس طرح دوسرے علوم ترقی پذیر ہیں اسی طرح علم طب بھی ترقی پذیر ہے۔ دوسرے نظریات اور فلسفوں کی طرح فن طب کے فلسفے میں ہر روز پیش رفت ہور ہی ہے۔

فلفے بنتے رہتے ہیں،ان پر تنقید بھی ہوتی رہتی ہے اوران کے مقابلے میں دوسرے نئے فلفے بھی پیش ہوتے رہتے ہیں لیکن بقاء ان ہی فلسفوں اور نظریات کو ملتی ہے جو قانون قدرت اور فطرت انسانی کے مطابق ہیں۔ انسانوں کی فلاح کے لئے اسلاف نے بابل مصر آشوریہ یونانی ایرانی ہر دور میں رنگوں سے استفادہ کیا ہے۔ بقراط سالیوس جالینوس اور بلانٹی کے کتبات بھی اس بات کے شاہد ہیں کہ مصری یونانی اور رومن اپنے مکانوں میں ایساصحن بنواتے تھے جس میں ہر موسم میں دھوپ آتی رہے۔

حکیم بو علی سینانے • • ۹ سال قبل اپنی شهره آفاق کتاب ''القانون'' میں رنگ وروشنی کی افادیت پراظهار خیال کیاہے۔

حضرت عیسیٰ علیہ السلام کی پیدائش ہے • • ۵ سال قبل فیثاغورث کے زمانے میں لوگ اپناعلاج رنگوں سے کیا کرتے تھے۔

انہیں یہ بھی معلوم تھا کہ رنگوں کے ذریعے اعصابی نظام بحال کیا جاسکتا ہے۔

بے شار بیار اور معذور افراد گرجاگھروں میں جانے سے صحت یاب ہو جاتے تھے۔اس کی وجہ یہ تھی کہ ان عبادت گاہوں کی کھڑ کیوں میں سرخ ار غوانی سبز اور زر در نگ کے شیشے ہوتے تھے۔سورج کی روشنی جب ان شیشوں میں سے گزر کر مریضوں بریڑتی تھی تووہ تندرست ہو جاتے تھے۔

رنگ اجسام کے اندر جزیئر (Generator) کاکام کررہے ہیں۔ سورج کائناتی قوتوں کانہ ختم ہونے والا ایساخزانہ ہے جو زمینوں پر بسنے والی مخلوق کو انر جی (Energy) فراہم کرتا ہے۔ اگر سسٹم میں خرابی واقع ہو جائے اور کرہ ارضی سورج کی روشنی سے محروم ہو جائے تو درخت پھول بھلواری سبز ہاور دو سرے تمام جاندار ختم ہو جائیں گے۔

ہم اس بات سے صرف نظر نہیں کر سکتے کہ ہماری غذامیں براہ راست سورج کی روشنی کا عمل دخل ہے۔ ہماری غذائیں اور ہر چیز رنگلین ہے۔

انسان کے اندر تلاش تجسس تفکر ایقان وجدان اور مشاہدہ کی صفت کام کر رہی ہے۔ جب کو کی انسان ان تخلیقی صلاحیتوں کا کھوج لگاتا ہے اور ان صلاحیتوں سے کام لینے کی طرف متوجہ ہوتا ہے تو آفاقی قوانین منکشف ہو جاتے ہیں لیکن المیہ یہ ہے کہ انسان نے اپنے اوپر عصبیت جہالت اور خود غرضی کی چادر اوڑھ لی ہے اور وہ روز بروزر وشنی سے محروم ہورہا ہے۔

بياريان دوطرح کې هو تې بين:

ا۔ چھوٹے اور اندھیرے گھروں میں رہائش، دفتروں میں غیر صحت مند ماحول اور ناموافق آب و ہوا جسم کو بیاریوں کی آماجگاہ بنادیتی ہے۔

۲۔ وہ بیاریاں جو شک بے یقینی اور وسوسوں سے پیدا ہوتی ہیں یعنی جذباتی رویہ پراگندہ ذہنی دماغی کشکش اعصابی کشاکش مادیت پر ستی عدم تحفظ کااحساس انتشار اور روحانی علوم سے عدم واقفیت نئے نئے امراض کاسب ہے۔

ر نگوں میں ایسی شفا بخش خاصیت موجود ہے جو دونوں طرح کے مریضوں کو صحت فراہم کرتی ہے۔ رنگ ہمارے اذہان ہمارے اندورکے اندھیرے اور ہمارے جسم کی کثافتیں ختم کرنے کاذریعہ ہیں۔

ہماری روح روشنیوں کا ایک ایبا منبع ہے جس سے ہمہ وقت رنگین روشنیاں نکلتی رہتی ہیں۔ یہ روشنیاں جسم کو سیر اب کرتی ہیں اور انہی روشنیوں کی وجہ سے جسم اور اس کے تمام اعضاء اپنے معینہ افعال بحسن و خوبی انجام دیتے ہیں۔

## www.ksars.or

### باب نمبر ۲۔

#### روشنی اور رنگ

تعارف

روشنی ایک برقی مقناطیسی توانائی ہے۔ سائنسی نقطہ نظر سے روشنی کا بنیادی ذرہ فوٹان (Photon) ہے۔ روشنی ہر قشم کی شفاف اشیاء میں سے اور خلاء میں سے گزر سکتی ہے۔ سفر کرنے کے لئے اسے کسی وسیلے کی ضرورت نہیں پڑتی۔

رنگ کے بارے میں مختلف نظریات ہیں۔روشی دراصل مختلف ارتعاشات اور طول موج کا مجموعہ ہے۔ روشیٰ کی ایک خاص طول موج کا آنکھ کے پردے اور دماغ پر محسوس ہونا رنگ ہے۔

### طيف

۱۹۱۹ء میں سر آئزک نیوٹن نے کشش ثقل کا اصول اور رنگ کا نظریہ پیش کیا۔اس نظریہ کے مطابق سفید روشنی یا سورج کی شعاعیں جب منشور (Prism) سے گزرتی ہیں تو جن لہروں کے مجموعہ سے وہ تشکیل پاتی ہیں وہ اپنے الگ الگ تموج کے لحاظ سے منقسم ہو جاتی ہیں اور ہم اس تقسیم کو سات رنگ کی صورت میں و کیھ لیتے ہیں۔ باتی سب رنگ انہی رنگوں کے شیرز (Shades) ہیں۔ روشنی کی تقسیم سے پیدا شدہ اس دھنک نما رنگ برنگ پی کو طیف (Spectrum) کہتے ہیں۔ طیف کے رنگوں کو ان کے طول موج کے مطابق درجہ دیا جاتا ہے۔ طیف پر نظر آنے والے رنگ سرخ نارنجی زرد سبز آسانی نیلا اور بنفشی ہیں۔ ہماری آئھیں زرد اور سبز رنگ کے طول موج پر زیادہ شدت سے پڑتی ہیں۔ دلچیپ بات یہ ہے کہ سورج کی شعاعیں بھی زرد اور سبز رنگ کے طول موج پر زیادہ شدت سے پڑتی ہیں۔

طیف پر جو رنگ ہمیں نظر آتے ہیں وہ دراصل طیف کا صرف مرکی حصہ ہے۔ اس کو مرکی طیف (Visible Spectrum) کہتے ہیں۔ وہ اہریں جن کا طول موج بنفثی رنگ کے طول موج (380



اسی طرح وہ لہریں جن کا طول موج سرخ رنگ کے طول موج (mu780) سے زیادہ ہوتا ہے وہ بھی ہم نہیں دکھ سکتے۔مثلاً زیریں سرخ (Infra Red) اور مائیکرو ویو وغیرہ۔

یہ ضروری نہیں ہے کہ ہر آدمی لازماً مرئی طیف کے سات رنگوں کے علاوہ دوسرے رنگ نہیں دیکھ سکتا۔ ہو سکتا ہے کہ کچھ افراد طیف کی دوسری لہروں کو بھی دیکھ سکتا ہوں۔

## رنگ اور بصارتی نظام

ہم رنگ کو کیسے دیکھتے ہیں۔اس کے بارے میں مختلف نظریات ہیں۔عام طور پر جس نظریہ کو قبول کیا جا رہا ہے وہ کلاسیکل تھیوری (Classical Theory) ہے۔

کلاسیکل تھیوری ماہر علم طبعیات یا نگ (Young) اور ماہر علم الاعضاء ہیلم ہولٹز (Helm Holtz) نے پیش کی۔اس کو یانگ ہیلم ہولٹز تھیوری بھی کہا جاتا ہے۔یہ دونوں سائنسدان اس بات سے متاثر ہوئے کہ تین رنگ دوسرے تمام رنگوں کے مرکب بنانے کے لئے کافی ہوتے ہیں۔

اس نظریہ کے مطابق آنکھ کے پردے پر تین قسم کے کونز (Cones) ہوتے ہیں۔ایک کون سرخ رنگ، دوسرا کون زرد رنگ اور تیسرا کون آسانی رنگ کے طول موج کے لئے حساس ہوتا ہے۔اب جس رنگ کا طول موج دماغ کے پردے سے گراتا ہے وہ متعلقہ کون کو متحرک کر دیتا ہے۔جس کی وجہ سے ہم وہ رنگ دکھے لیتے ہیں۔دوسرے تمام رنگ دو یا تینوں کونز کے متحرک ہونے سے نظر آتے ہیں۔مثلاً بنفشی رنگ کا طول موج ان دو کونز کو متحرک کرتا ہے جو کہ سرخ اور آسانی رنگ کے طول موج کے لئے حساس ہوتے ہیں۔ان دونوں کونز کے متحرک ہونے سے ہمیں بنفشی رنگ نظر آتا ہے۔

# www.ksars.o

### رنگ کیوں نظر آتے ہیں

رنگ دراصل روشنی کی وہ خاصیت ہے جو اندھیرے سے مل کر بنتی ہے۔کسی شئے (Object) کا رنگ ہمیں کالا اس لئے نظر آتا ہے کہ وہ شئے روشنی کی تمام لہروں کو جذب کر لیتی ہے۔کسی شئے کا رنگ ہمیں سفید اس لئے نظر آتا ہے کہ وہ شئے روشنیوں کی تمام لہروں کو منعکس کر رہی ہے۔ہم سرخ رنگ اسی وقت دیکھتے ہیں جب کوئی شئے سرخ رنگ کے علاوہ طیف کے دیگر تمام رنگوں کو جذب کر لے۔یہی صورت حال دوسرے رنگوں کی ہے۔

رنگ کیوں ہیں، کیسے بنتے ہیں، بنیادی رنگ کیا ہے؟ ابھی تک بالکل واضح صور تحال سامنے نہیں آئی۔ پھ لوگ بنیادی رنگ چار بتاتے ہیں کچھ لوگ بنیادی رنگ تین مانتے ہیں۔ایک گروہ کالے رنگ کو اصل رنگ کہتا ہے، قلندر بابا اولیاءؓ آسانی رنگ کو اصل قرار دیتے ہیں۔

## رنگوں کی روحانی تھیوری

عظیم روحانی سائنس دان حضور قلندر بابا اولیائهٔ فرماتے ہیں کہ

انیان اب تک رنگوں کی تقریباً ۲۰ قسمیں دریافت کر چکا ہے لیکن ان ساٹھ رنگوں میں امتیاز بہت ہی زیادہ تیز نگاہ رکھنے والے کر سکتے ہیں۔ نگاہ جس چیز کو محسوس کرتی ہے انسان اس کو رنگ روشنی جواہرات اور آخر میں پانی کا نام دیتا ہے۔آدمی جب خلاء میں دیکھتا ہے اور خلاء سے گرا کر نظر واپس دماغ کی اسکرین پر آتی ہے اور دماغ پر جو تاثر ہوتا ہے وہ تاثر آسانی رنگ نظر آتا ہے۔

بارش کے بعد جب فضا گرد و غبار سے صاف ہو جاتی ہے تو آسانی رنگ کی شعاعیں اپنے مقام کے اعتبار سے رنگ بدلتی ہیں۔ یہاں مقام سے مراد وہ فضا ہے جس کو انسان بلندی پستی وسعت اور زمین سے قربت یا دوری کا نام دیتا ہے۔ یہی حالات آسانی رنگ کو ہلکا گہرا اور زیادہ گہرا، زیادہ ہلکا یہاں تک کہ مختلف رنگوں میں تبدیل کر دیتے ہیں۔ صد نگاہ سے زمین کی طرف لوٹیے تو آسانی رنگ کی لاتعداد رنگین شعاعیں ملیں گی۔ یہاں اس لفظ رنگ کو قشم کہا جا سکتا ہے۔ دراصل قشم ہی وہ چیز ہے جو ہماری نگاہوں



میں رنگ کہلاتی ہے۔ یعنی رنگ کی قشمیں صرف رنگ ہی نہیں بلکہ رنگ کے ساتھ فضا میں اور بہت سی چیزیں ملی ہوئی ہیں۔ جو اس میں تبدیلی پیدا کر دیتی ہیں۔ رنگ کا جو منظر ہمیں نظر آتا ہے اس میں روشنی آسیجن گیس نائٹروجن گیس اور قدرے دیگر گیسیں (Gases) بھی شامل ہیں۔ ان گیسوں کے علاوہ کچھ سائے (Shades) بھی ہوتے ہیں یا دبیز، کچھ اور اجزاء بھی اسی طرح آسانی رنگ میں شامل ہو جاتے ہیں۔ ان ہی اجزاء کو ہم مختلف قشمیں کہتے ہیں یا مختلف رنگوں کا نام دیتے ہیں لیکن ہمیں سے نہیں بی مختلف مشمیں کہتے ہیں یا مختلف رنگوں کا نام دیتے ہیں لیکن ہمیں بیہ نہیں بھولنا چاہئے کہ ان میں ملکے اور دبیز سابوں کو بڑی اہمیت حاصل ہے۔

جس فضا سے ہمیں رنگ کا فرق نظر آتا ہے اس فضا میں نگاہ اور حد نگاہ کے درمیان باوجود مطلع صاف ہونے کے بہت کچھ موجود ہوتا ہے۔

روشنیوں کا سرچشمہ کیا ہے۔اس کا بالکل صحیح علم انسان کو نہیں ہے۔قوس و قزح کا جو فاصلہ بیان کیا جاتا ہے وہ زمین سے تقریباً نو کروڑ میل ہے۔اس کا مطلب یہ ہوا کہ جو رنگ ہمیں اتنے قریب نظر آتے ہیں وہ نو کروڑ میل کے فاصلے پر ہیں۔اب یہ سمجھنا مشکل کام ہے کہ سورج کے اور زمین کے درمیان علاوہ کرنوں کے اور کیا کیا چیزیں موجود ہیں جو فضا میں تحلیل ہوتی رہتی ہیں۔جو کرنیں سورج سے ہم تک منتقل ہوتی رہتی ہیں۔جو کرنیں سورج سے ہم تک منتقل ہوتی رہتی ہیں ان کا چھوٹے سے چھوٹا جزو فوٹان (Photon) کہلاتا ہے۔

تصوف میں فوٹان کو جو نام دیا گیا ہے وہ ''عارض'' ہے۔عارض کے معنی فوٹان پورے نہیں کرتا مگر مثال کے لئے مجبوراً فوٹان کا نام استعال کیا گیا ہے۔عارض کے خواص میں سے ایک خاصیت یہ بھی ہے کہ اس میں ڈاکیمینش نہیں ہوتے اور وہ اسے تیز رفتار ہوتے ہیں کہ جہاں سے روانہ ہوتے ہیں پل بھر میں کائنات کا چکر لگا کر واپس وہیں آ جاتے ہیں۔ فوٹان کے بارے میں کچھ نہیں کہا جا سکتا کہ سائنس وائوں نے کیا فیصلہ کیا ہے مگر عارض کے بارے میں یہ بات یقینی ہے کہ وہ جس جگہ سے جس پل چلتا ہے کیا فیصلہ کیا ہے مگر عارض کے بارے میں یہ بات یقینی ہے کہ وہ جس جگہ سے جس پل چلتا ہے اس پل کائنات کا دورہ پورا کر کے اپنی جگہ پہنے جاتا ہے۔عارض کی تعداد سے پوری کائنات بھری پڑی ہے۔عارض میں چونکہ Dimensions نہیں ہوتے اس لئے جب یہ کرنوں کی شکل میں پھلتے ہیں تو نہ ایک دوسرے سے شکراتے ہیں اور نہ ایک دوسرے کی جگہ لیتے ہیں۔

دوسرے رنگ کو پھر سمجھیں۔



29

فضا میں جس قدر عناصر موجود ہیں ان میں سے کسی عضر سے عارض کا گراؤ ہی دراصل اسپیس (Space) ہے۔

فضا کیا ہے؟ رنگوں کی تقسیم ہے۔رنگوں کی تقسیم جس طرح ہوتی ہے وہ اکیلے عارض کی رو سے نہیں ہوتی بلکہ ان حلقوں سے ہوتی ہے جو عارض سے بنتے ہیں۔جب عارض ان حلقوں سے کراتے ہیں تو اسپیس (Space) یا رنگ وغیرہ کئی چیزیں بن جاتی ہیں۔

سوال پیدا ہوتا ہے کہ کرنول میں بیہ طلقے کیسے پڑے؟

ہمیں یے تو علم ہے کہ ہمارے کہکشانی نظام میں بہت سے اسار یعنی سورج ہیں۔وہ کہیں نہ کہیں سے روشنی لاتے ہیں ان کا درمیانی فاصلہ کم از کم پانچ نوری سال بتایا جاتا ہے۔جہاں ان کی روشنیاں آپس میں عکراتی ہیں وہ روشنیاں چونکہ قسموں پر مشمل ہیں اس لئے حلقے بنا دیتی ہیں۔ جیسے ہماری زمین یا دوسرے سیارے۔اس کا مطلب یے ہوا کہ سورج سے یا کسی اور اسار(Star) سے جن کی تعداد ہمارے کہشانی نظام میں ۲(دو) کھرب بتائی جاتی ہے اور جن کی روشنیاں سکھوں کی تعداد پر مشمل ہیں، جہاں ان روشنیوں کا عکراؤ ہوتا ہے وہیں ایک حلقہ بن جاتا ہے جسے سیارہ کہتے ہیں۔

آدمی سب سے پہلے آسانی رنگ کا مخلوط لینی بہت سے ملے ہوئے رنگوں کو اپنے بالوں اور سر میں قبول کرتا ہے اور اس رنگ کا مخلوط پیوست ہوتا رہتا ہے۔ یہاں تک کہ جتنے خیالات، کیفیات اور محسوسات وغیرہ اس مخلوط سے اس کے دماغ کو متاثر کرتے ہیں وہ اتنا ہی متاثر ہوتا ہے۔

دماغ میں کھربوں خانے ہوتے ہیں اور ان میں سے برقی رو گزرتی رہتی ہے۔ اس برقی رو کے ذریعہ خیالات شعور اور تحت الشعور سے گزرتے رہتے ہیں اور اس سے بہت زیادہ لاشعور میں۔ دماغ میں مخلوط آسانی رنگ آنے سے اور پیوست ہونے سے خیالات، کیفیات، محسوسات وغیرہ برابر بدلتے رہتے ہیں۔ اس کی نوعیت یہ ہوتی ہے کہ اس رنگ کے سائے بلکے بھاری لیعنی طرح طرح سے اپنا اثر کم و بیش پیدا کرتے ہیں اور فوراً اپنی جگہ چھوڑ دیتے ہیں تا کہ دوسرے سائے ان کی جگہ لے سکیں۔ بہت سے سائے جو جگہ چھوڑ دیتے ہیں اس لئے کہ وہ گہرے ہوتے ہیں، ان کے علاوہ بہت سے خیالات کی صورتیں منتشر ہو جاتی ہیں۔ رفتہ رفتہ انسان ان خیالات کو ملانا سکھ لیتا ہے۔ ان میں سے جن خیالات کی صورتیں منتشر ہو جاتی ہیں۔ رفتہ رفتہ انسان ان خیالات کو ملانا سکھ لیتا ہے۔ ان میں سے جن



خیالات کو بالکل کاف دیتا ہے وہ حذف ہو جاتے ہیں اور جو جذب کر لیتا ہے وہ عمل بن جاتے ہیں۔ انہی سایوں کے ذریعہ انسان رنج و راحت حاصل کرتا ہے کبھی وہ رنجیدہ اور بہت رنجیدہ ہو جاتا ہے، کبھی وہ خوش اور بہت خوش ہو جاتا ہے۔ یہ سائے جس قدر جسم سے خارج ہو سکتے ہیں ہو جاتے ہیں لیکن جتنے جسم کے اندر پیوست ہو جاتے ہیں وہ اعصابی نظام بن جاتے ہیں۔

آدمی دو پیروں سے چلتا ہے اس لئے سب سے پہلے ان سابوں کا اثر اس کا دماغ قبول کرتا ہے۔دماغ کی چند حرکات معین ہیں جن سے وہ اعصابی نظام میں کام لیتا ہے۔ سر کا پچھلا حصہ یعنی ام الدماغ اور حرام مغز اس اعصابی نظام میں خاص کام کرتا ہے۔رنج و خوشی دونوں سے اعصابی نظام متاثر ہوتا ہے۔رنج و خوشی دراصل بجلی کی ایک رو ہے جو دماغ سے داخل ہو کر تمام اعصاب میں سا جاتی ہے۔ یہ لہریں دو پیروں سے چلنے والے جانور کے دماغ میں داخل ہوتی ہیں۔ان لہروں کا وزن، تجزید، فضا میں ہر جگه بالکل یکساں نہیں ہوتا بلکہ جگہ جگہ تقسیم ہوتا ہے اور اس تقسیم کاری میں دماغ کچھ سائے زیادہ جذب کرتا ہے اور کچھ سائے کم۔انسان کے دماغ میں لاشار خلئے (Cells) بھی کام کرتے ہیں۔ یہ ضروری نہیں ہے کہ ان لاشار خلیوں میں سائے کی لہریں جو فضا سے بنتی ہیں وہ اپنے اثرات کو برقرار رکھیں۔ مجھی ان کے اثرات بہت کم رہ جاتے ہیں اور مجھی ان کے اثرات بالکل نہیں رہتے لیکن پیر واضح رہے کہ بیہ تمام خلئے جو دماغ سے تعلق رکھتے ہیں کسی وقت خالی نہیں رہتے تجھی ان کا رخ ہوا کی طرف زیادہ ہو جاتا ہے تجھی یانی کی طرف کبھی غذا کی طرف اور مجھی تنہا روشنی کی طرف۔اس روشنی سے رنگ اور رنگ کی ملاوٹی شکلیں بنتی ہیں اور خرچ ہوتی رہتی ہیں۔اگر انسان دماغ سے کام لے تو چیرہ پر طرح طرح کے رنگ نظر آتے ہیں۔ان رنگوں میں سب سے نمایاں رنگ آنکھوں کا رنگ اور حواس کی رو کا رنگ ہوتا ہے۔اگرجیہ آئھیں بھی حواس میں شامل ہیں لیکن ہی ان چیزوں کا جو باہر سے دیکھتی ہیں زیادہ اثر قبول کرتی ہیں۔ بہت سے باہر کے عکس آنکھوں کے ذریعہ اندرونی دماغ کو متاثر کرتے ہیں۔اس کی شکل یہ ہوتی ہے کہ حواس تازه ہو جاتے ہیں یا افسردہ کمزور ہو جاتے ہیں یا طاقتور۔

انہی باتوں پر دماغی کام کا انحصار ہے۔رفتہ رفتہ یہ کام اعصاب میں سرایت کر جاتا ہے جو صیحے بھی کام کرتا ہے اور غلط بھی۔



دماغی لہروں سے چہرہ پر اتنے زیادہ اثرات آ جاتے ہیں کہ ان سب کا پڑھنا مشکل ہے پھر بھی ایک فلم چہرہ میں چلتی رہتی ہے جو اعصاب میں منتقل ہونے والے تاثرات کا پتہ دیتی ہے۔

### وهنک رنگ

جیسے کہ پہلے بتایا گیا ہے کہ رنگوں کی تعداد بہت زیادہ ہے اور ان کی افادیت بھی زیادہ ہے۔ہم یہاں دھنگ کے سات رنگوں کو سمجھنے کی کوشش کرتے ہیں۔

## آسانی رنگ



نہیں ہو گا۔خلیوں کی بیہ فضا توہات کہلا سکتی ہے یا خیالات یا محسوسات۔ بیہ توہاتی فضا دماغی ریشوں میں سرایت کر جاتی ہے ایسے ریشے جو باریک ترین ہیں۔

خون کی گردش رفتار ان میں تیز تر ہوتی ہے۔اس گردش رفتار کا نام انسان ہے۔خون کی نوعیت اب تک جو کچھ سمجھی گئی ہے۔ فی الواقع اس سے کافی حد تک مختلف ہے۔آسانی فضا سے جو تاثرات دماغ کے اوپر مرتب ہوتے ہیں وہ ایک بہاؤ کی شکل اختیار کر لیتے ہیں اور حقیقت میں ان کو توہات یا خیالات کے سوا اور کوئی نام نہیں دیا جا سکتا۔جب آسانی رنگ کی فضا خون کی رو بن جاتی ہے تو اس کے اندر وہ طقے کام کرتے ہیں جو دوسرے ساروں سے آئے ہیں۔وہ طقے چھوٹے سے چھوٹے ہوتے ہیں اس قدر چھوٹے کہ کسی مادی ذریعہ سے انہیں نہیں دیکھا جا سکتا۔لیکن ان کے تاثرات عمل کی صورت اختیار کر لیتے ہیں۔ اعصاب میں وہی حرکات بنتے ہیں اور انہی کی زیادتی یا کمی اعصابی نظام میں خلل پیدا کرتی ہے۔

یبیں سے رگوں کا فرق شروع ہوتا ہے۔ ہاکا آسانی رنگ بہت ہی کرور قسم کا وہم پیدا کرتا ہے۔ یہ وہم دماغی فضا میں تحلیل ہو جاتا ہے۔ اس طرح کہ ایک خلیہ میں در جنوں آسانی رنگ کے عکس (Shadow) ہوتے ہیں۔ یہ عکس الگ الگ تاثرات رکھتے ہیں۔ وہم کی پہلی رو خاص کر بہت ہی کمزور ہوتی ہے۔ جب یہ رو دو یا دو سے زیادہ چھ تک ہو جاتی ہے تو اس وقت ذہن اپنے اندر وہم کو محسوس کرنے لگتا ہے۔ یہ وہم اتنا طاقتور ہوتا ہے کہ اگر جنبش نہ کرے اور ایک جگہ مرکوز رہے تو آدمی نہایت تندرست رہتا ہے۔ اسے کوئی اعصابی کمزوری نہیں ہوتی بلکہ اس کے اعصاب صحیح سمت میں کام کرتے ہیں۔ اس رو کا اندازہ بہت ہی شاذ ہوتا ہے۔ اگر یہ رو کسی ایک ذرہ پر یا کسی ایک سمت میں یا کسی ایک رخ پر مرکوز ہو جائے اور تھوڑی دیر بھی مرکوز رہے تو دور دراز تک اپنے اثرات مرتب کرتی ہے۔

اس رو کا پہلا اثر دماغ پر ہوتا ہے۔جہاں سے ام الدماغ کے ذریعہ اسپائنل کارڈ میں سرایت کر جاتا ہے اور باریک ترین ریشوں میں تقسیم ہو جاتا ہے۔اس تصرف یا تقسیم سے حواس بنتے ہیں۔حواس میں سب سے پہلی حس نگاہ ہے، آنکھ کی بیٹی پر جب کوئی عکس پڑتا ہے تو وہ دماغ کے باریک ترین ریشوں میں سنسناہٹ پیدا کر دیتا ہے یہ ایک مستقل برتی رو ہے۔اگر اس کا رخ صیحے ہے تو آدمی بالکل صحت مند ہے۔اگر اس کا رخ صیحے نہیں ہے تو دماغ کی فضا کا رنگ گہرا ہوتا چلا جاتا ہے یہاں تک کہ دماغ میں کمزوری پیدا ہو



جاتی ہے اور اعصاب اس رنگ کے پریشر کو برداشت نہیں کر سکتے۔آخر میں یہ رنگ اتنا گہرا ہو جاتا ہے کہ اس میں تبدیلیاں واقع ہو جاتی ہیں۔مثلاً آسانی رنگ سے نیلا رنگ بن جاتا ہے۔یہ بات یاد رکھنی چاہئے کہ درمیان میں جو مرحلے پڑتے ہیں وہ بے اثر نہیں ہیں۔سب سے پہلے مرحلے رونما ہوتے رہتے ہیں رنگ گہرا ہو جاتا ہے اور وہم کی قوتیں بڑھ جاتی ہیں۔باریک ترین ریشے بھی اس تصرف کا اثر قبول کرتے ہیں۔اب کیفیت مختلف اعصاب میں مختلف شکلیں پیدا کر دیتی ہے۔باریک اعصاب میں بہت ہلکی اور معمولی اور تنومند اعصاب میں مضبوط اور طاقتور۔اسی طرح یہ مرحلے گہرے نیلے رنگ میں تبدیلیاں شروع کر دیتے ہیں۔

### نیلا رنگ

نیلا رنگ دو طرح کا ہوتا ہے بکا نیلا اور گہرا نیلا۔ سب سے پہلے بلکے نیلے رنگ کا اثر دمافی خلیوں پر ہوتا ہے۔ اگرچہ دمافی خلیوں کا رنگ بکا نیلا الگ الگ ہوتا ہے لیکن ان خلیوں کی دیواریں بلکی اور موٹی ہوتی ہیں۔ پھر ان میں رنگوں کو چھانے کے اثرات بھی موجود ہوتے ہیں۔ ایک خلیہ جب اپنے بلکے نیلے رنگ کو چھانا ہے تو اس رنگ میں تبدیلی واقع ہوتی ہے۔ اس طرح لاکھوں خلیے مل کر اپنا تصرف کرتے ہیں جس سے شخیل بن جاتا ہے اور اس شخیل کا عملی مظاہرہ ہو جاتا ہے۔ بھی بھی ان خلیوں کا رنگ اتنا تبدیل ہو جاتا ہے کہ نگاہ انہیں بالکل سرخ سبز زرد وغیرہ رنگوں میں دیکھنے گئی ہے۔ اس لئے کہ باہر سے جو روشنیاں جاتی ہیں ان میں اسپیس (Space) نہیں ہوتا بلکہ خلیوں کے تفرف سے اسپیس (Space) بنتا ہے۔ خلیوں کا تصرف جب اسپیس بناتا ہے تو آئھوں کے ذریعہ باہر سے جانے والی کرنوں کو الٹ پلٹ کر دیتا ہے نتیجہ میں رنگوں کی تبدیلیاں یہاں تک واقع ہوتی ہیں کہ وہ ساٹھ تک گئے جا سکتے ہیں۔ کر دیتا ہے نتیجہ میں رنگوں کی تبدیلیاں یہاں تک واقع ہوتی ہیں کہ وہ ساٹھ تک گئے جا سکتے ہیں۔ دراصل رنگ ہی حواس بناتے ہیں۔

آسانی رنگ خلیوں میں ان کی بساط کے مطابق عمل کرتا ہے۔آسانی رنگ جو فی الواقع ایک برقی رو ہے دماغی خلیوں میں آنے کے بعد اسپیس بن جاتا ہے۔آئھ کے پردے پر جو عمل ہوتا ہے اس سے مختلف



شکلیں نظر آتی ہیں۔ یہ خلیوں کے اندر بہنے والی رو کا تصرف ہے۔ آنکھ کی حس جس قدر تیز ہوتی ہے اتنا ہی رو میں امتیاز کر علتی ہے۔

اس تصرف سے ہی رنگ تبدیل ہو کر سبز ہو جاتے ہیں، زرد ہو جاتے ہیں، نارنجی ہو جاتے ہیں وغیرہ وغیرہ اور کتنے ہی رنگ بدل جاتے ہیں۔ مفہوم یہ ہے کہ ہم مستقل برقی رو میں گھرے ہوئے ہیں اور یہ برقی رو دماغی خلیوں سے گزر کر جب باہر آتی ہے تو طرح طرح کے رنگ آنکھوں کے سامنے آتے ہیں۔ دیکھنے کی حس سونگھنے کی حس، سوچنے کی حس، بولنے کی حس، چھونے کی حس، بیاری اور توانائی اسی برقی رو سے عمل بنتی ہے۔

# ww.ksars.org

### باب نمبرس

#### افاديت اور خواص

#### سورج کی روشنی کے اثرات

جمادات، نباتات، حیوانات اور انسان روشنی سے متاثر ہوتے ہیں۔روشنی رنگوں پر قائم ہے۔ہر مادے سے ایک خاص قسم کی لہریں خارج ہوتی ہیں۔جب کسی دھات کو دھوپ میں رکھتے ہیں تو اس کا رنگ بدل جاتا ہے۔کسی دھات پر جلد اثر ہوتا ہے تو کچھ دھاتیں دیر سے اثر قبول کرتی ہیں۔ پچھ عرصہ کے بعد سونے (Gold) کا رنگ بھی تبدیل ہو اجتا ہے۔

ہر جاندار کی جان روشنی کے غلاف میں بند ہے۔روشنی ہماری صحت پر گہرے اثرات مرتب کرتی ہے۔

سورج کی روشی شعور سے گرا کر سات رنگوں میں بھر جاتی ہے۔ہر شخص اپنی افتاد طبیعت کے مطابق رنگوں کو تخریب یا تعمیر میں استعال کرتا ہے۔ تخریب میں استعال کرنے سے روشی میں ایسا زہر پیدا ہو جاتا ہے۔جو تعمیر کے لئے دیوار بن جاتا ہے اور حیات بخش اثرات تباہ ہو جاتے ہیں۔ سرخ رنگ اور اس سے ملتے جلتے رنگ مسکن ہیں۔ہر رنگ سے ملتے جلتے قریب کے رنگ بیجان پیدا کرتے ہیں۔ نیلا اور اس سے ملتے جلتے رنگ مسکن ہیں۔ہر رنگ کے کئی شیرز (Shades) ہوتے ہیں جو مختلف تموج (Wave Lenghts) سے پیدا ہوتے ہیں۔روشن کے کئی شیرز (تر کیمیاوی تبدیلیاں پیدا ہوتی ہیں۔اگر روشن کی ماہیت میں تبدیلی ہو جائے تو کیفیت میں بھی تبدیلی ہو جائے تو کیفیت میں بھی حبر بی ہو جاتے ہو کیفیت میں بھی

انسانی تاریخ میں دریافت ہونے والے علاجوں میں رنگوں کے علاج سے شفایابی کا تناسب زیادہ ہے۔اس علاج سے مریض کے اوپر بار بھی کم پڑتا ہے۔آپریشن کرنا اگر ناگزیر ہے تو آپریشن سے پہلے یا آپریشن کے بعد رنگوں کے استعال سے آپریشن میں نمایاں کامیابی ہوتی ہے۔ول کے امراض دمہ موسی بخار نمونیہ آشوب چیثم اور آنکھوں کے دیگر امراض میں رنگین طریقۂ علاج بہترین ہے۔

منہ بند پھوڑوں (Carbuncles) کا علاج دوسرے طریقوں کے مقابلہ میں زیادہ آسان ہے۔



www.ksars.or

ایک عورت جس کا کاربنکل سر کے پچھلے حصہ سے گردن کے پنچ کمر تک پھیلا ہوا تھا۔ دس بہترین ڈاکٹروں کے زیر علاج رہی۔ مایوس ہو کر اس نے رنگ سے علاج شروع کیا مسکن ادویات کی ضرورت نہیں رہی اور چند ہفتوں میں وہ بالکل ٹھیک ہو گئی۔

جلنے کی صورت میں رنگوں سے علاج ہر معالج کو تحقیق کی دعوت دیتا ہے۔ جلے ہوئے عضو میں سوزش بیں سے تیس منٹ میں ختم ہو جاتی ہے۔

اندھرے میں رہنے اور کام کرنے والوں میں خون کے سرخ ذرات کی کمی واقع ہو جاتی ہے اور سورج کی روشنی کم روشنی میں رہنے والوں میں ہے ذرات بڑھ جاتے ہیں۔سال کے تین مہینوں میں سورج کی روشنی کم ہوتی ہے۔ ان میں میعادی بخار انفلوا ننزا اور سینہ کی بیاریاں بڑھ جاتی ہیں۔سورج کی روشنی میں شامل رگوں کا اثر عام صحت پر عجیب و غریب ہوتا ہے۔درد بخار اور ٹھنڈ لگنے کا احساس ختم ہو جاتا ہے۔ہیمو گلوبن کا اثر عام صحت پر عجیب و غریب ہوتا ہے۔درد بخار اور ٹھنڈ لگنے کا احساس ختم ہو جاتا ہے۔ہیمو گلوبن روشنی جسم میں سرایت کر کے جراثیم کو مارتی ہے اور درد کو آرام پہنچاتی ہے۔وٹامن ڈی (-Vitamin) کا بڑوں میں ہڑیوں کی بیانے میں مدد دیتی ہے جو خون میں کیائیم کی مقدار کو متوازن رکھتی ہے اور اس طرح بچوں اور بڑوں میں ہڑیوں کی بیاریوں کی روک تھام کرتی ہے۔سورج کی روشنی زخموں کے مواد کو خارج کرتی ہے جسم میں جذب ہو کر اس کو قدرتی ذرائع سے خارج کرنے میں مدد دیتی ہے۔ یک عمل جوڑوں، پھیپھڑوں اور بیٹ کے جوف میں یانی زیادہ ہونے کی صورت میں بھی ہوتا ہے۔

سورج کی روشنی قلب اور اعضائے رئیسہ کو تقویت پہنچاتی ہے۔ جسم کی حرارت میں اضافہ کرتی ہے، پسینہ زیادہ آتا ہے اور جسم کی کثافت خارج ہو جاتی ہے۔ سورج کی روشنی اعصابی نظام کو بہتر بنا کر بھوک بڑھاتی ہے۔ ذہنی صلاحیت بہتر کرتی ہے اور اچھی نیند کی ضامن ہے۔

تپ دق کا علاج بھی سورج کی شعاعوں سے ہوتا ہے۔ پہلے روز مریض کے صرف دونوں پیر پانچ منٹ تک دھوپ میں کھلے رکھے جاتے ہیں۔ یہ عمل دن میں دو یا تین بار دہرایا جاتا ہے۔ دوسرے روز دس منٹ پھر ٹائلیں یہاں تک کہ پورا جسم دن بھر میں تین سے چھ گھنٹے تک دھوپ میں کھلا رکھا جاتا ہے۔



www.ksars.or

ہر چیز کی زیادتی چاہے وہ کتنی ہی مفید کیوں نہ ہو خرابی پیدا کرتی ہے۔چنانچہ سورج کی روشنی کی افادیت بھی اس وقت تک برقرار رہتی ہے جب تک جسم فرحت اور قوت محسوس کرتا ہے۔

شمسی توانائی میں بالائے بنفشی عضر ان مقامات میں زیادہ ہوتا ہے جہاں سورج کی روشنی براہ راست زمین پر پہنچے۔سورج کی روشنی جب زمین تک پہنچی ہے تو زمین کے ارد گرد اوزون کا غلاف (Ozone Layer) بالائے بنفشی اہروں کو منعکس کر کے ان کو زمین تک پہنچنے سے روک دیتا ہے۔اوزون کا غلاف اگر ٹھیک ہے تو زمین تک پہنچنے والی سورج کی روشنی میں شامل بالائے بنفشی اہروں میں اعتدال رہتا ہے۔

بالائے بنفتی لہروں کا انعکاس جسم پر زیادہ ہو جائے تو کینسر ہو جاتا ہے۔ بالائے بنفتی لہروں اور انفراریڈ لہروں کو بہت اختیاط کے ساتھ استعال کرنا چاہئے۔ایکس ریز اور گاما ریز کا شار بھی انہی لہروں میں ہوتا ہے جن کو بہت زیادہ اختیاط سے استعال کرنے کی ضرورت ہے۔ایکس ریز کے زیادہ استعال سے ہڈیوں کے اندر سرخ گودا متاثر ہو جاتا ہے، ہڈیاں بھر بھری ہو جاتی ہیں۔ایکس ریز کے زیادہ استعال سے خون کا کینسر (Leukemia) ہو سکتا ہے۔ایکس ریز لہروں کی زیادہ مقدار جلد کے نیچ عضلات کو ناقابل تلافی نقصان بہنچاتی ہیں یہاں تک کہ زخم بن جاتے ہیں۔ان زخموں کو بالائے بنفشی لہروں سے ٹھیک کیا جا سکتا ہے۔

ئی وی خاص طور پر رنگین ٹی وی زیادہ نقصان دہ ہے۔ اس سے تابکاری (Radio Activity) کا اخراج ہوتا ہے۔ ٹیلی ویژن کم قوت کی ایکسرے مشین کی طرح ہے۔ رنگین ٹی وی بلیک اینڈ وہائٹ کے مقابلے میں زیادہ خطرناک ہے کیونکہ اس میں سے زیادہ طاقت کی لہیں خارج ہوتی ہیں۔ اس لئے کہا جاتا ہے کہ ٹی وی اسکرین جتنے اپنچ ہے، اتنے ہی فٹ فاصلے سے ٹی وی دیکھنا چاہئے۔

# قدرتی روشنی بمقابله مصنوعی روشنی

سائنسی تحقیق سے یہ نتائج سامنے آئے ہیں کہ نام نہاد ٹھنڈی سفید فلوریسنٹ ٹیوب لائٹ کی گلابی ماکل روشنی میں نر پودے تو خوب بڑھے لیکن مادہ پودے مرجھا گئے۔اس کے برخلاف دن کے مانند سفید بلب نے جو نیلگوں روشنی خارج کرتے ہیں مادہ پودوں کو تو خوب بڑھایا لیکن نر پودوں کو نقصان پہنچایا۔



پودوں کی افنزائش بلب کی روشنی میں جاری تو رہتی ہے لیکن پھول اتنی جلدی نہیں نکلتے جتنی قدرتی روشنی میں نکلتے ہیں۔

وہ جانور جو ٹیوب لائٹ میں رکھے گئے ان پر بھی پودوں کی طرح ردعمل ہوا۔ انہیں قدرتی ماحول میں رکھا گیا تو ان کے بچوں میں نر اور مادہ کی تعداد برابر تھی۔ جن جانوروں کو گلابی روشنی میں رکھا گیا پودوں کی طرح سب کے سب نر تھے لیکن نیلگوں روشنی میں رہنے والے جانوروں کے بیچے سارے کے سارے مادہ تھے۔

جب سے دنیا وجود میں آئی ہے زندگی قدرتی روشن میں پھل پھول رہی ہے۔سورج کی روشن سے جسم میں وٹامن ڈی بننے کا عمل جاری ہے۔روشنی آئھوں میں داخل ہو کر دیکھنے کا ذریعہ بنتی ہے۔

پولٹری انڈسٹری والے جانتے ہیں کہ روشیٰ جو چوزوں کی آنکھوں کے ذریعہ سے ان کے بلغمی غدود (Pitutary Gland) کو تحریک دیتی ہے، سے انڈول کی پیداوار میں اضافہ ہوتا ہے۔ یہ بہت ہی کام کی بات ہے۔ یہ غدود نہ صرف چوزوں میں بلکہ دوسرے جانوروں اور انسانوں میں بھی ایسا مرکزی کردار ادا کرتا ہے جو جسم کے غدودی نظام میں توازن برقرا رکھتا ہے۔

بڑھاپے میں جسم کے اندر عروق خارج کرنے والے غدود عمر میں اضافہ کے ساتھ ساتھ آہتہ کام کرنا چھوڑ دیتے ہیں۔وہ غدود جو بڑھاپے سے متاثر ہوتے ہیں تھائی رائیڈ غدود بلغی غدود ایڈرنیل غدود اور جنسی غدود ہیں۔یہ تمام غدود بالائے بنفشی لہروں اور سورج کی روشنی سے بہت زیادہ متاثر ہوتے ہیں۔

جو اشخاص اس قسم کا علاج کروا چکے ہیں وہ بے شار فوائد گنواتے ہیں۔موٹے لوگوں کا موٹاپا ختم ہو گیا اور ربلے پتلے لوگ موٹے ہو گئے۔

سردی کے زمانہ میں روشنی ترجیحی پڑتی ہے چنانچہ اس میں زیادہ قوت اور طاقت نہیں ہوتی۔ صرف جاڑے کے زمانے میں ہی روشنی کی قلت نہیں ہوتی بلکہ نوے فیصد (90%) لوگ جو دفتروں کارخانوں میں زندگی گزارتے ہیں وہ بھی روشنی کی قلت کا شکار ہوتے ہیں۔



زندگی روشن سے شروع ہوتی ہے، روشن ہی زندگی کو بر قرار رکھتی ہے اور روشن پر ہی زندگی ختم ہو جاتی ہے۔ہماری جسمانی اور ذہنی صحت کا دارومدار اس بات پر ہے کہ روشنی اور رنگوں کا توازن بر قرار رہے۔



40

# باب نمبرهم۔

#### رنگ اور صحت

ضوفشانی لہروں میں روشی حرارت اور رنگ انسانوں کی طرح جانوروں کی بافتوں (Tissues) میں بھی موثر تھر تھراہٹ سے بافتوں پر اثرات مرتب ہوتے ہیں۔

مخصوص غدود پر مخصوص رنگ اثر انداز ہوتے ہیں۔اس کی تفصیل حسب ذیل ہے۔

غدود کنگ

تلب سرخ

جگر زرد

تھائی رائیڈ گلینڈ سیلا

پھیپھڑے نارنجی

آنکھ آسانی

لبلبه

بلغم کا غدود گهرا نیلا

دماغ کے زیریں حصہ کا غدود بنفشی

تلى بىنگنى

مثانه بنفثى

نفثى بنفثى

بنفشي

بيضه دانی

ر نگوں کے ذریعے ہر اس بیاری کا علاج کیا جاتا ہے جو ابتدائے آفرینش سے اب تک انسان کو ورثہ میں ملی ہے۔

بچوں کے خون کی بیاری (Haemolytic Disease) کی وجہ سے سرخ خلیے زیادہ مقدار میں ٹوٹے گئے ہیں جس کی وجہ سے خون میں ایسے مادہ کا اضافہ ہو جاتا ہے جس کا رنگ زرد ہے۔ بچ کے خون میں اس مادے کے بڑھنے سے ان کو یرقان ہو جاتا ہے۔ اگر یہ مادہ دماغ میں پہنچ جائے تو ذہنی نشوونما متاثر ہو جاتی ہے۔ اس سے بچنے کے دو طریقے ہیں۔

ا۔ خون کی تبدیلی

ا۔ رنگ کے ذریعہ علاج

رنگ کے ذریعے علاج میں بیچے کو نیلی روشنی میں رکھا جاتا ہے۔ تجربہ میں یہ بات آئی ہے کہ نیلی روشنی اس بیاری اور اس بیاری کی پیچید گیوں کا علاج ہے۔

رنگوں کے مناسب استعال سے مریضوں میں قوت مدافعت بحال ہو جاتی ہے۔ پیدائش طور پر جب بچہ کمزور ہوتا ہے مثلاً ایک بچنڈ دو بچنڈ یا تین بچنڈ کا ہوتا ہے تو اسے Incubatorمیں آسیجن اور بنفثی رنگ میں رکھا جاتا ہے۔ جس کی وجہ سے بچہ کی نشوونما بچری ہو جاتی ہے۔

## رنگ اور غذا

سورج کی روشنی میں معدنی عناصر اور کیسس (Mineral + Gases) شامل ہیں جو انسانی غذا کا اہم جزو ہیں۔غذا ہمیں قوت اور توانائی فراہم کرتی ہے۔روشنی اور غذا دونوں کو استعال کیا جائے تو توانائی دوگنی ہو جاتی ہے۔

مثال:



مجھے (خواجہ سٹس الدین عظیمی کو) ایک روز انسپائر (Inspire) ہوا کہ سورج کی شعاعوں میں سب رنگ موجود ہیں اور ان رنگوں سے ہماری ساری غذائی ضروریات پوری ہوتی ہیں۔ سورج کی روشنی کو اپنے حیاتیاتی سٹم میں اگر ذخیرہ کر لیا جائے تو غذا کی ضرورت پوری ہو سکتی ہے۔ پروگرام کے مطابق صبح سورج کے نگلنے سے پہلے میں مشرق کی طرف منہ کر کے بیٹھ جاتا تھا اور سانس کے ذریعہ غذا کا تعین کر کے سورج کی کرنوں کو اپنے معدہ میں ذخیرہ کر لیتا تھا۔ اس کا نتیجہ یہ نکلا کہ پانی کے علاوہ کسی قتم کی غذا کی ضرورت پیش نہیں آئی اور نہ کمزوری محسوس ہوئی البتہ کھڑے ہو کر چلنے میں زیادہ لطافت محسوس ہوتی ضرورت بیش نہیں قدمی کا تاثر قائم ہوتا تھا۔ ٹھوس دیواریں کاغذ کی بنی ہوئی نظر آتی تھیں۔

سورج وٹامن ڈی کے حصول کا ایک اہم ذریعہ ہے۔ سورج کی روشنی میں وٹامن ڈی کے علاوہ دوسرے وٹامن کھی شامل ہیں اور ہر وٹامن کسی رنگ سے متعلق ہے۔

| ر نگ | ساا | وٹامن اے | f |
|------|-----|----------|---|
| ر بب | D   |          |   |

رنگ جذب کرنے کا بہترین طریقہ یہ ہے کہ رنگوں کے مطابق سبزیاں، پھل اور رس دار چیزیں زیادہ استعال کی جائیں۔ پھل اور سبزیوں میں سورج کی روشنی کا انجذاب براہ راست ہوتا ہے لیکن خوراک میں رنگوں کے تناسب کا خیال رکھنا ضروری ہے۔ بہت زیادہ پکانے اور بھوننے میں غذائیت میں موجود رنگ ضائع ہو جاتے ہیں۔

## ر نگوں کے نفسیاتی اثرات

ماہرین رنگ و روشی اپنے تجربات بیان کرتے ہیں کہ انسان کے لئے رنگ ہر لحاظ سے مفیر ہے۔ہر شعبہ زندگی میں رنگوں کے استعال سے نہایت بہتر نتائج مرتب ہوتے ہیں۔

#### مثال۔ا

فیٹری میں ملازم خواتین جب غیر حاضر رہنے لگیں اور پیداوار بہت زیادہ متاثر ہو گئ تو انتظامیہ نے ایک کلر تھراپسٹ سے رجوع کیا۔اس نے فیکٹری کا معائنہ کر کے بتایا کہ غیر حاضری کی وجہ دیواروں پر نیلا رنگ ہے۔جس کی زیادتی سے خواتین بیار ہو رہی ہیں۔

چنانچہ اس کے مشورے سے دیواروں پر ہاکا بادامی رنگ کر دیا گیا جس سے نیلی روشنیوں کا اثر معتدل ہو گیا اور کام کرنے والی خواتین حیرت انگیز طور پر ٹھیک ہو گئیں اور فیکٹری میں حاضری معمول کے مطابق ہو گئی۔

#### مثال-۲

ایک اور فیکٹری میں جب خاکستری رنگ شیشوں پر ہلکا نارنجی رنگ کر دیا گیا تو کارکنوں کے کام میں دلچین بڑھ گئی۔حادثات میں کی آ گئی۔ملازمین میں تھکن اور بددلی کا احساس ختم ہو گیا اور دہ نئے جذبے اور ولولہ سے کام کرنے گئے۔

#### مثال\_٣

ایک فیکٹری کے ریسٹ روم کی دیواریں نیلی تھیں جہاں بیٹھنے پر ملازمین سردی کی شکلیت کرتے تھے لیکن جب دیواروں پر نارنجی رنگ کر دیا گیا تو وہی لوگ گرمی کی شکلیت کرنے لگے چنانچہ ٹمپریچر (Temperature) میں کوئی فرق نہیں ہوا تھا۔

مثال۔ ہم



www.ksars.or

تجربہ کے طور پر سیلز مینوں کے ایک گروپ کے افراد کو سبز اور سرخ رنگ کے کمرے میں الگ الگ بھا دیا گیا اور ان سے گھڑیاں لے لی گئیں۔میٹنگ کے بعد جب ان سے پوچھا گیا کہ وہ کتی دیر میٹنگ میں رہے تو سرخ رنگ کے کمرے میں بیٹھنے والے شخص نے تقریباً 6 گھنٹے کا وقت بتایا جب کہ وہ لوگ اس کمرے میں صرف تین گھنٹے رہے تھے اور سبز کمرے میں بیٹھنے والے ممبران نے میٹنگ کا وقت دو گھنٹے بتایا جب کہ وہ ساڑھے چار گھنٹے اس کمرے میں رہے۔

عام لوگوں کے اندازے رنگوں کے بارے میں کسی قدر غلط ہوتے ہیں۔اس کی ایک مثال یہ ہے کہ اگر کسی شخص سے پوچھا جائے کہ گہرے رنگ والی چیز کا وزن زیادہ ہے یا ملکے رنگ والی چیز کا تو وہ گہرے رنگ والی چیز کا وزن برابر ہوتا ہے۔ایک فیکٹری میں تیار ہونے والی مصنوعات کو سیاہ رنگ کے دھاتی صندوقوں میں بند کیا جاتا تھا۔ یہ صندوق اٹھاتے ہوئے فیکٹری کے مزدور ان کے وزنی ہونے کی شکایت کرتے تھے۔فیکٹری کے فورمین نے جب ان صندوقوں پر سبز پینے کروا دیا تو مزدوروں نے ان صندوقوں کا وزن کم محسوس کیا۔

#### مثال\_۵

ر نگوں کے استعال سے اسکولوں میں تعلیمی معیار بہتر ہو جاتا ہے۔ کسی مشکل مضمون کو ر نگین فوٹو گرافک سلائیڈز کی مدد سے سمجھایا جائے تو وہ آسان اور قابل فہم بن جاتا ہے۔ سلائیڈز صرف ایک یا دو ر نگ میں ہوں تو وہ زیادہ موثر ثابت ہوتی ہیں۔ پچھ طلبہ کو بلیک اینڈ وائٹ سلائیڈز کے مقابلے میں جب سبز ر نگ کی سلائیڈز دکھائی گئیں تو طلبہ نے 40 فیصد نمبر زیادہ لئے۔دو ر نگوں سرخ اور سبز سلائیڈز بلیک اینڈ وائٹ کے مقابلہ میں نتیجہ 80 فیصد بہتر ثابت ہوا۔ تین ر نگوں سرخ سبز اور نیلے بیک گراؤنڈ والی سلائیڈز دکھانے سے 30 فیصد اضافہ ہوا۔

#### مثال\_٢

ایک کوچ اپنے تجربات میں لکھتا ہے کہ میں نے اپنے کھلاڑیوں کے لئے دو ڈرینگ روم بنا رکھے تھے۔ ایک ڈریسنگ روم کی دیواروں کا رنگ نیلا تھا۔یہ کمرہ کھلاڑیوں کے آرام کے لئے استعال ہوتا تھا جب کہ



دوسرے ڈریسنگ روم کا رنگ سرخ تھا۔ میدان میں اترنے سے پہلے ٹیم کے کھلاڑی اس کمرے میں کھیل کی حکمت عملی تیار کرتے تھے۔اس طرح سے کھیل کے میدان میں کارکردگی بہت بہتر ہو جاتی تھی۔

#### مثال\_2

ایک ریڈیو اسٹیشن کے مالک نے اپنے اسٹیشن کو خوبصورت اور جاذب نظر بنانے کے لئے سرخ ٹیوب لائٹس لگوائیں۔ دو ماہ کے اندر ملازمین اور انتظامیہ نے آپس میں لڑنا شروع کر دیا۔ سرخ ٹیوب لائٹس تبدیل کر دی گئیں تو ایک ہفتہ میں معجزاتی طور پر لوگوں میں بھائی چارے کی فضا بحال ہو گئی۔استعفے واپس لے لئے گئے اور کام کا معیار بڑھ گیا۔

#### مثال\_۸

ایک صاحب جن کا خیاطی کا بہت بڑا کاروبار تھا۔رنگوں کی افادیت کے ۱۹۲۵ء سے قائل ہیں۔

ان کو کاروں ریل گاڑیوں اور پختہ فرش سے ڈر لگتا تھا۔ایک روز انہوں نے گہرے سرخ رنگ کا کوٹ پہنا۔اس سے ان کی طبیعت میں ایسی جولانی پیدا ہوئی کہ انہوں نے ٹائیاں، واسکٹ اور زیر جامہ بھی اسی رنگ کے پہننے شروع کر دیئے۔نتیجہ یہ ہوا کہ ڈر اور خوف سے انہیں نجات مل گئی۔

آج کے ترقی یافتہ دور میں مردوں نے بھی رنگین لباس پہنے شروع کر دیئے ہیں۔جو مرد حضرات ماہرین کے مشوروں سے اپنا لباس منتخب کراتے ہیں ان کا کہنا ہے کہ رنگین کپڑوں سے انسان کی زندگی میں تبدیلی آ جاتی ہے۔ بے شار خواتین و حضرات کا تجربہ ہے کہ رنگ کی دنیا میں داخل ہو کر وہ زیادہ پر اعتماد ہو گئے ہیں۔ بہتر ملازمت حاصل کر چکے ہیں۔ حلقہ احباب بڑھ گیا ہے اور طلاق کا تناسب کم ہو گیا ہے۔

بے چینی، بے سکونی اور انتشار کی موجودہ دنیا میں رنگوں سے استفادہ کرنے کی جتنی ضرورت آج ہے، تاریخ میں اس سے پہلے تبھی نہیں تھی۔

موافق رنگوں کے استعال سے شخصیت میں نہ صرف وقار اور کشش میں اضافہ ہوتا ہے بلکہ ذہنی طور پر بھی خوش گوار تبدیلیاں پیدا ہوتی ہیں۔سیاہ اور بھورا رنگ جو مایوسی اور افسردگی کی علامت ہے اس کی جگہ



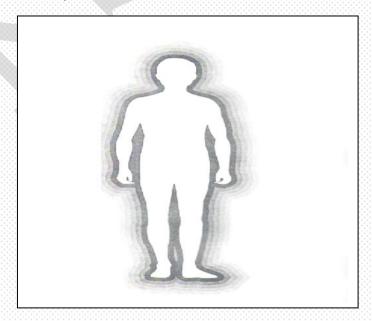
دفتروں گھروں ملبوسات اور الیی جگہوں پر جہاں لوگ زیادہ سے زیادہ وقت گزارتے ہیں ایسے رنگ استعال کرنے چاہئیں جن سے خود اعتادی حاصل ہوتی ہے اور روحانی سکون ملتا ہے۔

# جسم مثالي

جسم میں توانائی کے مراکز ہر جگہ موجود نہیں ہیں لیکن توانائی سر سے پیر تک دور کرتی رہتی ہے اور جسم سے خارج ہوتی رہتی ہے۔ اس طرح انسانی سے خارج ہوتی رہتی ہے۔ جس طرح کسی کہکشانی نظام میں سارے روشنی خارج کرتے ہیں اس طرح انسانی جسم سے بھی روشنی خارج ہوتی رہتی ہے۔

ظاہری جسم کی طرح انسان کے اوپر روشنیوں کا بنا ہوا ایک جسم اور ہے اس جسم کو جسم مثالی کہا جاتا ہے۔ جسم مثالی ان بنیادی البروں یا بنیادی شعاعوں کا نام جو وجود کی ابتداء کرتی ہیں۔ جسم مثالی (روشنیوں کا بنا ہوا جسم) مادی وجود کے ساتھ تقریباً چپکا ہوا ہے لیکن جسم مثالی کی روشنیوں کا انعکاس گوشت پوست کے جسم پر نو اپنچ تک پھیلا ہوا ہے۔

اس کی مثال ٹارج (Torch) ہے۔ٹارچ کے اندر بلب جہم مثالی ہے لیکن بلب کی روشنی (Beam) کا کھیلاؤ اندر باہر دونوں سمتوں میں ہوتا ہے۔اس طرح جہم مثالی کے انعکاس کا معین فاصلہ والتج ہے۔غالباً اسی معین فاصلہ پر روشنی کے انعکاس کو سائنسدان اورا (Aura) کہہ رہے ہیں۔



جسم مثالی کو کسی بھی مادی وسلے سے نہیں دیکھا جا سکتا البتہ جسم مثالی کی روشنیوں کے انعکاس کو دیکھا جا سکتا ہے۔انعکاس چونکہ مادیت میں تبدیل ہو جاتا ہے اس لئے نظر آ جاتا ہے۔انسانی زندگی کا دارومدار صحت رنج و خوشی جسم مثالی پر قائم ہے۔جسم مثالی کے اندر صحت موجود ہے تو گوشت بوست کا وجود بھی صحت مند ہے۔انسان کے اندر تمام تقاضے جسم مثالی سے منتقل ہوتے ہیں۔

جب دو افراد بغلگیر ہوتے ہیں یا معانقہ کرتے ہیں تو دونوں میں دوڑنے والی برقی رو ایک دوسرے میں جذب ہو جاتی ہے اور اس عمل سے اسپار کنگ (Sparking) ہوتی ہے جس کو ہر فرد بجلی کے ملکے کرنٹ کی طرح محسوس کرتا ہے۔

چونکہ تخلیقی عوامل فضا میں جاری و ساری ہیں اس لئے جب دو آدمی ایک دوسرے کی طرف متوجہ ہوتے ہیں تو فضا میں موجود لہریں ہزاروں افراد کے اندر اسپارک ہونے لگتی ہیں۔ نتیجتاً ایک آدمی سے ایک آدمی یا ایک آدمی سے ہزاروں آدمی متاثر ہو جاتے ہیں۔ جسم کو ہر وقت آکسیجن کی ایک معین مقدار کی ضرورت ہے جب کوئی آدمی جمائی لیتا ہے یعنی جسم میں آکسیجن کی کمی کو دور کرتا ہے تو سامنے بیٹھا ہوا یا کھڑا ہوا شخص بھی جمائی لینے لگتا ہے۔دراصل ہے جسم مثالی میں آکسیجن کی طلب کا مظاہرہ ہے۔

مثالی جسم کی شکل و صورت کا انحصار ہمارے چاروں طرف موجود توانائی کی قوت اور ججم پر ہے۔ یہ توانائی پیروں کے ذریعہ ہمارے چاروں طرف گردش کرتے ہوئے زمین میں ارتھ ہو جاتی ہے۔ اس طرح خارج ہونے والی توانائی کا ایک بہت بڑا ذخیرہ ہر وقت پیروں میں موجود رہتا ہے چانچہ یہ ذخیرہ اور لہروں کے پنچ زمین میں موجود توانائی کا ذخیرہ خاص اہمیت کا حامل ہے۔ اگر کسی وجہ سے پیروں کے ذریعہ جمع شدہ زائد توانائی خارج نہ ہو تو آدمی کے اوپر بے ہوشی طاری ہو جاتی ہے۔ اس ضمن میں یہ بات بہت خور طلب ہے کہ مرگ کے دورہ سے پیشتر پیروں کے ذریعہ توانائی کے اخراج کے نظام میں خلل واقع ہو جاتا ہے۔

جسم مثالی میں ہمیشہ تغیر واقع ہوتا رہتا ہے لیکن ایسا بھی ہوتا ہے کہ جسم مثالی کی روشنیوں میں تھہراؤ آ جاتا ہے۔جسم مثالی کی روشنیاں جب ایک نقطہ پر چند ٹانیوں کے لئے تھہر جاتی ہیں اور آدمی ماحول میں موجود نادیدہ اشیاء دکیھنے لگتا ہے تو آدمی کی روح سے ہم آ ہنگی ہو جاتی ہے۔



لطیف ہو جاتی ہے۔

كلرتفرايي

کچھ لوگ ایسے ہوتے ہیں جن کا جسم مثالی یورے کمرے پر چھا جاتا ہے اور ایسے لوگ بھی ہوتے ہیں جن کا جسم مثالی سکڑ جاتا ہے یا بد رنگ ہو جاتا ہے۔بدرنگ جسم مثالی سے فضا خراب اور ماحول مکدر ہو جاتا ہے۔ کچھ لوگوں کے جسم مثالی میں کوئی تبدیلی واقع نہیں ہوتی لیکن وہ دوسروں کے مثالی جسم کو متاثر کر دیتے ہیں۔ یہ مثبت اور منفی دونوں طرزوں میں ہوتا ہے۔جب دو شخص ایک دوسرے کے قریب آتے ہیں تو طاقتور کمزور کو متاثر کر دیتا ہے۔ بالفاظ دیگر ایک کا رنگ دوسرے پر غالب آ جاتا ہے۔

# ر نگوں کے مراکز

شالی امریکہ میں پائے جانے والے ریڈ انڈین قبیلہ ہوئی کی کتاب ''ہوئی''کے مطابق جسم انسانی اور کرہ زمین ایک ہی طرز بنائے گئے ہیں۔دونوں کا ایک محور ہے۔جسم انسانی کا محور ریڑھ کی ہڈی ہے جس پر انسانی حرکات و سکنات کا انحصار ہے۔اس محور میں چند ایسے مراکز ہیں جن پر صحت کا دارومدار ہے۔

پہلا مرکز سر کے اوپری حصہ میں واقع ہے۔جب بچہ پیدا ہوتا ہے تو یہ حصہ نرم ہوتا ہے گویا یہ ایک دروازہ ہے جس کے ذریعہ بچہ زندگی قبول کرتا ہے۔

اس کے پنچے دوسرا مرکز ''دماغ'' ہے جس کے ذریعے اس نے سوچنا سکھا۔ تیسرا مرکز حلق ہے جو منہ اور ناک کے سوراخوں کو آپس میں ملاتا ہے۔اس مرکز کی وساطت سے چکھنے اور بولنے کی حس پیدا ہوئی۔ چوتھا مرکز دل ہے جس کے ذریعہ Vibrationکا نظام قائم ہے۔آخری مرکز ناف کے نیچے ہے۔اس مر کز سے جسمانی حرکات و سکنات کنرول ہوتی ہیں۔

ہر شئے میں درجہ بندی ہے چنانچہ رنگ کے بھی کئی درجات ہیں۔ گرم توانائی جسم کو متحرک رکھتی ہے جو جسم کے نچلے حصہ میں پیدا ہوتی ہے جو توانائی کھانا ہضم کرتی ہے۔اس کا مزاج گرم اور رنگ زرد ہے۔ اس مرکز کے عدم توازن کی بناء پر معدہ لبلبہ اور جگر کے افعال متاثر ہو جاتے ہیں۔

قلبی مرکز کا رنگ سرخ ہے۔اس مرکز کے عدم توازن کی بناء پر تھائی رائیڈ گلینڈ اور جنسی نظام کے افعال متاثر ہوتے ہیں۔ قوت مدافعت کمزور پڑ جاتی ہے۔اگر سرخ رنگ میں عدم توازن پیدا ہو جائے تو غصہ بڑھ جاتا ہے اور آدمی جلد بازی کا مظاہرہ کرتا ہے۔

حلق میں بھی ایک مرکز ہے جس کا رنگ نیلا ہے۔اس کے مطالعہ سے معلوم ہوتا ہے کہ کوئی شخص اپنے جذبات کا اظہار الفاظ میں کس طرح کرتا ہے۔جسمانی طور پر چونکہ یہ گلے میں واقع ہے اس لئے گلے کی جملہ کمزوریاں اس مرکز کے ذریعہ دریافت کی جا سکتی ہیں۔مثلاً اگر تھائی رائیڈ گلینڈ خراب ہو جائیں تو جسم متاثر ہو سکتا ہے۔

بھنوؤں کے درمیان میں جو مرکز ہے اس کا قدرتی رنگ گہرا نیلا ہے۔اس کا تعلق دماغ کے اس تھے سے ہے جو لاشعوری تحریکات کا حامل ہے۔

سر کے بھی میں مرکز کا رنگ بنفشی ہے۔اس رنگ سے کسی شخص کے اندر فنکارانہ صلاحیتوں، مذہب سے لگاؤ اور حسن پرست ہونے کا اندازہ لگایا جا سکتا ہے۔

اگر ہم صحت مند رہنا چاہتے ہیں تو ہمارے لئے ضروری ہے کہ ہم تمام مراکز کے رنگوں سے مکمل طور پر واقف ہوں۔

# www.ksars.or

## باب نمبر۵\_

## رنگوں کے خواص

تمام رنگ ارتعاش کی کم یا زیادہ لہریں خارج کرتے ہیں جو کسی شئے سے گرانے کے بعد گرمی یا ٹھنڈک کا احساس پیدا کرتے ہیں۔ سرخ رنگ کا طول موج طویل ترین ہے جس کی وجہ سے کم ترین ارتعاش پیدا ہوتا ہے۔ بفتی رنگ کا طول موج مختمر ترین ہے جس کی وجہ سے تیز ترین ارتعاش ہوتا ہے۔

سرخ رنگ حدت پیدا کرتا ہے اور آسانی رنگ ٹھنڈک پیدا کرتا ہے۔ سبز رنگ توازن پیدا کرنے والا رنگ ہے۔

سرخ رنگ کا بھاری پن (Density) اس کی حرکت اور شرح ارتعاش کو محدود کرتا ہے برخلاف اس کے نیلا رنگ ماحول میں وسعت کا احساس دلاتا ہے۔

مختلف رنگ مختلف احساس پیدا کرتے ہیں۔ مثلاً سرخ سے جلن نارنجی سے گری زرد سے معمولی گرمی، سبز سے نہ سردی نہ گرمی اور عنابی سے محسندک کے ساتھ چیھن کا احساس ہوتا ہے۔

رنگ ہاتھ کے اوپر ڈنگ مارنے کا کاٹنے کا چوٹ کا کھننے کا چٹکی لینے کا یا ضرب کا احساس پیدا کرتا ہے۔

لوگ بالعموم رنگوں کے بارے میں نہیں سوچتے۔ہم تصاویر دیکھ کر متاثر ہوتے ہیں لیکن رنگوں کے مزاج کی طرف دھیان نہیں دیتے۔

تجربات میہ ہیں کہ ذہنی دباؤ اور بے خوابی کے مریض بنفثی نیلے اور فیروزی رنگ سے جلد صحت یاب ہو حاتے ہیں۔

سرخ نارنجی اور زرد رنگ کابلی اور ستی کو ختم کر دیتے ہیں۔ایک محقق کا کہنا ہے کہ مریض کو گلابی رنگ میں رکھنے سے جارحانہ اور منتقمانہ جذبات مغلوب ہو جاتے ہیں۔گلابی رنگ رگ پٹھوں کے لئے



#### خواص

## ر نگوں کے خواص:

ا۔ زہنی خواص

۲۔ جسمانی خواص

# سرخ رنگ

سرخ شعاعیں مندرجہ ذیل اشیاء میں پائی جاتی ہیں۔

لوہا، جست، تانبہ، پوٹاشیم، آسیجن، چقندر، مولی(Raddish) پالک، سرخ چیری اور سرخ غلاف والے پھل۔

#### زهنی خواص:

اس رنگ میں گہری ولچیں ہمت اور محبت کے جذبات کار فرما ہیں۔ معاملات میں جب بگاڑ پیدا ہو جاتا ہے تو تعلقات ختم ہو جاتے ہیں۔ توقعات ٹوٹ جاتی ہیں اور کوئی تدبیر کار گر نہیں ہوتی۔ ایسی صورت میں ذہنی مرکز میں سرخ رنگ غالب ہو جاتا ہے۔ سرخ رنگ سے جب دماغ مغلوب ہو جاتا ہے تو ہر شئے سرخ نظر آتی ہے۔

سرخ رنگ مرکز میں سرخ رنگ کی بے اعتدالی غیر معمولی جذباتی لگاؤ یا جذبات کے مجروح ہونے کی دلیل ہے۔ دلیل ہے۔

جن لوگوں میں سرخ رنگ اعتدال میں ہوتا ہے وہ دوسرے لوگوں کی مدد کرتے ہیں وہ لوگ نوع انسانی اور اپنی نسل کے بارے میں متفکر رہتے ہیں۔ پہندیدہ مشاغل میں اپنی تمام صلاحیتوں کو استعال کرتے ہیں۔

سرخ رنگ سے مغلوب لوگ اچھی زندگی گزارتے ہیں اور چونکہ کھانے پینے اور دوسرے معاملات میں جذبات پر قابو نہیں رکھ سکتے اس لئے موٹے زیادہ ہوتے ہیں۔ہم زندگی میں ایسے دور سے ضرور گزرتے ہیں جب سرخ رنگ دوسرے تمام رنگوں سے زیادہ غالب ہوتا ہے۔بلوغت کے وقت سرخ رنگ نہایت طاقتور ہو جاتا ہے۔ یہ بات ولچپ ہے کہ باکسروں کے اندر زنگ آلود سرخ رنگ غالب ہوتا ہے۔غالب سرخ رنگ والے لوگ تن سازی کے سرخ رنگ والے لوگ تن سازی کے شوقین ہوتے ہیں۔

یہ رنگ محرک جذبات کو ابھارنے والا خوشی فراہم کرنے والا اور بھرپور زندگی کا رنگ ہے۔آج کل لوگ کار میں بس میں ٹیلی ویژن کے سامنے یا وفتر میں زیادہ دیر بیٹھے رہتے ہیں، ورزش نہیں کرتے، اس کے نتیجہ میں سرخ رنگ کا مرکز غیر متحرک رہتا ہے اس وجہ سے انحطاط تیز رفتاری کے ساتھ مسلط ہو جاتا ہے۔ سرخ رنگ کی زیادتی سے طبیعت میں انتشار، جھنجھلاہٹ، بیزاری اور لوگوں پر ظلم کرنے کا رجحان بڑھ جاتا ہے۔

## جسمانی خواص:

سرخ رنگ کا مزاج گرم ہے۔اس رنگ میں تعمیری صلاحیت زیادہ ہے۔یہ رنگ خون میں تحریک پیدا کرتا ہے، خون کی کمی میں اگر ریڑھ کی ہڈی پر سرخ شعاعیں ڈالی جائیں تو سرخ خلیوں (R.B.C) کی تعداد میں اضافہ ہو جاتا ہے۔اگر جسم کے کسی حصہ پر فالج گر جائے تو سرخ شعاعیں ڈالنے سے دوران خون تیز ہو جاتا ہے اور اعصابی نظام صحیح ہو جاتا ہے اور اگر یہی شعاعیں ناف اور ٹانگ کے اوپر والے جھے پر ڈالی جائیں تو ست نسوں میں تحریک پیدا ہو جاتی ہے۔



زرد رنگ مرکز میں سرخی بیدا ہو جائے تو معدہ میں تکلیف بڑھ جاتی ہے۔

ٹونسلز کے غدود میں ورم یا گلے میں خراش ہونے کی وجہ یہ ہوتی ہے کہ گلے کے نچلے مرکز میں سرخی بڑھ جاتی ہے۔

# نارنجی رنگ

لوہے، کیکشیم، نکل، نارنجی غلاف والے کھل، گاجر، میٹھا کدو، خوبانی، آم، آڑو وغیرہ میں نارنجی رنگ پایا جاتا ہے۔

#### زمنی خواص:

جن لوگوں پر نارنجی رنگ کا غلبہ ہوتا ہے وہ ایسے کھیلوں میں دلچپی لیتے ہیں جو تھکا دینے والے ہوں۔
ایسے لوگ ہر کام کو جلد از جلد کرنا چاہتے ہیں اور اگر ایسا نہ کر سکیں تو پریشان ہو جاتے ہیں۔ یہ لوگ اچھے منتظم ہوتے ہیں۔ نارنجی رنگ والے لوگ لوگوں کو اپنے ارد گرد رکھنا پیند کرتے ہیں۔ ڈھیلا اور آرام دہ لباس پہنتے ہیں۔ محافل کو سجانے کا انہیں خاص ذوق ہوتا ہے۔ غالب نارنجی رنگ والے لوگ غالب سرخ رنگ والے لوگ عالب سرخ رنگ والے لوگ سویرے بیدار مونا آسان ہوتا ہے۔

## جسمانی خواص:

نارنجی رنگ ہاضمہ میں معاون ہوتا ہے۔ سردی کی وجہ سے کیمیپھڑوں کی خرابی تپ دق پیچیش اور مروڑ میں نارنجی رنگ بہت مفید ہے۔

#### زرو رنگ

کیمیاوی تجزیہ کے مطابق سونے کیکشیم نکل جست تانبہ پلاٹینٹیم سوڈیم فاسفورس کے علاوہ گاجر سنہرے اناج کیلا انناس لیموں گرمے فروٹ اور بیشتر زرد غلاف والے تھلوں میں زرد رنگ ذخیرہ ہوتا ہے۔

#### زمنی خواص:

زرد رنگ تحقیق کا رنگ ہے۔غالب زرد رنگ لوگوں کو علم سکھنے کا شوق ہوتا ہے۔ایسے حضرات و خواتین مطالعہ سے بھرپور زندگی گزارتے ہیں۔سائنس دان، سیاست دان اور تاجر حضرات زیادہ تر اس رنگ کے زیر اثر ہوتے ہیں۔

جن خواتین و حضرات کے ذہنی مرکز میں زرد رنگ کی کثافت (Density) اعتدال سے بڑھی ہوئی ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی ہے وہ مادہ پرست ہوتے ہیں اور ذاتی مفاد کو ترجیح دیتے ہیں۔

کوئی بھی زرد رنگ شخص دنیاوی اعتبار سے کامیاب ہوتا ہے کیونکہ وہ دولت کمانے اور اس کے صحیح استعال کا فن جانتا ہے۔زرد رنگ دھوپ کا رنگ ہے۔زرد رنگ لوگ متحرک ہوتے ہیں۔اچھا رہن سہن اختبار کرتے ہیں۔

زرد رنگ ذہن میں تحریک پیدا کرتا ہے۔اگر آپ مجھی ذہنی الجھن کا شکار ہوں تو خط لکھنے کیلئے زرد رنگ کا کاغذ استعال کریں۔ایسے کمرے میں جہاں سورج کی روشنی داخل نہ ہو زرد رنگ طبیعت پر خوشگوار اثر مرتب کرتا ہے۔

#### جسمانی خواص:

زرد رنگ پیٹ کی جملہ بیاریوں کا بہترین علاج ہے۔معدے سے گیس کا اخراج کر کے قوت ہاضمہ کو بہتر بناتا ہے۔ جگر کے امراض ذیابیطس خونی بواسیر سے نجات کے لئے مفید ہے۔یہ رنگ جسم پر پیدا ہونے

www.ksars.o

والے داغ دھبوں کو دور کرتا ہے۔زرد رنگ کی کمی امراض کا سبب بنتی ہے اور اس کی زیادتی بخار کے اسباب میں ایک سبب ہے۔

## سبز رنگ

سبز رنگ نکل، کرومیم، کوبالٹ، پلاٹینم، ایلومینیم، کلوروفل اور بیشتر سبزیوں اور سبز غلاف والے سیلوں میں پایا جاتا ہے۔

#### ز هنی خواص:

سبز رنگ سکون بخش ہے۔ غالب سبز رنگ لوگ محبت سے لبریز ہوتے ہیں اور ان میں سے محبت کی کرنیں پھوٹتی رہتی ہیں جو ماحول کو لطیف بنا دیتی ہیں۔ لوگ ان سے والہانہ محبت کرتے ہیں۔ غالب سبز رنگ لوگ باغبان اور کاشتکار ہوتے ہیں۔

سبز رنگ چونکہ زرد اور آسانی رنگ کے امتزاج سے وجود میں آیا ہے اس کئے اس کے زیر اثر خواتین و حضرات کا ذہن چاتی و چوبند رہتا ہے۔دوسروں کے نقطہ نظر کو سکون سے سنتے ہیں۔لوگ اپنی پریشانی بیان کرنے اور اس کا عل معلوم کرنے کے لئے ان کے پاس زیادہ تعداد میں آتے ہیں۔

حضرات و خواتین بچوں اور جانوروں سے محبت کرتے ہیں اور ان کی قربت سے خوش ہوتے ہیں۔ نرسری کے بچوں کے اسائذہ میں یہ رنگ وافر مقدار میں ہوتا ہے۔ آسانی رنگ کی آمیزش کی وجہ سے ایسے حضرات پانی جھیل دریا اور سمندر سے خاص تعلق رکھتے ہیں۔ مزاجاً بہت متوازن ہوتے ہیں اور جلد ناراض نہیں ہوتے لیکن نرم دل ہونے کی وجہ سے صدمہ سے جلد دوچار ہو جاتے ہیں۔ یہ لوگ ملک رنگ کے کہڑے پہننا پیند کرتے ہیں۔ سبز رنگ والے اپنے کام سے کبھی مطمئن نہیں ہوتے۔ انہیں نئے نئے کام کرنے کا شوق ہوتا ہے اور دھن کے کیے ہوتے ہیں۔



معدہ کے زرد مرکز میں اگر سبز رنگ کی زیادتی ہو جائے تو ایسے لوگ نہ صرف خود جذباتی ہو جاتے ہیں بلکہ دوسروں کے حالات سے بھی پریشان ہو جاتے ہیں۔ایسے لوگ زندگی کی ہر کیفیت سے متاثر ہوتے ہیں گزرے ہوئے واقعات کے بارے میں سوچتے رہتے ہیں جس کی وجہ سے معدہ پر بار پڑتا ہے۔

ذہنی مرکز میں سبزی کے فقدان سے زندگی کے رویئے یک طرفہ رخ اختیار کر لیتے ہیں اور زندگی کے مقاصد حاصل کرنے میں شقی القلبی کا مظاہرہ ہوتا ہے۔

گلے میں اگر سبز رنگ معمول سے کم ہو جائے تو گفتگو میں تلخی پیدا ہو جاتی ہے اور معمول سے زیادہ براھ جائے تو اتنی نرمی آ جاتی ہے کہ لوگ اپنے مقاصد کے لئے استعال کر لیتے ہیں۔

#### جسمانی خواص:

سبز رنگ خصوصاً اعصابی نظام اور ہائی بلڈ پریشر کے لئے بے حد مفید ہے۔ یہ رنگ اپنے اندر زخموں کو مندمل کرنے کی اکسیری صفات کا حامل ہے۔السر کے مریضوں کے لئے آب حیات ہے۔ بیشتر سبزیاں سبز رنگ کی ہوتی ہیں۔انہیں کیا یا یکا کر کسی بھی صورت میں کھایا جائے تو سبز رنگ کے اثرات جسم میں سرایت کر جاتے ہیں۔

سبز اور نیلے رنگ کی آمیزش سے فیروزی رنگ بنتا ہے۔ یہ رنگ جلد کے ریشوں کو توانائی بخشا ہے۔ جلی ہوئی دھوپ سے تجلسی ہوئی جلد اور خارش کا بہترین علاج ہے۔ سکڑی ہوئی اور جھریوں بھری جلد میں تناؤ پیدا کرتا ہے جس کی وجہ سے شخصیت میں کشش پیدا ہوتی ہے۔

## آسانی رنگ

آسانی رنگ ایلومینیم، کوباک، جست لیڈ(Lead) کے علاوہ آسانی رنگ کے سارے کھل اور سبزیوں میں پایا جاتا ہے۔مثلاً آلو بخارا، انگور، ناشپاتی، آلو اس کے علاوہ مچھلی اور مرغی میں بھی پایا جاتا ہے۔

#### ذہنی خواص:



www.ksars.or

آسانی رنگ وحدانیت کا مظہر ہے یہ رنگ روحانی ہے۔ جسم مثالی میں آسانی رنگ کا ہالہ اس طرف اشارہ کرتا ہے کہ یہ شخص صاحب فن ہے۔ پرسکون طبیعت کا مالک ہے، روحانی سوچھ بوچھ رکھتا ہے۔ رنگ میں جس قدر گہرائی ہوگی اسی مناسبت سے روحانیت دیانت داری فراست اور تقدس کا درجہ بلند ہوگا۔

جن لوگوں پر آسانی رنگ غالب ہوتا ہے وہ خدا ترس مخلوق کی خدمت کرنے والے اللہ کی نظانیوں پر غور کرنے والے، انبیاء اور اولیاء اللہ سے محبت کرنے والے ہوتے ہیں۔اس رنگ کی حامل خواتین اور حضرات انبیاء علیہ الصلواۃ والسلام کی طرز فکر کو زندگ کا نصب العین سمجھتے ہیں۔اخوت اور بھائی چارہ کی تلقین کرتے ہیں، تفرقہ بازی سے دور رہتے ہیں۔

## جسمانی خواص:

آسانی رنگ کو دوسرے رنگوں کے مقابلے میں قدرے اہمیت حاصل ہے۔اس کا مزان مھنڈا ہے۔اس سرخ رنگ کی ضد سمجھا جاتا ہے۔ تیز بخار اتارنے اعصابی تناؤ کم کرنے، نبض کی بڑھتی ہوئی رفتار کو اعتدال پر لانے اور دماغ کو سکون پہنچانے کے لئے بے حد مفید ہے۔آسانی رنگ سے ہائی بلڈ پریشر پر قابو پانے میں مدد ملتی ہے۔آسانی رنگ اعصاب کو پرسکون اور ذہنی و جسمانی بیجان کو کم کرنے میں معاون ہے۔

آسانی رنگ مندرجہ ذیل متفرق امراض میں مفید ہے۔

عام بخار، سرخ بخار، ٹائیفائیڈ، طاعون، چیک، مرگی، ہسٹیریا، اختلاج قلب، پیاس، یرقان، صفرا، آکھوں کے امراض، زہریلے ڈنک، خارش، السر، دانت کے امراض اور بے خوابی۔

## نیلا رنگ

آسانی رنگ میں ملکی سی سرخی ہو تو نیلا رنگ ہے۔

#### ذہنی خواص:



#### جسمانی خواص:

یہ رنگ خون کی صفائی آنکھوں کے ورم کانوں کے چند امراض (کانوں میں شور کان میں کھنسی) اعصابی تکالیف، سانس کی نالیوں کی سوزش، کچھیچڑوں اور ناک کی تکلیف، ٹانسلز اور کھانسی کے علاج میں مفید ہے۔

# بنفشی ربگ

بنفشی رنگ میں سرخ اور نیلے رنگ کی مقداریں برابر ہوتی ہیں۔

#### زمنی خواص:

اس رنگ کے لوگ حساس ہوتے ہیں اور مختلف طریقوں سے اس کا اظہار بھی کرتے ہیں۔

بنفثی رنگ فنکاروں اور مصوروں کا رنگ ہے۔جب تک ہمارے اندر کچھ نہ کچھ بنفثی رنگ موجود نہ ہو تو ہم خوبصورتی کا احساس نہیں کر سکتے۔

بنفثی رنگ میں اگر سرخ رنگ کا تناسب زیادہ ہو تو اس کا اظہار جنس کی شکل میں ہوتا ہے لیکن اگر اس میں نیلے رنگ کی مقدار زیادہ ہو تو معاملہ اس کے برعکس ہوتا ہے۔ بھی بھی وہ خود اپنے اندر کھو جاتے ہیں۔ ایجھے فن کاروں کے ساتھ یہی ہوتا ہے ایسے لوگوں میں روحانی قدریں زیادہ ہوتی ہیں۔ اگر ان کی باطنی آئکھ کھل جائے تو وہ غیب کا نظارہ کرتے ہیں۔ ان لوگوں کے اندر ہمہ وقت تعمیر کا جذبہ موجزن

رہتا ہے۔ یہ لوگ اپنی ذات کے لئے کم اور نسل انسانی کے لئے زیادہ سوچتے ہیں اور ہمہ وقت اس فکر میں رہتا ہے۔ یہ نوع انسانی کو ان کی ذات سے فائدہ پہنچ جائے وہ اپنی زندگی کے پانچ منٹ بھی ضائع کرنا نہیں چاہئے۔

## جسمانی خواص:

بنفتی رنگ تلی میں تحریک پیدا کر کے قوت مدافعت کو بڑھاتا ہے۔ بنفثی رنگ جسم میں پوٹاشیم اور سوڈیم کے توازن کو قائم رکھنے میں مدد دیتا ہے۔ بنفثی رنگ تمام غدود جن میں لمفیئک گلینڈز ( Lymphatic ) بھی شامل ہیں کی غیر ضروری تحریک کو روکتے ہیں۔ یہ رنگ بھوک کو کٹرول کر کے وزن کم کرنے کے لئے بھی مفید ہے۔ شدید ذہنی دباؤ اور بیجانی کیفیت کو کم کرتا ہے۔ یہ رنگ گہری اور پرسکون نیند کے لئے ایک بہترین نسخہ ہے۔

بنفثی رنگ مندرجہ ذمل متفرق امراض میں مفید ہے۔

جنسی امراض، پیشاب کا تکلیف سے آنا، سوزاک، پیشاب کا بار بار آنا، ذیا بیطس، رحم کی جملہ تکالیف، لیکوریا، گردوں کا ورم اور مثانہ کی پتھری۔

# قرمزی رنگ(Magenta)

بنفتی رنگ میں اگر زرد رنگ شامل ہو جائے تو قرمزی رنگ بنتا ہے۔اس رنگ والے شخص میں انظامی صلاحیتیں زیادہ ہوتی ہیں۔

''ہر شخص کے اندر کسی نہ کسی رنگ کا غلبہ ہوتا ہے اور وہ زندگی کو اسی رنگ کی عینک سے دیکھتا ہے۔''

جو رنگ ہم مکان اور لباس کے لئے پیند کرتے ہیں وہ ہماری گہری دلچیبی کا نتیجہ ہے۔

''اگر ہم اس حقیقت سے واقف ہو جائیں کہ رنگ واقعی اہم ہیں تو آہتہ آہتہ ہمارے اوپر ہماری ذات کے رنگوں کے اسرار منکشف ہو جائیں گے۔''



ہم جس رنگ کے کیڑے پہنتے ہیں ہماری ذات اور ہمارے ماحول پر اس کا اثر مرتب ہوتا ہے۔رنگوں میں بے شار شیڑز(Shades) ہوتے ہیں۔ہم کیڑوں میں رنگ کا چناؤ اندرونی تحریک کے تحت کرتے ہیں جو ہمیں بتاتی ہے کہ کون سا رنگ ہمارے لئے اچھا ہے۔ہو سکتا ہے کہ جو رنگ ہمیں آج اچھا نہیں لگ رہا ہمیں بتاتی ہے کہ عود رنگ ہمیں آج اچھا نہیں لگ رہا ہم اسال کے بعد وہی رنگ ہمیں جھلا لگنے لگے۔اس تبدیلی کا مطلب سے ہے کہ ہمارے اندر روشنیوں کے بہاؤ میں تبدیلی واقع ہو گئ ہے۔اگر ہم اس بات پر غور کریں کہ ہمارے ماحول میں کون سے رنگ بھرے ہوئے ہیں تو ہم کس رنگ کے کیڑے پہنتے ہیں اور کھانے کی اشیاء کا رنگ کیا ہے؟ تو ہم اس حقیقت سے واقف ہو جائیں گے کہ ہماری زندگی رنگوں کے علاوہ کچھ نہیں ہے۔

## شعور کا سفر

اس دنیا میں مقررہ وقت گزارنے کے بعد ہم ایسے عالم میں پیدا ہوتے ہیں جہاں سے ہمارا دوسرا سفر شروع ہو جاتا ہے۔اس عالم میں ہمیں دودھیا روشیٰ سے واسطہ پڑتا ہے۔دودھیا روشیٰ تیسری آنکھ سے نظر آتی ہے۔

دودھیا روشی اپنے توازن کو قائم رکھتی ہے۔ساتھ ساتھ دوسروں کے توازن کو قائم رکھتی ہے اور یہ روشی جسم کے لئے استعال ہونے والی اشاء میں بھی سرایت کر جاتی ہے۔ یہی وجہ ہے کہ روحانی لوگوں کی چیزوں کو تبرک کے طور پر محفوظ کر لیا جاتا ہے۔پاکیزہ اور لطیف لہریں قبروں سے باہر بھیلتی رہتی ہیں۔ انہی لہروں کے بھیلاؤ کو فیض کہا جاتا ہے۔شفاف باطن میں روشنیوں کا ذخیرہ ہوتا ہے جس سے ماحول منور ہوتا ہے۔جو حضرات دودھیا روشنی میں نہائے رہتے ہیں وہ کم گو ہوتے ہیں اور دنیاوی کاموں سے

گر سوال یہ ہے کہ زندگی میں بے شار رنگوں کی میلغار ہو رہی ہو تو ہم دودھیا روشنی کو کس طرح حاصل کریں؟ اس کا طریقہ یہ ہے کہ پچھ وقت نکال کر ایک کونے میں بیٹھ جائیں اور اپنی ذات سے رابطہ قائم کرنے کے لئے مراقبہ کریں۔



وقت نکال کر گوشہ نشین ہو کر تفکر کرتے ہیں۔

## باب نمبر ۲۔

#### رنگ اور الهامی کتابین

قرآن پاک میں بار بار رنگ، رنگوں کے تخلیقی مراحل میں کردار اور اس کے فوائد کی طرف انسان کو متوجہ کیا گیا ہے۔

\* "الله روشنی ہے آسانوں کی اور زمین کی۔"

(نور\_۵۵)

\* "داور جو بکھیرا ہے تمہارے واسطے زمین میں کئی رنگ کا۔اس میں نشانی ہے ان لوگوں کو جو سوچتے ہیں۔"

(نحل ۱۳۰)

\* "داور اس کی نشانیوں سے ہے آسان زمین کا بنانا اور بھانت بھانت بولیاں تمہاری اور رنگ اس میں بہت پتے ہیں بوجھنے والوں کو۔"

(روم-۲۲)

\* "تو نے نہیں دیکھا؟ کہ اللہ نے اتارا آسان سے پانی پھر ہم نے نکالے اس سے میوے طرح طرح ان کے رنگ اور بھجنگ طرح ان کے رنگ اور بھجنگ کالے۔"

(فاطر\_٢٤)

\* "داور آدمیوں میں اور کیڑوں میں اور چاریابوں میں کئی رنگ ہیں۔اسی طرح اللہ کی عظمت کو وہی لوگ سمجھتے ہیں جن کو سمجھ ہے۔ تحقیق اللہ زبردست ہے بخشنے والا۔"

\* "تو نے دیکھا نہیں؟ کہ اللہ نے اتارا آسان سے پانی پھر چلایا وہ پانی چشموں میں زمین کے پھر کالتا ہے اس سے کھیتی کئی کئی رنگ بدلتے اس پر پھر آئی تیاری پر تو تو دیکھے اس کا رنگ زرد پھر کر ڈالتا ہے اس کو چورا بے شک اس میں نصیحت ہے عقلمندوں کو۔"

(الزمر\_١١)

\* "دنگلتی ان کے پیٹ میں سے پینے کی چیز جس کے کئی رنگ ہیں اس میں آزار چنگے ہوتے ہیں اوگوں کے۔اس میں پیتا ہے ان لوگوں کو جو دھیان کرتے ہیں۔"

(نحل ۲۹\_)

قرآن مجید اس امر کی نشاندہی کرتا ہے کہ شہد کی مکھی کے پیٹے سے مختلف رنگ کی رطوبتیں خارج ہوتی ہیں جن کو علم طب میں خامرے (Enzymes) کہتے ہیں۔ یہ ''جوہر'' مختلف امراض کے علاج میں مفید ہے۔ میڈیکل سائنس شہد کے جراثیم کش اثرات اور مختلف بیاریوں میں شہد کی افادیت کی قائل ہے۔

کتاب مقدس میں بار بار روشنی اور رنگ کی تخلیقی اہمیت اور افادیت کو واضح کیا گیا ہے۔

\* ''اور خدا نے کہا کہ روشنی ہو جا اور روشنی ہو گئی اور خدا نے دیکھا کہ روشنی اچھی ہے اور خدا نے روشنی کو تاریکی سے جدا کیا۔''

(پیدائش باب ۱، ۳۵۸)

\* ''اور اس نے ستاروں کو بھی بنایا اور خدا نے ان کو فلک پر رکھا کہ زمین پر روشنی ڈالیں۔''

(پیدائش باب ۱، ۱۸ ار ۱۸)

\* "داور زمین کے کل جانوروں کے لئے اور ہوا کے کل پرندوں کے لئے اور ان سب کے لئے جو زمین پر رینگنے والے ہیں جن میں زندگی کا دم ہے کل ہری بوٹیاں کھانے کو دیتا ہوں اور ایسا ہی ہوا۔"

www.ksars.or

(پیدائش باب۱، ۳۱)

\* "داور بنی اسرائیل نے اس کا نام "دمن" رکھا اور وہ دھنئے کے نیج کی طرح سفید اور اس کا مزہ شہد کے بینے ہوئے یوئے کی طرح تھا۔"

(خروج باب ۱۲، ۳۲)

کوہ طور پر اللہ تعالیٰ اور حضرت موسیٰ علیہ السلام کے درمیان گفتگو کو کتاب مقدس میں بڑی تفصیل سے بیان کیا گیا ہے۔ بیان کیا گیا ہے۔ گفتگو کے اس حصہ سے جہال پر خداوند تعالیٰ بنی اسرائیل کو نذر کے احکامات دیتے ہیں، رنگول کی اہمیت اور افادیت ظاہر ہوتی ہے۔

\* "اور خداوند نے موسیٰ کو فرمایا بنی اسرائیل سے یہ کہنا کہ میرے لئے ندر لائیں اور تم ان ہی سے میری نذر لینا جو اپنے دل کی خوشی سے دیں اور جن چیزوں کی نذر تم کو ان سے لینی ہے وہ یہ ہیں سونا اور چاندی اور پیش اور آسانی اور ارغوانی اور سرخ رنگ کا کیڑا اور باریک کتان اور بکری کی پشم اور مینٹر صوں کی سرخ رنگی ہوئی کھالیں اور تخس کی کھالیں اور کیکر کی ککڑی اور چراغ کے لئے تیل اور مسے کرنے کے لئے تیل اور خوشبودار بخور کے لئے مصالح اور سنگ سلیمانی اور افود اور سینہ بند میں جڑنے کے گئے۔"

خروج باب۲۵، ۱۸)

زبور میں بھی روشنی سے متعلق مختلف جگہوں پر ذکر آیا ہے۔اس کتاب میں روشنی کا ذکر زیادہ تر باطنی صفائی اور رشد و ہدایات کے مفہوم میں آیا ہے۔

\* "دوہ تیری راستبازی کو نور کی طرح اور تیرے حق کو دوپہر کی طرح روش کرے گا۔"

(داؤد کا مزمور۔۲)

\* "دروفے سے مجھے صاف کر تو میں پاک ہوں گا۔ مجھے دھو اور میں برف سے زیادہ سفید ہوں گا۔"



كلرتفرايي

\* دبگولے میں تیرے رعد کی آواز تھی برق نے جہاں کو روش کر دیا۔"

(آسف کا مزمور ۷۵-۱۸)

\* "اس کی بجلیوں نے جہاں کو روش کر دیا۔"

(چوتھی کتاب۔ ۲۵۔م)

زرتشت کی تعلیمات کے مطابق کائنات کی تخلیق میں روشی اور رنگوں کے کردار کو بنیادی اہمیت حاصل ہے۔ مذہبی کتاب گھارتھا کے مطابق کائنات کی ابتداء خالق کائنات ''آہورا مز'دا'' کے خیال ''فراواشی'' Faravashi سے ہوئی۔ آہورا مز'دا کا خیال ارتعاش کے قانون ''زروان'' آہورا مز'دا کے کائناتی شعور Ahu-Na-Var میں تبدیل ہوئی۔ یہ آواز مقدس سفید روشنی کی صورت میں آہورا مز'دا کے کائناتی شعور سفید روشنی سے ظاہر ہوئی۔ اس سفید روشنی سے رنگ وجود میں آئے اور یہ رنگ کائنات اور کائنات میں موجود تمام اشیاء سارے، چاند، سورج، کہکشان، پھول، سپلواری، زمین، آسمان، درخت، پہاڑ، دریا وغیرہ کی بنیاد بے۔ آہورا مز'دا نے کائنات کو چلانے کے لئے دو قوتیں تخلیق کیں۔

ا۔ روشنی کی قوت Spenta-Mainyeu

۲۔ تاریکی کی قوت Anghre-Mainyeu

روشنی کی قوت آبورامژدا کے بنائے ہوئے قوانین کی تعمیل کرتی ہے جب کہ تاریکی کی قوت ان قوانین کی تعمیل نہیں کرتی۔

وید اور بھگوت گیتا میں روشنی اور رنگ سے متعلق کئی آیتیں موجود ہیں۔

I am the inner light,

I am the outer light,

I am the all-pervading light,

I am above all, (the greatest of the great)

I am the light of the light,

I am the self luminous,

I am the light of my ownself,

I myself am siva the self of the self.

*زج*ړ:

میں اندرونی روشنی ہوں،

میں بیرونی روشنی ہوں،

میں سرایت کرنے والی روشنی ہوں،

میں سب سے بڑا ہوں (عظیم سے عظیم تر ہوں)

میں روشنیوں کی روشنی ہوں،

میں خود روش ہوں (نور ہوں)

میں اپنی ذات کی روشنی ہوں،

میں خود تخلیق کرتا ہوں اور تباہ کرتا ہوں۔

There is neither East nor West here,

The sun never shines nor sets there,

There is neither day nor night here,

It is the lights of lights sublime of eneffable,

ترجمه:

یہاں نہ کوئی مغرب ہے نہ مشرق ہے،

یہاں نہ سورج طلوع ہوتا ہے نہ غروب ہوتا ہے،

یہاں نہ رات ہے نہ دن،

یہاں وہ باجمال نور ہے جس کے بیان سے الفاظ قاصر ہیں۔

Here there is no intoxication of caste creed or colour

ترجمه:

یہاں پر ذات پات عقائد مذہب اور رنگ کا نشہ مخمور کرنے والا نہیں ہے۔

وید کی تعلیمات اور ہندو فلاسفی کے مطابق کا نات میں تین ایجنسیاں Agencies سر گرم عمل ہیں:

ا۔ ساٹوا Sattwa

Rajas راجاس

سر تاس Tamas

سالوا دراصل اچھائی ہے سکون ہے، روشنی ہے۔اس ایجنسی کا رنگ سفید ہے۔

راجاس دراصل جذبہ ہے، عمل ہے، اس ایجنسی کا رنگ سرخ ہے۔

تاماس دراصل تاریکی ہے جمود ہے، اس ایجنسی کا رنگ سیاہ ہے۔

ان تین ایجنسیوں کے ملاپ سے انسانی شخصیت بنتی ہے۔ شخصیت میں جو رنگ غالب ہوتا ہے، انسان انہی خصوصیات کا حامل ہوتا ہے۔

عظیم سائنٹٹ (Scientist) قاندر بابا اولیاءؓ کی ریسرچ یہ ہے کہ مخلوق کی ساخت میں تین روحیں کام کرتی ہیں۔ہر روح کے دو دائرے ہیں۔

سه روح حیوانی

روح اعظم کے پہلے دائرے کا رنگ نیلا ہے اور دوسرے دائرے کا رنگ بنفشی ہے۔روح انسانی کے پہلے دائرے کا رنگ مارنگ کا رنگ دائرے کا رنگ سفید ہے۔روح حیوانی کے پہلے دائرے کا رنگ سفید ہے۔روح حیوانی کے پہلے دائرے کا رنگ سرخ ہے اور دوسرے دائرے کا رنگ زرد ہے۔



68

باب تمبر که

كلرتفرابي

# 

انسان کے اندرونی اور بیرونی جسمانی نظام کا مطالعہ کیا جائے تو سے حقیقت مکشف ہوتی ہے کہ انسان کی

تخلیق رنگوں سے ہوئی ہے۔

کھال کا رنگ

سے ہونٹوں کا رنگ دبان کا رنگ

۵۔ علق کا رنگ ۲۔ آئکھوں کے مختلف رنگ

ے۔ ناک کے اندر کا رنگ

اا۔ جگر کا رنگ

۱۵۔ آنتوں کا رنگ معدہ کا رنگ

19۔ پیشاب کا رنگ

نظریہ رنگ و نور کے مطابق ہر رنگ کا مزاح اور خاصیت الگ الگ ہے۔جب تک رنگ متوازن رہتے ہیں انسان صحت مند رہتا ہے اور جب کسی بھی رنگ میں توازن برقرار نہیں رہتا تو آدمی بیار ہو جاتا ہے۔ انسان بنیادی طور پر مختلف رنگوں کا امتزاج ہے اور سورج کی روشنی میں بیہ تمام رنگ موجود ہیں جو انسان

السان بلیادی طور پر خلف ر مول کا امزان ہے اور سوری کی رو کی یک ہے تمام ر نک موبود ہیں ہو السان بلیادی طور پر خلف ر مول کا امزان ہے دھوپ سے اپنی ضرورت کے مطابق حاصل کرتا رہتا ہے لیکن جب اس نظام میں خرابی واقع ہو جاتی ہے تو رنگ میں کمی و بیشی ہو جاتی ہے۔اس کی علامات مرض کی صورت میں ظاہر ہوتی ہیں۔رنگ کی کمی یا بیشی کو دور کر دیا جائے تو انسان تندرست ہو جاتا ہے۔

انسان انسان کی دنیا، جنات جنات کی دنیا، فرشتے فرشتوں کی دنیا غرضیکہ کائنات میں موجود ہر شے رنگوں کے اعتدال پر قائم ہے۔اگر کسی دانشور کو اس بات سے اختلاف ہے تو زمین پر پھیلی ہوئی کھربوں چیزوں میں سے کوئی ایک چیز بے رنگ تلاش کرے جو اسے نہیں ملے گی۔دراصل کائنات رنگوں کے علاوہ کچھ نہیں ہے۔

مرض اور رئگین خواب

آدمی پوری زندگی دو حواس میں گزارتا ہے۔

ا۔ بیداری

۲۔ خواب

جس طرح بیداری کی دنیا میں کوئی بھی عمل رگوں کا مظہر ہوتا ہے ای طرح خواب کی دنیا میں بھی رگوں کا کردار موجود ہے۔ہم جب کچھ سوچتے ہیں تو اس میں ہماری دلچیں یا تو کم ہوتی ہے یا زیادہ ہوتی ہے یا یہ سوچ ہوا کی طرح گزر جاتی ہے۔اگر سوچ میں ظہراؤ پیدا ہو جائے اور نقوش گہرے ہو جائیں تو اس کا مظاہرہ ہونا ضروری ہے۔۔۔۔۔۔ یہ مادرائی قانون کی ایک شق ہے۔اس قانون کے خلاف کوئی خیال معلی جامہ نہیں پہن سکتا۔جس طرح بیداری میں کمی ایک خیال پر ذہن مرکوز ہونے کے بعد وہ خیال مظہر بختا ہے بالکل یہی صورت خواب میں بھی کار فرما ہے۔ہم خواب میں بھی وہی سب اعمال و حرکات کرتے ہیں جو بیداری میں کرتے ہیں۔مثلاً اگر ہم بیداری میں گلب کا پھول دیکھتے ہیں اور گلاب کے پھول میں سرخ گابی سفید یا زرد رنگ ہماری نظروں کے سامنے آتا ہے ای طرح خواب میں اگر ہم گلاب کا پھول دیکھتے ہیں اور گلاب کے پھول میں سرخ گابی سفید یا زرد رنگ ہماری آٹھوں کے سامنے آتا ہے ای طرح خواب میں اگر ہم گلاب کا پھول دیکھتے ہیں سب مشترک ہے۔آدی حواسوں میں دیکھتا سنا محسوس کرنا خوش ہونا غملیں ہونا بیار ہونا یا صحت مند ہونا سب مشترک ہے۔آدی جس طرح بیداری میں بیار ہوتا ہے کمزور و نچف ہوتا ہے ای طرح وہ خواب میں بھی خود کو جب بیار دیکھتا ہے تو اسے چلنے پھرنے میں کمزوری محسوس ہوتی ہے۔

قانون



قانون سے کہ خواب ہو یا بیداری دونوں حالتوں میں انسان کی زندگی متحرک ہے۔فرق صرف سے ہے کہ بیداری میں براہ راست مادی وجود کا عمل دخل ہوتا ہے اور خواب میں آدمی مادی وجود سے آزاد ہو کر سفر کرتا ہے۔

کائنات کی کوئی شئے بے رنگ نہیں ہے۔کائنات میں ظاہری دنیا ہو ماورائی دنیا ہو یا ماورائی دنیا سے اویر غائب کی دنیا سب شامل ہیں۔انسان جب خواب کی دنیا میں سفر کرتا ہے تو وہاں زمین بھی ہوتی ہے اسے آسان بھی نظر آتا ہے۔ندی نالے دریا اور سمندر بھی اس کی آئکھوں کے سامنے آتے ہیں۔وہ خود چلتے پھرتے دیکھتا ہے اور خلاء میں پرواز بھی کرتا ہے۔لیکن پرواز کے دوران اس کی نظر آسان پر پڑتی ہے تو آسان پر جاند اسی طرح نظر آتا ہے جس طرح جاند کو بیداری میں دیکھتا ہے۔خواب میں وہ اگر کسی باغ میں چہل قدمی کرتا ہے تو باغ کے اندر روشیں گلاب کے شختے رنگ رنگ پھول نوارے نواروں میں احیماتا ہوا پانی، پانی میں رنگ برنگ محیلیاں، ملکے ملکے گہرے سبز رنگ یتے مختلف کیل مثلاً آم، امرود، ناشیاتی، چیکو، بادام، جامن ناریل اور دوسرے بے شار قسموں کے کھل جب وہ دیکھتا ہے تو انہیں باقاعدہ پنجاتا ہے۔ پیچانے کا ذریعہ اس کھل کی ساخت اور رنگ ہے۔جب وہ آدم دیکھتا ہے تو آم کی ساخت اور آم کے رنگ سے آم کو پیچانتا ہے۔جب وہ انگور دیکھتا ہے تو انگور کی ساخت اور انگور کے رنگ سے انگور کو پیچانتا ہے اور جب وہ بڑے بڑے گھاس کے Lawnدیھتا ہے تو بھی رنگ شاخت کا ذریعہ بنتے ہیں۔ اگر وہ خواب میں سکترہ کھاتا ہے تو ایبا نہیں ہوتا کہ خواب میں سکترہ کا رنگ معدوم ہو جائے۔سکترہ کا جو رنگ اس مادی دنیا میں ہے وہی اسے نظر آتا ہے۔ سکترہ جب ہاتھ میں آتا ہے تو وہ دکھتا ہے کہ نارنجی رنگ اس کے ہاتھ میں ہے۔جب وہ سنگترہ کو کھولتا ہے تو دیکھتا ہے کہ تھیکنے کے اندرونی رخ میں سفید رنگ غالب ہے۔جب وہ سنگترہ کی قاش الگ کرتا ہے تو قاش کا رنگ اسے الگ نظر آتا ہے۔قاش کے اندر ﷺ، ﷺ کے اندر گری اور گری کے اندر جو سبز رنگ غالب ہے وہ بھی اسے الگ سے نظر آتا

مفہوم یہ ہے کہ ہم رنگوں کی اہمیت کو خواب میں بھی نظر انداز نہیں کر سکتے۔خواب کے اندر جب ہم کسی کالے آدمی کو دیکھتے ہیں تو ہمیں اس کا رنگ بالکل کالا اسی طرح کالا نظر آتا ہے جس طرح بیداری کے عالم میں نظر آتا ہے۔بیداری کے عالم میں ہمیں اگر کوئی گندمی رنگ آدمی نظر آتا ہے تو خواب میں



بھی ہم اسے گندمی رنگ کا دیکھتے ہیں۔خواب میں رنگوں کی اہمیت افادیت اور نقصان کا اندازہ اس طرح بھی کیا جاتا ہے کہ خواب دیکھنے والا بندہ جب آگ دیکھتا ہے تو آگ کے الاؤ کو آگ کے مخصوص رنگوں سے پہچانتا ہے۔آگ کی تیش بھی محسوس کرتا ہے۔اگر خواب دیکھنے والا ایسے مقام پر خود کو دیکھتا ہے جہاں کی فضا تخ اور سرد ہے اور جہاں ہر طرف برف ہی برف ہے لیکن وہاں آگ کا الاؤ بھی روشن ہے تو سردی کا احساس کم ہو جاتا ہے۔یہ بات کہ ظاہری دنیا میں مادی وجود کام کرتا ہے اور خواب کی دنیا میں مادی وجود معطل ہو جاتا ہے۔یہ بات کہ ظاہری دنیا میں مادی وجود کام کرتا ہے اور خواب کی دنیا میں مادی وجود معطل ہو جاتا ہے۔اس کی پوری تفصیلات ہم 'دخواب اور تعبیر'' کتاب میں بیان کر چکے ہیں۔

غور کیا جائے تو آدمی دراصل خواہشات کا غلام ہے۔ایک خواہش پوری نہیں ہوتی تو دوسری خواہش سامنے آ جاتی ہے۔دوسری خواہش پوری نہیں ہوتی تو تیسری چوشی پانچویں خواہش سامنے آ جاتی ہے اور خواہشات کا یہ تسلسل اتنا زیادہ ہو جاتا ہے کہ آدمی کی اپنی حیثیت خواہشات کے پردوں میں حجیب جاتی ہے۔ایسا کبھی نہیں ہوتا کہ انسان کا ہر ارادہ پورا ہو حائے۔ایسا کبھی نہیں ہوتا کہ انسان کا ہر ارادہ پورا ہو حائے۔

حضرت علی رضی اللہ تعالی عنہ سے کسی نے پوچھا:

''آپُّ نے اللہ کو کیسے پیجانا؟''

حضرت على رضى الله تعالى عنه نے فرمایا:

"میں نے اپنے ارادول کی ناکامی سے اللہ کو پیجانا۔"

اس کے باوجود کہ انسان کی ہر خواہش پوری نہیں ہوتی اور انسان کا ہر ارادہ تھیل پذیر نہیں ہوتا انسان کی یہ عادت ہے کہ وہ خواہشات کے ہجوم میں گرفتار رہتا ہے۔یوں کہنا چاہئے کہ مادی زندگی۔۔۔۔دراصل خواہشات کا تسلسل ہے۔انسان کی خواہش اگر پوری نہیں ہوتی تب بھی وہ دوسری خواہش کے پیچے چل پڑتا ہے اور یہ چل پڑنا اس لئے ضروری ہے کہ زندگی تھہر کر انظار نہیں کرتی۔انسان کی بنیادی کمزوری یہ ہے کہ وہ محرومی یا ناکامی کا افسوس کرتا ہے جب کہ محرومی اور ناکامی ہی اسے اگلا قدم اٹھانے پر مجبور کرتی ہے۔ناکام خواہشات اور محکوم تمناؤں کا جب کوئی تدارک نظر نہیں آتا اور انسان اس نقطہ پر رک جاتا



ہے تو چونکہ یہ عمل خلاف قانون ہے اور غیر فطری ہے اس لئے اس کے اوپر احساس محرومی کا غلبہ ہو جاتا ہے۔احساس محرومی ایک بیاری ہے۔

احساس محرومی بیاری کا ایک ایبا درخت ہے جس کے تنے سے فکنے والی ہر شاخ اور شاخ میں سے فکنے والا ہر پتہ احساس محرومی کے علاوہ کچھ نہیں ہے۔اس صورت حال میں انسان نفسیاتی مریض ہو جاتا ہے اور نفسیاتی بیاریوں میں پہلے دماغی عارضہ ہوتا ہے اور پھر یہ عارضہ بڑھتے بڑھتے مختلف بیاریوں میں تبدیل ہو جاتا ہے۔مثلاً ڈپریشن، خوف، پریشانی، شیزوفرینیا، مینیا، تکرار عمل اور تکرار خیال۔ان بیاریوں کے دباؤ کی وجہ سے نروس سلم جب مزید کمزور ہو جاتا ہے تو دوسری بیاریاں لاحق ہو جاتی ہیں۔مثلاً لو بلڈ پریشر ہائی بلڈ پریشر، پھوں کا کھیاؤ، ہڈیوں کا گلنا وغیرہ وغیرہ۔

قدرت رحیم و کریم ہے اور رحیم و کریم کے ساتھ فیاض بھی ہے۔قدرت کائنات میں پھیلی ہوئی مخلوق کو ہمیشہ سکھ چین کی زندگی گزارنے کی ترغیب دیتی ہے۔کسی آدمی پر جب احساس محرومی اس حد تک غالب ہو جائے کہ دنیا بیزاری اس کا محبوب مشغلہ بن جائے تو قدرت اسے زیادہ سے زیادہ رکسین خواب دکھاتی ہے۔یہ رکسین خواب ایک طرح کا لاشعوری علاج ہے۔

ر گلین خواب بہت کم نظر آتے ہیں لیکن جب بھی نظر آتے ہیں تو ان کے پیچے قدرت کی فیاضی شامل ہوتی ہے۔ دماغی اعتبار سے اگر کوئی آدمی ماؤف ہو جائے اور دماغ میں وہ سیلز(Cells) جو اعصاب کو کنڑول کرتے ہیں تھک جائیں اور ان کی کارکردگی ست پڑ جائے تو آدمی خواب میں نیلا رنگ دیکھتا ہے۔ یعنی اسے خواب میں ہر چیز نیلی نظر آتی ہے۔ اگر اعصاب زیادہ کمزور نہیں ہوئے اور کسی وجہ سے حافظہ متاثر ہو گیا تو خواب میں اسے چیز کی گرائی میں نیلے بن کا احساس ہوتا ہے۔

ہائی بلڈ پریشر کا کوئی مریض خواب میں زیادہ تر سرخ رنگ دیکھتا ہے لیکن اگر کوئی ہائی بلڈ پریشر کا مریض خواب میں سرخ کے بجائے سبز رنگ دیکھے تو اس کا مطلب سے ہو گا کہ قدرت نے اسے ہائی بلڈ پریشر کے مرض سے نجات دے دی ہے لیکن اگر وہ سرخ رنگ دیکھے یا بھڑکتے ہوئے شعلے دیکھے یا سرخ رنگ کا جلتا ہوا بلب دیکھے تو معالج کے لئے سے بات قرین قیاس ہے کہ سے خواب دیکھنے والا آدمی ہائی بلڈ پریشر کا مریض بن جائے گا۔



حسن نوسف دم عیسیٰ ید بیضا داری

ككرتفرايي

آنچه خوبال همه دارند تو تنها داری

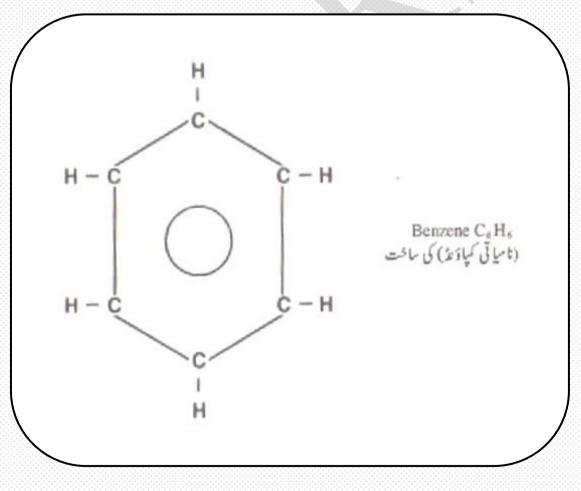
بھی خواب میں ہی تخلیق ہوا۔ادب ہو شاعری ہو قصائد ہوں یا کوئی محیر العقل کارنامہ ہو تاریخ میں الیی مثالیں موجود ہیں کہ پہلے ان کا مظاہرہ خواب میں ہوا اور پھر عملی مظاہرہ دنیا میں ہوا۔

نامیاتی کیمیا میں کاربن کمپاؤنڈز کی ساخت بہت عرصے تک سائنس دانوں کے لئے معمد بنی رہی۔سائنس دانوں کاربن کمپاؤنڈز کی جو بھی ساخت تجویز کرتے تھے اس پر اتنے سوالات اٹھتے تھے کہ اس ساخت کو رد کر کے دوسری ساخت پر غور و فکر شروع ہو جاتا تھا۔کیمیا دان کیکول (Kekule) بھی کاربن کمپاؤنڈ کی ساخت پر کام کر رہا تھا۔اس کا ذہن مسلسل اس کی ساخت دریافت کرنے میں مصروف تھا۔ایک رات اس غور و فکر میں اسے نیند آ گئی۔خواب میں اس نے دیکھا کہ چھ عدد سانپ ہیں اور انہوں نے ایک دوسرے کی دم منہ میں کیڈی ہوئی ہے۔

74



اس شکل کو دیکھ کر کیکول کے ذہن میں Benzene(نامیاتی کمپاؤنڈ) کا خیال آیا۔ بیدار ہونے کے بعد اس نے خواب میں دیکھی ہوئی شکل پر کام شروع کیا اور ثابت کر دیا کہ Benzeneکی ساخت وہی ہے جو اس نے خواب میں دیکھی تھی۔اس طرح نامیاتی کیمیا کا یہ لاینجل معمہ حل ہو گیا۔



جسم کا اپنا ایک نظام ہے اور ہر نظام میں الگ الگ مدافعاتی نظام موجود ہے۔ اگر جسم کے اندر کوئی خرابی ہو جاتی ہے تو مدافعاتی نظام مزاحمت کرتا ہے۔ مدافعاتی قوت دو طرح کام کرتی ہے۔

۔ کسی کے تعاون کے ساتھ

۲۔ براہ راست

امراض سے شفایابی کے لئے بہت سارے علاج ہیں مثلاً جھنجھناہٹ یا وائبریش (Vibration) سے علاج، سورج کی شعاعوں سے علاج، روشنی سے علاج، پانی سے علاج، رنگوں سے علاج، باتوں سے علاج، مفرد جڑی بوٹیوں سے علاج، ایکو پیکچر سے علاج، ایورویدک علاج، یونانی علاج، ایلوپیتی علاج، ہومیوپیتی علاج، کمس مالش (Physiotherapy)سے علاج، خوشبوؤں سے علاج، روحانی علاج۔

ان علاجوں میں سے ایک علاج یہ ہے کہ جسم کے مخصوص حصول پر ایسی ضرب لگائی جائے جس سے جسمانی نظام میں جھنجھناہٹ پیدا ہو۔ یہ بالکل ابتدائی زمانہ کا طریقہ ہے اور Uncivilized و سے بنائی ہوئی ابھی تک یہ طریقہ رائے ہے۔ مریض کو زمین سے تقریباً ۳ فٹ اونچے تنختے پر پتھر یا بانسوں سے بنائی ہوئی چار پائی پر سیدھا لٹا دیا جاتا ہے۔ دونوں پیر کو ملا کر موٹے دھاگے سے انگوشے باندھ دیے جاتے ہیں۔ معالی نظام اپنے دونوں ہاتھ جوڑ کر پیروں کے تلوؤں پر ضرب لگاتا ہے۔ ان کا یقین ہے کہ پیروں میں جسمانی نظام کے تمام پوائنٹس (Accupuncture) موجود ہیں۔ یہ پوائنٹس چین کے ایکو پیچر(المحدود ہیں۔ یہ پوائنٹس جبی موجود ہیں لیکن ان کا طریقہ ضرب کے بجائے سوئی چھونے کا ہے۔ یہی طریقہ ریفائیکالوبی موجود ہیں لیکن ان کا طریقہ ضرب کے بجائے سوئی چھونے کا ہے۔ یہی طریقہ ریفائیکالوبی (Reflexology) میں بھی رائے ہے۔اس طریقہ علاج کے ماہر بھی پوائنٹس دیا کر علاج کرتے ہیں۔

کسی پائپ میں پائی یا کوئی چیز رک جائے۔پائی رکنے کی کوئی وجوہات ہیں۔پائی جم جائے، پائی میں پائپ کے سوراخ کی نسبت سے بہنے کی صلاحیت کم ہو جائے، پائی گاڑھا اور غلیظ ہو جائے، پائپ کو صاف کرنے کا طریقہ یہ ہے کہ پائپ میں پیچھے سے پریشر ڈالا جاتا ہے۔پریشر ہوا کے ذریعہ ہو، حرارت کے ذریعہ ہو یا ضرب کے ذریعہ ہو یا کسی بھی طرح ہو۔پریشر کے ذریعہ پائپ کھل جاتا ہے۔اگر پائپ میں پائی کا بہاؤ اپنی اصلی حالت میں آ جائے تو اس کا مطلب یہ ہے کہ پائپ بمار نہیں ہے۔پائپ میں عبی جائے وی جاتی جائے تو بہاؤ برقرار رکھنے کے لئے سوراخ بند کر دیا جاتا ہے۔کوئی چیز لیپ کر دی جاتی ہے۔لپیٹ دی جاتی ہے یا پائپ کو سی دیا جاتا ہے۔ایک پائپ پر پورے جسمانی نظام کو قیاس کیا جا سکتا ہے۔

طریقہ علان کوئی بھی ہو یونانی طب ہو، ایکو پکچر ہو، ایلو پیتی ہو یا Reflexology لیکن ایک بات زیادہ اہم ہے جو ہر معالج کو یاد رکھنی چاہئے کہ پانی کا اپنا رنگ ہے، پائپ کا الگ رنگ ہے، پائپ میں پانی کا بہاؤ صحیح نہ رہ نے مادے پیدا ہو جاتے ہیں۔ پائپ میں اگر خرابی ہو گی تو رنگ تبدیل ہو جائے گی۔ پانی کا بہاؤ رکے گا تب بھی رنگ تبدیل ہو جائے گی۔ پانی کا بہاؤ رکے گا تب بھی رنگ تبدیل ہو جائے گا، پانی میں لیس یا چینچیاہٹ پیدا ہو جائے اس وقت بھی رنگ تبدیل ہو جائے گا۔ پانی مرنے گا، پانی میں لیس یا چینچیاہٹ پیدا ہو جائے اس وقت بھی رنگ تبدیل ہو جائے گا۔ بانی میں اگر جراثیم مرنے لکیں یا نشوونما زیادہ ہو جائے تب بھی رنگ میں تبدیلی واقع ہو جائے گا۔ اس کا مطلب یہ ہوا کہ اگر پانی کا رنگ صحیح ہے تو آدمی صحت مند ہے اور پانی کے رنگ میں تبدیلی بیاری ہو جائے۔ ہو جائے یا گڑوا ہو جائے گا، گاڑھا یا سرخی مائل ہو جائے۔

### مثال

پانی جب اپنی اصل سے پتلا ہو جائے انیمیا یا لو بلڈ پریشر ہے۔ پانی گاڑھا ہو جائے یا اس میں معمول سے زیادہ گرمی ہو جائے تو ہائی بلڈ پریشر ہے۔ پانی کڑوا ہو جائے تو صفرا بن جائے گا۔ پانی میں اگر ایسی خلط پیدا ہو جائے جو جلی ہوئی ہو تو بیاریاں پیدا ہو جائیں گی جو سوداویت سے تعلق رکھتی ہیں۔ مثلاً تلی کا خراب ہو جانا (Thalassemia)۔ اگر پانی میں لیس پیدا ہو جائے تو بلغمی امراض پیدا ہو جائیں گے۔ پانی میں اگر ایسے ذرات شامل ہو جائیں جو پانی کے سفید ذرات پر غلبہ حاصل کر لیس اور پانی کے سفید خلئ اگیں تو کینسر بن جائے گا۔



عرض یہ کرنا ہے کہ صحت ہو یا بہاری اس میں بہر حال رگوں کی کی و بیش کا عمل دخل ہے۔ ہم جب جڑی بوٹیوں سے علاج کرتے ہیں تو دراصل ان جڑی بوٹیوں سے جہم میں غالب رنگ کو معتدل کرتے ہیں۔ لاکھوں جڑی بوٹیوں میں کوئی ایک بوٹی یا جڑ الیی نہیں ہے جو بے رنگ ہو۔ ہم دراصل دواؤں کے ذریعہ مریض کے جہم میں رنگ منتقل کرتے ہیں۔ کھانے پینے میں اگر اعتدال نہ رہے ہی بہاریاں پیدا ہوتی ہیں۔ سبزیاں اور ترکاریاں کھانے سے جہم زیادہ دیر اچھا رہتا ہے۔اعتدال سے زیادہ گوشت اور انشے کھانے سے حصت اس لئے اچھی رہتی ہے کہ جہم میں سبز رنگ منتقل ہوتا ہے۔اعتدال سے زیادہ گوشت کھانے سے طبیعت میں حکدر، تباہل، بوجھ، غصہ اور درندہ پن اس لئے پیدا ہوتا ہے کہ گوشت میں سرخ اور گابی رنگ غالب ہے جب کہ سرخ رنگ اعتدال میں استعال کرنا محرک ہے۔معالج حضرات اور سائنس دان ایک میز پر بیٹے کر رنگ کے بارے میں غور و فکر کریں تو کئی بھی طرح رنگ کی افادیت اور نقصانات سے انکار ممکن نہیں ہے۔اس لئے کہ میں غور و فکر کریں تو کئی بھی طرح رنگ کی افادیت اور نقصانات سے انکار ممکن نہیں ہے۔اس لئے کہ معالج اور سائنس دان رنگوں کا مرکب ہے۔

چھ ارب انسانوں میں ایک بھی انسان رنگوں کے مرکب کے علاوہ کچھ نہیں۔انسان جس ماحول میں رہتا ہے وہاں بھی رنگوں کے علاوہ کچھ نہیں ہے۔

- ا۔ سورج کے سات رنگ
  - ۲۔ اندھیرے کا رنگ
    - سه پیولوں کا رنگ
      - سم۔ یانی کا رنگ
    - ۵۔ آسیجن کا رنگ
    - ۲۔ چاند کی چاندنی
    - ے۔ ستاروں کا رنگ

- ۸۔ کہکشاؤں کا رنگ
  - 9۔ بادل کا رنگ
- ۱۰ قوس و قزح کا رنگ
- اا۔ پھول بودوں کا رنگ
  - ۱۲۔ درختوں کا رنگ
    - ۱۳ زمین کا رنگ
      - ۱۳ ہوا کا رنگ
    - ۱۵۔ لباس کا رنگ
  - ۱۲۔ دیواروں کا رنگ
- ے ا۔ کھڑ کیوں اور پردوں کا رنگ
  - ۱۸\_ غذاؤل کا رنگ

ہر انسان چاہے وہ جاہل ہو، کم لکھا پڑھا ہو، زیادہ پڑھا لکھا ہو، ڈاکٹر ہو، Ph.Dہو، کسان ہو، شاعر ہو، ادیب ہو، مؤرخ ہو، فنکار ہو، مرد ہو، عورت ہو یا سائنس دان ہو رنگوں کی دنیا میں زندہ رہتا ہے اور جب رنگ اس کا ساتھ چھوڑ دیتے ہیں تو مر جاتا ہے۔

ہمارا کھانا پینا رہن سہن لباس خزال کا موسم بہار کا موسم سب رنگین ہیں۔

جسمانی صحت اور بیاری کا نظام رکگوں پر قائم ہے۔زمین پر موجود تمام سٹم رکگین سٹم ہے۔جب کوئی چیز بے رنگ نہیں تو یہ تلاش کرنا ضروری ہو گیا ہے کہ کون سے رنگوں کی کمی بیشی سے امراض پیدا ہوتے ہیں اور رنگوں کے اعتدال سے جسمانی صحت کس طرح برقرار رہتی ہے۔ ہم جب

### مثال

حصنجھناہٹ (Vibration) سے علاج:

جب ہم مریض کو دوا دیتے ہیں تو اس میں کوئی نہ کوئی رنگ ہوتا ہے۔

ا۔ جب دوا معدے میں جاتی ہے تو وہاں ایک اثر چھوڑتی ہے اور وہ تاثر جھنجمناہٹ (Vibration)

۔ اس ہی طرح انجکشن لگاتے وقت جیسے ہی سوئی جسم کیا اندر داخل ہوتی ہے Vibrationہوتی ہے۔

سے سرجن جب آپریش کرتا ہے تب بھی Vibration ہونا ضروری ہے۔

ہ۔ Anesthetist مریض کو کلوروفام سنگھاٹا ہے۔اس کا مطلب بھی یہی ہے کہ دواؤں کے پریشر یا تاثرات

سے عارضی طور پر شعور کو معطل کر دیا گیا ہے۔

انسانی جسم خلاء کے علاوہ کچھ نہیں ہے۔خلاء سے مراد سوراخ ہیں۔انسان کے اندر سے اگر سوراخ نکال دیئے جائیں تو جسم ختم ہو جائے گا۔

ا۔ آگھوں کے سوراخ

ا۔ ناک کے سوراخ

س حلق کے سوراخ

ہ۔ بول و براز کے سوراخ

# S.Org

۵۔ انسان کے اندر آنتوں کے سوراخ اور کھال میں سوراخ

سوراخ نہیں ہوں گے تو پینہ نہیں آئے گا ہوا اندر جائے گی نہ باہر آئے گی۔جب ان سوراخوں میں بے اعتدالی پیدا ہو جاتی ہے۔ جسم کے اندر رنگ اور رشی ہو جاتا ہے۔ جسم کے اندر رنگ اور روشن سے مرکب ایک برتی رو دوڑتی رہتی ہے جو جسمانی نظام کو بحال رکھتی ہے۔ جس کو ہم سمجھنے کے لئے کرنٹ کہہ سکتے ہیں۔

جسمانی نظام میں اگر کرنٹ رک جائے تو سوراخ یا اس کا اسفنجی سسٹم غیر متوازن ہو جاتا ہے جس کے نتیج میں جسم پر ورم آ جاتا ہے۔

جوڑوں اور اعضاء میں الکیٹریکل امپلس (Electrical Impulse) گھوم کر دائروں کی شکل میں چلتے ہیں۔ دائروں میں گھومنے کی وجہ سے جوڑوں میں خلاء رہتا ہے۔ ساتھ ساتھ اس عمل سے جوڑوں میں چکنائی پیدا ہوتی ہے۔ اگر Electrical Impulseکی حرکت میں اعتدال نہ رہے تو جوڑوں پر ورم آ جاتا ہے اور جوڑ آپس میں جڑ جاتے ہیں۔

### لطيف اور كثيف وجود

انیان صرف مادی جسم کا نام نہیں ہے اس کے اوپر ایک اور لطیف جسم ہے۔ہماری تخلیق لطیف اور کثیف دو جسموں سے ہوئی ہے۔ تمام حرکات اور افعال لطیف جسم کے تابع ہیں۔ماہرین نے معالجین کی استعداد میں اضافہ کرنے کے لئے جسم کے مختلف مقامات متعین کئے ہیں۔یہ مقامات ان حضرات کے مشاہدہ میں آ جاتے ہیں جو لطیف جسم کو دکھ لیتے ہیں۔لطیف جسم سے مختلف روشنیاں پھوٹتی رہتی ہیں جن کا رنگ قوس و قزح کے رنگوں کی طرح ہوتا ہے۔

معالج جب مریض کو دکھتا ہے تو اسے معلوم ہو جاتا ہے کہ مریض کے اندر کس رنگ کی کی یا زیادتی ہو گئی ہے۔وہ جان لیتا ہے کہ مرض جذبات و احساسات میں عدم توازن کی وجہ سے ہے یا بیرونی اثرات (جراثیم وغیرہ) کی وجہ سے ہے۔



پیچیدہ تصورات منفی احساسات غیر پاکیزہ خیالات اور تخریبی اعمال و حرکات سے روشنیوں کے جسم میں رھے پڑ جاتے ہیں۔ بعد میں یہ دھے مادی جسم میں زخم بن جاتے ہیں اور ان میں سراند پیدا ہو جاتی ہے۔ نتیج میں جسم میں جراثیم یا Foreign Bodyداخل ہو جاتا ہے۔

# رنگوں میں کمی و بیشی معلوم کرنے کا طریقہ

مرض کی تشخیص اور علاج تجویز کرنے کے لئے ضروری ہے کہ مریض کی جسمانی اور جذباتی سطح کو پوری طرح سمجھا جائے۔ مرض کی تشخیص کے لئے معلوم ہونا چاہئے کہ جسم میں کس رنگ کی کمی واقع ہو گئ ہے تاکہ ضروری رنگ کے استعال سے اس مرض کو رفع کیا جا سکے۔ مریض کی عادات مزاج عمل اور ردعمل کا علم ہونا بھی ضروری ہے۔

سرخ رنگ کی کمی واقع ہو جانے سے مریض ست، کابل، کمزور اور سویا سویا سا رہتا ہے۔ قبض کی شکایت مجھی ہو جاتی ہے۔ برخلاف اس کے جس شخص کے اندر نیلے رنگ کی کمی واقع ہو جائے وہ اضطراری کیفیت سے دوچار رہتا ہے۔بات بات پر غصہ کرتا ہے اور ہر کام میں جلد بازی کا مظاہرہ کرتا ہے۔

جسم میں رنگوں کی کی بیشی کا اندازہ لگانے کا ایک طریقہ یہ بھی ہے کہ مریض کی آنکھوں کے ڈیلوں Eye Balls ناخنوں اور جلد کے رنگ کا بغور مطالعہ کیا جائے۔ مثلاً اگر کسی مریض کو سرخ رنگ کی ضرورت ہے تو اس کی آنکھوں کے ڈیلے اور ناخن نیلاہٹ مائل ہوں گے، جلد کا رنگ بے رونق ہو گا، آنکھوں کے ڈیلوں میں سرخی آنکھوں کے ڈیلوں میں سرخی ناخنوں میں تیز سرخی اور جلد میں سرخی سے ہو گا۔

اگر جسم میں سرخی یک لخت اور بے تحاشا بڑھ جائے جیبیا کہ سگ گزیدگی میں ہو تا ہے تو نیلا رنگ بار بار اور جلد جلد استعال کرنا چاہئے۔

بعض حالتوں میں ایسا لگتا ہے کہ کوئی ایک رنگ جسم کے کسی خاص حصہ میں جمع ہو گیا ہے جیسے پھوڑا پھنسی، آشوب چیثم، درد سر اور فالج وغیرہ لیکن درحقیقت وہ رنگ پورے جسم پر غالب ہوتا ہے۔جسم کا



قدرتی نظام مدافعت اس کو کسی عضو یا حصہ پر ظاہر کر کے ہماری توجہ اس زیادتی کی طرف مبذول کراتا ہے۔ ایسی صورت میں معالج کو چاہئے کہ کیسوئی کے ساتھ غور و فکر کرے کہ مریض کو کس رنگ کی ضرورت ہے۔

آئھوں کا رنگ کبھی کبھی دھوکہ بھی دے دیتا ہے۔ جیسے آئھوں کے سرخ ہونے میں سرخ رنگ کی کی بھی ہو سکتی ہے۔ لیکن جب بقیہ دو چیزوں کا معائدہ کیا جائے تو صحیح صور تحال سامنے آ جائے گی۔ آئھوں کا رنگ مختلف ہوتا ہے۔ گرم ممالک کے لوگوں میں سیاہ ہوتا ہے۔ سفید فام اقوام میں ہاکا یا نیلا ہوتا ہے۔ چانچہ اکھی تین چیزیں ہی صحیح صورت حال کے تعین میں رہنمائی کریں گی۔ کبھی کبھی ناخنوں میں باریک یا موٹی عمودی لکیریں ہوتی ہیں جس سے ظاہر ہوتا ہے کہ بلغم زیادہ بن رہا ہے۔ ناخن کالے ہونے کا یہ مطلب ہوتا ہے کہ خون میں سوداویت بڑھ گئی ہے۔

جہم میں اگر کسی ایک رنگ کی زیادتی ہوئی ہو تو اس رنگ کو متوازن کرنے کے لئے ایبا رنگ استعال کرنا چاہئے جو اس رنگ کی زیادتی کو معتدل کر دے۔ایسے رنگ کی پیچان کیسے ہو؟ کون سا رنگ کس رنگ کو معتدل کرے گا؟

ان سوالات کے جوابات الہامی کتابوں میں موجود ہیں۔

"اور ہم نے ہر چیز کو دو رخول پر پیدا کیا۔" (القرآن)

اللہ تعالیٰ کا یہ ارشاد کہ ہم نے ہر چیز کو دو رخوں پر پیدا کیا ہے مطلب یہ ہے کہ کائنات کی ہر چیز کی تخلیق میں دو رخ کار فرما ہیں۔ مثلاً دن رات مرد عورت خوش غم روشنی اندھیرا سردی گرمی بہار خزاں سونا جاگنا غرضیکہ ہر تخلیق اس قانون کی پابند ہے۔ ان دو رخوں میں مجھی ایک رخ غالب ہوتا ہے اور دوسرا مغلوب اور بہلا مغلوب ہوتا ہے۔ رنگ اللہ کی تخلیق ہیں اور وہ بھی اسی قانون کے مغلوب اور مبھی دوسرا غالب اور پہلا مغلوب ہوتا ہے۔ رنگ اللہ کی تخلیق ہیں اور وہ بھی اسی قانون کے یابند ہیں۔

جس رنگ کو ہماری آنکھ دیکھتی ہے وہ رنگ کا غالب رخ ہوتا ہے۔رنگ کا دوسرا رخ غالب رخ کے پس پردہ ہوتا ہے۔مغلوب رخ کی خاصیت سے کہ وہ غالب رخ کے اثرات کو معتدل کر دیتا ہے اسی طرح غالب رخ کی خاصیت سے ہے کہ وہ مغلوب رخ کے اثرات کو معتدل کر دیتا ہے۔

کسی رنگ کے مغلوب رخ کو دیکھنے کا طریقہ یہ ہے کہ اس رنگ کو تھوڑی دیر کے لئے نظر جما کر دیکھیں اور پھر فوراً کسی سفیر یا خاکستری سطح کو دیکھیں۔اس سطح پر مغلوب رخ نظر آ جاتا ہے۔

رنگ کے غالب اور مغلوب رخ چونکہ ایک دوسرے کے اثرات کو معتدل بناتے ہیں اس لئے دونوں رخ ایک دوسرے کے معاون رنگ کہلاتے ہیں۔

# www.ksars.or

### باب نمبر • اب

### طريقه علاج

رنگ اور روشی سے علاج کے لئے الگ الگ رنگ معین ہیں۔ سر گردن اور چہرے کے لئے نیلا رنگ، سینے کے امراض کے لئے زرد رنگ، جنسی اعضاء اور جنسی امراض کے لئے زرد رنگ، جنسی اعضاء اور جنسی امراض کے لئے جامنی رنگ۔معالج اپنے تجربہ اور صوابدید سے ان رنگوں میں دوسرے رنگ شامل کر کے امراض کا علاج کرتا ہے۔

### اصول

جب ایک یا ایک سے زائد مراکز میں رنگوں کی معین مقداروں کا تناسب بگڑ جاتا ہے تو نئے نئے امراض پیدا ہو جاتے ہیں۔رنگ کی مقدار متوازن ہو جائے تو مرض کا علاج آسان ہو جاتا ہے۔رنگوں کی کمی پورا کرنے یا زیادتی کو ختم کرنے کے لئے سورج کی شعاعوں اور روشنی سے مدد لی جاتی ہے۔

## ر نگول سے علاج

رنگ اور روشنی کے علاج سے معمولی سمجھ بوجھ کا آدمی بھی فائدہ اٹھا سکتا ہے۔اس علاج میں وقت کم لگتا ہے اور روشنی سے اور خرچ بھی کچھ نہیں ہوتا۔رنگ اور روشنی سے علاج مندرجہ ذیل طریقوں سے کیا جاتا ہے۔

ا۔ جہم کے زیادہ سے زیادہ حصول کو تھوڑی تھوڑی دیر کے بعد دھوپ میں رکھا جائے۔ سورج کی روشن کے طیف میں چونکہ تمام رنگ پائے جاتے ہیں اس لئے جسم کو جس ایک یا ایک سے زیادہ رنگ کی ضرورت ہوتی ہے جہم

اس کو جذب کر لیتا ہے۔امراض کا علاج دراصل سورج کے رنگ ہیں، حدت اضافی چیز ہے۔



۲۔ جس رنگ کی ضرورت ہو اس رنگ کی بوتل بازار سے خرید کر پہلے اسے گھنڈے پانی سے پھر گرم پانی سے خوب اچھی طرح صاف کر لینا چاہئے تا کہ بوتل کی اندر کی سطح میں کسی قسم کا میل باتی نہ رہے۔اگر بوتل کے اوپر کوئی لیبل یا کاغذ وغیرہ لگا ہوا ہے تو اسے بھی دھو دینا چاہئے۔صاف شدہ بوتل یا شیشی میں آب مقطر (Water Distilled) بھر دیں۔ پانی بھرتے وقت یہ خیال رکھیں کہ بوتل یا شیشی کے اوپر کا ایک چوتھائی حصہ خالی رہے۔

اس بوتل یا شیشی کو ککڑی یا ککڑی کی چوکی پر ایسی جگہ رکھیں جہاں صاف اور کھلی دھوپ ہو۔ مطلوبہ رنگ کی بوتل یا شیشی فراہم نہ ہو سکے تو صاف کی شیشے کی سفید بوتل پر مطلوبہ رنگ کا ٹرانسیرنٹ کاغذ کی بوتل یا شیشی فراہم نہ ہو سکے اور اطراف سے کاغذ کے اندر آ جائے۔ کاغذ دستیاب نہ ہو تو مطلوبہ رنگ کی ٹرانسیرنٹ پلاسٹک شیٹ سے بھی کام لیا جا سکتا ہے۔

i) ہوتل کو چار یا چھ گھنٹے تک دھوپ میں رکھا جائے۔پانی تیار کرنے کا بہترین وقت دن میں دس گیارہ بجے سے چار بجے تک ہے۔بوتل کے خالی جھے پر بھاپ کی طرح بوندیں جمع ہو جائیں تو پانی تیار ہونے کی علامت ہے۔

ii) ایک بوتل کو دوسری بوتل کے قریب اس طرح نہ رکھیں کہ ایک بوتل کا سامیہ دوسری بوتل پر پائے۔ پڑے۔

جس مقام پر بو تلیں رکھی جائیں وہاں کی فضا گرد و غبار اور دھوئیں سے پاک ہونی چاہئے۔بو تلوں کے اوپر کارک مضبوطی سے لگا رہنا چاہئے۔

سر برسات کے دنوں میں سورج کبھی نکاتا ہے اور کبھی مطلع ابر آلود ہوتا ہے۔ایی صورت میں یہ طریقہ اختیار کیا جائے کہ جس رنگ کی ضرورت ہو اسی رنگ کی بوتل میں شوگر آف ملک کی دو گرین کی نگیاں بھر کر ایک ماہ تک روزانہ چھ گھنٹے دھوپ میں رکھیں۔بوقت شب بوتل یا مختلف رنگ کی بوتلیں مطلوبہ رنگ کی روشنی میں رکھ دیں۔



ككرتفرايي

ہر دوسرے روز بوتل کو اچھی طرح ہلاتے رہیں۔ گرمیوں میں چونکہ سورج کی کرنیں تیز ہوتی ہیں اور جلدی جذب ہو جاتی ہیں اس کئے پندرہ روز میں دوا تیار ہو جاتی ہے۔

ہ۔ پروجیکٹر پر مختلف رنگین شیشے لگا کر رنگین شعاعوں سے علاج کیا جا سکتا ہے اور دوائیں بھی تیار کی جا سکتی ہیں۔

۵۔ کمروں کی کھڑکیوں یا دروازوں میں مختلف رنگوں کے شیشے الیی سمت میں لگائے جائیں جہاں سے براہ راست صبح و شام دھوپ آتی ہے۔ بوقت ضرورت ایک شیشہ پر سے پردہ ہٹا دیا جائے یا معالج کی ہدایت پر ایک سے زیادہ پردے ہٹا دیے جائیں۔ شیشوں پر سے پردہ اس طرح ہٹایا جائے کہ مریض پر مطلوبہ روشنی پڑتی رہے۔

مریض کوآرام دہ کاؤی (Couch) پر لٹا دیا جائے یا کرسی پر بٹھا کر روشنی ڈالی جائے۔روشنی ڈالنے سے پہلے وقت کا تعین کرنا ضروری ہے کہ روشنی کتنے وقت کے لئے ڈالنی ہے۔

۲۔ ڈیڑھ فٹ کا ایک بکس بنوا لیا جائے جس میں چاروں طرف اس طرح کے خانے بنائے جائیں کہ ان میں حسب منشاء جس رنگ کا چاہیں شیشہ لگا دیں۔ بکس کی زمین لکڑی کی ہو۔ البتہ حجت پر ریفلیکشن (Reflection) والی دھات لگائی جائے۔ بکس کے اندر ۱۰۰ واٹ کا بلب لگا دیں۔ اب تین طرف کے خانے بند کر کے چوشھے خانے میں مطلوبہ رنگ کا شیشہ لگا کر علاج کریں۔

2۔ رنگ اور روشنی سے علاج میں رنگین تیل کا استعال بہت مفید ثابت ہوا ہے۔ تیل بنانے کا طریقہ بیہ ہے کہ مختلف رنگوں کی ہو تلوں میں کچی گھانی کا خالص النی کا تیل بھر کر چالیس دن تک دھوپ میں رکھیں۔اگر اس عرصہ میں بارش آ جائے یا بادل چھا جائیں تو اتنے ہی دنوں کا اضافہ کر کے مزید دھوپ میں رکھیں۔

سر میں مالش کرنے کے لئے آسانی رنگ کی بوتل میں تلوں کا تیل تیار کیا جائے۔ یہ تیل ایسے مریضوں کے لئے مفید ہے جن کے دماغ پر گرمی چڑھ گئی ہو۔ مریض کبھی ہوش میں اور کبھی بے ہوش ہو جاتا



۸۔ شیشے کے رنگین جار میں (Distilled Water) کے ایمپیول دو سو گھنٹوں میں تیار ہو جاتے ہیں۔ ایمپیول کی تیاری کے دوران بادل آ جائیں تو مزید اتنے ہی گھٹے دھوپ میں رکھیں اور معالج کی ہدایت پر جس رنگ کی ضرورت ہو استعال کریں۔

نوٹ: ایمپیول کا علاج کسی ہوشیار اور مستند معالج کے مشورے کے بغیر نہ کیا جائے۔

9۔ آئھوں کی بیاریوں آگھ کی دکھن اور ان آئھوں کے لئے جو آپریشن کے بعد خراب ہو گئ ہوں ملکے آسانی رنگ شیشے کی عینک لگانے سے بہترین متائج سامنے آئے ہیں۔

نوٹ: آسانی رنگ گلاس کی عینک دن میں نو یا دس بجے سے شام چار یا پانٹی بجے تک لگانی چاہئے۔زیادہ بہتر ہے ہے کہ دو تین گھٹے کا وقفہ گزرنے پر عینک اتار دی جائے اور پندرہ بیس منٹ کے بعد دوبارہ لگائی جائے۔

•ا۔ فالح لقوہ یا اس قبیل کے دیگر امراض جن میں مالش یا کلور عام طور سے فائدہ مند ہوتی ہے ان کے علاج کے لئے ایک کپ نمک اور دو کپ بھوسی رنگین تھیلیوں میں بھر کر دھوپ میں اتنی دیر رکھیں کہ نیم گرم ہو جائیں۔ان تھیلیوں سے نکور کریں۔

اا۔ دو سوت موٹی ککڑی کا فریم بنوایا جائے جس میں ایک طرف دستہ ہو۔اس کے اوپر مکمل رنگین کپڑا اس طرح لپیٹ دیا جائے کہ کپڑے کے درمیان میں مختلف رنگ کے خوشبودار پھولوں کی پتیاں بھر دی جائیں۔اس رنگین خوشبودار پیکھے کو اس طرح چبرے کے سامنے رکھا جائے کہ سورج کی روشنی اس میں سے چھن کر چبرے پر پڑتی رہے۔

نوٹ: رنگ اور روشنی سے علاج کے اور بھی طریقے ہیں جن پر تحقیق ہو رہی ہے۔

نظام ہضم' جگر اور لبلبہ کی بیاریاں

معدہ کا زخم

### اسپاب

اس مرض میں معدہ کی اندرونی دو تہوں میں زخم ہو جاتے ہیں۔اس کی وجہ تیزابیت کی زیادتی یا چکنی رطوبت (Mucus) کی کی ہوتی ہے۔ سگریٹ، کافی، چائے، مصالحہ دار چیزوں اور مرچوں کے زیادہ استعال سے بھی تیزابیت بڑھ جاتی ہے۔

### علامات

معدہ کے زخم کے مریض عام طور پر معالج سے اس وقت رجوع کرتے ہیں جب پیٹ کے اوپری حصے میں درد ہوتا ہے۔ یہ درد عام طور پر کھانا کھانے سے بڑھ جاتا ہے اور وقفے وقفے سے ہوتا ہے۔ درد کے ساتھ ساتھ مجوک میں کی، متلی، تے، سینے کی جلن اور ریاح کی زیادتی ہو جاتی ہے۔

السر چھوٹی آنت کے پہلے ھے میں بھی ہو جاتا ہے۔اس کی علامات کم و بیش معدہ کے السر جیسی ہوتی ہیں۔ ہیں۔فرق سے ہے کہ اس السر میں دودھ بسکٹ وغیرہ کھانے سے درد کم ہو جاتا ہے۔

- ا۔ سبز (Green) رنگ کا پانی صبح و شام
- ا۔ زرد (Yellow) رنگ کا پانی کھانے سے پہلے

کلر تھراپی سے رنگین بانی کی

س۔ رنگین پانی کی خوراک براوں کو ۲ اونس اور بچوں کو ایک اونس دی جائے۔ چھوٹے بچوں کو معالج کے مشورے سے ایک ٹیبل اسپون یا ٹی اسپون رنگین یانی دیا جائے۔

# نفخ و قراقر معده

### اسباب

بادی ثقیل اور ٹھنڈی چیزوں کا زیادہ استعال پانی زیادہ پینا کھانا کھانے کے فوراً بعد سو جانا کھانے کے بعد چہل قدمی نہ کرنا زیادہ دیر بیٹھے رہنا اور کم چلنا پھرنا۔

#### علامات

پیٹ میں پسلیوں کے نیچے تھچاؤ ہوتا ہے۔ قراقر کی آواز سنائی دیتی ہے۔ بھی کھار میٹھا اور بھی سخت درد ہوتا ہے پیٹ پھول جاتا ہے، کھٹی ڈکاریں آتی ہیں اور منہ سے تھوک زیادہ آتا ہے۔

### علاج

ار نارنجی (Orange) رنگ کا پانی صبح و شام

۲۔ سبز (Green) رنگ کا یانی دونوں وقت کھانے سے پہلے

# پیٹ کے کیڑے

### اسباب

کچی غذا جو صحیح طرح کپی ہوئی نہ ہو اور سڑی ہوئی چیزوں کے کھانے اور غیر صاف بانی پینے سے پیٹ میں کیڑے ہو جاتے ہیں۔

#### علامات

پیٹ میں ہاکا ہاکا درد ہوتا ہے اور پیٹ میں نفخ ہوتا ہے۔ بھوک کے وقت کوئی چیز اوپر کو چڑھتی ہوئی معلوم ہوتی ہے۔ منہ سے رال بہتی ہے۔ مریض سوتے میں دانت چباتا ہے، ہونٹ خشک ہو جاتے ہیں، چکنی چیزوں سے کراہت ہوتی ہے۔ فاسد غذا دستوں میں نکلتی ہے، کبھی پاخانہ کے ساتھ کیڑے خارج ہوتے ہیں، کھانا کھانے کے بعد جی مثلاتا ہے۔ اگر کیڑے کدودانے ہوں تو پیٹ میں مروڑ اٹھتا ہے اور سر میں درد ہوتا ہے۔ چرہ کا رنگ زرد ہوتا ہے۔ بچوں میں اگر یہ شکایت ہو تو بچہ اپنی ناک نوچتا ہے۔ مریض کی مقعد (Anus) کے مقام پر خارش ہوتی ہے اور منہ سے بو آتی ہے۔

### علاج

نیلے (Blue) رنگ کا پانی صبح و شام

۲ زرد (Yellow) رنگ کا یانی دوپیر و رات

### اسہال

### اسباب

امیبا (Amoeba) بیکٹیریا کے زہر ملیے مادے وائرس اور الیی خوراک جس سے آدمی الرجک ہو الیی غذا جو صحیح طرح کی ہوئی نہ ہو سڑی ہوئی ہو یا فرت کی میں زیادہ مدت تک رکھی گئی ہو اس بیاری کا سبب بنتی ہے۔

### علامات

مریض میں مندرجہ ذیل علامات پائی جاتی ہیں۔

دست، پیٹ میں درد، کمزوری، بھوک نہ لگنا، متلی اور قے۔اس کی دو مشہور قسمیں ہیں۔

كلرتهرابي

ا۔ ہیضہ

ا۔ پیچش

بج.

### اسباب

پیچش عام طور پر امیبا (Amoeba) اور مجھی مجھی بیکٹیریا کی وجہ سے ہوتی ہے۔ایسے مریض جن کو پیچش رہ چکی ہو ان کے پاخانے سے دوسروں تک یہ مرض پھیل سکتا ہے اور ایسی غذا کھانے سے بھی پیچش ہو جاتی ہے جس میں انسانی فضلے کی آمیزش ہو۔

#### علامات

عام طور پر مختلف مریضوں کو مختلف درجوں کی پیچیش ہوتی ہے۔ بعض لوگوں میں علامات ظاہر نہیں ہوتیں، بعض میں علامات ظاہر ہو جاتی ہیں۔ پیچیش میں آنتوں کے اندر اعصاب متاثر ہو جاتے ہیں۔

### ا) کم درجے کی پیچش:

اس مرض میں نیم سیال پتلے پاخانے آتے ہیں جس میں چکنی رطوبت(Mucus) موجود ہوتی ہے گر خون نہیں ہوتا۔اس کے ساتھ ساتھ پیٹ میں مروڑ حبس ریاح تھکن ہوتی ہے وزن کم ہو جاتا ہے۔یہ علامات وقفے وقفے سے ہوتی ہیں۔

### ٢) زياده درج والي پيچش:

اس مرض میں بالکل پیلے پاخانے آتے ہیں اور پاخانے کے ساتھ آؤں اور خون آتا ہے اور زیادہ شدت ہونے پر صرف خون آتا ہے۔ بخار (104ڈ گری فارن ہائیٹ) بھی ہو سکتا ہے۔اس کے علاوہ پیٹ میں درد اور پاخانہ کرنے میں شدید تکلیف(Tenusmus) ہوتی ہے۔

### علاج

ا۔ زرد رنگ کا پانی صبح و شام، شدت کی صورت میں زرد رنگ کا پانی دو دو گھٹے کے وقفے سے استعال کریں۔

۲۔ خون آنے کی صورت میں سبز رنگ کا پانی دوپہر اور رات کو استعال کریں۔

سر مرہم زرد ناف کے اطراف صبح و شام مالش کریں۔

### بمبضه

### اسپاب

یہ بیاری جراثیم (Vibreo Cholera) کی وجہ سے ہوتی ہے۔ جراثیم سے متاثر غذا اور پانی کے استعال سے بیاری لگ جاتی ہے۔

### علامات

ہینہ کے مریض کو چاول کے پانی کی طرح پاخانے آتے ہیں جس میں بہت سا مفید دودھیا پانی نکلتا رہتا ہے۔ اسہال میں عام طور پر پاخانے کی مخصوص بدبو نہیں ہوتی اور پیپ اور خون بھی نہیں ہوتا۔ مریض کے جسم میں پانی کی کمی ہو جاتی ہے۔ مثلاً مریض کی جلد اور زبان سوکھ جاتی ہے، آئکھیں دھنس جاتی ہیں، دل کی دھڑکن تیز ہو جاتی ہے، نبض ست چلتی ہے۔

عام طور پر ہیضہ کے وست ۲ سے 2 دن تک آنے کے بعد خود بخود رک جاتے ہیں لیکن اس ۲ سے ک دن میں پانی کی کمی کی وجہ سے موت کا خطرہ لاحق ہو جاتا ہے۔اس لئے ہیضہ میں سب سے اہم علاج پانی اور نمکیات کی کمی کو دور کرنا ہے۔



ا۔ ابتداء میں زرد رنگ پانی دو دو گھنٹے کے وقفہ سے اور آخر میں نارنجی رنگ پانی ایک ایک گھنٹہ کے بعد استعال

کریں۔

۲۔ سبز رنگ پانی صبح و شام

قبض

اسباب

ثقیل دیر ہضم غذاؤں کے زیادہ استعال سے یا بعض دفعہ دماغی کاموں کی زیادتی سے اعصاب کمزور ہو جاتے ہیں اور انتزیوں کی استعال، نیند کی کمی، جاتے ہیں اور انتزیوں کی استعال، نیند کی کمی، بہت زیادہ وظائف پڑھنے، عام جسمانی کمزوری اور کاہل الوجود کام کاخ نہ کرنے والے لوگوں کو قبض ہو جاتا ہے۔

#### علامات

رفع حاجت کے وقت زیادہ دیر گئی ہے۔خشک سیاہی ماکل فضلہ مشکل سے خارج ہوتا ہے۔فضلہ دیر تک آنتوں میں رہنے سے پیٹ میں متعفن ریاح پیدا ہو کر نفخ ہو جاتا ہے۔طبیعت ست اور حواس کندہ ہو جاتے ہیں۔سر میں درد رہتا ہے، دل کی دھڑکن تیز ہو جاتی ہے، جسم کی رنگت زردی ماکل ہو جاتی ہے، انگرائیاں اور جمائیاں کثرت سے آتی ہیں، پنڈلیوں میں درد ہوتا ہے، دماغ بھاری رہتا ہے۔

- ا زرد رنگ پانی صبح و شام
- اله نارنجی رنگ پانی دوپهر و رات



# ذہنی دباؤ کی وجہ سے پیٹ کی خرابی

### اسباب

اس بیاری کی کوئی مادی وجہ ابھی تک سامنے نہیں آئی البتہ جس بات پر سب متفق ہیں وہ یہ ہے کہ وہ لوگ جو کسی بھی وجہ سے خاندانی معاملات اور معاشی حالات کے بارے میں پریشان رہتے ہیں، غیر ضروری باتیں سوچتے ہیں اور جن لوگوں کو وسوسے زیادہ آتے ہیں، بے یقینی ان کے اوپر مسلط ہو جاتی ہے یا کسی وجہ سے ذہنی دباؤ میں رہتے ہیں، اس بیاری کا شکار ہوتے ہیں۔

اسٹیٹس (Status) مادیت کا غلبہ ہونے سے اور عدم تحفظ کے احساس کی بنا پر یہ بیاری آج کل عام ہو گئ ہے۔

### علامات و شکایات

عام طور سے پیٹ میں درد ہوتا ہے جو کسی کو ایک جگہ، کسی کو دوسری جگہ محسوس ہوتا ہے۔ یہ درد دوروں کی شکل میں ہوتا ہے۔ پاخانہ آنے یا ریاح خارج ہونے پر درد کم یا ختم ہو جاتا ہے، غذا کھانے سے بڑھ جاتا ہے۔ مریض کو جمعی قبض اور جمعی دست آتے ہیں۔ قبض کی صورت میں جمعی مریض کو برخ جاتا ہے۔ مریض کو کبھی طرح پانا ہے اور دستوں کی صورت میں ربن (Ribbon) کی طرح پانا پاخانہ آتا ہے۔دیاح زیادہ بنتی ہے اور خارج نہیں ہوتی۔قراقر ہوتا ہے اور پیٹ پھول جاتا ہے۔دل کی حرکت تیز ہو جاتی ہے۔

- ا آسانی رنگ بانی صبح و شام
- ۲ زرد رنگ بانی دوپیر اور رات
- سو نارنجی رنگ پانی دن میں ایک بار



# ہاضمہ کی خرابی

### اسباب

ہاضمہ کی نالی میں کہیں بھی کوئی بیاری ہو وہ اس بیاری کی وجہ ہو سکتی ہے۔

کچھ دوائیں مثلاً اسپرین اور اینٹی بائیوٹک دوائیں اور نفسیاتی بیاریاں خصوصاً ڈپریشن اور اعصابی تناؤ سے بیہ بیاری لاحق ہوتی ہے۔

### علامات

اس مرض میں مریض عام طور پر اوپری پیٹ میں درد سینے میں جلن، متلی تے، بھوک کی کی، پیٹ پھولنا، کھٹی ڈکاریں آنا اور حبس ریاح کی شکایت کرتے ہیں۔

### علاج

به فیروزی رنگ پانی صبح و شام

۲ زرد رنگ پانی دو پهر و رات

#### ا چى

غلیظ مادی اور چکنی غذاؤں کا زیادہ استعال کثرت سے ریاح پیدا ہونا، صفرا کی زیادتی اور آکسیجن کی زیادتی سے پیکی آتی ہے۔

### علامات



### علاج

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ زرد رنگ پانی دن میں ایک بار

# حپوٹی آنت کی سوزش

#### علامات

چھوٹی آنت میں سوزش اور زخم ہو جاتے ہیں۔پیٹ کے نچلے جھے میں درد ہوتا ہے۔یہ درد اسہال اور بخار سے بڑھ جاتا ہے۔پیٹ دباکر دیکھنے سے پیٹ کے نچلے جھے میں دائیں طرف ایک رسولی نما چیز محسوس ہوتی ہے۔

اپینڈ کس (Appendicitis) سے ملتی جلتی علامات ہوتی ہیں۔آنتوں کی سوزش کو زیادہ عرصہ گزر جائے تو مندرجہ ذیل پیچید گیاں پیدا ہو جاتی ہیں۔

- ا۔ آنتوں میں سوراخ بن جاتے ہیں۔
- ۲۔ آنتیں ایکد وسرے سے چیک کر فضلہ کے اخراج میں رکاوٹ بنتی ہیں۔
  - س آنتوں کا بھگندر بھی بن سکتا ہے۔
    - الله المنتول كاكينس الوسكتا ہے۔

آنتوں کی سوزش میں آنتوں کے علاوہ جسم کے دوسرے حصوں میں مندرجہ ذیل علامات پائی جاتی ہیں۔

۔ وزن کی کمی معدنیات کی کمی وٹامنز کی کمی ناخنوں کا مخروط نما ہو جانا۔

۲۔ جسم پر زخم جیسے سرخ نشانات پڑ جاتے ہیں۔

سر آنکھوں کا رنگ لال ہو جاتا ہے، آنکھ کی نیلی میں سوزش محسوس ہوتی ہے۔

# برای آنت کی سوزش

### اسباب

ذہنی درماندگی، دماغی کشکش، اعصابی کشاکش، مستقبل کا خوف، احساس کمتری یا احساس برتری میں شدت مصائب و پریثانیاں بڑھنے اور قناعت نہ ہونے سے یہ بیاری بڑھ جاتی ہے۔

#### علامات

جس طرح چیوٹی آنت میں سوزش و زخم ہو جاتے ہیں بالکل اسی طرح بڑی آنت میں بھی سوزش اور زخم ہو جاتے ہیں۔لیکن بڑی آنت کی سوزش عام طور پر بڑی آنت تک ہی محدود رہتی ہے۔

مندرجہ ذیل علامات وقفہ وقفہ سے پیدا ہوتی ہیں۔

دستوں میں خون کی آمیزش، بخار، وزن کی کی، تبھی تبھی پیٹ میں درد، نچلے پیٹ میں بائیں طرف پیٹ دبانے سے تعلیف ہوتی ہے۔ پنڈلیوں دبانے سے تعلیف ہوتی ہے۔ پنڈلیوں میں اینٹون ہوتی ہے۔ ہنڈلیوں میں اینٹون ہوتی ہے۔ مرض پرانا ہونے سے مندرجہ ذیل پیچیدگیاں پیدا ہو جاتی ہیں۔

ا۔ معدنیات کی کمی ہو جاتی ہے۔

۱۔ آنتوں میں سوراخ بن جاتے ہیں۔

اس کے علاوہ جسم میں تقریباً وہی علامات پائی جاتی ہیں جو حچوٹی آنت کی سوزش میں پائی جاتی ہیں۔

### علاج

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح و شام کھانے کے بعد
- ۲۔ زیتونی رنگ پانی صبح، دو پہر، شام کھانے سے پہلے
  - سر زرد رنگ پانی دوپهر، رات
- ۳۔ 129 x انچ شیشہ پر نیلا رنگ پینٹ کروا کر صبح و شام کھانے سے پہلے دس دس منٹ دیکھا کریں۔

نوٹ: ایکسرے اور الٹراساؤنڈ کرانے کے بعد اگر بڑی آنت میں رکاوٹ ہو یا اوپری سطح پر پھوڑے کی طرح آنت ایک یا کئی جگه سے پھول جائے اور غذا(Pass) نہ ہوتی ہو تو فوراً سرجن سے رجوع کیا جائے۔

# خونی بواسیر

### اسباب

زیادہ بیٹے رہنا، قبض، زیادہ گوشت کھانا، تیز مرچ مصالحہ دار غذائیں، حبس ریاح۔وضو قائم رکھنے کے لئے بول و براز اور اخراج ریاح پر غیر فطری کنڑول کرنے سے بھی خونی و بادی بواسیر ہو جاتی ہے۔خواتین میں دوران حمل سے مرض لاحق ہو سکتا ہے۔

### علامات

مقعد کی دیواروں میں موجود وریدوں کا جال کمزور ہو کر پھیل جاتا ہے اور یہ وریدیں مقعد کے ذریعے باہر نکل آتی ہیں اس کو مسے کہتے ہیں۔ان میں نہایت شدت کا درد اور تکلیف پیدا ہو جاتی ہے۔خون کی گرمی اور خشکی ان کو پھاڑ دیتی ہے جس کی وجہ سے خون کا ترشح ہو جاتا ہے۔بسا اوقات سخت تکلیف کے باعث

### علاج

ار زرد رنگ یانی صبح و شام

۲ آسانی رنگ پانی دن میں دو بار

سر۔ پندرہ منٹ کے لئے مسوں پر آسانی رنگ کی روشنی ڈالیس۔بلب تقریباً W 100 کا ہو اور بلب کا فاصلہ م فٹ

کے قریب ہو نیلے رنگ کے پانی میں Bandage کی گدی بھگو کر بار بار مسول پر رکھیں۔

### ريح البواسير

### اسياب

دیکھتے بواسیر کے اسباب

#### علامات

مریض کو مقعد کی جگہ سے کوئی چیز باہر نکلتی ہوئی محسوس ہوتی ہے لیکن مسول سے خون نہیں نکاتا جوف شکم میں ریاح بھری ہوئی محسوس ہوتی ہے۔ قبض ہوتا ہے بعض اوقات اعضاء شکنی اور جوڑوں میں درد کی شکایت ہوتی ہے۔ کمر اور رانوں میں بھی درد ہوتا ہے۔اٹھتے بیٹھتے جوڑ چھٹتے ہیں۔ہاضمہ خراب رہتا ہے، بھوک کم لگتی ہے۔چہرہ بھیکا بھیلکا لگتا ہے اور جسم کا رنگ بھی بھیکا پڑ جاتا ہے۔خارش کی شکایت بھی ہو علتی ہے۔

### علاج

ا۔ درو کی صورت میں مسول پر آسانی رنگ کی گدی رکھیں (آسانی رنگ کی گدی بنانے کا طریقہ یہ ہے کہ کسی پٹی کو آسانی رنگ کے بیانی سے بھگوئیں)۔

۲۔ سبز رنگ پانی ناشتہ سے پہلے اور رات سوتے وقت۔

۔ نارنجی رنگ پانی کھانے کے بعد۔

### بھگندر

### اسباب

یہ ایک ایبا مرض ہے جس میں آنت کے حصوں Rectumاور مقعد (Anus) کی دیوار سے مقعد کے اطراف موجود جلد تک ایک غیر قدرتی راستہ بن جاتا ہے۔آنتوں کا ورم تپ دق زیادہ گوشت خوری میٹھی چیزوں اور گرم مصالحوں کا زیادہ استعال اور مزمن پیچش اس مرض کی بنیادی وجوہ ہیں۔

#### علامات

مقعد کے اطراف سے مسلسل مواد خارج ہوتا رہتا ہے۔ پاخانہ کی جگہ تھجلی ہوتی ہے۔ مقعد میں انگلی ڈال کر بھگندر کا اندرونی سرایا منہ محسوس کیا جا سکتا ہے۔



- ا سبز رنگ پانی صبح و شام
- ۲ زرد رنگ پانی دوپهر و رات
- س نلیے رنگ کی روشنی پندرہ منٹ کے لئے زخم پر دن میں دو بار ڈالیں۔

### ير قان

### اسباب

یر قان بذات خود بیاری نہیں ہے بلکہ یہ ایک علامت ہے جو جگر کے متاثر ہونے سے ظاہر ہوتی ہے۔ جگر میں بیلے رنگ کے مادے بلیروبن میں بیلے رنگ کے مادے بلیروبن میں بیلے رنگ کے مادے بلیروبن (Billirubine) کی مقدار جسم میں بڑھ جاتی ہے۔ یہ مادہ جگر میں تیار ہوتا ہے اور صفرا کے ذریعہ جسم سے خارج ہوتا رہتا ہے۔

#### علامات

یہ پیلے رنگ کا مادہ پوری جلد اور آئھوں کے ڈیلوں میں جمع ہونا شروع ہو جاتا ہے۔ اس لئے زردی

پورے جسم میں اور آئھوں سے ظاہر ہوتی ہے۔ بھوک اڑ جاتی ہے، ہاضمہ خراب ہو جاتا ہے۔ متلی اور قے

آتی ہے، چھوٹے بچوں میں یہ بیلا مادہ دماغ میں داخل ہو جاتا ہے جس کی وجہ سے بچوں کی دماغی نشوونما

رک جاتی ہے۔

- ا۔ سفید رنگ بانی دوپہر و رات کھانے کے بعد
  - ۲ آسانی رنگ پانی صبح و شام
- سر سبز رنگ پانی دو پہر و رات کھانے سے پہلے

ہم۔ آسانی رنگ روشنی دن میں ایک بار پندرہ منٹ تک سر پر اور پندرہ منٹ تک پیٹ کے دائیں طرف جگر کے مقام پر ڈالیں۔

۵۔ اس بیاری میں تیس دن مکمل آرام کی ضرورت ہے۔

# ورم جگر

### اسباب

حکر کے ورم کی کئی وجوہات ہیں۔اس میں وائرس بیکٹیریا زہر ملیے مادے، دوائیں، شراب اور جسم میں ہونے والے کیمیاوی توڑ پھوڑ (Catabolism) کی بیاریاں شامل ہیں۔ موجودہ دور میں اس کی عام وجہ میپاٹائٹس (Hepatitis) وائرس ہے۔

#### علامات

اس وائرس کی وجہ سے ہونے والے ورم مختلف درجات میں مریض پر ظاہر ہوتے ہیں۔ مثلاً حاد (Acute) یا مزمن (Chronic)۔

### ا) حاد ورم:

بھوک کی کی، متلی، نے، تھکن، نزلے یا فلو کی سی کیفیات کا ہونا، بخار ہونا، جگر کا بڑھ جانا، جگر میں درد اور پر قان کا ہونا۔ اس مرض میں مریض غیر مخصوص علامات مثلاً بھوک کی کی، متلی اور تھکن کی شکلیت کرتا ہے۔ کچھ دن گزر جانے کے بعد پیٹ کے اوپری جھے میں دائیں طرف درد شروع ہو جاتا ہے۔ اس کے بعد پر قان ہو جاتا ہے۔ یر قان شروع ہوتے ہی غیر مخصوص علامات (بھوک کی کمی تھکن نے متلی) میں زیادتی ہو جاتی ہے۔ یہاں تک کہ اس مرض میں پر ہیز کے ساتھ علاج میں تقریباً 9 سے ۱۱ ہفتے لگ جاتے ہیں۔

103

### ۲) مزمن ورم:

اگر ۲ مہینے یا زیادہ عرصے تک جگر پر ورم رہے تو اس مرض کو مزمن ورم کہتے ہیں۔ایی حالت میں جگر بڑھ جاتا ہے۔پیٹ کے دائیں طرف درد ہوتا ہے اور پر قان ہو جاتا ہے۔

### علاج

- ا۔ فیروزی رنگ بانی صبح وشام
- ٢ زرو رنگ ياني كھانا كھانے سے آدھا كھنٹہ يہلے
  - س سفید رنگ پانی کھانے کے بعد
- - ۵۔ زرد شعاعوں کا تیل جگر کی جگہ پیٹ پر ماکش کریں
  - ١- مالش كے لئے مرہم زرد تھى استعال كيا جا سكتا ہے۔

# جگر کا سکڑ جانا

یہ الیی بیاری ہے جس میں جگر کی مختلف بیاریوں کی وجہ سے جگر کے اندر ریشے بن جاتے ہیں اور چھوٹی حجوٹی گھٹیاں بن جاتی ہیں اور جگر سخت ہو کر سکڑ جاتا ہے۔ جگر کے افعال میں خرابی پیدا ہو جاتی ہے۔ یہاں تک کہ جگر کی کارکردگی ختم ہو جاتی ہے۔

### اسباب

شراب کی زیادتی، جگر کا ورم، جگر کی چوٹ تیز ناقابل برداشت دوائیں صفرا کی نالیوں کا سکڑنا۔

#### علامات



شروع میں جگر بڑھ جاتا ہے اور بعد میں سکڑ کر سخت ہو جاتا ہے۔اس کے علاوہ مندرجہ ذیل علامات ظاہر ہونا شروع ہو جاتی ہیں۔

یر قان جلد پر لال نشانات مردوں میں پستان کا ابھر آنا، خصیوں کا سوکھ جانا، جسم پر بالوں کی کمی، عضلات کا سوکھ جانا، جسم پر ورم اور نیل کے نشانات اور سانس میں ایک مخصوص ہو کا شامل ہونا۔ اس کے علاوہ پیٹ میں بانی جمع ہو جاتا ہے، تلی بڑھ جاتی ہے۔ عورتوں میں ایام کی بے قاعدگی ایام ختم ہونے اور پستان سوکھ جانے کی شکایت ہو جاتی ہے۔ ان علامات کے علاوہ مریض کو کمزوری تھکن، وزن کی کی اور پستان سوکھ جانے کی شکایت ہو جاتی ہے۔ ان علامات کے علاوہ مریض کو کمزوری تھکن، وزن کی کی علامت ہے۔ عام طور پر اس مرض میں بخار نہیں ہوتا۔ اگر بخار ہو تو کسی انشیشن کی علامت ہے۔

جگر کا مرض پرانا ہو جائے تو مندرجہ ذیل پیچید گیاں پیدا ہو جاتی ہیں۔خون کی الٹیاں آتی ہیں، تلی بڑھ جاتی ہے۔ جاتی ہے، پیٹ میں پانی بھر جاتا ہے (استشاء)، جگر کام کرنا چھوڑ دیتا ہے اور گردے متاثر ہو جاتے ہیں۔

یہ طویل عرصہ تک قائم رہنے والی بیاری ہے۔میڈیکل سائنس کے مطابق اس کا علاج ممکن نہیں ہے۔ اس مرض میں صرف ۵۰ فیصد لوگ ۲ سال تک زندہ رہتے ہیں۔

### علاج

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ پانی صبح و شام کھانے کے بعد
  - س زرد رنگ پانی دوپہر کھانے سے پہلے
- ا نارنجی رنگ پانی شام کھانے سے ایک گھنٹہ پہلے
- ۵۔ حبگر کے مقام پر آسانی رنگ کی روشنی پندرہ منٹ تک ڈالیں

بیاری کی وجہ سے ہونے والی جنسی پیچید گیوں کے لئے جامنی تیل کولہوں کے جوڑ پر اینٹی کلاک وائز (Anti Clock Wise) وائروں کی سورت میں پانچ منٹ تک مالش کریں۔

### استسقاء

### اسپاب و علامات

گردول کی خرابی، دل کی بیاری اور جگر کی بیاری کی وجہ سے پیٹ میں پانی بھر جاتا ہے۔

اس بیاری میں پیٹ پھول جاتا ہے۔ بعض او قات بانی ایک لیٹر سے بھی زیادہ ہو جاتا ہے۔

### علاج

ا۔ اسباب کے علاج کے ساتھ زرد رنگ پانی صبح و شام

۲ سفید رنگ پانی دویهر و رات

س صبح کے وقت مریض کو زرد رنگ کی روشنی میں ۳۰ منٹ رکھا جائے اور رات کو سفید رنگ کی روشنی میں لٹایا جائے

اتن دیر کہ اچھی طرح سیکائی ہو جائے۔

# ذيا تبطس

ذیا بیطس کا ذکر کرنے سے پہلے ضروری ہے کہ ہم خون میں شکر کی مقدار کو کنڑول کرنے میں لبلبہ کے کردار کا جائزہ لیں۔

خون میں شکر کی مقدار کو توازن میں رکھنے کے لئے لبلبہ میں دو قسم کے خلیے ہیں:

/ww.ksars.org

۔ الفا خلیے: یہ ہار مون (کیمیاوی) گلوکا گون بناتے ہیں۔

ال بیٹا خلیے: یہ ایک ہار مون انسولین بناتے ہیں۔

الفا اور بیٹا خلئے خون میں موجود شکر کی مقدار کا جائزہ لیتے رہتے ہیں۔ جیسے ہی خون میں شکر کی مقدار mg/dl80 سے بڑھتی ہے۔ بیٹا خلئے انسولین خارج کرنا شروع کر دیتے ہیں۔انسولین خون میں دور کرتا ہے اور جسم کے تقریباً تمام خلیوں خصوصاً عضلات (Muscles) جگر اور چکنائی کے ذخیروں میں شکر جذب کرنے کا عمل شروع ہو جاتا ہے۔

الفا خلیے خون میں شکر کم ہونے پر گلوکوگان (Glucagon) کا اخراج شروع کر دیتے ہیں۔ گلوکوگان جگر میں موجود شکر کے ذخیرے سے شکر خون میں پہنچا دیتا ہے۔اس طرح خون میں شکر کی کمی پوری ہو جاتی ہے۔ان دونوں ہار مونز کے متوازن عمل سے خون میں شکر کی مقدار صحیح رہتی ہے۔اب ہم ذیا بیٹس اور اس میں ہونے والی خرابیوں کا تذکرہ کرتے ہیں۔

یہ ایبا مرض ہے جس میں قطعی یا اضافی طور پر انسولین کی کمی ہو جاتی ہے۔بنیادی ذیابیطس کی دو بڑی فتمیں ہیں۔

### ذيابطس (۱)

### ذيابطس (٢)

ذیا بیطس (۱) میں انسولین تقریباً ختم ہو جاتی ہے۔جس کی وجہ سے خون میں شکر کی مقدار بڑھ جاتی ہے۔ ذیا بیطس (۲) میں انسولین کی کچھ مقدار تو جسم میں رہتی ہے لیکن کئی وجوہات کی بنا پر خلیوں پر اثر انداز نہیں ہوتی۔جس کی وجہ سے شکر ان خلیوں میں داخل نہیں ہوتی اور اس کی مقدار خون میں بڑھ جاتی ہے۔

### علامات



- ۔ رات کے وقت پیشاب زیادہ آتا ہے۔
- ۲۔ مجبوک زیادہ لگتی ہے اور مجھی کھانے کی طرف رغبت کم ہو جاتی ہے۔
  - س۔ پیاس زیادہ لگتی ہے۔
  - سم۔ وزن کم ہو جاتا ہے۔
  - ۵۔ تھوڑا ساکام کرنے سے مریض تھک جاتا ہے۔
    - ۲۔ بینائی متاثر ہوتی ہے۔
  - ذیابطس کا مریض طبیب کے پاس تین صورتوں کے ساتھ آتا ہے۔
    - ا۔ اوپر دی گئ ذیا بیلس کی مخصوص علامات کے ساتھ۔
- ۲۔ بغیر کسی علامت کے (کسی اور وجہ سے مریض کا بلڈ شو گر چیک کرنے پر شو گر کی موجودگی کا پیۃ
   چاتا ہے۔)
- س ویابطس کسی بھی صورت میں آئے، ذیابطس کی تشخیص کے لئے مندرجہ ذیل پیانہ مقرر کیا گیا
  - ا۔ مخصوص علامات کے ساتھ ساتھ مریض کے خون میں شکر کا لیول بڑھنا۔
  - ۲۔ دو تین روز تک صبح نہار منہ وریدی خون میں mg/dl140سے زیادہ شکر کا اضافہ ہونا

### ذیابطس کی پیچید گیاں

ے:

ذیا بیطس کے مرض میں وقت گزرنے کے ساتھ ساتھ پیچید گیاں پیدا ہوتی رہتی ہیں لیکن اگر انسولین کو کم کرنے والی دواؤں کا مناسب استعال کیا جائے تو ان پیچید گیوں کا تدارک ہو جاتا ہے۔ جسم میں تیزابیت یا شکر کی زیادتی سے مریض کوما (Coma) میں چلا جاتا ہے۔

خصوصی طور پر متاثر ہوتے ہیں۔

ير نکړ

اندھے بن کی وجوہات میں سے ایک بڑی وجہ ذیابطس ہے۔اس مرض میں موتیا کالا پانی اور آنکھ کے یردے (Retina) میں خرابی پیدا ہو جاتی ہے۔

ذیا بیلس کا مرض ۵ سال یا اس سے زیادہ عرصہ تک رہنے سے جسم کے مختلف حصوں پر خراب اثرات

کردی

1۵ سے ۲۰ سال گزرنے پر زیابطس کے مریض کے گردے خراب ہو جاتے ہیں۔ پیشاب میں پروٹین خارج ہوتے ہیں یہاں تک کہ مریض کے گردے بالکل ناکارہ ہو جاتے ہیں۔

شريانيں

شریانوں کی دیوار میں چربی جنے کا عمل (Atherosclerosis) تیز ہو جاتا ہے۔ جس کی وجہ سے شریانوں کا قطر چھوٹا ہو جاتا ہے۔ہارٹ اٹیک انجائنا اور اسر وک کے خطرات بڑھ جاتے ہیں۔

اعصاب

مریض کے پیر یا ہاتھوں کی حس ختم ہو جاتی ہے۔یاؤں یا ہاتھ جھونے کا مریض کو احساس نہیں ہوتا۔ تبھی تمجھی مریض اندھیرے میں صحیح طرح چل نہیں سکتا۔ مریض کا جوتا اس کے یاؤں سے اتر جاتا ہے مگر اس کو اس بات کا احساس نہیں ہوتا۔اس کے ساتھ ساتھ پیر میں جلن پیر سرخ ہونا، سوئیاں چیھنا وغیرہ کی کیفیات کا احساس ہوتا ہے۔ پیر کی انگلیوں کی جڑوں میں چیونٹیاں کاٹتی رہتی ہیں۔ پیروں میں زخم بن جاتے ہیں لیکن مریض کو احساس نہیں ہوتا۔ان زخمول میں پیچیدگی پیدا ہونے پر پیر میں ناسور بن جاتا ہے۔ ذیا بیلس کے مریضوں کے لئے ضروری ہے کہ اپنے پیروں کی صفائی کا خاص خیال رکھیں۔

#### علاج

- ا۔ جامنی رنگ پانی صبح وشام
- ۲۔ آسانی رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س زرد رنگ پانی دو پہر و رات کھانے کے بعد
- سم۔ کمر میں اوپر کے مہروں (Lumbar Vertebrae) پر پانچ منٹ تک زرد تیل کی مالش کریں۔

ریڑھ کی ہڈی پر دس منٹ تک جامنی رنگ کی روشنی اور دس منٹ تک زرد رنگ کی روشنی ڈالیں۔

# خونی قے

#### اسباب

معده كا السر، حجيوتي آنت كا السر، حكر كي خرابي

#### علامات

تے ہوتی ہے اور تے کے ساتھ خون آتا ہے۔

- ا۔ سبز رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے
- ۲۔ منہ کھول کر سرخ رنگ کی روشنی منہ میں اندر ڈالیں
- سر اسباب کے علاج کے ساتھ ساتھ نارنجی رنگ پانی صبح و شام استعال کریں۔

### باب نمبر ۱۲ ا۔

نظام تنفس کی بیاریاں

نزله و زکام

رطوبات جب ناک کی طرف بہتی ہیں تو زکام کے نام سے تعبیر کیا جاتا ہے اور اگر حلق و سینہ کی طرف گرتی ہیں تو اسے نزلہ کہتے ہیں۔نزلہ اور زکام ایک قشم کے وائرس سے ہوتا ہے۔

موسم گرما، موسم بہار اور سردیوں میں یہ بیاریاں زیادہ ہوتی ہیں۔ دماغ ضعیف ہونے کی وجہ سے معمولی سردی گرمی سے بھی نزلہ و زکام ہو جاتا ہے۔ زیادہ دماغی محنت اور کسی چیز کی الرجی سے بھی یہ امراض لاحق ہو جاتا ہے۔ زیادہ و الحق ہو کر اور مصالحہ دار غذا کے کھانے سے صفرا زیادہ ہو کر بلغم میں مل کر زکام یا نزلہ پیدا کرتا ہے۔ سرد پانی سے نہانے اور مصالحہ کو میں نگ سر سونے برف اور مطندی چیزیں کثرت سے استعال کرنے اور دماغ میں رطوبت جمع ہونے سے بھی نزلہ و زکام کی شکایت ہو جاتی ہے۔

#### علامات

شروع میں طبیعت ست اور کسلمند ہوتی ہے، کام کرنے کو جی نہیں چاہتا۔پیشانی پر جکڑن اور کنپٹیوں پر بوچھ محسوس ہوتا ہے۔ناک بند اور خشک ہوتی ہے۔سر میں ہلکا درد ہوتا ہے بار بار چھینکیں آتی ہیں۔ناک سے بتلی اور خراش دار رطوبت بہتی ہے۔اگر سردی کی وجہ سے ہو تو رطوبت سفید اور غلظ نکلتی ہے، سوزش اور خراش کم ہوتی ہے، ناک بند ہو جاتی ہے۔چہرہ میں گری محسوس ہوتی ہے۔اگر گری کی وجہ سے ہو تو رطوبت رقیق اور خمکین نکلتی ہے۔چہرہ اور آتکھیں سرخ ہوتی ہیں، حلق میں خراش اور ناک میں سوزش ہوتی ہے۔بار بار بیاس لگتی ہے اور ناک کے نتھنے سرخ رہتے ہیں۔سر اور کان گرم رہتے ہیں۔مدہ پر بوجھ رہتا ہے۔چھینک آنے پر معدہ کا بوجھ قدرے کم ہو جاتا ہے۔لیٹے رہنے کو جی چاہتا ہے۔



سریر روزانه نیلے رنگ کی شعاع پندرہ منٹ تک ڈالیں۔

نیلا رنگ یانی صبح و شامه ۲

زرد رنگ یانی کھانے سے پہلے۔

زرد شعاعوں کا تیل پیٹ پر مالش کریں اور ناک اور نتھنوں میں لگائیں۔

ناک اور منہ کے اویر ململ کا کیڑا باندھے رکھنا چاہئے۔

بہتر (۷۲) گھنٹے تک مسلسل آرام (Bed Rest) اور گرم پانی پینا اس مرض کا ایک علاج ہے۔

# كھانسى

#### اسباب

وائرس یا بیکشیر یا کے انفیکشن کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

بچوں، بوڑھوں اور بلغمی مزاج لوگوں کو سردی کے موسم میں نزلہ زکام ہو جاتا ہے۔ پیلیوں کے نیچے ہاکا درد ہوتا ہے۔ سانس تنگی سے آتا ہے۔ بار بار کھانی اٹھتی ہے۔ رات کو سوتے وقت اور صبح کے وقت کھانسی زیادہ ہوتی ہے۔شروع میں سفید پھر سبز اور آخر میں زردی ماکل بلغم خارج ہوتا ہے۔ بعض دفعہ پتلا لیس دار میلے رنگ کا بلغم خارج ہوتا ہے۔پر ہیز کے ساتھ صحیح علاج نہ کیا جائے تو کھانی مستقل ہو جاتی ہے اور جڑ پکڑ لیتی ہے۔ سردی کے موسم میں کھانسی زیادہ ہوتی ہے۔ گرمی اور خشکی کی وجہ سے ہو تو کھانی میں بلغم خارج نہیں ہوتا حلق خشک رہتا ہے۔سینہ پر خراش معلوم ہوتا ہے۔اس قتم کی کھانی

#### علاج

ا۔ خشک کھانی کے لئے:

نيلا بإنى صبح وشام

نارنجی شعاعوں کا تیل کمر اور چینچیڑوں کی جگہ مالش کریں۔

۲۔ تر کھانی کے لئے:

نیلا رنگ پانی صبح و شام

نارنجی رنگ بانی صبح و شام کھانے کے بعد

نارنجی شعاعوں کا تیل کمر پر تچھیپھڑوں کی جگہ مالش کریں۔

سر مزمن کھانی کے لئے:

نیلا رنگ پانی صبح وشام

نارنجی رنگ پانی صبح وشام کھانے کے بعد

نیلی شعاعوں کا تیل سینہ پر اور نارنجی تیل کمر پر چھیچھڑوں کی جگہ دن رات میں وو وقت مالش کریں۔

ومه

اسباب

#### علامات

نزلہ زکام یا کھانی کی وجہ سے یہ شکایت ہو جاتی ہے۔ پہلے خفیف کھانسی آتی ہے، سانس لینے میں تکلیف ہوتی ہے، وفقاً دورہ پڑ جاتا ہے۔ وم گھنے لگتا ہے۔ کھانستے کھانستے چرہ سرخ ہو جاتا ہے۔ بلغم خارج ہونے سے تکلیف کم ہو جاتی ہے۔

#### علاج

۔ نارنجی رنگ پانی صبح وشام

۲۔ دورہ کی حالت میں نارنجی رنگ پانی تھوڑا تھوڑا کر کے (دو ملی لیٹر) دس دس منٹ کے وقفوں سے بلائیں۔

ایک وقت میں خوراک کی مقدار ۱۰ ملی لیٹر سے زیادہ نہیں ہونی چاہئے۔

س۔ دن میں ایک مرتبہ نارنجی تیل سینہ پر اور نیلا تیل پشت پر کیسیپھڑوں کی جگہ دائروں میں مالش کریں۔

### نمونيا

#### اسباب

تھیں جو انفیکشن کو نمونیا کہتے ہیں۔اس کی وجوہات میں وائرس بیکٹیریا اور Fungusشامل ہیں۔

#### علامات

نمونیا کے مرض میں عام طور پر مندرجہ ذیل علامات پائی جاتی ہیں۔

۲۔ سینے کا درد

ہے۔ بلغم کے ساتھ کھانی

#### علاج

ا سنلا رنگ پانی صبح و شام

۲۔ نیلی شعاعوں کا تیل سینہ پر پھیپھڑوں کی جگہ کمر پر دائروں میں مالش کریں

سر سبز شعاعوں کا تیل پسلیوں پر انگلیوں کے بوروں سے مالش کریں۔

# ٹی۔پی

یہ مرض جسم کے ہر جھے میں ہو سکتا ہے لیکن عموماً پھیپھڑوں اور آنتوں سے شروع ہوتا ہے اور اگر علاج نہ کیا جائے تو پورے جسم میں پھیل جاتا ہے۔

#### اسباب

ئی۔ بی ایک بیکٹیریا مائیکوبیکٹیریم ٹیوبر کلوسس (Mycobactarium Tuberculosis) کی وجہ سے ہوتا ہے۔ یہ مرض عام طور پر بوڑھوں اور کم آمدنی والے لوگوں میں ہوتا ہے۔ایسے لوگ جن کا جسمانی و

دماغی نظام کمزور ہو وہ بھی ٹی بی کا شکار ہو جاتے ہیں۔ یہ مرض عام طور پر زیادہ عمر ہونے، غذا کی کمی، پریشانی اور صحیح آب و ہوا میسر نہ ہونے سے ہوتا ہے۔

#### علامات

ٹی بی میں وزن کم ہو جاتا ہے۔ بھوک کم لگتی ہے۔ شام کے وقت پسینہ آتا ہے اور ہلکا بخار ہوتا ہے۔ کھانی آتی ہے، بلغم نکلتا ہے اور بلغم میں خون شامل ہوتا ہے۔ پرانی ٹی بی میں آٹکھوں کے سفید ڈیلے نیلگوں دیکھے گئے ہیں۔

- ا سرخ رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نیلا رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سے نارنجی رنگ پانی کھانے کے بعد
- ۸۔ پھیپھڑوں پر نارنجی روشنی ڈالیں
- ۵۔ سینے پر نارنجی تیل اور کمر پر پھیچھڑوں کی جبکہ نیلے تیل کی مالش کریں

## باب نمبرسال

دل اور نظام خون کی بیاریاں

اختلاج قلب

#### اسباب

دل کی کمزوری کی وجہ سے عام جسمانی کمزوری کی وجہ سے ہائی بلڈ پریشر لو بلڈ پریشر پیہم صدمات تیز ادویات کا استعال گھر کا خراب ماحول، غصہ اور سختی کی وجہ سے اختلاج قلب ہوتا ہے۔یہ مرض زیادہ تر ان خواتین کو ہوتا ہے جو شوہر کے رویہ اور تلخ مزاجی سے پریشان رہتی ہیں۔

#### علامات

خفیف اتفاقی حادثہ، چیز چلنے، سیڑھیوں پر چڑھنے سے یا جوش اور غصہ وغیرہ سے دل دھڑکنے لگتا ہے۔ جب زور زور سے دل دھڑکتا ہے تو سینہ پر دھڑکن محسوس ہوتی ہے اور ایسا معلوم ہوتا ہے کہ دل ڈوبا جا رہا ہے۔آئکھوں کے سامنے اندھیرا آ جاتا ہے۔ بھی مریض بے ہوش ہو جاتا ہے۔ نبض میں سرعت اور تواتر پایا جاتا ہے۔پیشاب کی رنگت سرخ اور پاخانہ خشک ہو جاتا ہے۔دائکی قبض کی شکایت ہوتی ہے۔

- ا نارنجی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س آسانی رنگ پانی کھانے کے بعد
- ہم۔ مرہم زرد صبح نہار منہ اور زرد تیل رات کو سوتے وقت پیٹ پر مالش کریں



### انجائنا

#### اسباب

ریکھیں دل کا دورہ

#### علامات

دل میں خون کی سپلائی کم ہو جائے یا خون کی ترسیل نہ ہو تو دل کے عضلات میں ایسے کیمیاوی مادے جن کا اخراج خون کے ذریعے ہوتا ہے جمع ہونے لگتے ہیں۔الیی حالت میں سینہ میں شدید درد ہوتا ہے۔ اس درد کو Anginaکا درد کہتے ہیں۔

انجائنا کا درد سینے میں بائیں طرف الٹے ہاتھ یا سینے کے درمیان میں ہوتا ہے۔ آرام کرنے سے انجائنا کا درد سینے میں بائیں طرف الٹے ہاتھ یا سینے کے درمیان میں ہوتا ہے۔ آرام کرنے سے کمزوری درد ۳۰ سینڈ یا چند منٹ میں ختم ہو جاتا ہے۔ سانس گھنے متلی ہونے اور ٹھنڈے پینے آنے سے کمزوری ہو جاتی ہے۔ پیدل چلتے وقت دم گھٹتا ہے، چلتے چلتے رکنا پڑتا ہے۔ عام طور پر انجائنا کولیسٹرول کی زیادتی، حبس ریاح اور شوگر کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علاج

دورہ کی صورت میں فوراً ہارٹ اسپیشلسٹ سے رجوع کریں۔اس کے ساتھ ساتھ

- ا۔ آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ زرد رنگ بانی کھانے سے پہلے
- س۔ بنفشی رنگ بانی ناشتہ کے بعد
- ہ۔ نارنجی رنگ یانی کھانے کے بعد

۵۔ انجائنا میں پیدل چلنا بہت مفید ہے۔روزانہ صبح و شام چالیس چالیس منٹ تک پیدل چلنا ضروری ہے۔ابلے ہوئے کھانے کھائیں۔چکنائیوں سے پرہیز کریں۔

### دل کا دورہ

#### اسباب

دل چونکہ مسلسل کام کرتا رہتا ہے اس لئے خون کی سپلائی نہایت ضروری ہے۔دل کو خون کو روزی شریان (Coronary Arteries) سے ملتا ہے۔کسی بھی وجہ سے کوروزی شریان نگ ہو جائے تو دل کو خون کی سپلائی کم ہو جاتی ہے اور دل کا دورہ یا انجائنا (Angina) ہو جاتا ہے۔

کورونری شریان کے نگ ہونے کی بنیادی وجہ ابھی تک معلوم نہیں ہوئی گر دیگر وجوہات مندرجہ ذیل ہو سکتی ہیں:

- ا۔ زیادہ عمر
- ۲\_ ہائی بلڈ پریشر
- س کولیسٹرول کی زیادتی
  - ۸۔ سگریٹ نوشی
    - ۵۔ ذیا بیطس
      - ٢\_ موڻايا
- خرورت سے زیادہ آرام و آسائش اور عیاشی
  - ٨۔ عم غصه پریشانی نشه کی عادت

#### علامات

دل کے عضلات نہایت حساس ہوتے ہیں۔ اگر عضلات میں خون کی فراہمی ۳۰ منٹ سے دو گھنٹہ تک رک جائے تو دل مر جاتا ہے۔ دل کے دورہ کے مریض سینے کے شدید درد کے ساتھ تڑپتے ہیں۔ درد حرکت کرنے سے بڑھتا ہے۔ درد عام طور پر سینے میں بائیں طرف ہوتا ہے اور آرام کرنے سے کم ہوتا ہے لیکن ختم نہیں ہوتا۔ اس کے علاوہ مریض کو ٹھنڈے لیپنے آتے ہیں، کمزوری محسوس ہوتی ہے، سانس لین ختم نہیں ہوتا۔ اس کے علاوہ مریض کو ٹھنڈے لیپنے آتے ہیں، کمزوری محسوس ہوتی ہے، سانس لین دل کے دورے کی گئے میں تکلیف ہوتی ہے، مثلی اور الٹی ہو سکتی ہے۔ موجودہ میڈیکل سائنس میں دل کے دورے کی تشخیص E.C.G سے کی جاتی ہے۔

#### علاج

ا۔ ول کا دورہ پڑ جائے تو فوراً ہمپتال میں داخل کریں یا ہارٹ اسپیشلسٹ سے رجوع کریں۔ کمزوری دور کرنے

کے لئے ناشتہ کے بعد سرخ رنگ کا پانی دیں۔

ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام

س زرو رنگ پانی کھانے سے پہلے

م ۔ نارنجی رنگ پانی کھانے کے بعد دیں

۵۔ ہارٹ اسپیشلسٹ کی ہدایات پر مکمل طور پر عمل کریں۔

## خون کی کمی

كلرتفرايي

اس سے مراد جسم کے اندر خون میں سرخ خلیوں کی کی واقع ہونا ہے۔ خون میں ہیموگلوبن (Haemoglobin) کی مقدار مردوں میں gm/dl12اور عورتوں میں Haemoglobin) تو یہ انیمیا کی علامت ہے۔ ہیموگلوبن کی مقدار خون کی رپورٹ سے معلوم ہو جاتی ہے۔

مر دول میں ہیمو گلوبن کی نار مل مقدار 13 - 18 gm/dl ہے۔

عور توں میں ہیمو گلوبن کی نار مل مقدار 11.5 - 16.5 gm/dl ہے۔

#### اسباب

ا۔ سرخ خلیوں کی پیداوار میں کوئی خرابی واقع ہو جائے (مثلاً جسم میں آئرن کی کی، وٹامن بی کی کی، تھیلسیمیا،

ہڈی کے گودے کا کام چھوڑ دینا)۔

۔ سرخ خلیوں کی نارمل سے زیادہ ٹوٹ کچوٹ اور خاتمہ (مثلاً خون کا ضیاع ہیموگلوبن کی بیاریاں یا کچھ دواؤں

مثلاً اینٹی بائیوٹک کونین (Quinin) اور کینسر کے لئے استعال کی جانے والی ادویات کاری ایکشن۔

#### علامات

انیمیا کے مریض عام طور پر تھکاوٹ غثی طاری ہونے آئھوں کے آگے اندھرا چھانے اختلاج قلب اور بعض صورتوں میں منہ کے کنارے بھٹ جائے زبان کی سوزش اور ہڑیوں کے درد کی شکایت کرتے ہیں لیکن بعض مریض تشخیص ہونے تک بالکل ٹھیک ٹھاک ہوتے ہیں۔



- ار سرخ رنگ یانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ بانی دو پیر کھانے کے بعد
- سر گلابی رنگ پانی عصر کے بعد اور رات کا کھانا کھانے سے ڈھائی گھٹے پہلے

## لو بلڈ پریشر

#### اسباب

بعض اشخاص میں خون کا دباؤ فطری طور پر کم ہوتا ہے۔یہ کوئی بیاری نہیں ہے۔خون کا زیادہ بہہ جانا، دل کی بیاری، خون میں جراثیم کا نفوذ، اعصابی تناؤ، جذباتی بیجان اور دست اور قے کی زیادتی سے اکثر لو بلڈ پریشر ہو جاتا ہے۔

#### علامات

بلڈ پریشر اگر نارمل سے ۵ یا ۱۰ درجے نیچے ہو جائے تو سر چکرانے لگتا ہے۔ سر خالی اور ہاکا محسوس ہوتا ہے۔ بلڈ پریشر اگر اس سے زیادہ نیچے ہو جائے تو آدمی Shock میں چلا جاتا ہے۔ اس پر غنودگی طاری ہو جاتی ہے، ایس حالت میں مریض کو فوراً ہیتال لے جانا چاہئے۔

- ا۔ اصل سبب کے علاج کے ساتھ ساتھ سرخ شعاعوں کا پانی صبح و شام دیا جائے۔
  - ۲۔ پندرہ منٹ تک مریض کو سرخ روشنی میں لٹایا جائے۔

فشار یا خون کا دباؤ ایک نارمل مقدار میں برقرار رکھنے میں دل گردے، شریانیں، خون کا مجم اور اعصابی نظام کا اپنا اپنا کردار ہے۔جب دل سکڑ کر خون کو شریانوں میں پھینکتا ہے اس وقت شریانوں میں خون کا دباؤ ناپا جائے تو اس کو اوپر کا بلڈ پریشر (Systolic B.P) کہتے ہیں۔جب دل پھیلتا ہے اس وقت اگر شریانوں میں خون کا دباؤ ناپا جائے تو اس کو نچلا بلڈ پریشر (Diastolic B.P) کہتے ہیں۔بلڈ پریشر عمر کے ساتھ ساتھ عموماً بڑھتا ہے۔

۲۰ سال کی عمر میں بلڈ پریشر ۸۰ /۱۴۰ نارمل ہوتا ہے۔

۵۰ سال کی عمر میں بلڈ پریشر ۱۹۰/۱۲۰ نارمل ہوتا ہے۔

۵۷ سال کی عمر میں بلڈ پریشر ۱۵۰/۱۰۵ نارمل ہوتا ہے۔

بلڈ پریشر اگر دیئے گئے پیانے سے بڑھ جائے تو اس کو کئی مرتبہ مسلسل ایک ہفتے کے لئے چیک کرنا چاہئے۔اگر پھر بھی نارمل سے مسلسل اوپر آئے تو اس شخص کو ہائی بلڈ پریشر کا مریض قرار دیا جاتا ہے۔

#### اسباب و علامات

غصہ، پریشانی، اجنبی ماحول اور بے آرامی وقتی طور پر عام آدمی کا بلڈ پریشر بڑھا دیتی ہے۔ لیکن یہ مرض میں شار نہیں ہوتا۔ ہائی بلڈ پریشر کے مریض کو عموماً سر درد کی شکایت ہوتی ہے۔ پاپنچ سے دس فیصد مریضوں میں بلڈ پریشر بڑھنے کی کوئی نہ کوئی وجہ ہوتی ہے جب کہ اکثر کوئی وجہ نہیں ہوتی۔ بلڈ پریشر ہائی ہونے کی وجوہات یہ ہیں:

ا۔ گردوں کے امراض

ا۔ شہ رگ (Aorta) کا پیدائش سکڑاؤ

س الكوحل

124

- سم۔ دواؤل اور ہار مونز کی زیادتی
  - ۵۔ منفی خیالات کی یلغار
  - ۲۔ مستقبل کے خدشات
- مسلسل نادیده خوف اور غم و فکر
- ہائی بلڈ پریشر ایک عذاب ہے۔ مسلسل بلڈ پریشر ہائی رہنے سے تقریباً جسم کا ہر حصہ متاثر ہوتا ہے۔
  - ہائی بلڈ پریشر کی وجہ سے مندرجہ ذیل پیچید گیاں پیدا ہو جاتی ہیں:
    - ا۔ وماغ کی رگ کا پیٹ جانا
  - ۲۔ آنکھ کے پردے پر خون جم جاتا ہے۔ کبھی اندھا بن بھی ہو سکتا ہے۔
    - س گردے فیل ہو سکتے ہیں

- ا سبز رنگ پانی صبح و رات
- ۲۔ سفید رنگ پانی کھانے سے پہلے دونوں وقت
  - سه فیروزی رنگ پانی دو پهر و شام
- همه مریض کو روزانه بندره منك تک سبز روشنی میں رکھا جائے

125

# جسم پر نیلے نشانات

#### اسباب

کسی بھی وجہ سے خون میں موجود پلیٹیلٹس (Platelets) کی تعداد اگر گھٹ جائے تو یہ بیاری ہو جاتی ہے۔

#### علامات

جلد کے نیچے خون جمع ہو جاتا ہے جس کی وجہ سے جسم پر جا بجا نیلے رنگ کے داغ نظر آتے ہیں۔

- ۔ آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ زرد رنگ یانی دوپهر و رات
- سر سبز رنگ پانی ناشتہ کے بعد اور رات سوتے وقت
- ۸ مر پر پندره منٹ تک روزانه سرخ رنگ روشنی ڈالیں

مردانه امراض

جريان

اسپاب

کثرت جماع، جلق کے باعث اور عضو تناسل کے ذکی الحس ہونے سے جریان ہو جاتا ہے۔ گرم اشاء، شراب، گردوں میں پتھری، دائمی قبض، مثانہ میں خراش، زیادہ گوشت خوری وغیرہ اس کے اسباب ہیں۔

#### علامات

جب مرض گردے یا مثانہ کی خراش، پھری یا قبض کی وجہ سے ہو تو پیشاب کے چند قطرے خارج ہو جاتے ہیں۔ مقوی اور گرم غذاؤں کی وجہ سے انزال کی شکلیت ہو جاتی ہے۔ جاتی یا کثرت جماع کے سبب سے مریض کابل اور ست ہو جاتا ہے ، اعضا گئی ہوتی ہے۔ پیشاب کرتے وقت جلن اور خارش محسوس ہوتی ہے۔ پیشاب کرتے وقت جان اور خارش محسوس ہوتی ہے۔ پیشاب بار بار اور زیادہ مقدار میں آتا ہے۔ کمر میں درد ہوتا ہے۔ دماغ اور پھے کمزور ہو جاتے ہیں۔ مزاج ہیں۔ جسمانی کمزوری ہو جاتی ہے۔ کام کرنے کو دل نہیں چاہتا۔ سر میں درد ہوتا ہے اور چکر آتے ہیں۔ مزاج چڑچڑا ہو جاتا ہے۔ پشت پر چیونٹیاں رینگتی ہوئی محسوس ہوتی ہیں۔ حافظہ کمزور اور ذہن کند ہو جاتا ہے۔ نیند پوری طرح نہیں آتی۔ عموماً قبض رہتا ہے۔ بھوک نہیں گئی۔ مباشرت کی خواہش پہلے بہت زیادہ اور پھر کم ہو جاتی ہے۔ ذرا سی تحریک سے اور محض مباشرت کے خیال سے کپڑے خراب ہو جاتے ہیں۔

- ا۔ زیتونی (Olive) رنگ پانی صبح و شام دیں
- ۲۔ قبض کی وجہ سے ہو تو زرد رنگ پانی صبح و شام دیں



۵۔ زرد شعاعوں کا تیل صبح نہار منہ پیٹ پر ناف کے چاروں طرف مالش کریں

## حلق

مادہ تولید کثرت سے خارج ہونے سے اعضاء ضعف ہو جاتے ہیں۔ پیشاب بار بار اور جل کر آتا ہے۔
رطوبات فاسدہ جمع ہو جاتی ہیں۔ عضو مخصوص کی رگیں پھول جاتی ہیں۔ طبیعت پریشان اور غمگیں رہتی
ہے۔ سستی اور کا بلی کی وجہ سے کاروبار حیات میں دل نہیں لگتا۔ مجالس میں بیٹھنے سے بیزاری ہوتی ہے،
آدمی تنہائی پیند ہو جاتا ہے۔ ایسے لوگ خجالت اور شرمندگی کی وجہ سے کسی سے آنکھ نہیں ملاتے۔ جلد کا
رنگ پیلا ہو جاتا ہے۔ آنکھوں کے نیچے سیاہ علق پڑ جاتے ہیں اور بصارت کم ہو جاتی ہے۔ سر میں بار بار درد ہوتا ہے اور چکر آتے ہیں۔

- ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام اور افاقه هونے پر صرف رات کو دیں
  - ۲۔ زرد رنگ پانی دو وقت کھانے سے پہلے دیں
- سے صبح کے وقت نیلی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر دائروں میں مالش کریں
  - سمر بینگنی شعاعوں کا تیل رات کو سونے سے پہلے مثانہ پر ملکے ہاتھ سے دائروں میں مالش کریں
    - ا ما ما اور قبض کے ختم ہونے کے لئے مرہم زرد معدہ کی جگه مالش کریں

ا۔ اس کی وجوہات زیادہ تر نفسیاتی ہوتی ہیں

۲۔ ٹیسٹو سٹیرون (Testosterone) ہارمون کی کی وجہ سے

س کافی عرصه تک رہنے والے جسمانی بیاریاں مثلاً

جگر کا سکڑنا

جسم کے کسی جھے میں کینسر

دل کی کوئی بیاری

# ذيا <sup>ببط</sup>س

تجرد کی زندگی میں جو لوگ بہت زیادہ مخاط ہوتے ہیں اور سالہا سال جنسی جذبہ سے غیر مانوس ہوتے ہیں ان کے اندر بھی جنسی تحریکات تقریباً ختم ہو جاتی ہیں۔ایسے لوگ نامرد نہیں ہوتے۔ان کے اند رجب جنسی تحریکات متحرک ہو جاتی ہیں تو وہ وظیفہ زوجیت احسن طریقہ پر پورا کرتے ہیں۔

جس طرح آدمی نامرد ہوتا ہے۔اسی طرح عورت بھی ناعورت ہوتی ہے۔الیی خواتین میں جنسی جذبہ یا تو بالکل نہیں ہوتا یا انہیں اس عمل سے کراہت محسوس ہوتی ہے۔ بھی تبھی ان کے اوپر خوف کا غلبہ ہو جاتا ہے۔

نوٹ: والدین اور اساتذہ کی یہ ذمہ داری ہے کہ وہ بلوغت کے بعد کی زندگی کے بارے میں نوجوان نسل کو معلومات فراہم کریں۔لڑکے اور لڑکیوں کو نفع و نقصان سے آگاہ کریں۔



- ا۔ جامنی رنگ پانی صبح و شام افاقہ ہونے کی صورت میں صرف رات کو استعال کریں
  - ۲۔ جامنی شعاعوں کا تیل صبح و شام کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر مالش کریں
    - سے گہرا نیلا رنگ پانی ناشتہ کے بعد اور رات کو سوتے وقت
      - سرخ رنگ یانی کھانے کے بعد
    - ۵۔ ہارمون کی کمی دور کرنے کے لئے جنگھاسوں اور پنڈلی پر سرخ تیل مالش کریں

### سرعت انزال

#### اسپاپ

عموماً جلق و مشت زنی، کثرت مجامعت، جنسی تلذذ، جنسی کٹریچر، فاسد خیالات، عریاں تصاویر اور ہر وقت متفکر رہنے سے یہ شکایت پیدا ہوتی ہے۔سرعت انزال کی ایک بڑی وجہ مادہ تولید کا رقیق ہونا ہے۔علاج کے ساتھ ایسی غذائیں تجویز کی جائیں جو مادہ کو غلیظ کرتی ہوں۔باقی اسباب وہی ہیں جو جریان و احتلام کے بیان میں تحریر ہو بچکے ہیں۔

#### علامات

مباشرت کے وقت فوری طور پر انزال ہو جاتا ہے۔

ضعف باہ کی شکایت شدید ہوتی ہے۔ مجھی بلا انتشار انزال ہو جاتا ہے۔ اپنے ارادہ میں ناکامی کے باعث مریض شرمندگی سے زندگی پر موت کو ترجیح دیتا ہے۔

مباشرت میں کامیابی اور ناکامی کا تعلق براہ راست دماغ سے ہے۔دماغ جب منفی خیالات کی آماجگاہ بن جاتا ہے تو اعصاب متاثر ہوتے ہیں اور اعصاب کی کار کردگی میں اعتدال اور توازن نہ ہونے سے سرعت انزال کی شکایت ہو جاتی ہے۔

دماغی سکون اور اطمینان قلب سے مرد و عورت کے اندر قوت ارادی (Will Power) زیادہ ہوتی ہے اور مباشرت فطری عمل بن جاتا ہے۔

#### علاج

- ار زیتون رنگ پانی صبح و شام
- ۲ آسانی رنگ یانی کھانے کے بعد
- سر جامنی تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر دائروں میں مالش کریں
  - ۴۔ گہرا نیلا رنگ پانی کھانے سے پہلے
  - ۵۔ مزاج میں غیر طبعی حدت ہو تو سبز پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے دیں

## كثرت احتلام

#### اسباب

فاسد خیالات، مجرد رہنا، جلق، کثرت مجامعت، چت سونا، قبض، بدہضمی، کھانا زیادہ کھانا، پیٹ میں کیڑوں کا ہونا، آنتوں میں حدت اور جگر میں غیر طبعی گرمی اس کے اسباب ہیں۔

#### علامات



ہر دوسری تیسری رات کو یا ہر رات کو اور شدت مرض میں ایک رات میں دو دو بار اور مجھی دن کو مجھی خواب کی حالت میں منی خارج ہوتی ہے۔ پیشاب جل کر آتا ہے۔ سستی کابلی اور کمزوری بڑھ جاتی ہے۔احتلام کی کیفیت یاد نہیں رہتی۔کمر میں درد کی شکایت ہو جاتی ہے۔خصیوں میں درد ہوتا ہے۔

- ا۔ سبز رنگ پانی صبح وشام
- ال زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سر جامنی رنگ یانی کھانے کے بعد
- سمر سیرانے مرض میں ریڑھ کی ہڑی پر جامنی رنگ کی روشنی بیس منٹ تک ڈالیس
- ۵۔ جامنی رنگ تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر دائروں میں مالش کریں
- ۲۔ مرض میں بہت زیادہ شدت ہو تو سیدھی ٹانگ کی پنڈلی پر سبز تیل اوپر سے بنچے دائروں میں مالش کریں

گردہ اور مثانہ کے امراض

بستر میں پیشاب

#### اسباب

کثرت سے ٹھنڈی چیزوں کا استعال، ایسی چیزیں جو مزاج میں سرد تر ہوں، زیادہ کھانے سے اور سردی کی بنا پر مثانہ کمزور ہو جاتا ہے۔آنتوں میں کیڑے ہونے یا کانچ نکلنے سے بعض مرتبہ ہاضمہ کی خرابی سے ضعف و نقابت کی وجہ سے نچلے دھڑ کے فالح کی وجہ سے حرام مغز پر چوٹ لگنے سے بڑھاپے کی وجہ سے اور ذہنی امراض کی بنا پر سے بیاری ہوتی ہے۔

#### علامات

دن میں بلا ارادہ پیشاب خارج ہو جاتا ہے۔ عموماً رات کو سوتے ہوئے بستر پر بے خبری میں پیشاب نکل جاتا ہے۔ دون رات میں کئی کئی بار پیشاب آتا ہے۔ ایسے مریضوں کو نیند زیادہ آتی ہے۔ اس قسم کے خواب نظر آتے ہیں کہ پیشاب کی ضرورت ہے اور کسی مقام پر بیٹے ہوئے پیشاب کر رہے ہیں۔

#### علاج

یہ مرض اگر بچوں میں ہو

ا نارنجی رنگ پانی صبح و شام پلائیں

۲ سرخ رنگ کی روشنی روزانه دس منٹ تک مثانه پر ڈالیس

بڑوں میں ہو یا حرام مغز کی خرابی کی وجہ سے ہو تو

ا سرخ رنگ پانی صبح و شام

سو۔ جامنی رنگ تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر دائروں میں مالش کریں

۴۔ مثانہ پر سرخ رنگ کی روشنی پندرہ منٹ تک ڈالیں

۵۔ کالے تلوں کو صاف پانی میں دھو کر چالیس دن تک پریل شعاعوں میں رکھیں اور سوتے وقت بردوں کو ۲ بڑے

جيمي اور جيموڻول كو ايك ايك جيمي كھلائيں۔

### سوزاك

#### اسباب

غیر صحت مند جنسی اختلاط اس کا سبب ہے۔ یہ مرض ایک قسم کے جراثیم گونوکوکائی (Gonococci) سے ہوتا ہے۔ یہ جراثیم بیرونی جنسی اعضاء میں موجود ہوتے ہیں اور جنسی اختلاط کے وقت ایک دوسرے میں منتقل ہو کر دو سے چودہ دن کے اندر بیاری کی علامات پیدا کر دیتے ہیں۔

#### علامات

پیشاب کی نالی کے منہ پر سوزش ہوتی ہے اور پیشاب کرتے وقت درد ہوتا ہے۔اس کے بعد پیپ خارج ہونے گئی ہے۔جو ابتداء میں رقیق نیلگوں ہوتی ہے بعد میں گاڑھی اور مقدار میں زیادہ ہو جاتی ہے۔آس پاس کی گلٹیاں پھول جاتی ہیں، پشت کمر اور کولہوں میں تناؤ کے ساتھ درد ہوتا ہے، بخار بھی ہو جاتا ہے، پیشاب میں خون کا اخراج ہو سکتا ہے اور پیشاب بالکل بند بھی ہو سکتا ہے۔تکلیف عام طور پر دو تین ہفتے رہتی ہے۔علاج صحیح ہو جائے تو تمام علامات میں کمی ہو جاتی ہے اور اگر علاج درست نہ ہو یا برپرہیزی کر لی جائے تو مرض پیشاب کی نالی کے پچھلے جھے وہاں سے مثانہ خصے بیضہ دانی اور بعض او قات گردوں

تک پہنچ جاتا ہے۔ اگر مردوں کے خصبے اور عورتوں کی بیضہ دانی زیر اثر آ جائیں تو بچے پیدا کرنے کی صلاحیت متاثر ہو جاتی ہے۔

کبھی کبھار یہ مرض مزمن شکل اختیار کر لیتا ہے اور برسوں تک جسم کے اندر چھپا رہتا ہے۔ایی صورت میں کوئی شدید علامات ظاہر نہیں ہوتیں البتہ کسی قدر پیپ خارج ہونے سے کپڑے داغدار ہو جاتے ہیں۔ پیشاب میں جلن کا معمولی احساس ہوتا ہے۔ بدپر ہیزی کی صورت میں تکلیف بڑھ جاتی ہے۔اس خفیف عالت میں بھی یہ مرض دو سرول کو لگ سکتا ہے۔ سوزاک کے مرض میں علاج سے زیادہ اختیاط اور پر ہیز کی ضرورت ہے۔

#### علاج

- به نیلا رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے
  - ال زرد رنگ پانی کھانے کے بعد

## گردول کا ورم

### اسباب

گردول میں انفیکش یا تو خون کے ذریعہ آنے والے جراثیم سے ہوتا ہے یا مثانے کے انفیکش کے جراثیم کردوں میں پہنچ کر گردوں کو متاثر کر دیتے ہیں۔ دوسری صورت عام ہے۔ گردوں کے انفیکش کی دو اقسام ہیں:

- ا۔ حاد ورم
- ۲\_ مزمن ورم



### گردول کا حاد ورم

#### علامات

مریض کی کمر میں ایک طرف یا دونوں طرف اچانک درد اٹھتا ہے جو سامنے کی طرف سے پنچ آتا ہے۔
اس کے ساتھ پیشاب کرنے میں تکلیف ہوتی ہے۔ بوند بوند کر کے تکلیف کے ساتھ اور بار بار پیشاب کی حاجت ہوتی ہے۔ مریض کو بخار ہو جاتا ہے، مجھی مجھی الٹی ہوتی ہے اور جسم پر کیکپی طاری ہو جاتی ہے ،
اس کے علاوہ پیشاب میں بیپ خون کے سفید ذرات اور سرخ ذرات موجود ہوتے ہیں۔

#### علاج

- ۔ فیروزی رنگ پانی صبح و شام
- ا۔ سبز رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سے زرد رنگ یانی کھانے کے بعد
- ۱۲ سبز روشن گردوں کی جگه پانچ منٹ صبح پانچ منٹ رات ڈالیں
- ۵۔ سبز شعاعوں کا تیل گردوں کی جگہ تین منٹ صبح تین منٹ شام اور تین منٹ رات ملکے ہاتھ سے ہتھیلی اور انگلیوں کے درمیانی ابھار سے مالش کریں

# گردول کا مزمن ورم

#### علامات



اس مرض میں مریض زیادہ تر سستی، تھکن، ہائی بلڈ پریشر یا پھر گردے فیل ہو جانے کی وجہ سے معالج کے پاس آتے ہیں۔ بعض مریضوں کو پیشاب بار بار آتا ہے۔ تکلیف کے ساتھ پیشاب آنے اور کمر میں درد کی شکایت بھی ہوتی ہے۔ اس کے علاوہ مریض کے پیشاب میں خون اور کم مقدار میں پروٹین بھی موجود ہوتی ہے۔

#### علاج

- ا۔ نارنجی رنگ کی روشنی گردوں پر پندرہ منٹ کے لئے ڈالیں
  - ۲ نارنجی رنگ پانی صبح و شام دیں
  - سر سبز رنگ یانی دو پہر و رات کھانے سے پہلے
    - سمر ورم کے لئے زیتون رنگ یانی صبح و شام

### درد گرده

#### اسباب

غلیظ اور ٹھنڈی چیزیں زیادہ کھانے سے برف کا پانی بکثرت پینے سے اور ریاح کی وجہ سے گردے میں کھپاوٹ پیدا ہونے سے درد گردہ کی شکایت ہو جاتی ہے۔ پتھری گردے سے مثانہ کی طرف جانے سے غیر صاف پانی پینے اور ایسی غذائیں استعال کرنے سے جن سے گیس بنتی ہو اور پیشاب کم آنے سے یہ مرض ہوتا ہے۔

#### علامات

کمر میں گردے کے مقام پر سخت درد ہوتا ہے۔ تکلیف کی شدت سے مریض ماہی بے آب کی طرح لوٹا اور تڑپتا ہے۔بار بار پیشاب کی حاجت ہوتی ہے مگر پیشاب خارج نہیں ہوتا اگر آتا بھی ہے تو قطرہ قطرہ



ٹپتا ہے۔ پھری کی وجہ سے ہو تو خون آمیز پیثاب آتا ہے۔ ہاتھ پاؤں ٹھنڈے ہو جاتے ہیں، آکھوں کے سامنے اندھیرا آ جاتا ہے۔ نبض باریک اور کمزور چلتی ہے، متلی اور نے ہوتی ہے۔ ریاحی درد میں درد ایک جگہ قائم نہیں رہتا، ادھر ادھر پھرتا ہے اور گردہ کے مقام پر بوجھ نہیں ہوتا۔

#### علاج

- ا۔ نارنجی رنگ پانی صبح و شام
- ا۔ سبز رنگ پانی دوپہر و رات کھانے سے پہلے
  - سر جامنی رنگ کا پانی صبح و شام
- اللہ میں ہے گئے جامنی رنگ کی روشنی گردوں کے مقام پر صبح پندرہ منٹ نارنجی روشنی شام ہیں منٹ تک ڈالیں منٹ تک ڈالیں
  - ۵۔ سبز شعاعوں کا تیل گردوں کی جگہ دائروں میں مالش کریں
  - ۲۔ زرد شعاعوں کا تیل پیٹ پر دن میں ایک وقت مالش کریں

# مثانے اور پیشاب کی نالی کا ورم

#### اسباب

گردوں، گردوں کی نالی (Ureter) اور مثانہ میں بیکٹیریا کی وجہ سے انفیکشن ہو جاتا ہے۔ مثانہ اور پبیثاب کی نالی کا انفیکشن گردوں کے انفیکشن سے زیادہ عام ہے۔

#### علامات



اس میں مریض کو بار بار پیشاب کرنے کی حاجت ہوتی ہے۔پیشاب کرنے میں تکلیف ہوتی ہے۔پیٹ کے نجلے حصے (پیڑو) میں درد ہوتا ہے۔پیشاب میں خون بھی آ جاتا ہے۔پیشاب میں بیکٹیریا کی بڑی تعداد موجود ہوتی ہے۔

#### علاج

- ا گرا نیلا رنگ پانی صبح و شام
- ۱ سبز رنگ یانی دوپهر و رات
- سر نیلی روشنی مثانه پر رات اور دن میں پانچ پانچ منٹ تک ڈالیں

## پیشاب میں خون آنا

#### اسياب

اس کے اسباب مندرجہ ذیل ہیں:

ا۔ گردوں کی خود مدافعتی بیاری (Glomerulo Nephritis) خود مدافعتی بیاریاں وہ بیاریاں وہ بیاریاں ہو جاتا ہے۔ ہیں جس میں جسم کا مدافعتی نظام اپنے ہی جسم کے کسی جصے کے خلاف بیدار ہو جاتا ہے۔

یں۔ مثانے کا کینیر

س گردوں کی یا مثانے کی پتھری

مهر چوٹ

علامات

خون پیشاب کے ساتھ مل کر آتا ہے اور مجھی پیشاب سے پہلے یا بعد میں آتا ہے اور مجھی بجائے پیشاب کے صرف خون ہی آتا ہے۔ بعض کمزور اشخاص کو اس مرض کے شروع ہونے سے پہلے سردی لگتی ہے اور کیکی ہو جاتی ہے اور کیکر تھوڑا خون آمیز پیشاب آتا ہے اور چند گھنٹوں کے بعد خود بخود صاف پیشاب آنا ہے اور چند گھنٹوں کے بعد خود بخود صاف پیشاب آنا ہے دمثانہ سے خون پیشاب مل کر آتا ہے تو پیشاب کا رنگ سیاہ ہوتا ہے اور اس میں خون کے مقام میں خون کے مجد مگڑے پائے جاتے ہیں اور جب گردوں سے خون آتا ہے تو کمر میں گردوں کے مقام پر درد ہوتا ہے اور پیشاب گوشت کے دھوون جیبا سرخ ہوتا ہے۔

#### علاج

ا سبز رنگ پانی صبح و شام

۲۔ نیلا رنگ پانی کھانے سے پہلے

س۔ گردوں یا مثانے کی پھری کے لئے دیکھنے درد گردہ کا علاج اور مثانہ کے کینسر کے لئے دیکھنے کینسر کا علاج۔

### باب نمبر ۱۱۔

### دماغی امراض

#### صفراوی درد سر

#### اسباب

بر ہضمی، جگر کی خرابی، گرم اور میٹھی چیزوں کے زیادہ استعال سے صفرا بڑھ جاتا ہے جس کی وجہ سے بخارات تیزی سے دماغ کی طرف جاتے ہیں اور سر میں درد ہو جاتا ہے۔

#### علامات

یہ درد نہایت شدید ہوتا ہے۔درد کی حالت میں کنیٹی کی رگوں میں ٹیسیں اٹھتی ہیں۔منہ کا ذائقہ کڑوا ہو جاتا ہے، زبان خشک اور پیاس کی شدت ہوتی ہے۔جی متلاتا ہے، ابکائیاں آتی ہیں۔تے ہو جانے سے درد میں کمی ہو جاتی ہے۔یہ درد بھوک کی حالت میں ہوتا ہے۔پیشاب گرم اور رنگت زرد ہوتی ہے۔ بھی کھار پیشاب میں جلن ہوتی ہے۔

- ا۔ زرو رنگ پانی دن میں ایک بار
- ۲۔ نیلا رنگ بانی صبح و شام کھانے سے پہلے
  - س سبز رنگ پانی کھانے کے بعد

### درد شقيقه

#### اسپاپ

یہ مرض اکثر موروثی ہوتا ہے۔اس بیاری میں نامعلوم وجوہات کی بنا پر دماغ میں شریانیں پھیل جاتی ہیں جس کی وجہ سے ان شریانوں سے متصل اعصاب میں بیجان پیدا ہو جاتا ہے اور درد شقیقہ کا سبب بنتا ہے۔

#### علامات

بار بار آدھے سریا پورے سریاں ٹیسیں اٹھتی ہیں یہ درد دوروں کی شکل میں ہوتا ہے۔روشنی میں آکھیں چندھیا جاتی ہیں اور روشنی سے ڈر لگتا ہے۔درد شروع ہونے کے ساتھ الٹی یا متلی بھی ہو جاتی ہے۔

بعض مریضوں کی آنکھوں کے سامنے روش نقطے ناچتے ہوئے دکھائی دیتے ہیں۔درد شروع ہونے کے بعد روشن نقطے غائب ہو جاتے ہیں۔

- ابه فیروزی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ آسانی رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سر آسانی شعاعوں کا تیل پیشانی پر ماکش کریں
- ہ۔ سر پر نیلے رنگ کی روشنی پانچ منٹ کے لئے ڈالیس پھر تین منٹ کے لئے ہرے رنگ کی روشنی ڈالیس۔دورہ کے وقت بھی یہی عمل کریں۔

۵۔ X 12 9 اینچ شیشہ پر فیروزی رنگ پینٹ کروا کر صبح و شام کھانے سے پہلے پندرہ پندرہ منٹ تک دیکھیں۔

# آئکھوں کے نیچے اندھیرا آنا

کھڑے ہونے یا معمولی حرکت کرنے سے مریض کی آئکھوں کے پنچ اندھیرا چھا جاتا ہے۔ حرکت کے وقت ارد گرد کی چیزیں متحرک نظر آتی ہیں۔مریض کھڑا نہیں رہ سکتا۔سہارا لینے پر مجبور ہو جاتا ہے۔

#### اسباب

جسمانی کمزوری، دماغی کمزوری، اعصابی کشاکش، چوٹ لگنا، منشیات کا بکثرت استعال، دائمی قبض، کانوں کے امراض اور دیر ہضم بادی اشیاء کا استعال اس مرض کے اسباب ہیں۔

#### علامات

اٹھتے، بیٹھتے، چلتے، پھرتے آس پاس کی چیزیں گھومتی ہوئی معلوم ہوتی ہیں۔شروع شروع میں تھوڑی دیر چکر آ کر ختم ہو جاتے ہیں۔مرض شدید ہو تو آئکھوں کے سامنے اندھیرا چھا جاتا ہے اور مریض گر پڑتا ہے۔قے آنے کے بعد چکر ختم ہو جاتے ہیں۔

- ا بنفشی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ زرو رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س گہرا نیلا رنگ پانی کھانے کے بعد

### لكنت

#### اسیاب و علامات

مریض میں سنی اور لکھی ہوئی باتوں کو سمجھنے کی صلاحیت نار مل ہوتی ہے لیکن آواز پیدا کرنے والے آلے کی خرابی کی وجہ سے مریض صحیح الفاظ اوا نہیں کر سکتا یا بالکل نہیں بول سکتا۔اس میں تنا کر بولنا چبا چبا کر بولنا وغیرہ کر بولنا، حجھکوں سے بولنا، موٹی بجھری آواز میں بولنا، منہ ہی منہ میں کچھ کہنا الفاظ کو ملا ملا کر بولنا وغیرہ سب شامل ہیں۔

#### علاج

- ابه بنفشی رنگ پانی صبح و شام
- ٢ نيلا رنگ پاني كھانے سے پہلے
- س بنفش رنگ کی روشنی سر پر پندرہ منٹ کے لئے ڈالیں
  - م۔ بنفشی رنگ میں دودھ تیار کر کے بلائیں
- ۵۔ نارنجی شعاعوں کا تیل کانوں سے ذرا اوپر سر پر صبح و شام سات سات منٹ مالش کریں

# مرگی

#### اسباب

دماغ کے ہر عصبی خلیے کی دیوار میں برقی رو دوڑتی رہتی ہے۔ برقی رو عصبی خلیے کی دیوار میں کسی نامعلوم تحریک سے پیدا ہوتی ہے۔ ایک خلیے میں پیدا ہونے والی برقی رو دوسرے خلیے کو بھی متحرک کرتی ہے۔ انسانی دماغ میں ہر عمل برقی رو سے ہوتا ہے۔ اگر انسان اپنا ہاتھ ہلا رہا ہے تو دراصل اس کے ہاتھ کے

عضلات کو دماغی اعصاب کے ذریعہ تحریک مل رہی ہے۔دماغ میں ہاتھ ہلانے کے لئے مخصوص حصہ کام کر رہا ہے۔ بالکل اسی طرح اگر ہم انسانی جلد کو چھوئیں تو اس جگہ پر ایک برقی رو پیدا ہوتی ہے جو اعصاب کے ذریعہ حرام مغز اور پھر دماغ کے مخصوص حصے میں پہنچ کر تحریک پیدا کرتی ہے اس طرح ہمیں چھونے کا احساس ہوتا ہے۔

مرگی ایبا مرض ہے جس میں کسی نامعلوم یا معلوم وجوہ کی بنا پر دماغ کے کسی بھی جھے میں ایک ابنار مل (Abnormal) طاقتور تحریک پیدا ہوتی ہے۔اس تحریک کے نتیج میں مریض کے اندر چھونے، دیکھنے، سونگھنے کی نادیدہ حس بیدار ہو جاتی ہے۔مریض غیر اختیاری طور پر کپڑوں سے بھی آزاد وہ سکتا ہے۔ ہاتھوں، پیروں میں جھکے بھی لگتے ہیں۔

مرگی کو دو بڑی اقسام میں تقسیم کیا گیا ہے:

ا۔ جزوی مرگی:

اس میں دماغ کا ایک مخصوص حصہ مرگی کے زیر اثر آ جاتا ہے۔

۲ عموی مرگی:

اس میں پورا دماغ مرگی کے زیر اثر آ جاتا ہے۔

# جزوی مر گی کی علامت

چبرے ہاتھ پیر میں سے کسی ایک عضو میں جھٹلے لگنا۔یہ جھٹلے چند سینڈ سے لے کر کئی گھنٹوں پر مشملل ہوتے ہیں۔ بعض مریضوں کو آئھوں کے سامنے ہوتے ہیں۔ بعض مریضوں کو آئھوں کے سامنے دھبے اور رنگ تیرتے ہوئے نظر آتے ہیں۔

بعض لوگوں کو کسی نئی جگہ جاکر ایبا محسوس ہوتا ہے کہ یہ جگہ پہلے سے دیکھی ہوئی ہے جب کہ بعض کو دیکھی ہوئی ہے جب کہ بعض کو دیکھی ہوئی جگہ اجنبی لگنے لگتی ہے۔اس قشم کی مرگی میں مریض پریثان دکھائی دیتا ہے۔اور عجیب

بھیب حرکتیں کرتا ہے۔ مثلاً بھاگنا شروع کر دیتا ہے بعد میں اس کو یاد نہیں رہتا کہ دورے کے دوران اس سے کیا حرکات سرزد ہوئی ہے۔دورہ تقریباً ۲ یا ۳ منٹ کا ہوتا ہے۔

# عمومی مرگی کی علامات

مریض دورہ پڑنے سے پہلے بیجانی کیفیت میں ہوتا ہے۔ مریض کے ہاتھ مڑ کر اکر جاتے ہیں، ٹاکلیں اکر کر سیدھی ہو جاتی ہیں، منہ سے ایک چیخ نکلتی ہے اور بے ہوشی طاری ہو جاتی ہے۔ مریض زمین پر گر جاتا ہے۔ اس کی آئکھیں پھیل جاتی ہیں۔ یہ دورہ ۱۰ سینڈ سے ۳۰ سینڈ تک رہتا ہے۔ مریض کے چرے اور ہاتھ پاؤں میں شدید جھکے لگتے ہیں۔ مریض این زبان چبا لیتا ہے اور اس کا پیشاب یا پاخانہ نکل جاتا ہے۔ یہ دورہ ایک سے پانچ منٹ تک رہتا ہے۔

دورہ ختم ہونے کے بعد مریض گہری بے ہوشی میں چلا جاتا ہے۔ہاتھ پیر اور جبڑا ڈھیلا پڑ جاتا ہے۔ہوش میں آنے پر سر درد پریشانی عضلات میں درد وغیرہ کی علامات ظاہر ہوتی ہیں۔یہ حالت کچھ منٹ سے کئی گھنٹوں تک طاری رہتی ہے۔

جب خلیوں میں برتی رو کا تصرف ہوتا ہے اور ہے رو کی شکل اختیار کر کے ایک دوسرے سے مکراتا ہے تو اس مکراؤ سے بے شار رنگ بنتے ہیں۔ان رنگوں کا نام ہم وہم یا خیال بھی رکھ سکتے ہیں۔اور حقیقتاً ہے تمام کیفیات جو ہمارے دماغ پر وارد ہوتی ہیں انہی رنگوں کا شوع ہے۔یہ شوع ہے۔یہ شوع کہیں اپنی صدوں سے باہر لگانا چاہتا ہے لیمن باہر نگلے کا کوئی نہ کوئی راستہ اگر اسے ملے جبھی ہے ممکن ہے کہ باہر نگل سکے۔ہوتا ہے ہے کہ انفاق سے ام الدماغ کے اندر بہت ہی رو جمع ہو جاتی ہیں اور جمع ہو کر ایک دوسرے کا راستہ روک دیتی ہیں۔وہ دروازے جو باہر لے جانے یا اندر لانے کا کام کرتے ہیں ان سب میں اتنا جموم ہو جاتا ہے کہ باہر آنے یا اندر جانے میں رکاوٹ پیدا ہونے لگتی ہے۔اگر ایسی حالت میں پائی سامنے آ جائے تو اس بند رو کی شعامیں کئی گنا ہو جاتی ہیں جس سے مرگی کا دورہ پڑتا ہے۔جب تک آنے والے دروازوں میں رو کا جموم معمول سے زیادہ رہتا ہے، مرگی کا دورہ آدمی کو بے ہوش رکھتا ہے۔جس وقت دروازے کیل جاتے ہیں، مریض ہوش میں آ جاتا ہے۔چونکہ اعصاب مفلوج ہو جاتے ہیں اس لئے حرکت بھی دیر میں ہوتی ہی، مریض آہتہ آہتہ اپنی حالت پر آتا ہے۔پائی پر نظر پڑنے کے علاوہ اور بہت سے حالات میں ہوتی ہو باتے ہیں اس لئے حرکت بھی دیر میں ہوتی ہو، مریض آہتہ آہتہ آہتہ اپنی حالت پر آتا ہے۔پائی پر نظر پڑنے کے علاوہ اور بہت سے حالات



ایسے ہو سکتے ہیں جن میں مرگ کا دورہ پڑ سکتا ہے۔ایی حالت میں جلد سے جلد دروازوں سے برقی رو کا ہجوم کم ہونا چاہئے۔اگر دیر تک یہ حالت باقی رہے تو مریض خطرے میں پڑ جاتا ہے۔(مریض کے گرنے کی وجہ یہ ہوتی ہے کہ دماغ کی رو اعصاب پر کام کرنا چھوڑ دیتی ہے)۔اس کا بہت آسان طریقہ یہ ہے کہ سر کو زمین سے ہاتھ پر اٹھا لیا جائے گر صرف ایک انچ اس سے زیادہ نہیں۔دو تین مرتبہ سر کو ہلکی جنبش سے ہلایا جائے۔دورہ ختم ہو جائے گا تو ہم آنکھوں کی پتایوں کی تگرانی کچھ دیر تک کریں تا کہ وہ خلیے جو حافظہ سے متعلق ہیں دیکھنے والے کی نگاہوں سے گرائیں۔اس سے دروازوں میں بچوم کی رو تیزی سے کم ہو جائے گا۔

مرگ کے مرض کی ایک شاخت یہ بھی ہے کہ پتلیاں اپنی جگہ سے کچھ نہ کچھ اوپر کی طرف ہٹ جاتی ہیں۔ ہیں۔

# طبیط مال عمومی مرگی

یہ بھی عمومی مرگ کی ایک قشم ہے جو زیادہ تر بچوں میں ہوتی ہے۔ اس دورے کے دوران بچے کی حرکات ساکن ہو جاتی ہیں۔ بچ سامنے گھورنے لگتا ہے۔ پھر آئکھیں جھپکانے اور گھمانے لگتا ہے۔ اس دوران اگر بچے کو مخاطب کیا جائے یا اس کو کوئی تھم دیا جائے تو وہ کوئی جواب نہیں دیتا۔ یہ دورہ چند سینڈز پر مشتمل ہوتا ہے۔ بھی بھی بچے زمین پر گر جاتا ہے۔

یہ دورہ ایک دن میں ایک دفعہ سے کئی سو دفعہ بھی ہو سکتا ہے۔عموماً آٹھ یا نو سال کی عمر کے بعد یہ مرگی ختم ہو جاتی ہے۔

- ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام استعال کریں
  - ا۔ سبز رنگ پانی کھانے سے پہلے



- س۔ آسانی رنگ کی روشنی روزانہ پندرہ منٹ تک سر پر ڈالیں
- - ۵۔ گردن کے جوڑ پر اور سر کے پچھلے حصہ پر نیلی شعاعوں کا تیل صبح و شام مالش کریں
- ۲۔ مرگی کے علاج میں معالج کو اس طرف توجہ دینی چاہئے کہ مریض کو قبض نہ ہو اور ہر حال
   میں نیند پوری ہو۔ ضرورت سے زیادہ دماغ پر بوجھ نہ پڑے۔

# دماغی ورم

#### اسباب

دماغ اعصابی خلیوں سے مل کر بنا ہوا ہے۔ان اعصابی خلیوں کے علاوہ دوسرے سہارا دینے والے خلیے خون کی شریانیں اور وریدیں بھی دماغ میں ہوتی ہیں۔دماغی ورم زیادہ تر بیکٹیریا اور وائرس کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

دماغی ورم کے مریض کو بخار، سر درد، گردن اکڑنے، بے ہوشی، گہری غنودگی، ملکی غنودگ، کوما وغیرہ کی شکایات ہوتی ہیں۔جسم کا کوئی حصہ سن ہو سکتا ہے۔بولنے اور دیکھنے کی حس متاثر ہو سکتی ہے۔

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح، دوپہر شام
- ۲۔ زرد رنگ بانی کھانے سے پہلے
  - سر رنگ پانی صبح و شام

سم۔ بے ہوشی یا عشی میں آسانی رنگ کی روشنی پندرہ پندرہ منٹ ہر دو گھنٹے کے بعد مریض کے سر ير ڈاليں

کمزوری کی صورت میں سرخ یا نارنجی رنگ یانی صبح و شام استعال کریں

نیلی شعاعوں کا تیل سر پر اور گردن کے جوڑ پر صبح و شام سات سات منٹ تک دائروں میں مالش كريں

صاف شفاف سفید 12 9 x انچ شیشے پر Indigoرنگ بینٹ کرا کے وقفہ وقفہ سے دکھائیں علاج مرض ٹھیک ہونے تک جاری رکھیں۔

# گردن توڑ بخار

## اسباب

گردن توڑ بخار مختلف بیکٹیریا یا وائرس کی وجہ سے ہوتا ہے جو پہلے خون میں دور کرتے ہیں اور پھر دماغی غلافوں پر جمع ہو کر سوزش کرتے ہیں۔ دماغ میں جب کئی خلاء بن جاتے ہیں اور کسی جگہ برقی رو کا ججوم ہو جاتا ہے تو کئی قسم کے بخار شروع ہو جاتے ہیں۔ان بخاروں کی وجہ برقی رو کے ہجوم کا اچانک رنگ بدلنا ہے۔ گردن توڑ بخار میں خلیوں کی جگه خلاء آ جاتا ہے۔خلاء میں مخلوط رنگ کی رو پانی بن جاتی ہے۔

#### علامات

مریض بخار، سر میں شدید درد، گردن اکرنے، طبیعت میں ہیجان، سستی، غثی اور کنفیوژن میں مبتلا ہوتے ہیں۔ گردن توڑ بخار سے پہلے ناک یا گلے آنے کی کوئی تکلیف ہوتی ہے۔

بعض او قات پرانے گردن توڑ بخار میں جو کہ ٹی بی کے جراثیم یا آتشک کے جراثیم کی وجہ سے یا دوسری وجوہات کی وجہ سے ہوتا ہے مریض سر درد بخار خراب دماغی کیفیت میں کلینک میں آتے ہیں۔ علاج بہت احتیاط کے ساتھ کرنا چاہئے کیونکہ بے احتیاطی یا پیچیدگی کی صورت میں مریض کی موت واقع ہونے کے امکانات بڑھ جاتے ہیں۔ بے احتیاطی سے یا صحیح علاج نہ ہونے سے کوئی عضو معطل ہو سکتا ہے، بینائی ختم ہو سکتی ہے۔

### علاج

- ا سنلا رنگ پانی صبح دو پہر شام
- ا۔ پربل رنگ پانی کھانے سے پہلے
  - سه زرد رنگ پانی صبح و شام
- ہ۔ عثنی اور بے ہوشی کی حالت میں آسانی رنگ کی روشنی پندرہ پندرہ منٹ تک دن میں چار بار مریض کی پیشانی پر ڈالیں مریض کی پیشانی پر ڈالیں
  - ۵۔ نیلی شعاعوں کا تیل سر پر اور گردن کے جوڑ پر دائروں میں مالش کریں
- ۲۔ زرد رنگ شعاعوں کا تیل گلے پر اور ناف کے چاروں طرف دائروں میں ملکے ہاتھ سے مالش کریں

# فالج

اس مرض میں جسم کا کوئی عضو کام کرنا چپوڑ دیتا ہے۔

## اسباب

- اس کی وجوہات بہت زیادہ ہیں۔چند مشہور اسباب مندرجہ ذیل ہیں:
- ا۔ دماغ کی کسی رگ کا پھٹ جانا یا بند ہو جانا (اسٹروک)۔

ا۔ خون کی سپائی بند ہونا یا چوٹ لگنا حرام مغز سے نکلنے والے اعصاب میں خرابی

ال عضلات کی خرابی یا بے ترتیبی۔

دماغ میں سے گزرنے والی رنگین برقی رو کے دوران کا سمک ریز (Cosmic Rays) آ جائے اور کم سے کم اپنی جگہ سے چار اپنی بائیں طرف ہٹی ہوئی ہو تو اس کا حملہ یک گخت دل پر ہوتا ہے۔اس طرح کے مریض کے نئی جانے کے امکانات بہت کم ہیں لیکن یہی کوسمک ریز جب دائیں طرف چار اپنی ہٹی ہوئی ہو تو برقی نظام تباہ کر دیتی ہے۔یہاں تک کہ کندھے سے پیر تک اس کا اثر ہوتا ہے۔اس کو فالح کا نام دیا جاتا ہے۔

#### علامات

اس کی کئی اقسام ہیں۔ بعض افراد میں جسم کا ایک عضو صرف ہاتھ یا پیر متاثر ہوتا ہے۔ بعض اوقات جسم کا نجلا دھڑ متاثر ہو جاتا ہے۔ یعنی دونوں ٹاگلیں۔ بعض اوقات سر سے جسم کا نصف حصہ مثلاً دایاں ہاتھ دایاں پیر متاثر ہو جاتا ہے۔

- ا سرخ رنگ پانی صبح و شام
- ۲ نیلا رنگ یانی دن میں ایک وقت
- س نارنجی رنگ یانی کھانے سے پہلے
- ہ۔ کمر کے جوڑ پر اور گردن کے جوڑ پر نیلے رنگ کی روشنی روزانہ پندرہ منٹ تک ڈالیں
- ۵۔ کمر کے جوڑ پر اور گردن کے جوڑ پر نیلا تیل ملکے ہاتھ سے دائروں میں روزانہ صبح و شام مالش کریں
  - ۲۔ متاثرہ عضو پر سرخ شعاعوں کا تیل دائروں میں مالش کریں

2۔ متاثرہ عضو پر سرخ رنگ کی روشنی روزانہ پندرہ منٹ تک دن میں دو بار ڈالیں۔علاج میں کافی وقت لگ جاتا ہے۔نتائج مرتب ہونے تک علاج جاری رکھیں۔

# سر میں پانی بھر جانا

## اسباب و علامات

دماغ کے اندر جو فی نظام کام کر رہا ہے۔ان جو فوں میں ایک شفاف مادہ ایک خاص سمت میں گردش کرتا ہے۔اس شفاف مادہ کی پیدائش اور جذب ہونے کا عمل ایک خاص تناسب میں ہوتا ہے اگر اس مادہ کی گردش میں (رسولی یا گردن توڑ بخار کی وجہ سے) رکاوٹ پیدا ہو جائے یا اس مادہ کے جذب ہونے کا عمل رک جائے تو مادہ کی مقدار بڑھ جاتی ہے۔اس کو دماغ میں پانی بھر جانا کہتے ہیں۔

سر میں شدید درد ہوتا ہے الٹیاں آتی ہیں، نظر متاثر ہو جاتی ہے، بچوں میں اس بیاری کی وجہ سے سر کا قطر بڑھ جاتا ہے۔

- ا سفید رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے
- الله سفید رنگ کی روشنی پندره منٹ تک مریض پر ڈالیں
- ۷۔ دھوپ کے سات رکگوں میں سے ہر رنگ کی روشنی دو دو منٹ تک مریض پر ڈالیں۔مریض کو لٹا کر کمر پر روشنی ڈالی جائے

# بل لقوه

## اسپاپ

دماغ میں بننے والی برقی رو کا تصرف چہرہ میں کسی سمت ہو جاتا ہے تو لقوہ ہو جاتا ہے۔ لقوہ کا تعلق اعصاب سے ہے۔ دماغ کے خلیوں کی در میانی رو جب ایک طرف زور ڈالتی ہے تو اعصاب کو ٹیڑھا کر دیتی ہے۔ اس کا اثر کانوں، آگھوں، ناک اور جڑے پر پڑتا ہے۔ بعض او قات ناک کی ہڈیاں بھی ٹیڑھی ہو جاتی ہے۔ اس کا اثر کانوں، ترقی رو کا اثر زیادہ جاتی ہوئے ہے وہ بھی متاثر ہو جاتا ہے۔ اس برقی رو کا اثر زیادہ تر پیشانی پر ہوتا ہے۔

#### علامات

لقوہ کے مریض مندرجہ ذیل شکایات و علامات کی نشاندہی کرتے ہیں۔

چرے یا کان کے اطراف میں درد ہوتا ہے۔ پھر کچھ وقفہ کے بعد آدھے چرے پر کمزوری محسوس ہوتی ہے۔ منہ ایک طرف کھنچتا ہوا محسوس ہوتا ہے۔ اس طرف کی آنکھ کو پپوٹا کمزور ہو کر پوری طرح بند نہیں ہوتا۔ کھانے پینے اور منہ چلانے میں تکلیف ہوتی ہے۔ منہ سے پانی بہتا ہے، تھوک باہر گرتا ہے۔ آدھی زبان میں چکھنے کی صلاحیت کم ہو جاتی ہے۔ لقوہ کا مریض ۲ سے ۱۲ ہفتے میں صحیح ہو جاتا ہے۔

- ا۔ سرخ رنگ کی روشنی پانچ منٹ تک روزانہ چرہ پر ڈالیں
  - ۲۔ سرخ رنگ یانی صبح و شام
  - س نیلا رنگ یانی دوپهر و رات
  - ہم۔ نیلی شعاعوں کا تیل گردن کے جوڑ پر مالش کریں



كلرخفرايي

۵۔ بنولہ کے تیل میں ایک ماہ تک سرخ شعاعیں جذب کر کے باسی روئی پر چپڑ کر کھانے سے عجیب و غریب نتائج مرتب ہوتے ہیں۔

۱۔ 12 9 x اینچ شیشہ پر Indigoرنگ بینٹ کروا کر صبح و شام کھانے سے پہلے پندرہ پندرہ منٹ تک دیکھیں شفا ہونے تک علاج جاری رکھیں۔

# رعشه

### اسباب

رعشہ کا مطلب ہے عضو کی کیکیاہٹ۔اس مرض میں زیادہ تر ہاتھ اور گردن میں کیکیاہٹ رہتی ہے۔ بوڑھے اور سن رسیدہ اشخاص ''رعشہ'' میں زیادہ مبتلا ہوتے ہیں۔

دماغ میں موجود بھورے رنگ کے اجسام (Basal Ganglia) کے افعال میں خرابی کی وجہ سے یہ مرض ہوتا ہے۔

#### علامات

مریض کے ہاتھ اور پیر ہر وقت کیکیاتے رہتے ہیں۔(یہ بہت ضروری علامت ہے)۔اکثر و بیشتر ہاتھوں کا رعشہ کی طرف رعشہ مخصوص حرکات کی شکل میں نمودار ہوتا ہے۔مثلاً اگر آپ مریض کے ہاتھوں کے رعشہ کی طرف دھیان دیں تو آپ کو ایبا لگے گا کہ جیسے مریض شبیح کے دانے پڑھ رہا ہے۔

رعشہ تھکن پریثانی اور فکر سے بڑھ جاتا ہے۔ مریض کی حرکات میں کمی آ جاتی ہے اور عضلات اکر جاتے ہیں۔ عضلات میں تشخ ہونے کی وجہ سے چرہ جذبات سے عاری نظر آتا ہے جبکہ رعشہ کی کیفیت نیند میں ختم ہو جاتی ہے۔



ا۔ نیلا رنگ پانی صبح دوپہر شام

۲۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے

سر مریض کو سردی سے محفوظ جگہ آرام دہ بستر پر اندھرے میں کروٹ سے لٹا کر نیلے رنگ کی روشن سر پر روزانہ پندرہ منٹ تک ڈالیں۔

اللہ ایک نکتہ پر ذہن مرکوز کرنے اور دماغ کو آرام ملنے سے کیکیاہٹ ختم ہو جاتی ہے۔

4 x 129 شیشے پر نیلا رنگ پینٹ کرا کر مریض کو دکھایا جائے۔

# غشی۔بے ہوشی

### اسباب

جسم میں خون کی کمی گلوکوز کی کمی، خون زیادہ مقدار میں بہہ جانا اس مرض کی وجوہات ہیں۔ بعض اوقات خوشی یا شدید غم و الم کی خبر سننے سے خوف کی شدت سے اور نازک مزاج ہونے سے بھی غشی کا دورہ پڑتا ہے۔

#### علامات

دورہ کے وقت مریض کے ہاتھ پیر ٹھنڈے ہو جاتے ہیں۔ سانس رک رک کر اور شکی سے آتا ہے۔ سر گھومتا ہے، آکھوں کے نیچ اندھیرا آ جاتا ہے۔ ٹھنڈے لیسنے آتے ہیں اور جسم لیسنہ میں شرابور ہو جاتا ہے۔ ٹھنڈے کیسنے آتے ہیں اور جسم لیسنہ میں شرابور ہو جاتا ہے۔ مریض کو اس وقت قے بھی ہو عتی ہے۔ مریض کا حملہ اگر خفیف ہو تو صرف جی متلاتا ہے۔ چبرہ کا رنگ بھیکا پڑ جاتا ہے۔ پیشانی پر لیسنہ کے قطرے نمودار ہوتے ہیں، نبض کمزور چلتی ہے۔

### علاج

154



www.ksars.o

۔ اگر مرض کا سبب گلوکوز کی کمی یا خون کا زیادہ اخراج ہے تو مریض کو فوراً گلوکوز یا خون مہیا کیا

جائے

- ۲ سرخ رنگ پانی صبح و شام
- سر Apple رنگ کا پانی دو پہر اور رات کو کھانے سے پہلے
  - مر۔ زرد رنگ پانی کھانے کے بعد

سكنته

اس مرض میں حواس اور جسمانی حرکات معطل ہو جاتی ہیں اور اعضاء اپنے فرائض منصی ادا نہیں کرتے۔ بصارت، ساعت، ہاتھ پیر کام نہیں کرتے، دماغ میں برقی رو کی گزرگاہیں بند ہو جاتی ہیں۔

اس مرض میں مبتلا ہونے والے مریض بہت کم زندہ رہتے ہیں۔

ٹھنڈی اور مرطوب اشیاء کا استعال، شراب نوشی اور کثرت مجامعت، عیش و عشرت کی زندگی، ورزش نه کرنا، پیدل نه چلنا، شدید عصه بهت زیاده شور گانے زیاده سننا دماغ پر سردی کا اثر ہونا اس کے اسباب ہیں۔

#### علامات

نبض تلاش کرنے پر بھی محسوس نہیں ہوتی۔ بہت ضعیف چلتی ہے، ہاتھ پیر سرد ہوتے ہیں، بے ہوش ہونے کا وقفہ ۵ منٹ سے ۷۲ گھنٹے یا زیادہ ہو سکتا ہے۔آکھیں پھرا جاتی ہیں بعض اوقات سانس کی حرکت محسوس نہیں ہوتی۔شاخت کا طریقہ یہ بتایا جاتا ہے کہ مریض کے نتھنوں کے قریب باریک دھئی ہوئی روئی اس طرح رکھی جائے کہ ہوا اور آس پاس کے لوگوں کا سانس روئی کے باریک ذرات کو متحرک نہ کر سکے۔غور سے دیکھنے پر اگر روئی میں حرکت ہے تو مریض زندہ ہے۔



#### علاج

مریض کو فوری طور پر ہیتال میں داخل کرایا جائے اور ڈاکٹروں کی ہدایات پر عمل کیا جائے۔ صبح سویرے بیدار ہو کر کھلی فضا میں ٹہلنا، نیند پوری کرنا لیکن ضرورت سے زیادہ نہ سونا۔غذاؤں میں اعتدال اور احتیاط سے کھانا، زود ہضم غذا کھانا، صاف ستھرے ماحول میں رہنا، ایسے مکان میں رہنا جس میں صحن ہو یا دھوپ آتی ہو، خوش رہنا، قناعت کے ساتھ زندگی گزارنا اور نیلے رنگ کی روشنی کا مراقبہ کرنے سے سکتہ کا مرض نہیں ہوتا۔

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح دوپہر شام
- ۲۔ شوخ قرمزی رنگ پانی صبح و شام کھانے کے بعد
  - ۳۔ مریض کو سرخ رنگ کی روشنی میں رکھیں

# عرق النساء

## اسباب

کسی بھی وجہ سے ریڑھ کی ہڈی سے نکلنے والے اعصاب پر دباؤ پڑے تو یہ بیاری لاحق ہو جاتی ہے۔ لیکن کچھ صورتوں میں ریڑھ کی ہڈی کی رسولی یا فریکچر (Fracture) وجہ بن سکتی ہے۔

عموماً لوگوں کو کسی بھاری بوجھ کے اٹھانے سے یکدم ہے درد نثر وع ہوتا ہے۔ گردوں میں ریاح جمع ہونے سے بھی میہ مرض ہو جاتا ہے۔اطباء نے لکھا ہے کہ ''عرق النساء'' نامی ایک رگ ہے جس میں بلغی مادہ رک جاتا ہے جو شدید درد کا باعث بنتا ہے۔ بھی ریاح کی کثرت سے بھی ہے مرض ہو جاتا ہے۔

## شكايات و علامات



عرق النباء کی تشخیص کا سب سے اچھا طریقہ یہ ہے کہ مریض اپنی پشت دیوار سے لگا کر کھڑا ہو جائے اور متاثرہ پیر کو سیدھا کر کے گھٹنا موڑے بغیر اٹھائے۔اگر وہ ٹانگ زمین کے ساتھ زاویہ قائمہ (نوے درج کا زاویہ) بنانے گئے تو اس کا مطلب یہ ہے کہ ''عرق النباء'' نہیں ہے اور اگر پیر اوپر اٹھائے ہوئے اعصاب میں درد اور کھنچاؤ ہو اور پیر اوپر اٹھانا ممکن نہ ہو خصوصاً ۴۵ درجے زاویہ پر تکلیف شروع ہو جائے تو اس کا مطلب ہے کہ ''عرق النباء'' کا درد ہے۔(فریکچر یا رسولی کی وجہ سے درد عموماً فریکچر یا رسولی کی وجہ سے درد عموماً فریکچر یا رسولی کی وجہ سے درد عموماً فریکچر یا رسولی کے علاج سے ٹھیک ہو جاتا ہے)۔

- ا۔ زرد رنگ پانی صبح وشام
- ۲۔ فیروزی رنگ بانی دوپہر و رات کھانے سے پہلے
  - سے نارنجی رنگ یانی کھانے کے بعد
  - ہ۔ سبز شعاعوں کا تیل پوری ٹانگ پر ماکش کریں
- ۵۔ نیلی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان کمر کے جوڑ پر دائروں کی صورت میں مالش کریں
  - ۲۔ سبز شعاعوں کا تیل گردوں کی جگه دن میں ایک وقت مالش کیا جائے
  - ے۔ زرد شعاعوں کا تیل صبح نہار منہ پیٹ پر ناف کے چاروں طرف مالش کریں



ہار مونز کی بیاریاں

تھائی رائیڈ ہارمونز کی زیادتی

## اسباب

- ا۔ تھائی رائیڈ غدود کی خود مدافعتی بیاری
- ۲۔ زہریلا گلائٹر (Goiter)۔اییا گائٹر جو تھائی رائیڈ ہارمونز کی زیادہ مقدار بنائے
  - سه تفائی رائیڈ غدود کا ورم
  - س آیوڈائیڈ کی زیادتی کی وجہ سے
  - ۵۔ تھائی رائیڈ کے کینسر کی وجہ سے
  - ۲- غده نخامیه (Pituitary Gland) کا زیاده متحرک ہونا

## علامات و شکایات

نروس (Nervous) ہوجانا، گرمی لگنا، دل تیز تیز دھڑ کنا، ہاتھ پیروں میں رعشہ انچھی غذا کے باوجود وزن میں کمی عضلات کی کمزوری اسہال یا پاخانہ زیادہ آنا۔

#### علامات

گائٹر (Goiter) گرم چکنی جلد ہاتھوں اور زبان پر ہلکا ہلکا رعشہ نبض کا تیز ہونا آئکھوں کا باہر کو ابلنا پسینہ زیادہ آنا۔



- ار فیروزی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ سبز رنگ پانی دوپیر و رات
- سے زرد رنگ پانی صبح و شام کھانے کے بعد
- ۳- آسانی روشنی روزانه ۳۰ منگ تک غدود پر ڈالیں
- ۵۔ زرو شعاعوں کا تیل غدود کی جگه دائروں میں مالش کریں

# تھائی رائیڈ ہار مونز کی کمی

تقائی رائیڈ غدود (Thyroid Gland)

یہ غدہ ہوا کی نالی (Trachea) کے وائیں بائیں اور سامنے ہوتا ہے۔اس میں سے دو بڑے ہار مونز لگلتے ہیں۔ ہیں۔

التقائي راكس (Thyroxine)

ان ہار مونز کو T3اور T4 بھی کہتے ہیں۔ یہ آئیوڈین سے بننے والے ہار مونز ہیں جو دماغی اور جسمانی نشوونما پر اثر انداز ہوتے ہیں۔

ر کیلی ٹونن(Calcitonine)

یہ جسم میں کیلشیم کی مقدار کو متوازن رکھنے میں مدد دیتا ہے۔

تھائی رائیڈ ہارمونز کی کمی کے اسباب مندرجہ ذیل ہیں:

ا۔ تھائی رائیڈ غدود کی خود مدافعتی بیاری

۲۔ آئيوڈين کی کمی

م۔ غدہ نخامیہ (Pituitary Gland) کی خرابی

## شكايات

کمزری، تھکن، کمزور یادداشت، سردی لگنا، وزن کی زیادتی، قبض بالوں کا گرنا، آواز کا بھدا ہو جانا، بہرا پن، دم گھٹنا، جوڑوں اور عضلات کا درد ہاتھ پیر سن ہونا، سینے میں درد، عورتوں میں ایام کی تکالیف(خون کا زیادہ مقدار میں آنا یا زیادہ دنوں تک آنا)۔

#### علامات

سو کھی اور کھر دری جلد آئھوں کے اطراف سوجن پتلے اور کھر درے بال، جلد کا رنگ زرد ہو جانا، موٹی زبان، گفتگو کا آہتہ ہونا، ہائی بلڈ پریشر، دل کی دھڑکن کا کم ہوجانا، پیٹ میں پانی بھر جانا، جلد پر سفید سفید نشانات کا پڑنا اور گائٹر یعنی تھائی رائیڈ غدود کا بڑھ جانا۔

- ا بنفشی رنگ بانی صبح و شام
- ۲ نارنجی رنگ پانی دو پهر و رات
- سل بنفشی رنگ کی روشنی سر پر اور تھائی رائیڈ غدود پر پندرہ منٹ تک ڈالیں
- م۔ زرد شعاعوں کا تیل گائٹر پر صبح و شام پانچ پانچ منٹ ملکے ہاتھ سے دائروں میں مالش کریں

شيز وفرينيا

اسپاب

غلط ماحول، جنسی دباؤ، نفسیاتی الجھنیں، خاندانی جھگڑے، ذہنی پریشانی، دماغی کشکش، ٹینش، احساس کمتری یا احساس برتری اور کم خوابی سے بیہ مرض لاحق ہو جاتا ہے۔

سائنس دانوں کی ریسرچ کے مطابق ایک کیمیاوی مادہ Dopamineدماغ میں جب زیادہ ہو جاتا ہے یا دماغ کے مخصوص حصے اس مادہ کو معمول سے زیادہ محسوس کرتے ہیں تو شیز وفرینیا ہو جاتا ہے۔اس بیاری کی وجوہات میں Geneticsکا کردار بھی بہت اہم ہے۔

#### علامات

عام طور پر شیز و فرینیا بیس (۲۰) سے تیس (۳۰) سال کی عمر میں شروع ہوتا ہے لیکن یہ برای عمر کے لوگوں کو بھی ہو سکتا ہے۔ شیز و فرینیا شروع ہونے سے پہلے مریض کئی ہفتوں اور کئی مہینوں تک ڈپریشن اعصابی تناؤ اور بے چینی میں مبتلا رہتا ہے۔ ایک ہی خیال دماغ میں گردش کرتا رہتا ہے۔

مریض رفتہ رفتہ لوگوں سے دور ہو جاتا ہے۔روزمرہ کام کرنے سے جی چراتا ہے۔ ذہن میں عجیب عجیب خیات ہے۔ ذہن میں عجیب خیات تعلیل دیتی ہیں خیالات آتے ہیں۔ یہاں تک کہ شدید قسم کا دورہ پڑتا ہے۔ مریض کو عجیب عجیب شکلیں دکھائی دیتی ہیں اور ماورائی آوازیں سنائی دیتی ہیں۔ شدید قسم کا وہم ہو جاتا ہے اور سوچ میں خلل پڑ جاتا ہے۔ مریض متضاد باتیں کرتا ہے۔ کوئی بات زمین کی ہوتی ہے اور کوئی آسان کی۔دورہ ختم ہونے کے بعد مریض ڈپریشن میں چلا جاتا ہے۔

بعض مریضوں کو زندگی میں صرف ایک بار دورہ پڑتا ہے گر اکثر کو بار بار دورے پڑتے ہیں اور ہر دورے میں علامات کی شدت میں اضافہ ہوتا رہتا ہے۔

شیز و فرینیا مریض میں مندرجہ ذیل علامات پائی جاتی ہے۔

الیا مریض گفتگو طویل کرتا ہے۔ گفتگو ہے معنی ہوتی ہے اور باتوں میں کوئی ربط نہیں ہوتا۔ ایک خاص بات یہ ہے کہ مریض گفتگو کے دوران نئے نئے الفاظ بولتا ہے۔ شکوک و شبہات اور وسوسوں میں مبتلا رہتا ہے۔ مثلاً اسے یقین ہو جاتا ہے کہ لوگ یا خاندان کے افراد اس کو قتل کرنا چاہتے ہیں، اس کے کھانے میں زہر ملا رہے ہیں، اس پر جادو تعویذ کر رہے ہیں۔ وہ جھپ جھپ کر لوگوں کی باتیں سنتا ہے۔ اس کے ذہن میں یہ بات ہوتی ہے کہ میری موج ساری دنیا میں سنی جا رہی ہے۔ کہجی وہ کہتا ہے کہ میری سوچ ساری دنیا میں سنی جا رہی ہے۔ کہجی وہ کہتا ہے کہ میری سوچ ساری دنیا میں سنی جا رہی ہے۔ کہجی وہ اس بات پر سازش کی جا رہی ہے۔ کہجی وہ کہتا ہے کہ میری سوچ ساری دنیا میں سنی جا رہی ہے۔ کہجی وہ اس بات پر سازش کی جا رہی ہے۔ کہجی وہ کہتا ہے کہ میری سوچ ساری دنیا میں سنی جا رہی ہے۔ کہجی دو اس بات پر انہا ہا رہا ہا رہی ہے۔ ایسا مریض ٹی وی پروگرام یا انجبار کے آرٹیکل کو اپنے لئے آسپیش پیغام سیجھنے لگتا ہے۔ شیز وفرینیا کے ساتھ وفادار نہیں ہیں۔ اس بات کا انہیں اتنی شدت سے لیتھیں ہوتا ہے کہ وہ راتوں کو پہرہ دینا شروع کر دیتے ہیں اور الزام تراثی اور مار پیٹ پر اتر آتے ہیں۔ شیز وفرینیا کا مریض بیان کردہ تمام باتوں کو وہم یا شک نہیں سیجھتا۔ آپ دلائل سے ان کو قائل نہیں کئیں سیجھتا۔ آپ دلائل سے ان کو قائل نہیں کیتے۔

مریض کو فریب تصور (Hallucination) ہوتا ہے جو کہ بصارت ساعت کمس اور سونگھنے سے متعلق ہو سکتے ہیں۔ مریض کو فوشبو یا بدبو آتی ہے ہو سکتے ہیں۔ مریض کو خوشبو یا بدبو آتی ہے جب کہ ماحول میں دوسرے لوگوں کو نہیں آتی۔ مریض خوشی کا اظہار کرتے کرتے رونے لگتا ہے۔ مریض جذبات سے بالکل عاری ہو جاتا ہے۔ موت کی خبر سن کر یا میت کو دیکھ کر بیننے لگتا ہے۔ مریض میں کام کرنے اور مقصد حاصل کرنے کی صلاحیت میں کی ہو جاتی ہے اور خود اپنی ذات میں گم رہتا ہے۔

# کیس ہسٹری

جب سنر ۱۰ گفارہ سال کی تھی۔ اس میں شیز وفرینیا کی پہلی علامت ظاہر ہوئی۔ وہ اس احساس میں مبتلا ہو گئی کہ لوگ اس کے متعلق باتیں کرتے کہ لوگ اس کے متعلق باتیں کرتے ہیں اور اسے نقصان پہنچانے کے در پے ہیں۔ پہلے پہل تو سنر ۵پر شیز وفرینیا کے حملے وقفے وقفے سے ہوتے تھے اور حملوں کے در میانی وقفہ میں اس کی ذہانت گرم جوشی آرزوئیں اور امنگیں واپس آ جاتی تھیں۔ اس نے جامعہ سے فارغ التحصیل ہو کر شادی کی اور تین بچوں کی ماں بھی بن گئی۔ تیسرے بیچ کی پیدائش کے بعد اسے وسوسوں نے بھر آ گھیرا اور ۲۸ سال کی عمر میں اسے ہیپتال میں داخل ہونا پڑا۔

40 سال کی عمر میں اس کی بیاری نے طول پکڑا۔اسے ہر جگہ جانور نظر آنے لگے۔ بھی مجھی اس کو فرشتے نظر آتے تھے۔ماورائی آوازیں اسے ڈراتی رہتی تھیں۔

### علاج

- ا۔ Oliveرنگ یانی صبح دوپہر شام استعال کرایا گیا
  - ۲۔ نیلا رنگ پانی صبح وشام کھانے سے پہلے
    - س سفید رنگ پانی دن میں ایک بار
- ہ۔ دن میں ایک بار مریض کے سر کے پچھلے جھے پر نیلی شعاعوں کے تیل کی مالش کی گئی
  - ۵۔ دن میں ایک بار مریض کے سر پر پندرہ منٹ کے لئے نیلے رنگ کی روشنی ڈالی گئی

چار ماہ کے علاج سے مرکفنہ ٹھیک ہو گئی۔دوران علاج کھانوں میں میٹھی چیزیں زیادہ دی گئیں۔پہلے سے یہ اطمینان کر لیا گیا تھا کہ مرکفنہ کو شوگر کی بیاری نہیں ہے۔مرکفنہ کو 9 x 12 اپنج شیشے پر نیلا رنگ پینٹ کرا کر وقفہ وقفہ سے دکھایا گیا۔مرکفنہ کو چونکہ لو بلڈ پریشر کی شکایت نہیں تھی اس لئے کھانوں میں نمک کی مقدار کم سے کم کر دی گئی۔

# *ڈیر کیش*

## اسباب

ڈپریشن کی کئی وجوہات ہیں۔اس میں نشہ آور ادویات کا استعال اور ان کا اچانک جھوڑ دینا، مسلسل بیار رہنا، غم اور پریشانی شامل ہیں۔سائیکارٹسٹ کہتے ہیں کہ مریض اگر مسلسل تقریباً دو ہفتوں تک اس کیفیت میں رہے تو ڈپریشن کا مریض ہے ورنہ سے مرض ڈپریشن نہیں ہے۔

#### علامات

اس بیاری میں مریض افسردہ رہتا ہے۔افسردگی اور یاسیت کی وجہ سے زندگی میں دلچیسی کم ہو جاتی ہے۔ تنہا ہو جاتا ہے، وزن کم یا زیادہ ہوتا رہتا ہے۔طبیعت میں بے چینی رہتی ہے۔ سوچنے اور غور کرنے کی صلاحیتوں میں کمی ہو جاتی ہے۔خود کشی کو جی چاہتا ہے۔

## علاج

# مرض کی شدت میں

- ا۔ Apple رنگ یانی صبح و رات کھانے کے بعد
  - ۲۔ آسانی رنگ بانی دو پہر کھانے سے پہلے
    - سر زرد رنگ پانی شام کھانے کے بعد

# مرض میں شدت نہ ہو تو

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے
- ۲۔ نارنجی رنگ پانی دوپہر رات کھانے کے بعد



س۔ زرد رنگ یانی عصر کے بعد

# جنون

#### اسياب

جنون کے بارے میں بہت ساری روایات ہیں لیکن کار تھراپی کے مطابق جب آدمی پر دیوانگی اور جنون کے دورہ کا آغاز ہوتا ہے تو اس میں ہمیشہ ام الدماغ کے اندر ''رو'' کا بچوم ہو جاتا ہے اور چونکہ رو کے بچوم کے لئے نکلنے کا راستہ نہیں ہوتا اس لئے دباؤ کی بنا پر خلیوں کے اندر کی دیواریں ٹوٹ جاتی ہیں اور راستہ کہیں کہیں سے کھل جاتا ہے۔اس طرح خلیوں کے اندر رو کی جو ترتیب متعین ہوتی ہے وہ قائم بہیں رہتی۔

جنون کے دورہ میں جینیکس غیر صحت بخش غذائیں بھاری ماحول نشہ آور ادویات غلط تربیت پرورش کے غلط طریقے اور نفسیاتی الجھنوں کا عمل وخل زیادہ ہوتا ہے۔چاند کو زیادہ دیکھنا بھی آدمی کے اندر جنون پیدا کر دیتا ہے۔زیادہ وظیفے پڑھنے سے بھی شعوری گرفت کمزور ہو جاتی ہے اور رفتہ رفتہ آدمی جنون کی کیفیت میں چلا جاتا ہے۔

#### علامات

مریض کا موڈ بیجانی ہوتا ہے۔ زندگی کے کام نہایت عجلت اور جلد بازی سے پورے کرنے کی کوشش کرتا ہے۔ انتہا پیند ہوتا ہے خود کو بڑی شخصیت سمجھنے لگتا ہے۔ کبھی خود کو بادشاہ اور خدا سمجھتا ہے کبھی کروڑ پی بن جاتا ہے اور خود کو لاکھوں کروڑوں کی جائیداد کا مالک بتاتا ہے۔ خود کو سپر مین کہتا ہے جب کہ بزدل بھی ہوتا ہے۔ بہت زیادہ باتونی ہو جاتا ہے اور بلند آواز میں تیز تیز بولتا ہے۔ بعض اوقات اتنی جلدی جلدی بولتا ہے کہ سمجھنے میں دقت ہوتی ہے۔ مریض کے ذہن میں نئے نئے نظریات آتے ہیں۔ مریض جلدی بولتا ہے کہ سمجھنے میں دقت ہوتی ہے۔ مریض کے ذہن میں نئے نئے نظریات آتے ہیں۔ مریض میں ایک نکتہ پر غور کرنے کی صلاحیت بہت کم ہو جاتی ہے۔ مریض خوشی اور دلچیں کے کاموں کو انتہائی درجہ پر اسرار طور پر انجام دینے کی کوشش کرتا ہے۔ جس کے نتائج کافی برے ہوتے ہیں۔ مثلاً مریض درجہ پر اسرار طور پر انجام دینے کی کوشش کرتا ہے۔ جس کے نتائج کافی برے ہوتے ہیں۔ مثلاً مریض

ایک دن میں لاکھوں روپے کی شاپنگ کر لیتا ہے۔ مریض شوخ قسم کے کپڑے پہنتا ہے۔ ہر بندے سے ہاتھ ملانا اور گلے ملنا شروع کر دیتا ہے۔ کوشش کرتا ہے کہ ہر جگہ نمایاں رہے۔ مریض کے اندر جنسی رجحان بڑھ جاتا ہے نیند کم ہو جاتی ہے۔

مرض کی تشخیص کے لئے اس بات پر توجہ دینا ضروری ہے کہ مندرجہ ذیل علامات کم سے کم ایک ہفتہ تک موجود رہیں۔اییا ممکن ہے کہ مریض میں کسی وقت جنون اور دوسرے وقت میں یاسیت کی کیفیت کا غلبہ ہو۔ایس صورت کو ''دو رخی بیاری'' کہا جاتا ہے۔جنون کے دورہ کی مدت تین مہینے تک قائم رہ سکتی ہے۔

# کیس ہسٹری

۲۰ سال کا ایک طالب علم بہت زیادہ باتونی ہو گیا۔ ہر وقت لوگوں کے بچوم میں رہنا پیند کرنے لگا۔ اس کی نیند کم ہو گئی، کہنا تھا کہ میں بادشاہ ہوں۔ ساری کائنات میرے اشارے پر ناچتی ہے۔ جھے پیغیبری سے نوازا گیا ہے۔ میرے پاس لاکھوں روپے ہیں اگر کوئی اسے ٹوکٹا تو لڑنے مرنے پر آمادہ ہو جاتا تھا۔ سخت سردی میں زیر جامہ پہن کر گھومتا تھا۔ بازار میں ہر ایک کو سلام کرتا اور گرم جو ثتی کے ساتھ کھے لگا لیٹا تھا۔ جیب سے زیادہ خریداری کرتا اور ادھار بھی لے آتا تھا۔ تیز آواز میں گاتا تھا یا ہر وقت گانے سنتا رہتا تھا۔ شعر و شاعری کی طرف بھی اس کا بڑا رجان تھا۔ گھنٹوں شطرنج کھیلنا، خود کو ہر فن میں ماہر سبجھنے لگا۔ وہ سبجھتا تھا کہ اس کی آواز دنیا میں سب سے اچھی ہے۔ پوچھنے پر بتایا کہ امریکہ اور پاکستان کے بڑے بڑے لوگوں سے اس کی آواز دنیا میں سب سے اچھی ہے۔ پوچھنے پر بتایا کہ امریکہ اور پاکستان کے بڑے بڑے لوگوں سے اس کی تعلقات ہیں اور وہ صرف ایک ٹیلی فون پر اس کا کام کر دیتے ہیں۔

- ا۔ فیروزی رنگ پانی صبح دو پہر شام
- ۲ سفید رنگ بانی دن میں ایک بار
- س زرد رنگ پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے



۲۔ مریض کے کمرے میں نیلے رنگ کا بلب روش رکھنے کی ہدایت کی گئی

2۔ مریض کو نلے رنگ کے ریشی کیڑے پہنائے گئے

٨۔ تين وقت خالص شهد كھلانے كى تاكيد كى گئى۔اس كے ساتھ ساتھ يونانی طب كا سہارا ليا گيا۔

# بإگل بن

#### سپاپ

د یکھئے جنون اور شیز و فرینیا۔

#### علامات

اس مرض میں جنون اور شیز وفرینیا دونوں کی خصوصیات پائی جاتی ہیں۔ مریض کبھی ایک بات کرتا ہے کبھی دوسری بات کرتا ہے، توڑ دوسری بات کرتا ہے، توڑ ہوسری بات کرتا ہے۔ لڑنے مرنے پر آمادہ رہتا ہے، نیند غائب ہو جاتی ہے، گھر سے بھاگ جاتا ہے، توڑ پھوڑ کرتا ہے، کپڑے پھاڑ دیتا ہے، خود بخود ہنتا رہتا ہے۔ اپنے ساتھ باتیں کرتا ہے، گانا ہے، کبھی ہنتا ہے۔ کبھی روتا ہے۔

### علاج

ا۔ قرمزی رنگ پانی صبح دوپہر شام استعال کریں۔افاقہ ہونے کی صورت میں صبح وشام استعال کریں۔

٢ سفيد رنگ پاني دن مين ايك بار-

- سے مریض کے سر پر دن میں دو بار پندرہ منٹ تک آسانی رنگ کی روشنی ڈالیں۔
- الم مانی شعاعوں کے تیل سے دن میں ایک بار سر کے پچھلے حصہ پر مالش کریں۔
- ۵۔ نیلے رنگ پانی میں گدیاں بھگو کر سر کے درمیانی حصہ پر پندرہ من تک رکھیں۔

# نسيان

# اسباب

عام طور پر عمر کے ساتھ ساتھ تھوڑی بہت یادداشت کمزور ہو جاتی ہے۔یہ کوئی خطرناک بات نہیں ہے۔ لیکن اگر یادداشت بہت زیادہ متاثر ہو جائے تو اس کی مندرجہ ذیل وجوہات ہو سکتی ہیں۔اس بیاری کو نسیان (Dementia) کہتے ہیں۔

- ا۔ سرکی چوٹ
- ا۔ وٹامن B6کی بہت زیادہ کی
- سر بڑھاپے یا ضعفی کی وجہ سے
- ہے۔ دماغ میں دوران خون میں کمی
  - ۵۔ کینسر رسولی وغیرہ
  - ۲۔ نشہ آور چیزوں کا استعال
- کے بہت زیادہ مصروفیت کسی ایک شعبہ میں انتہا درجہ دلچیبی
  - ۸۔ غم وغصہ کی زیادتی
  - وقت زیادہ سونا

ا۔ رنج و فکر

اا۔ دائمی نزلہ یا زکام

۱۲۔ گرم اشیاء کا بکثرت استعال

#### علامات

مریض پرانی باتیں بھول جاتا ہے اسے وقت کا احساس نہیں رہتا۔ صبح شام کی پیچان نہیں رہتی۔ پچوں کے نام اور تعداد یاد نہیں رہتی۔ بیاری بڑھ جائے تو کیڑوں کی پاک ناپاکی کی پروا نہیں ہوتی۔ بول و براز کیڑوں میں کر دیتا ہے۔ چیزوں کی پیچان ختم ہو جاتی ہے۔ حسی اعضاء آنکھ، ناک، کان، جلد بالکل صبح کام کرتے ہیں لیکن اگر آپ اسے گلاس دکھائیں اور پوچھیں یہ کیا ہے؟ وہ جواب نہیں دے سکے گا یا گلاس کی بیجائے کسی اور چیز کا نام بتائے گا۔

مریض جو کچھ دیکھتا یا سنتا ہے وہ بھول جاتا ہے۔ سنی ہوئی باتیں یا دیکھی ہوئی شکلیں سوچنے سے بھی یاد نہیں آتیں۔اعلی صلاحیتیں مثلاً پلانگ پروگرامنت وغیرہ متاثر ہو جاتی ہیں۔ چیزیں رکھ کر بھول جاتا ہے۔ وعدہ کر کے اسے یاد نہیں رہتا۔ مخصوص چیزوں کے علاوہ اور سب چیزیں بھول کے خانہ میں جا پڑتی ہیں۔ دماغ میں چند ہزار خلیے بے ترتیب ہو جاتے ہیں۔اییا ممکن نہیں ہے کہ ہر شخص کے ساتھ اس قشم کے واقعات پیش نہ آئے ہوں۔ یہ کوئی بیاری نہیں ہے گر بار بار ایسا ہونے سے بیاری بن جاتی ہے۔اس جاری میں حافظہ بہت زیادہ کمزور ہو جاتا ہے۔

- ا۔ سر کی چوٹ کی صورت میں نیوروسر جن سے رجوع کیا جائے
  - ۲۔ نشہ آور چیزوں کا استعال بند کر دیا جائے
    - س کینس کے لئے کینسر کا علاج دیکھئے



باقی تمام وجوہات کے لئے مندرجہ ذیل علاج کریں

- ا سنلا رنگ پانی صبح و شام
- ا۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
- ال سرخ رنگ پانی کھانے کے بعد
- ہ۔ سبز رنگ یانی ناشتہ کے بعد اور سوتے وقت
- ۵۔ نکلتے سورج کے سامنے تین منٹ تک مریض کو بٹھائیں

# ڈراؤنے خواب

اس بیاری میں مریض کو خواب میں خوفناک اور ڈراؤنی صورتیں دکھائی دیتی ہیں اور وہ گمان کرتا ہے کہ کسی نے اسے اوپر سے گرا دیا ہے یا کوئی اس کے سینہ پر چڑھ کر بیٹھ گیا ہے۔

## اسباب

یہ مرض اکثر معدہ کی خرابی اور برہضمی سے ہوتا ہے۔ کھانا کھا کر فوراً سونا خصوصاً چت لیٹنے سے اور بعض رفعہ سینے کے عضلات اور آنتوں میں تشنج پیدا ہونے سے ہوتا ہے۔

#### علامات

مریض کو خوفناک خواب نظر آتے ہیں اور ایسا معلوم ہوتا ہے کہ کسی بھاری بوجھ کے پنچ دبا ہوا ہے۔اس کا دم گھنے لگتا ہے۔وہ بول سکتا ہے نہ حرکت کر سکتا ہے۔اسی حالت میں وہ خواب مین چونک کر نیند سے بیدار ہو جاتا ہے۔جاگنے پر دم گھٹنا موقوف ہو جاتا ہے لیکن گھبراہٹ موجود رہتی ہے۔سانس تیز تیز لیتا ہے بعض مریض پسینہ میں شرابور ہوتے ہیں۔

## علاج

- ا۔ مرہم زرد یا زرد شعاعوں کا تیل پیٹ پر صبح نہار منہ اچھی طرح مالش کریں
  - ۲ نیلا رنگ پانی صبح و شام
  - س زرد رنگ پانی دو پہر و رات کھانے کے بعد
- ۵۔ نیلی شعاعوں کا تیل انگوٹھے سے آہتہ آہتہ انگیوں کے پوروں پر Massage کریں

# نیند نه آنا

## اسياب

اس کا سب سے بڑا سبب دماغ میں نتھی ہے۔ گرم غذاؤں کا بکثرت استعال جسم میں صفرا کی زیادتی رنج و غم کی کثرت کی کثرت فرخی نشیات اور چائے کی کثرت مجمی اس مرض کا باعث ہے۔

#### علامات

مریض رات بھر پہلو بدلتا رہتا ہے لیکن نیند نہیں آتی۔طبیعت نہایت بے چین اور مضطرب رہتی ہے۔ ناک کے نتھنے خشک ہو جاتے ہیں۔پیاس زیادہ لگتی ہے۔سر گرم ہوتا ہے۔صفراکی زیادتی سے ہو تو چہرے کا رنگ زرد ہو جاتا ہے اور منہ کا مزاکڑوا ہوتا ہے۔دل کی دھڑکن تیز ہو جاتی ہے۔



فیروزی رنگ یانی صبح و شام اور افاقه ہونے کی صورت میں صرف رات سوتے وقت استعال كرين

زرد رنگ یانی کھانے سے پہلے

کچی گھانی کے تلوں کے تیل میں نیلی شعاعیں جذب کر کے روزانہ انگلیوں کے پوروں سے سر کے پچھلے حصہ میں مالش کریں

روغن کدو اور روغن کاہو میں آسانی شعاعیں جذب کر کے انگلیوں کے بوروں سے سر کے پیج میں ماکش کریں

صفراکی زیادتی سے نیند نہ آئے تو گھڑی دیکھ کر دو منٹ تک پختہ سالم کیمو کنیٹی پر ملائم ہاتھ سے مليس

## اسپاب

زندگی گزرنے کے ساتھ ساتھ انسانی حافظ کے دو رخ بن جاتے ہیں۔ایک رخ کے نفوش گہرے ہوتے ہیں اور وہ انسان کو یاد رہتے ہیں۔ دوسرے رخ کے نقوش ملکے ہوتے ہیں وہ انسان کو یاد نہیں رہتے۔ زندگی میں گزرے ہوئے وہ حالات و واقعات جن کو انسان بھلا دینا چاہتا ہے مثلاً غم خوف پریشانیاں وغیرہ شعور کے دوسرے رخ میں ریکارڈ ہو جاتی ہیں۔شعور کے اس دوسرے رخ کو نفسیات دان لاشعور کہتے ہیں۔ شعور اگر طاقتور ہے تو حافظہ کا دوسرا رخ پریشانی کا باعث نہیں بنتا۔ لیکن شعور اگر طاقتور نہیں ہے تو ذہن پر خوف بار بار ابھرنے لگتا ہے چونکہ انسان ان باتوں کو دوبارہ یاد کرنا نہیں چاہتا اس لئے شعور پر د باؤ زیادہ ہو جاتا ہے۔ جسم پر اس کا اثر بڑتا ہے اور مختلف علامات کی صورت میں ظاہر ہوتا ہے۔ ان ہی مختلف علامات کے تحت مرتب ہونے والے اثرات کو ہسٹیریا کہتے ہیں۔

#### علامات

- ا۔ مریض کا یکدم چپ ہو جانا۔
- ۲۔ ہاتھ پیروں کا اس طرح بیکار ہونا کہ محسوس ہو کہ دماغ پر فالح کا اثر ہو گیا ہے۔
  - سر چلتے وقت جسم میں جھول آنا اور چال میں توازن قائم نہ رہنا۔
  - ٣ ہاتھ پير يا سر ميں جھكے لكنا (يہ جھكے مركى سے مشابہ ہوتے ہيں)
    - ۵۔ عارضی طور پر نظر ختم ہو جانا۔
    - ٢\_ بعض او قات مريض اينا نام پية اور گھر بھول جاتا ہے۔
      - ے۔ بے سرویا باتیں کرنا۔

# کیس ہسٹری

منز Rکی نئی نئی شادی ہوئی۔ان کے شوہر سعودی عرب چلے گئے۔منز Rکی پیچلی زندگی برئی پریشانی میں گزری تھی۔صرف ان کی والدہ اور ایک بہن حیات تھیں۔شروع میں شوہر کے خطوط آتے رہے پھر لڑائی بھگڑے شروع ہو گئے ہوتے ہوتے یہ سلسلہ یہاں تک پہنچا کہ گھر کے ایک فرد نے ان کے شوہر کو خط کھا کہ ان کی بیوی کا رویہ گھر والوں کے ساتھ ٹھیک نہیں ہے اور ہمیں شک ہے کہ وہ آپ کے ساتھ وفادار نہیں ہے۔اس کے بعد شوہر نے بیوی کو خطوط کھنا بند کر دیئے۔جب مسز Rکو صورت حال کا علم ہوا تو ان کو شدید خوف لاحق ہوا کہ کہیں شوہر طلاق نہ دیدے۔اس خوف سے بیوی کی زندگی تاریک ہو گئی اور بینائی چلی گئی۔بعد میں شوہر کو صحیح صورت حال کا علم موا تو اس نے دوبارہ خط و کتابت شروع کر دی اور بینائی چلی گئی۔بعد میں شوہر کو صحیح صورت حال کا علم ہوا تو اس نے دوبارہ خط و کتابت شروع کر دی اور بینائی چلی گئی۔بعد میں شوہر کو صحیح صورت حال کا علم ہوا تو اس نے دوبارہ خط و کتابت شروع کر دی اور بینائی جلی گئی۔بعد میں شوہر کو صحیح صورت حال کا علم ہوا تو اس نے دوبارہ خط و کتابت شروع کر دی اور بینائی جلی گئی۔بعد میں شوہر کو صحیح صورت حال کا علم ہوا تو اس نے دوبارہ خط و کتابت شروع کر دی اور بینائی جلی مین منز Rکی بینائی واپس آگئی۔

#### علاج

ا ۔ صبح و شام آسانی رنگ کی روشنی مریض کی پیشانی پر پندرہ منٹ تک ڈالی گئی



- Apple رنگ پانی صبح و شام دونوں وقت کھانے سے پہلے
  - r زرد رنگ یانی کھانے کے بعد
  - سم۔ آسانی رنگ یانی دو پہر و رات کھانے کے بعد
- ۵۔ تلوں کے تیل میں نیلا رنگ چالیس دن تک جذب کر کے سر میں روزانہ مالش کرائی گئی

# خوف اور دہشت

#### علامات

اس مرض میں مریض پر اچانک دہشت طاری ہو جاتی ہے۔دہشت میں اس کا دل تیز تیز دھڑکنے لگتا ہے۔ جسم پینے سے شرابور ہو جاتا ہے۔دم گھٹتا ہے سانس رک رک کر آتا ہے۔ بینے میں درد ہوتا ہے، متلی ہوتی ہے، پیٹ میں درد ہو سکتا ہے۔مریض بے ہوش ہونے لگتا ہے ہاتھ پیر سن ہو جاتے ہیں۔ سردی یا گرمی لگتی ہے ہاتھ پیر کانپنے لگتے ہیں۔مریض مذکورہ کیفیات سے گزرتا ہے تو سمجھتا ہے کہ وہ پاگل ہو رہا ہے یا مر رہا ہے۔

یہ کیفیت بار بار ہوتی ہے۔دوروں کے درمیانی وقفہ میں مریض بالکل صحیح ہوتا ہے لیکن اس کے دل میں یہ خوف آتا ہے کہ پھر دورہ پڑ جائے گا۔مریض پر موت کا خوف مسلط ہو جاتا ہے بہت زیادہ پریشانی کی وجہ سے یا کسی سبب کے بغیر بھی دورہ پڑ جاتا ہے۔اییا بھی ہوتا ہے کہ دن میں چار پانچ مرتبہ مریض دورہ کی زد میں آ جاتا ہے۔

- ۔ فیروزی رنگ پانی صبح دوپہر رات
  - ا۔ سبز رنگ یانی ناشتہ کے بعد



۵۔ مریض جس کمرے میں سوتا ہو وہاں سرخ نیلے اور سبز رنگ کے کاغذیا ریشی کپڑے کی دو دو انچ پٹیاں اس طرح

لٹکائیں کہ سوتے وقت ان پر مریض کی نظر پڑتی رہے اور مریض اپنے ارادے سے انہیں دیکھے۔

# فوبيا

## اسیاب و علامات

یہ ایک ایس بیاری ہے جس میں مریض کو عام زندگی میں پیش آنے والے واقعات اور عام زندگی میں کئے جانے والے اعمال میں سے کسی ایک یا ایک سے زیادہ اعمال سے خوف آنے لگتا ہے۔مریض یہ سمجھتا ہے کہ اگر میں یہ عمل کروں گا تو لوگ مجھ پر ہنسیں گے اور جب مریض سے کہا جاتا ہے کہ تم یہ کام کرو تو وہ پریشان ہو جاتا ہے۔مریض کو اس بات کا احساس ہوتا ہے کہ میری پریشانی غیر ضروری ہے لیکن اس کے باوجود ڈرتا رہتا ہے اور سوشل زندگی سے دور ہو جاتا ہے۔

# مخصوص فوبيا

یہ مرض مخصوص چیزوں (مثلاً لال بیگ چیچکی سانپ) مخصوص اعمال( مثلاً لفٹ میں سفر کرنا، اسکوٹر یا جہاز کی سواری، اونچی جگہوں پر جانا) اور مخصوص صورت حال(مثلاً زور دار دھاکہ ہونا، لڑائی جھگڑا دیکھنا، بہتا ہوا خون دیکھنا) کی وجہ سے لاحق ہوتا ہے۔

اس مرض کا تعلق دل کی کمزوری سے بھی ہوتا ہے۔ماحول میں بے یقینی اور شک زیادہ ہونے سے بھی فوبیا ہو جاتا ہے۔بے یقینی کا یہ عالم ہوتا ہے کہ مریض ہر چیز کو شک کی نظر سے دیکھتا ہے اور ہر بات کا منفی پہلو سامنے آتا ہے۔وہ قریب ترین لوگوں کو اپنا مخالف اور دور پرے کے لوگوں کو اپنا ہمدرد سمجھنے لگتا ہے۔

### علاج

- ا نارنجی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ نارنجی رنگ روشنی دن میں ایک بار سر پر پندرہ منٹ تک ڈالیں
  - س سرخ رنگ یانی رات کو سوتے وقت
    - ۳ <u>فیروزی رنگ پانی دو پهر و رات</u>
- ۵۔ ایک چھوٹی ٹوکری میں نارنگیاں بھر کر کمرے میں ایسی جگہ رکھیں جہاں بار بار نگاہ پڑتی رہے۔
  روزانہ صبح اٹھ کر نارنگیوں کو دس منٹ تک دیکھیں۔اس کے بعد ایک بڑے آئینہ کے سامنے تن کر
  کھڑے ہو جائیں اور اپنے سرایا پر محکی باندھ کر دیکھیں۔دو تین منٹ تک آہتہ آہتہ دل میں یہ الفاظ
  اس طرح دہرائیں کہ اس کی Echoدماغ میں سائی دے۔

''ہر چیز دلفریب اور خوشگوار ہے۔ میں کسی سے کمتر نہیں ہوں جو چاہوں وہ کر سکتا ہوں۔''

یہ عمل کرنے کے بعد چند منٹ تک کمرے میں چہل قدمی کریں اور آئینہ کے سامنے کھڑے ہو کر پھر یہی عمل دہرائیں۔

اگر نارنگیوں کا موسم نہ ہو تو چپوٹی Ping Pongگیند پر نارنجی رنگ پینٹ کرا کے ٹوکری میں بھر لیں۔

تكرار خيال اور تكرار عمل

علامات

اس تکرار خیال کے نتیج میں مریض ایک ہی عمل بار بار وہراتا ہے۔بار بار ہاتھ وھوتا ہے، بار بار چٹنی لگاتا ہے، بار بار دعا کرتا ہے، کچھ بڑھتا ہے تو پڑھتا ہی رہتا ہے، کوئی ورو کرتا ہے تو ہر وقت زبان پر وہی ورد رہتا ہے۔مریض کو اس بات کا احساس ہوتا ہے کہ یہ خیالات کسی بیرونی ایجنسی (Agency) یا شخص کی طرف سے نہیں ہیں بلکہ اس کے اپنے دماغ میں پیدا ہو رہے ہیں اور یہ تکرار خیال اور تکرار عمل غیر فطری اور غیر ضروری ہے۔لیکن وہ اپنے آپ کو کنڑول نہیں کر سکا۔

### علاج

ا۔ فیروزی رنگ پانی دوپہر و رات کھانے کے بعد

۲ آسانی رنگ پانی صبح و شام

سر دن میں ایک مرتبه آسانی روشنی تالو پر پندره منٹ تک ڈالیں

اللہ مریض کو تکرار عمل سے بار بار روکا جائے اور اسے یہ باور کرایا جائے کہ بار بار ایک عمل کرنا یا بار بار ہاتھ دھونا بیاری ہے

مرگس کے پیولوں کا گلدستہ ہر تیسرے روز کمرے میں رکھا جائے

۲۔ مقوی دل اور مقوی دماغ دوا کھلائی جائے

نوٹ: اس سلسلہ میں عظیمی دواخانہ کی دوا قرص مقوی دماغ حب جدوار اور سیچ موتیوں کا خمیرہ مفیر ثابت ہوا ہے۔

# طینشن کی وجہ سے سر درد

زیادہ غصہ کرنے اور اعصابی تناؤ سے سر کے پچھلے حصہ میں سر درد شروع ہو کر پورے سر میں پھیل جاتا ہے۔ اگر یہ درد بار بار ہو تو مستقل مرض بن جاتا ہے۔ دورے کے وقت سر میں ہڈیاں اور رگیں تن ہوئی محسوس ہوتی ہیں۔ ایسا لگتا ہے جیسے سر جکڑ لیا گیا ہے یا سر کو کسی شکنجہ میں ڈال دیا گیا ہے۔ اونچی آواز بہت زیادہ اونچی سنائی دیتی ہے اور آواز چوٹ کی طرح محسوس ہوتی ہے۔ زیادہ زور سے سر ملنے پر آگھول کے سامنے شرارے ناچے ہیں۔

- ا۔ سبز رنگ پانی صبح دوپہر شام
- ۲۔ نیلا رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س زرد رنگ پانی کھانے کے بعد
- ۵۔ آسانی رنگ تلوں کا تیل سر میں جذب کریں۔مالش ملکے ہاتھ سے کی جائے۔دورہ کی صورت میں آسانی رنگ کی روشنی تین منٹ تک سر پر ڈالیں اور پھر ہرے رنگ کی روشنی تین منٹ تک ڈالیں
  - ۲۔ مریض وقت ضائع نہ کرے پھول سپلواری لگانے میں وقت لگائے
    - اللہ مختلف رنگوں کے پھولوں کا گلدستہ کمرے میں میز پر سجائے
      - ۸۔ روزانہ صبح سیر کرے
      - 9۔ شعر و شاعری اور دیگر فنون لطیفہ میں دلچیبی لے

# جلد کے امراض

جلد میں تین پرت ہوتے ہیں۔ایک نہایت نازک اور ایک دبیز نازک پرت کے متاثر ہو جانے سے موتی جمرہ وغیرہ کے امراض ہوتے ہیں اور دبیز پرت کے متاثر ہونے سے داد چنبل کھوڑے اور کھنسیاں وغیرہ نکلتے ہیں۔

جسم میں تین قسم کی برتی رو دوڑتی رہتی ہے۔ان میں سے ایک رو جلد کے پہلے اور دوسرے حصہ کو قطعی متاثر نہیں کرتی۔دوسری رو صرف دوسرے پرت کو متاثر کرتی ہے پہلے پر اثر نہیں ڈالتی۔تیسری رو صرف پہلے پرت پر اثر ڈالتی ہے۔اس مناسبت سے مرض میں شدت یا کمی واقع ہوتی رہتی ہے۔برتی رو کے تاثر سے پیدا ہونے والے امراض اڑ کر لگتے ہیں۔

جب سورج کی روشنی کے ذریعہ برتی رو جتنی کہ جسم پر پڑنی چاہئے اتنی نہیں پڑتی بلکہ اس میں زیادتی ہو جاتی ہے تو جلد کے تیسرے پرت سے جلدی امراض شروع ہوتے ہیں مثلاً چیک وغیرہ۔

اگر اعتدال کے ساتھ کی ہوتی ہے تو جلد کے دوسرے پرت سے امراض شروع ہوتے ہیں جیسے خسرہ وغیرہ۔

اگر دھوپ جسم تک کم مقدار میں پینچتی ہے تو جسم کے پہلے پرت سے جلدی امراض شروع ہوتے ہیں جیسے موتی جھرہ وغیرہ۔

# سیاه داغ

## اسباب

دھوپ کی تمازت زیادہ گرمی ماہانہ نظام کی خرابی فساد خون اور حمل کے دوران پیہ مرض لاحق ہوتا ہے۔



#### علامات

چرے پر چھوٹے چھوٹے بھورے رنگ کے سابی مائل داغ پڑ جاتے ہیں۔ یہ داغ ہاتھوں کی پشت پر بھی نمایاں ہوتے ہیں۔ بہی غائب ہو جاتے ہیں کبھی ملکے ساہ رنگ میں ساہ رنگ غالب ہو جاتا ہے۔ ان ساہ دانوں کی وجہ سے چرہ کی خوبصورتی متاثر ہوتی ہے اور چرہ اچھا نہیں لگتا۔

#### علاج

- ا سنلا رنگ پانی صبح و شام
- ۲ سبز رنگ یانی دوپهر و رات
- س۔ زرد رنگ یانی دو پہر کھانے کے بعد
- اللہ ہے۔ ناف کے مقام پر پانچ منٹ گلابی روشنی ڈالیں
- ۵۔ دس دس منٹ کیلئے وقفہ وقفہ سے نیلی اور سبز رنگ روشنی چرہ پر ڈالیں

۲۔ ماہانہ نظام میں خرابی ہو تو کولہوں کے جوڑ پر نیلی شعاعوں کا تیل اور ناف کے چاروں طرف جامنی شعاعوں کا تیل استعال کیا جائے تو گلابی رئگ کی روشنی نہ ڈالیں۔

# کیل مہاسے

#### اسپاب

یہ مرض جوانی میں زیادہ ہوتا ہے۔خون کی گرمی، ہاضمہ کا فتور، گرم غذاؤں کا زیادہ استعال، حیض میں کی سے چہرے پر کیل مہاسے نکل آتے ہیں۔ کبھی کبھار حمل کے دنوں میں بھی یہ مرض ہو جاتا ہے۔میلا

#### علامات

اس مرض میں چھوٹے نوکیلے دانے چہرے گردن یا سینہ پر پیدا ہوتے ہیں۔جب یہ دانے پک جاتے ہیں تو ان میں سے کیل نکل آتے ہیں اور تھوڑی سی بیپ بھی خارج ہوتی ہے۔جب چکنائی پیدا کرنے والے غدود کی رطوبت بند ہو جاتی ہے تب بھی کیل نکل آتے ہیں۔

#### علاج

- ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ زرد رنگ یانی دوپهر و رات
- سر × 129 x اینچ شیشے پر آسانی رنگ پینٹ کروا کر صبح ناشتہ سے پہلے ۱۰ منٹ تک دیکھیں
  - سمر مے کسی مرض کی وجہ سے کیل مہاسے نکلتے ہوں تو قرمزی رنگ صبح شام دیں

۵۔ جوان لڑکیوں کے چہرہ پر اکثر کیل دانے نکلتے ہیں۔ان دانوں میں خارش ہوتی ہے، پیپ کی کیل بن جاتی ہیں۔ان دانوں میں خارش ہوتی ہے، پیپ کی کیل بن جاتی ہیں جو بن جاتی ہیں جو دانوں کو توڑ کر کیل(Pus) نہیں نکالنی چاہئے۔اس عمل سے چہرہ پر داغ پڑ جاتے ہیں جو دوا سے ٹھیک نہیں ہوتے۔سرخ شعاعوں کا تیل داغوں کے اندر جذب کرنے سے داغ ختم ہو جاتے ہیں۔

### گرمی دانے

#### اسباب

شدید گرمی، بہت گرم کپڑے پہننا، گرم اشیاء زیادہ کھانا، حبس کی وجہ سے پسینہ آنا، زیادہ دیر دھوپ میں رہنا اور آگ کے سامنے زیادہ دیر تر بیٹھنے یا کھڑے ہونے سے گرمی دانے نکلتے ہیں۔

#### علامات

مسامات میں سے Acidity خارج ہونے سے جسم پر چھوٹے جھوٹے دانے نکل آتے ہیں۔ کبھی یہ دانے الگ الگ ہوتے ہیں اور روزانہ نئے دانے الگ الگ ہوتے ہیں اور کبھی ان دانوں کا گھا بن جاتا ہے۔ گرمی دانے مرجھاتے رہتے ہیں اور روزانہ نئے دانے نکلتے رہتے ہیں۔ یہ دانے کبھی سرخ اور کبھی سفید ہوتے ہیں۔ ان میں ایسی جلن اور چھن ہوتی ہے جیسے سوئیاں چھو دی گئی ہوں۔ مریض بے چین ہو جاتا ہے۔

#### علاج

ا آسانی رنگ پانی صبح و شام

۲۔ سبز رنگ یانی دونوں وقت کھانے سے پہلے

۲ سفید رنگ پانی دن میں ایک بار

ا۔ پانی کو صاف برتن میں صبح دس بجے سے دو بجے تک کھلی دھوپ میں رکھیں۔ پانی ٹھنڈا ہونے پر عنسل کریں۔ پانی کو ٹھنڈا کرنے کے لئے برف استعال کی جا سکتی ہے

۵۔ نیم کے سبز رنگ پتے پانی میں جوش کر کے پانی کو ٹھنڈا کر کے نہانے سے گرمی دانے ختم ہو جاتے ہیں۔

### يتى الحجلنا

سپاپ



یہ مرض کسی مخصوص غذا کے کھانے، تیز گرم ادویات کے استعمال سے الرجی اور بدہضمی کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

سمجھی بیہ شکایت آہتہ آہتہ بڑھتی ہے اور سمجھ تمام جسم پر گول گول سرخی مائل دھیے پڑ جاتے ہیں۔ جن میں جلن اور شدید خارش ہوتی ہے اور پھر وہ جلدی غائب بھی ہو جاتے ہیں۔ ہلکا سا بخار بھی ہو جاتا ہے۔

#### علاج

- ا سبز رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نیلا رنگ یانی کھانے سے پہلے
- س زرد رنگ پانی کھانے کے بعد

#### واو

#### اسباب

ایک خاص قشم کے فنگس سے ہوتا ہے۔

داد کا مرض برہضمی، ثقیل اور غلیظ غذا کھانے، عرصہ تک عسل نہ کرنے، میٹھی چیزیں زیادہ کھانے اور بھیگے ہوئے کپڑے پہننے سے ہوتا ہے۔



جلد بالوں اور ناخنوں کا یہ مرض جب کھوپڑی پر نمودار ہوتا ہے تو ایک جھوٹے سے نشان سے شروع ہوتا ہے۔ یہ داخ پھیلنے لگتا ہے، بال اڑ جاتے ہیں۔ جلد پر کسی جگہ داد ہو تو انگوشگی کی طرح گول گول نشان ہوتے ہیں۔ اس نشان کی سطح خون کی زیادتی کے باعث سرخی مائل ہوتی ہے۔ کبھی اس میں پیپ پڑ جاتی ہے کبھی جلد خشک ہو جاتی ہے اور اس پر مچھلی کی کھال کی طرح چھکے بن جاتے ہیں اور جب جلد کی سطح مرطوب ہوتی ہے تو ایک تہہ بن جاتی ہے۔

#### علاج

- اله نیلا رنگ پانی صبح و شام
- ۲ سبز رنگ یانی دوپهر و رات
  - سه قرمزی رنگ یانی رات
- سمر دن کے وقت آسانی شعاعوں کا تیل متاثرہ جگہ پر مالش کریں
  - ۵۔ رات کے وقت سبز شعاعوں کا تیل مالش کریں
  - ۲۔ نیلی روشنی متاثرہ جگہ پر روزانہ سات منٹ تک ڈالیں

چمبل-سور پاسس

#### اسباب

مدافعاتی نظام کی کمزوری موروثی طور پر اور بعض نامعلوم وجوہ کی بنا پر یہ بیاری ہوتی ہے۔

اس مرض میں جلد پر چھوٹے چھوٹے گلابی رنگ کے ابھار ہو جاتے ہیں۔ سفید سلور رنگ کے چھالے (Scales) بھی نمودار ہوتے ہیں۔ ابھار آہتہ آہتہ بڑھتے ہیں اور بہت سے ابھار مل کر ایک جال بنا دیتے ہیں۔ان میں ناقابل برداشت خارش ہوتی ہے۔

#### علاج

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح وشام
- ۲ سبز رنگ پانی دوپهر و رات
- س زرد رنگ پانی دن میں ایک بار
- ۳۔ آسانی رنگ کی روشنی دن میں اور سبز رنگ روشنی رات میں آدھے آدھے گھنٹہ تک متاثرہ جگہ پر ڈالیں

### برص

#### اسباب

میلتن (Melanin) مادہ کی کمی (جو جسم کو رنگ فراہم کرتا ہے) اور وراثت۔

یونانی طب کی رو سے جسم میں چار قسم کی رطوبتیں ہوتی ہیں۔ جن کو ''اخلاط'' کہا جاتا ہے۔ ان کے تناسب میں کی یا زیادتی برص کو جنم دینے کا باعث بن جاتی ہے۔ حیض کی مدت پوری نہ ہونے سے صفائی نہ ہوئی ہو اور حمل قرار پا جائے تو برص کا مرض پیدا ہو سکتا ہے اور سے مرض پانچ نسلوں کے بعد بھی ظاہر ہو جاتا ہے۔



اس مرض میں جلد پر سفید داغ نمودار ہوتے ہیں جو پورے جسم پر پھیل جاتے ہیں۔ یہ مرض متعدی نہیں ہے ایک دوسرے کو نہیں گئا۔اس مرض سے جسم کو کوئی نقصان نہیں پہنچتا اور مریض کے تمام اعضاء اپنا کام ٹھیک کرتے رہتے ہیں۔

- ا سرخ رنگ پانی صبح و شام
- ار سبز رنگ پانی دو پهر و رات
- س زرد رنگ یانی دن میں ایک بار
  - همه متاثره جگه سرخ روشنی ڈالیں
- ۵۔ شیشہ پر سلیٹی رنگ پینٹ کروا کر مریض کو بار بار دکھائیں
  - ٢۔ اگر بيد داغ تمام جسم ميں پھيل جائيں تو علاج نه كريں

# www.ksars.or

### باب نمبر ۲۰ ـ

#### بچوں کی بیاریاں

سائنس کے مخلف شعبوں میں تحقیق و جنجو نت نئ دریافتوں کا پیش خیمہ بن رہی ہے۔سائنس دانوں کی زیادہ توجہ کا مرکز انسانی دماغ ہے۔سائنس دانوں کے بقول دماغ ایک ایسے خزانے کا بکس ہے جس کی گنجی گم ہو گئ ہے۔اگر یہ بکس کسی طرح سے کھول لیا جائے تو انفس کی گہرائیوں اور آفاق کی بلندیوں میں چھے ہوئے تمام راز آشکارا ہو سکتے ہیں۔

نیورو سائنس کے محققین آج کل نومولود بچوں کے دماغی خلیوں پر ریسرچ میں مصروف ہیں۔ گذشتہ دنوں موروں میں مصروف ہیں۔ گذشتہ دنوں موروں کو مختلف حساس آلات کے ذریعہ ایک آواز سنائی دی۔

ریٹ اے ٹیٹ ٹیٹ، ریٹ اے ٹیٹ ٹیٹ، ریٹ اے ٹیٹ ٹیٹ۔

یہ آوازیں رحم مادر میں تخلیق پانے والے بیچ کے دماغی خلیوں کی تھیں۔سائنس دانوں نے یہ نتیجہ اخذ کیا ہے کہ رحم مادر میں پرورش پانے والے بیچ کے دماغ کے خلیے مسلسل مختلف کاموں میں مصروف ہیں اور اپنے کاموں کی انجام دہی کیلئے برقی سگنل دوسرے خلیوں کو فراہم کر رہے ہیں۔ حساس آلات کے ذریعہ جو آوازیں سنی گئیں وہ ان ہی برقی سگنلوں کی تھیں۔

مختلف لوگ دماغ کو کمپیوٹر سے مشابہ قرار دیتے ہیں۔کمپیوٹر، آپریٹر یا پروگرامر کا محتاج ہے۔انسانی دماغ کے خلیے کائناتی نظام کے کسی جصے سے انسپائریشن لے کر از خود سارے کام کی پلاننگ پیدائش سے قبل ہی شروع کر دیتے ہیں۔ بچپہ مال کے پیٹ میں اپنے باپ اور مال کی آوازوں اور کمس سے آشنا ہو جاتا ہے۔

دماغی خلیے اپنے کاموں کے سلسلے میں دوسرے خلیوں کو برقی پیغام سیجیج رہتے ہیں اور مسلسل رابطہ رکھتے ہیں۔ یہاں تک کہ ایک دوسرے کے دوست بن جاتے ہیں اور بیچ کی پیدائش سے قبل کے تمام مرطلے باآسانی طے ہو جاتے ہیں۔



پیدائش سے قبل انسانی دماغ ضروریات سے متعلق اپنے لئے سرکٹ کی بیکیل میں لگا رہتا ہے۔ ساعت بصارت گویائی وغیرہ کے لئے دماغ پیدائش سے پہلے ہی تمام پرو گرامنگ مکمل کر لیتا ہے۔ اب یہ والدین رشتہ داروں اور معاشرہ پر منحصر ہے کہ وہ بیچ کے دماغ میں موجود مختلف پرو گراموں میں سے کتنے پرو گرامز آن کرتے ہیں۔

مثال کے طور پر اگر ماں باپ بچے کی پیدائش کے بعد سے تین سال تک اس کے ہاتھ کو اس طرح باندھ کر چھوڑ دیں کہ وہ حرکت ہی نہ کر سکے تو بچ کا ہاتھ ساری زندگی کے لئے مفلوح ہو جائے گا۔

کیونکہ دماغ نے اس ہاتھ سے متعلق جو پروگرامنگ کی تھی اسے آن نہیں کیا گیا۔اس سلسلے میں سائنس دان مختلف تجربات میں مصروف ہیں۔اندازہ لگایا گیا ہے کہ وہ بچ جن پر زندگی کے ابتدائی تین سالوں میں بہت کم توجہ دی جاتی ہے وہ ذہنی بلوغت میں ۲۰ سے ۳۰ فیصد تک پیچھے رہ جاتے ہیں۔معالجین والدین کو مشورہ دیتے ہیں کہ وہ بچ کے ابتدائی تین سالوں کو نہایت اہمیت کا حامل سمجھیں۔یہ بات غلط سے کہ بچ کا ذہن خالی سلیٹ کی مانند ہوتا ہے بلکہ دماغ میں کائنات کی پوری معلومات موجود ہیں۔

### دانت نكلنا

عموماً چھ یا سات ماہ میں بچے کے دانت نکانا شروع ہو جاتے ہیں۔اس زمانے میں خاص احتیاط ضروری ہے۔ شروع میں مختلف تکالیف ہوتی ہیں۔مثلاً رال بہتی ہے، سر اور کنیٹیوں میں درد ہونے کی وجہ سے بچہ بار بار سر کو ادھر ادھر ہلاتا ہے۔ بھی ہلکا بخار بھی ہو جاتا ہے۔ بیاس زیادہ لگتی ہے، قبض ہو جاتا ہے، دست آتے ہیں۔ بچہ دودھ آنے لگتے ہیں، آنکھیں دکھتی ہیں، مجھی سبز اور بھی گہرے زرد رنگ کے دست آتے ہیں۔ بچہ دودھ مشکل سے بیتا ہے اور نہایت ضعیف اور نڈھال ہو جاتا ہے۔



اس کا طریقہ یہ ہے کہ کمرے کے روشن دانوں میں نیلے رنگ کا شیشہ یا نیلے رنگ کی پلاٹک شیٹ اس طرح لگائیں کہ کمرہ میں مخصوص جگہ نیلے رنگ کا شیڈ (Shade) پڑے۔ نیلے رنگ کی اس روشنی میں بچے کو دن میں زیادہ وقت لٹائیں اور اسی روشنی میں کھیل کود میں مصروف رکھیں۔

ا۔ نیلا رنگ بانی شام کھانے سے پہلے

سر زرد رنگ یانی صبح و شام

نوٹ: خوراک کا تعین عمر کی مناسبت سے کریں۔

# كھانسى

كلرتفرايي

پھیپھڑوں میں جب کوئی رطوبت بنتی ہے اور پھیپھڑے اسے باہر نکالنے کی کوشش کرتے ہیں تو اس حالت کو کھانی کہتے ہیں۔ کھانی مجھی سردی کی وجہ سے ہوتی ہے اور مجھی گری اور خشکی کی وجہ سے ہوتی ہے۔

#### شکایات و علامات

بچوں کو کھانٹی دورہ کی شکل میں آتی ہے۔سانس لیتے وقت سیٹی کی آواز آتی ہے۔سانس کی رفتار تیز ہو جاتا ہو جاتا ہو جاتا ہو جاتا ہے۔ اور بچے چڑچڑا ہو جاتا ہے۔ جاتی ہے اور بچے کو سانس لینے میں دشواری محسوس ہوتی ہے۔بھوک کم ہو جاتی ہے اور بچے چڑچڑا ہو جاتا ہے۔

بلغی مزاج بچوں اور بوڑھوں کو سردی کے موسم میں کھانی زیادہ ہوتی ہے۔رات کو سوتے وقت اور صبح کے وقت کھانی زیادہ ہوتی ہے۔سفید زردی مائل بلغم نکاتا ہے۔بعض دفعہ نیلے رنگ کا لیس دار بلغم خارج ہوتا ہے۔سینہ اور حلق میں خراش معلوم ہوتی ہے۔اگر اس قسم کی کھانی کا پرہیز کے ساتھ علاج نہ کیا جائے تو بچیسپھڑوں میں زخم بن جاتے ہیں۔



#### علاج

كلرتفراني

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ آسانی رنگ کی روشنی کمریر ڈالیں
- سر نارنجی رنگ یانی دو پہر و رات کھانے کے بعد
- سم۔ سبز اور نارنجی شعاعوں کا تیل ہم وزن ملا کر پسلیوں پر ملکے ہاتھ سے دائروں میں اوپر سے ینچے ماکش کریں۔

### اسهال

#### اسباب

کئی قشم کے وائرس جراثیم آلود بانی Unhygienicدودھ نیل (چوسنی) غیر صاف شدہ فیڈر کھیاں۔

#### علامات

پتلے آبی سبزی مائل پاخانے آتے ہیں۔ بھی کبھی ان میں خون کی آمیزش بھی ہوتی ہے۔ جسم کے اندر پانی کی شدید قلت ہو جاتی ہے اور اگر بروقت علاج نہ ہو تو موت واقع ہو سکتی ہے۔

#### دفاعي تدابير

بچوں کو جہاں تک ہو سکے مائیں اپنا دورھ پلائیں۔ماؤں کو دودھ والی بوتلوں اور دوسرے برتنوں کو صاف اور جراثیم سے پاک کرنے کے متعلق عملی اور زبانی تعلیم دی جائے۔چار ماہ تک بچے کے لئے ماں کا دودھ پوری غذا ہے۔کوئی اور چیز دینے کی ضرورت نہیں۔

جب تک اسہال ختم نہ ہو جائیں بچے کو سوائے گلوکوز یا نمک والے پانی کے کوئی پانی نہ دیں یا او آر ایس پلائیں تا کہ بچے کے جسم میں پانی کی قلت نہ ہو۔جب تک پاخانے کا رنگ طبعی حالت میں نہ آئے دودھ نہ دیں۔

#### علاج

اسہال زیادہ ہونے کی صورت میں چاکلٹ سپیشلسٹ سے رجوع کریں۔ لاپرواہی نہ کریں۔

ا زرد رنگ پانی صبح و شام ایک ایک چیجه

۔ دستوں میں اگر خون بھی آتا ہو تو زرد رنگ پانی پلانے کے بعد ایک ایک گھنٹہ کے وقفہ سے آسانی رنگ پانی دیں

سے زرد شعاعوں کا تیل یا مرہم زرد ناف کے چاروں طرف انگلیوں کے پوروں سے مالش کریں

احتياط: پانى اور دودھ ہر حال میں جراثیم سے پاک ہونا چاہئے۔

### ام الصبيان

#### اسباب

غذا میں لحمیات اور قوت بخش اجزاء کی کمی متعدی امراض، معاشی حالات، دانتوں کا نکلنا، پیٹ میں کیڑے اور اس بات کا علم نہ ہونا کہ مال کا دودھ چھڑانے کے بعد بچوں کو کون سی غذا دی جائے۔

نشوونما میں کمی، وزن میں کمی، جسم میں پانی کی کمی، سوکھ کر کانٹے کی طرح ہو جانا بغیر کسی وجہ کے بار بار بخار ہونا، ہاتھ پیروں کا تشنج، آنکھوں کے ڈیلے اوپر چڑھنا، چڑچڑا ہونا، خواب میں چونک کر اٹھنا، چیخ چیخ کر رونا، دوسروں کو نوچنا، مرض ام الصبیان کی علامت ہے۔

#### علاج

- ا نیلا رنگ یانی دن میں ایک بار
- ۲۔ زرد رنگ پانی شام کھانے کے بعد
  - سه نارنجی رنگ پانی صبح و شام
- ا نارنجی شعاعوں کا تیل پورے بدن پر مالش کریں۔نارنجی تیل تلوں کے تیل میں نارنجی شعاعیں جذب کر کے تیار کریں

# کالی کھانسی

#### اسباب

ہوا کی نالی کی شاخوں میں غلیظ بلغم چمٹ جانا، عام کھانسی کے علاج میں عدم توجہی اور کالی کھانسی کے جراثیم اس بیاری کے اسباب ہیں۔

#### علامات

کالی کھانی نظام شفس کا ایک شدید مرض ہے جو بچوں میں عام ہے۔ مرض خشک کھانی سے شروع ہوتا ہے۔ ایک یا دو ہفتے میں یہ خشک کھانی دورہ والی کھانی میں تبدیل ہو جاتی ہے اور دو ماہ تک رہتی ہے۔ کھانی کے دورہ کے دوران ہی سانس کی دورہ کے دوران ہی سانس کے ساتھ تھوڑا سا گاڑھا بلغم خارج ہوتا ہے اور کھانی رک جاتی ہے۔دن رات میں یہ دورہ کئ مرتبہ بھی پڑ



جاتا ہے۔ کھانی کے دوران چہرہ نیلا سیاہ ہو جاتا ہے۔ کبھی تے بھی ہو جاتی ہے۔ کھالی کھانی عام طور پر دو سال سے آٹھ سال کے بچوں کو ہوتی ہے۔ کالی کھانی حجوت کی بیاری ہے۔ یہ کھانی عمر میں صرف ایک بار ہوتی ہے۔

#### علاج

- ا نارنجی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ آسانی رنگ یانی دو پهر و رات
- سر زرد شعاعوں کا تیل گلے پر اور نیلی شعاعوں کا تیل سینہ پر پھیپھٹروں کی جگہ مالش کریں
- ہ۔ نارنجی شعاعوں کا تیل دائیں ہتھیلی کے درمیانی ابھار سے روزانہ سات منٹ تک کمر پر مالش کریں



#### اسباب

چیک کا وائر س۔

چیک ایک متعدی مرض ہے جو ایک مریض سے دوسرے کو لگ جاتا ہے۔ عموماً یہ مرض بچوں کو ہوتا ہے لیکن بڑوں کو بھی لگ جاتا ہے۔ امیروں کی نسبت غریبوں کو اور گوروں کی نسبت کالوں کو یہ مرض زیادہ ہوتا ہے۔

#### علامات

چپک کا مرض خفیف اور شدید دونوں طرح ہوتا ہے۔ بخار اور سر میں درد، کمر میں شدید درد شروع ہو جاتا ہے۔ بخار کے میں شدید دونوں کر اور پھر ہر جاتا ہے۔ بخار کے تیسرے روز جلد پر سرخ نشان ظاہر ہوتے ہیں۔ پہلے جسم کے کھلے حصوں پر اور پھر ہر جگہ جلد پر دانے نکل آتے ہیں۔دانے ظاہر ہونے کے بعد بخار کی شدت کم ہو جاتی ہے۔ یہ نشان تین

روز میں موٹے دانے بن جاتے ہیں۔ پھر تین روز کے بعد چھالوں کی شکل اختیار کر لیتے ہیں اور اس کے بعد ان چھالوں میں تیلی اور رقیق رطوبت بیپ نما ہو جاتی ہے۔ اس کے بعد چیچک کے دانے آہتہ آہتہ سوکھ جاتے ہیں اور ان کے جھیک جلد سے علیحدہ ہو کر گر جاتے ہیں۔ ہر چھالے کے مقام پر ایک گہرا داغ باقی رہ جاتا ہے۔ بالعموم اکثر مریض تندرست ہو جاتے ہیں لیکن چیچک کے مرض کی شدت موت کا پیش خیمہ ثابت ہوتی ہے۔ چیچک کے دانے ختم ہونے کے بعد بکار نہیں رہنا چاہئے اگر بخار ختم نہیں ہوا تو یہ خطرناک علامت ہے۔

چیک کی ابتداء میں آگھوں میں سرخی آ جاتی ہے اور آنسو بہتے ہیں۔ پچہ سوتے میں ڈرتا اور چوکتا ہے۔ پہرہ سرخ اور تمثمایا ہوا ہوتا ہے۔ کہنیٹوں کی رگیں ابھری ہوئی اور پھڑتی ہوئی معلوم ہوتی ہیں۔ بنیان اور غنودگی ہو جاتی ہے۔ تیسرے روز بخار کم ہوتا ہے تو پہلے پیشانی اور پھر چہرہ اور پشت پر دانے نگلتے ہیں۔ پھر ہاتھ پیر اور پورے جم پر دانے نگل آتے ہیں۔ یہ دانے کبھی چند کبھی بہت زیادہ کبھی متفرق اور کبھی گھوں کی طرح ہوتے ہیں، شروع میں دانوں کی رکعت سرخ ہوتی ہے۔ چہرہ پر زیادہ دانے نگلتے ہیں۔ ووسرے تیسرے روز چیٹے ابھار بن جاتے ہیں جو چھوٹے اور رائی کی طرح باریک ہوتے ہیں۔ تیسرے دو سرے تیسرے روز دانوں میں رطوبت بھر جاتی ہے۔ پانچویں روز ہر ایک دانے کے گرد سرخ طقہ بن جاتا ہے۔ رطوبت گدی ہونے گئی ہے۔ ساتویں آٹھویں روز اس میں بیپ پڑ جاتی ہے۔ آٹھویں روز تمام دانوں کی رطوبت بیپ میں تبدیل ہو جاتی ہے۔اس دن پھر شدت کا بخار ہوتا ہے۔ مریض کو سانس لینے اور لگائے میں اور چودھویں روز تک دانے بھورے یا سیاتی مائل کھرنڈ بن جاتے ہیں۔انیسویں روز یہ کھڑنے اکھڑ ہیں اور چودھویں روز تک دانے بھورے یا سیاتی مائل کھرنڈ بن جاتے ہیں۔انیسویں روز یہ کھڑنڈ اکھڑنے گئی ہیں اور چودھویں روز تک دانے بھورے یا سیاتی مائل کھرنڈ بن جاتے ہیں۔انیسویں روز یہ کھڑنڈ اکھڑنے گئی ہیں اور ایک یا دو ماہ تک اکھڑتے رہتے ہیں۔

#### علاج

ككرتفرايي

چیک نگلتے نگلتے رک گئی ہو تو سرخ رنگ کا پانی بہت مفید ہے۔ایک دو ہی خوراک پلانے سے ابھر آتی ہے۔اگر سرخ رنگ کی شعاعیں تین منٹ شروع میں جسم پر ڈالی جائیں تو چیک کے دانے بہت جلد ابھر آتے ہیں۔ چیک کے بعد سرخ رنگ استعال نہیں کرنا چاہئے بلکہ جس وقت دانوں



حفظ مانقدم کے طور پر بچوں کو چیچک کے شکیے لگانا نہایت ضروری ہے۔ ٹیکہ لگانے میں لاپرواہی نہ کریں۔ اس بیاری میں زیادہ تر وہی بچے مبتلا ہوتے ہیں جن کو بچین میں ٹیکہ نہیں لگایا جاتا۔

### لاكرا كاكرا

#### اسباب

یہ ایک وائرس کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

یہ مرض عام طور پر سانس یا دانوں کے ذریعہ پھیاتا ہے۔اس مرض میں بخار اور تھکن زیادہ ہوتی ہے۔ پھھ عرصہ بعد سرخ دانے نکل آتے ہیں۔یہ دانے شروع میں چہرے، سر اور جسم پر نکلتے ہیں۔بعد میں ہاتھوں اور پیروں کو بھی متاثر کرتے ہیں۔پھ دنوں میں یہ دانے سو کھ کر چھالوں میں تبدیل ہو جاتے ہیں۔سات سے چودہ دنوں میں یہ مرض ختم ہو جاتا ہے۔

- ا۔ آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ سبز رنگ پانی دو پهر و رات
- ال زرد رنگ پانی شام کھانے کے بعد

۳۔ آسانی رنگ کی روشنی روزانہ جسم پر دس منٹ تک ڈالیں۔ نتائج مرتب ہونے تک علاج جاری رکھیں

### كزار

#### اسباب

یہ مرض بیکٹیریا کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

یچ کو بخار ہو جاتا ہے۔ بخار کے علاوہ گردن اور جبڑے اکر جاتے ہیں۔ عضلات میں شدید درد، اکر او اور تشخی کیفیات پیدا ہو جاتی ہیں۔ بالعموم اس مرض کا سبب چوٹ یا زخم ہوتا ہے۔ نوزائیدہ بچوں میں ناف (Umblicus) کے ذریعے جراثیم کا نفوذ ہوتا ہے۔ یہ مرض خطرناک اور مہلک ہے۔

#### علاج

ا ۔ نیلا رنگ بانی صبح و شام

۲ سبز رنگ پانی دوپهر و رات

سر مریض کو آسانی رنگ کی روشنی میں روزانہ دس منٹ تک رکھا ج ائے۔ مناسب ہے کہ Specialist

مشورہ کیا جائے اور ان کی ہدایت پر عمل کیا جائے۔

### خسر ہ

چیک کی طرح خسرہ بھی متعدی مرض ہے۔

#### علامات

یہ ایک شدید متعدی مرض ہے جو ایک قسم کے وائرس سے پھیلتا ہے۔شیر خوارگی اور بچپن کی عمر میں لاحق ہوتا ہے۔شروع میں زکام ہوتا ہے۔آئکھیں آب آلود ہو جاتی ہیں، کھانسی آنے لگتی ہے اور بخار چڑھ جاتا ہے، منہ کے اندر کی جھلی پر نہایت باریک سفید نشان (Koplik\'s Spots) ہو جاتے ہیں۔ بخار کے تیسرے یا چوشے روز جلد پر سرخ نشان نمودار ہوتے ہیں اور ان کے ساتھ ہی بخار میں کمی ہو جاتی ہے۔

- ا۔ فیروزی رنگ یانی صبح وشام
- ۲ آسانی رنگ پانی دو پهر و رات
- سه نارنجی رنگ پانی دن میں ایک بار
- الم مریض کے سر پر دس منٹ تک روزانہ نلی روشنی ڈالیں۔ گرمی کے موسم میں پانی زیادہ پلائیں

عور توں کے امراض

ایام تکلیف سے آنا

اسپاپ

وجوہات کے لحاظ سے اس کی دو بڑی قسمیں ہیں:

ا۔ بنیادی۔اس کی وجوہات نامعلوم ہیں۔

۲۔ ثانوی

اندام نہانی کی سوزش

رحم کی بیاریاں

رحم میں رسولی

#### شكايات

عام طور پر عورتیں مروڑ نما درد کی شکایت کرتی ہیں جو ایام شروع ہوتے ہی شروع ہو جاتا ہے اور چو بیس اللہ (۲۴) گھنٹے سے بہتر (۷۲) گھنٹے تک رہتا ہے۔اس درد کے ساتھ متلی قے تھکن دست پیٹ میں کچلی طرف درد اور سر درد بھی ہوتا ہے۔

دوسری قسم (ٹانوی) میں شکایت صرف ایام کی خرابی یا کمی تک محدود نہیں رہتی بلکہ ازدواجی زندگی میں تکلیف، اولاد کا نہ ہونا، وقت بے وقت بار بار خون آنے کی شکایت بھی ہوتی ہے۔



ا۔ ایام کے شروع ہونے سے ایک ہفتے پہلے زیتون (Olive) رنگ پانی صبح و شام دیں اور ایام کے ایک دن بعد تک جاری رکھیں

- ۲۔ زرو رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س سرخ رنگ یانی کھانے کے بعد
- سم۔ دس منٹ صبح نہار منہ اور دس منٹ رات نیلی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر مالش کریں
  - ۵۔ جامنی شعاعوں کا تیل روزانہ پورے پیٹ پر صبح و شام پانچ پانچ منٹ مالش کریں

### ایام کا رک جانا

عور توں میں عام طور پر تیرہ سال کی عمر میں ماہانہ نظام شروع ہو جاتا ہے۔ عموماً ماہانہ نظام اکیس سے پینیتس دن کے بعد جاری ہوتا ہے اور تقریباً آٹھ دن بعد ختم ہو جاتا ہے۔

خواتین بلوغت سے پہلے موقوفی حیض (Menopause) کے بعد حمل کے دوران بچے کو دودھ پلانے کے دوران بپلے موقوفی حیض (موران باک و صاف رہتی ہیں۔ اگر چند ماہ اسی طرح گزر جائیں تو الیمی صورت میں حمل کے بارے میں سوچنا چاہئے اس کے علاوہ مندرجہ ذیل وجوہات ہو سکتی ہیں:

- ا۔ زیادہ دواؤں کا استعال
  - ۲\_ اعصابی تناؤ
- سر وزن میں بہت کمی یا بہت زیادتی
- ۸۔ رحم کی اندرونی تہوں کا آپس میں چیک جانا
  - ۵۔ غیر معمولی ورزش کرنا

200

- ۲۔ عور توں میں ہار مون (ایسٹروجن) کی کمی
  - ک رحم میں ورم
  - ۸۔ رحم پر چربی کی زیادتی
  - و۔ رحم کے دیگر امراض
    - ۱۰۔ ساس بہو کا جھگڑا
  - اا۔ خاوند کی طرف سے لاپرواہی
  - ۱۲۔ شادی کے بعد ناموافق ماحول

- ا۔ ارغوانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ یانی کھانے کے بعد
- سر جامنی رنگ کی روشی پندره منٹ تک سر پر اور پندره منٹ تک پیٹ پر ڈالیں
- ۵۔ × 69 x ایج شیشہ پر سرخ رنگ پینٹ کروا کر شام کے وقت اور 8 6 x ایج شیشہ پر جامنی رنگ پینٹ کرا کے دوپہر زوال کے بعد ایک گھنٹہ بعد دس دس منٹ دیکھیں

# ایام کی زیادتی

#### اسپاپ

رحم میں رسولی یا رحم کی کسی اور بیاری کی وجہ سے یہ شکایت پیدا ہو جاتی ہے۔خون میں حدت زیادہ بیجے ہونا بار بار اسقاط حمل کافی عرصہ تک لیکوریا کا مرض ہائی بلڈ پریشر بھی اس کے اسباب ہیں۔

#### علامات

ماہانہ نظام میں زیادتی اندرونی جسم کمزور ہونا نبض تیز چلنا پیاس میں شدت ہونا زرد رنگ چہرہ اندرونی اعضاء میں خون بہنے کے دوران جلن اور سوزش قارورہ (پیشاب) کی رنگت زردی ماکل سرخ ہونا۔ اعضائے رئیسہ دل دماغ جگر وغیرہ کمزور ہو جاتے ہیں۔

- ۔ بنفشی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ پانی دو پہر کھانے سے پہلے
- س نیلا رنگ پانی رات کھانے سے پہلے
- مرے سبز رنگ ریشی کیڑے رات کو سوتے وقت پہنیں
- ۵۔ جامنی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان کمر کے آخری جوڑ پر پانچ پانچ منٹ صبح شام مالش کریں
  - ۲۔ سبز شعاعوں کا تیل پیڑو پر مالش کریں

# اندام نهانی کا ورم

#### اسباب

اس بیاری کے بہت سارے اسباب ہیں مثلاً جراثیم کا نفوذ کر جانا، اندرونی ورم یا زخم، ذیابیطس یا خون کی کمی

#### علامات

اندام نہانی میں سوجن، سرخی اور درد ہوتا ہے نیز کم یا زیادہ رطوبت بھی ہوتی ہے۔اندرونی طور پر جلن کھجلی اور دکھن ہوتی ہے۔

#### علاج

- ـ نيلا رنگ يانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س نیلے رنگ پانی کی گدیاں بنا کر دن میں تین مرتبہ رکھیں
- ہ۔ نیابطس یا خون میں کمی ہو تو علاج میں ان دونوں بیاریوں کا خیال رکھا جائے۔

### ليكوريا

#### اسباب

لیکوریا کی وجہ انفیکشن ہے۔اس انفیکشن کی وجہ ایک پرٹوزوا ہوتا ہے۔لیکن فنجائی وائرس اور دوسرے بیکٹیریا کی وجہ سے بھی یہ مرض ہوتا ہے۔تیسرے درجہ میں تیز گرم خشک غذائیں اور تیز گرم خشک دوائیں



کچھ نہ کچھ رطوبت کا اخراج قابل تثویش نہیں ہے لیکن جب یہ رطوبت مقدار میں زیادہ ہو جائے۔اس کا رنگ اور بو تبدیل ہو جائے۔اس میں جھاگ پیدا ہو جائے۔اندرونی طور پر جلن اور تھجلی ہونے گے اور سوجن ہو جائے تو مرض میں شدت کی علامت ہے۔

مر نضہ کی کمر میں درد رہتا ہے۔ پیڑو میں بوجھ اور درد محسوس ہوتا ہے۔ بار بار پیشاب آتا ہے۔ طبیعت کسلمند اور ست رہتی ہے۔ کام کرنے کو دل نہیں چاہتا۔ بھوک نہیں لگتی۔ ٹائلوں اور خصوصاً پنڈلیوں میں درد ہوتا ہے۔ چہرہ بے رونق ہو جاتا ہے۔ آئکھوں میں حلقے بن جاتے ہیں اور چیک کم ہو جاتی ہے۔ جسم لاغر ہو جاتا ہے، ہڈیاں نمایاں ہو جاتی ہیں۔ عام جسمانی کمزوری زیادہ ہوتی ہے۔

- ا۔ ارغوانی رنگ دوپہر و رات کھانے کے بعد
  - ۲ سبز رنگ پانی صبح و شام
- سر نیلا رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے۔نیلا رنگ اور سبز رنگ پانی دینے میں دس منٹ کا وقفہ ضروری ہے
  - ہ۔ جامنی شعاعوں کا تیل ناف کے نیچے مالش کریں
- ۵۔ آسانی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان کمر کے جوڑ پر روزانہ صبح و شام پانچ پانچ منٹ مالش کریں
  - ۲۔ × 69 x اپنج شیشے کے اوپر سبز رنگ بینے کرا کے وقفہ وقفہ سے دیکھیں

## بانجھ بن

اولاد نہ ہونے کی وجوہات مردوں میں ۲۵ فیصد اور عورتوں میں ۵۰ فیصد ہوتی ہیں۔ کبھی ایسا بھی ہوتا ہے کہ مرد و عورت دونوں میں کیسال خرابی ہوتی ہے اور اس خرابی کا تناسب ۲۵ فیصد شار کیا گیا ہے۔

۸۰ فیصد مرد و عورت میں خرابی کی کوئی نه کوئی وجه مل جاتی ہے اور ۲۰ فیصد خواتین اور مردوں میں کوئی وجه نہیں ملتی۔

عام طور پر ایک ایسے جوڑے کو جو شادی کے بعد وو سال تک اولاد سے محروم رہے بیار قرار دیا جا سکتا ہے جب کہ اس دو سال میں انہوں نے بھرپور اور نار مل ازدواجی زندگی گزاری ہو۔

عور توں میں ۲۰ سے ۲۵ سال کی عمر بھر پور اور زرخیزی کی ہوتی ہے۔جب کہ مردوں میں یہ عمر ۲۰ سے ۳۰ سال ہوتی ہے۔ عمر کی ان حدود میں عورت مرد دونوں اولاد پیدا کرنے کی زیادہ سے زیادہ صلاحت رکھتے ہیں۔ عمر بڑھنے کے ساتھ ساتھ مرد و عورت دونوں میں سلسلہ تناسل کی صلاحت کم ہو جاتی ہے۔ عور توں میں موقونی حیض (Menopause) کے بعد اولاد پیدا کرنے کی صلاحیت ختم ہو جاتی ہے۔ جب کہ مردوں میں عمر کے آخری حصہ تک کچھ نہ کچھ صلاحیت برقرار رہتی ہے۔

عورتوں میں اولاد نہ ہونے کی مندرجہ ذیل وجوہات ہیں:

ار بیضہ دانی سے انڈے (OVA) نہ نکلنا

۲۔ رحم کی بیاریاں

سر پیٹ کی حجلیوں (Peritoneum) کا آپس میں چیک جانا

همه نامعلوم وجوبات

علاج

ا جامنی رنگ پانی صبح و شام



۲۔ سرخ رنگ پانی کھانے سے پہلے

س جامنی رنگ کی روشنی پندره منٹ تک پیٹ پر ڈالیں

استا کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر مالش کریں (Purple) شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی پر مالش کریں

۵۔ ناف کے اطراف خصوصاً ناف کے ینچے سرخ شعاعوں کا تیل صبح و شام دس دس منٹ مالش کیا جائے

٢۔ نیلی شعاعوں کا تیل کمر کے آخری جوڑ پر دارُوں میں مالش کیا جائے

# حمل ضائع ہو جانا

عام طور پر حمل ۳۷ ہفتے تک ماں کے پیٹ میں رہتا ہے اور تقریباً ۲۰ سے ۲۲ ہفتے (ساڑھے پانچ مہینے)
کا حمل اس قابل ہوتا ہے کہ پیدائش کے بعد Incubatorکے ذریعہ زندہ رکھا جا سکتا ہے۔اگر ۲۰ سے
۲۲ ہفتے پہلے بیرونی کوشش کے بغیر حمل کسی طرح ختم ہو جائے تو اس کو اسقاط حمل کہتے ہیں۔

حمل ضائع ہونے کی کئی وجوہات ہیں۔

ا۔ مال کے عوامل

ا۔ بچے کے عوامل

ا۔ مال کے عوامل:

اس میں انفیشن ذیا بیطس تھائی رائیڈ ہار مون کی کمی دل کی کوئی تکلیف ہائی بلڈ پریشر سگریٹ اور شراب کا استعال اور نفسیاتی وجوہات کے علاوہ رحم کی ساخت میں خرابی شامل ہے۔

۲۔ یج کے عوامل:

اگر بیچ میں کوئی بڑی جینیاتی (Genetic) خرابی موجود ہو یا پھر بیچہ آسیجن کی کی یا بچھ دواؤں کے رو عمل (Reaction) کی وجہ سے مال کے پیٹ میں مر جائے تو بھی حمل ضائع ہو جاتا ہے۔

#### علامات

پہلے حاملہ کی طبیعت ست اور بے چین ہوتی ہے۔بدن ٹوٹنا ہے۔پیٹ کمر اور رانوں میں کھہر کر درو زہ کے مثل درد ہوتا ہے۔جو رفتہ رفتہ بڑھتا رہتا ہے۔رحم سے جریان خون ہوتا ہے۔بعض عورتوں کو قے ہوتی ہے، بخار بھی ہو جاتا ہے۔بعض میں جریان خون کم اور بعض میں زیادہ ہوتا ہے۔

#### علاج

# دودھ میں کی

بعض او قات اتنا دودھ نہیں بنتا کہ بچ کی غذائی ضرورت پوری ہو جائے۔پرولیکٹن ہار مون (جو کہ غدہ نخامیہ Pituitary Glandسے خارج ہوتا ہے) کی کمی اور مال کی کمزور صحت اس کی وجوہات ہیں۔

- ار عنابی رنگ بانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ پانی دو پہر و رات کھانے کے بعد

كار تقرايي

ال بنفشی رنگ کی روشنی غدہ نخامیہ (تالو) پر دس منٹ تک ڈالیس



ناک کان گلے کے امراض

منہ میں چھالے

اسباب

وائرس فنگس پریشانی و ہنی دباؤ دماغی تشکش اعصابی کشاکش یا نظام ہضم کی بیاریاں۔

علامات

منہ کے اندر رخسار کے اندرونی رخ زبان پر چھالے پڑ جاتے ہیں۔ کھانا کھانے میں تکلیف ہوتی ہے اور ان چھالوں میں درد ہوتا ہے۔ فنگس کی صورت میں سفید تہہ زبان کے اوپر بن جاتی ہے۔

#### علاج

ا سنلا رنگ پانی صبح و شام

۲۔ زرد رنگ یانی رات

س آسانی رنگ پانی سے غرارے اور کلی دن میں تین بار

ہ۔ صبح نہار منہ زرد شعاعوں کا تیل پیٹ پر مالش کریں۔ مرہم زرد معدہ کے منہ پر سوتے وقت مالش کریں

### حاد گلے کا ورم

#### اسباب

ٹھنڈے مشروبات، کھٹی چیزیں، کثرت کے ساتھ سگریٹ نوشی، الیی نوکری جس میں بیٹھا رہنا پڑے اور آواز کا اونچا استعال زیادہ ہو سردی کا موسم اور بیکٹیریا اس کے اسباب ہیں۔

#### علامات

بخار، سر درد، متلی، گلے میں درد، نگلنے میں تکلیف

نبض کی رفتار تیز ہو جاتی ہے اور گلے کے معائنہ کے دوران اندرونی جھلی کا رنگ گلابی نظر آتا ہے۔

#### علاج

- ا۔ آسانی رنگ یانی صبح و شام
- ۱ فیروزی رنگ یانی دوپهر و رات
- س نلے رنگ پانی کے غرارے صبح و شام

# مزمن گلے کا ورم

#### اسباب

حاد گلے کے ورم کا صحیح علاج نہ کیا جائے یا مریض میں قوت مدافعت کمزور ہو تو مزمن بن جاتا ہے۔ تیز آواز میں باتیں کرنا زیادہ سگریٹ نوشی گرد و غبار شراب نوشی اور بڑھے ہوئے ٹانسلز اس کے اسباب میں سے ہیں۔

#### شكايات و علامات

مریض گلے میں سوزش اور خشک کھانسی کی شکایت کرتا ہے اور بار بار کھنکھارتا ہے۔معائنہ کرنے پر گلے کی اندرونی جھلی کا رنگ سرخ نظر آتا ہے۔

#### علاج

- ا سنلا رنگ پانی صبح و شام
- ۲ نارنجی رنگ یانی دو پهر و رات
- س آسانی رنگ کے پانی سے غرارے دن میں تین بار
- ہ۔ نارنجی شعاعوں کا تیل گلے پر صبح و شام پانچ پانچ منٹ ملکے ہاتھ سے مالش کریں۔

### الرجی کی وجہ سے ناک کا بہنا

#### اسباب

یہ بیاری مردوں میں زیادہ ہوتی ہے اور ورثہ میں منتقل ہوتی ہے۔مندرجہ ذیل اشیاء سے عموماً الرجی ہوتی ہے۔ ہے۔

گرد و غبار، پولن گرین (Pollens) انڈہ، مجھلی، سردی اور کسی دوا سے الرجک ہونا۔

اس بیاری کی دو اقسام ہیں:

- ا۔ وہ جو کسی مخصوص موسم میں ہوتی ہے۔
  - ۲۔ وہ جو پورا سال رہتی ہے۔

#### علامات

ناک بند رہتی ہے۔ خصوصاً لیٹتے وقت بہت زیادہ بند رہتی ہے۔ ناک سے رطوبت نکلتی ہے۔ دورہ کی شکل میں چھینکیں آتی ہیں۔ آئھوں سے پانی بہتا ہے۔ ناک کی جھلی میں ورم ہو جاتا ہے اور ناک کے غدود بڑھ جاتے ہیں۔

#### علاج

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲ سبز رنگ پانی دوپهر و رات
- سا۔ ناک کی ہڈی پر نیلی شعاعوں کا تیل مالش کریں
- ۷۔ 9 x 12 9 اپنج شیشہ پر سبز رنگ بینٹ کروا کر صبح و شام کھانے سے پہلے دس دس منٹ دیکھیں۔ رنگین شیشہ دیکھتے وقت چار فٹ کا فاصلہ ہونا چاہئے۔شیشہ صاف شفاف ہونا ضروری ہے۔
  - ۵۔ نظام ہضم درست رہنے کی تدبیر بھی ضروری ہے

# نكسير پھوٹنا

#### اسپاپ

ہائی بلڈ پریشر حدت بخار ناک میں زخم دماغ میں گرمی اور اکثر نامعلوم وجوہات کی بنا پر ناک سے خون بہنے لگتا ہے۔



سر میں گرمی اور خشکی معلوم ہوتی ہے۔ ناک کے نشنوں میں جلن سوزش اور بعض اوقات خارش معلوم ہوتی ہے۔ ناک کھانے چھینکنے یا زور سے کھنکارنے سے نکسیر پھوٹ جاتی ہے۔ دھوپ میں چلنے حقہ پینے یا پان چبانے ناک کھجانے چھینکنے یا زور سے کھنکارنے سے نکسیر پھوٹ جاتی ہے اور ناک سے خون بہنے لگتا ہے اور کبھی خون جاتی ہے۔ بعض دفعہ بغیر کسی وجہ کے نکسیر پھوٹ جاتی ہے اور ناک سے خون بہنے لگتا ہے اور کبھی خون ایک یا دونوں نشنوں سے قطرہ قطرہ یا دھار کی صورت میں بہتا ہے۔

#### علاج

- ا سبز رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ یانی دونوں وقت کھانے سے پہلے
- س ناک پر سبز رنگ شعاعوں کے تیل کی مالش کریں
- سم۔ مریض کے سریر آسانی رنگ کی اور سبز رنگ کی روشنی دس وس منٹ تک ڈالیں
  - ۵۔ آسانی رنگ پانی ناک میں چڑھانے سے نکسیر رک جاتی ہے

# سائی نس کا ورم

#### اسباب

کھوپڑی اور چہرے کی ہڈیوں میں کئی جگہ خلا ہوتا ہے جس کو سائی نس کہتے ہیں۔ بیکٹیریا کی کئی اقسام سائی نس کے ورم کا باعث بنتی ہیں۔ ناک کے پولپ (Polyps) ناک کی ہڈی کا ٹیڑھا ہو جانا اور ناک کا انقیکشن سائی نس کا باعث بنتا ہے۔



سر درد متلی بخار کی شکایت ناک کا ایک نتھنا بند رہتا ہے اور دوسرے نتھنے سے رطوبت خارج ہوتی رہتی ہے۔ متاثرہ سائی نس کے اوپر درد محسوس ہوتا ہے۔ درد اتنا شدید ہوتا ہے کہ مریض رونے لگتا ہے اور کسی کل اسے چین نہیں آتا۔

#### علاج

- ا۔ Indigoرنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سر صبح و شام جامنی شعاعوں کا تیل پیشانی پر ملیں اور پوری ناک پر نیلی شعاعوں کا تیل مالش کیا جائے۔

### دانتول کا درد

#### اسباب

دانتوں پر میل کا جمنا دانتوں کو صاف نہ رکھنا میٹھی اور کھٹی چیزوں کا بکثرت استعال بر ہضمی ہونا پارہ سے مرکب کسی دوا کا استعال دانتوں کی جڑوں میں کیڑا لگنا گیس کا اسفل کی بجائے اوپر کی طرف رجوع کرنا کمزور مسوڑھوں پر سخت ٹوتھ برش استعال کرنا دانتوں سے کسی سخت دھات کو موڑنا کولڈ ڈرنک بوتل کے اوپر ڈھکن کو دانتوں سے کھولنا غیر ضروری طور پر دانتوں میں سخت لکڑی یا ٹوتھ پک (Tooth Pick) سے خلال کرنا چھالیہ کھانا چیو نگم اور ٹافیوں کا زیادہ استعال تیز گرم روٹی یا تیز گرم مشروب کے بعد ٹھنڈا یائی دانتوں پر لگنا۔



دانت میں شدید درد ہوتا ہے منہ چلانے سے درد میں اضافہ ہوتا ہے۔ مسوڑھے متورم ہو جاتے ہیں۔ بعض دفعہ چہرہ پر بھی ورم آ جاتا ہے۔

#### علاج

- ا۔ درو کی صورت میں آسانی رنگ پانی کی کلی بار بار کریں
  - ۲۔ نیلا رنگ یانی صبح و شام کھانے سے پہلے
  - سر سبز رنگ یانی کھانے کے بعد دونوں وقت
  - الم زرد رنگ پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے
  - ۵۔ مرہم زرد معدہ کی جگہ چاروں طرف جذب کریں

### بإئيريا

#### اسباب

غذا میں وٹامن سی کی کمی نظام ہضم کی خرابی شراب کا استعال۔

#### علامات

پیٹ میں گیس بھری رہنا حلق سے گیس کا اخراج قبض یا بار بار پیچیش ہونا فضلہ کا صحیح اخراج نہ ہونا مسوڑھوں کا سوج جانا مسوڑھوں میں پیپ پیدا ہونا، مسوڑھوں کی گرفت کمزور ہونے سے دانت کھل جاتے ہیں اور دانتوں میں فاصلہ بڑھ جاتا ہے۔دانت پر مسوڑھوں کے نیچے پیپ جم جاتی ہے منہ سے بدبو آتی ہے نوالہ چباتے وقت کراہت محسوس ہوتی ہے۔

- ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ نارنجی رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سے نارنجی شعاعوں کا تیل ناف ک سے چاروں اطراف مالش کریں
  - ہے۔ وٹامن سی کی گولیاں دن میں دوبار
- ۵۔ انار کے حیکے پانی میں اتنا رکائیں کہ پانی میں انار کا رنگ غالب ہو جائے۔ صبح شام رات ایک ایک گلاس انار کے پانی سے کلیاں کریں۔
- ۲۔ پائیریا میں ہاضمہ خراب رہتا ہے یا ہاضمہ خراب ہونے سے پائیریا ہوتا ہے۔عام طور سے پائیریا کے علاج میں نظام ہضم درست کرنے کی طرف توجہ نہیں دی جاتی اس لئے پائیریا کا مستقل علاج نہیں ہوتا۔
- ڈینٹسٹ وہ اچھا سمجھا جاتا ہے جو دانت نکالنے کی مخالفت کرتا ہے۔جب کہ ابتدائی دنوں میں اگر خراب میں موڑھوں سے دانت الگ کر دیا جائے تو دانت لگانے میں بتیبی (Denture) زیادہ بہتر سیٹ ہوتی ہے۔ مسوڑھے گلنے کی وجہ سے ڈینچر صحیح طرح سیٹ نہیں ہوتا ایسی صورت حال میں معالج کو چاہئے کہ وہ مریض کو ماہر امراض دندان سے رجوع کرنے کا مشورہ دے۔

نگاہ کی کمزوری

#### علامات

قریب کی نظر کمزور ہو تو تھوڑی دیر لکھنے پڑھنے یا نظر کا کام کرنے سے آئھیں تھک جاتی ہیں اور آئھوں کے سامنے اندھیرا آ جاتا ہے۔کتاب وغیرہ پڑھتے ہوئے حروف پر نگاہ نہیں جمتی اور حروف خلط ملط نظر آتے ہیں۔آئھوں میں سے پانی آتا ہے اور سر میں خفیف درد کی شکلیت ہو جاتی ہے۔ بعض اوقات نظر دھندلا جاتی ہے۔

دور کی نظر کمزور ہو تو دور کی چیزیں صحیح طرح نظر نہیں آتیں جبکہ قریب کی چیزیں صاف نظر آتی ہیں۔

### علاج

- ا۔ آسانی رنگ کی عینک دن میں دو تین گھنٹے کے لئے لگائیں
  - r۔ Indigoرنگ پانی صبح و شام
  - سر رنگ بانی کھانے سے پہلے

الله موٹے کھنے کاغذ پر دو دائرے بنائے جائیں۔ایک میں نیلا رنگ اور دوسرے میں سرخ رنگ بھر کر گتہ پر یا ہارڈ بورڈ یا فارمیکا پر چپکا لیں۔ اس فٹ کے فاصلے سے صبح شام رات دس دس منٹ ویکھیں۔ کوشش کی جائے کہ دائرے دیکھنے کے دوران بلک نہ جھیکے یا کم سے کم جھیکے

۵۔ صبح سورج نگلنے سے پہلے ایس جگہ بیٹھ جائیں جہاں سے سورج نکاتا ہوا نظر آئے۔افق میں ایک منٹ تک بیک جھیکائے بغیر نکلتے سورج کو دیکھیں۔ایک منٹ سے زیادہ نہ دیکھیں۔

۲۔ آسانی رنگ پانی سے صبح اور سبز رنگ پانی سے رات کو آئکھیں وھوئیں۔

# شكوري

### اسپاپ

زیادہ تر یہ بیاری وٹامن اے کی کی سے ہوتی ہے۔

#### علامات

مریض دن میں دکھ سکتا ہے۔جوں جوں دن ڈھلتا ہے اور سورج کی روشنی کم ہوتی ہے اور شام کا وقت قریب آتا ہے آنکھ کی بینائی کم ہو جاتی ہے۔ گرمیوں کی نسبت سردیوں میں مرض میں اضافہ ہو جاتا ہے۔

### علاج

- ا فیروزی رنگ کی عینک دن میں دو تین گھنٹے لگائیں
  - ۲ نیلا رنگ پانی صبح و شام
  - س زرد رنگ پانی دونوں وقت کھانے کے بعد
- اللہ معمول کے مطابق ٹھنڈا ہو گئی ہیں بار بار آئیسی کھولیں اور بند کریں۔ پانی معمول کے مطابق ٹھنڈا ہو گرم پانی استعال نہ کریں۔ پانی صاف شیشے کے پیلاے میں رکھیں۔

# آشوب حيثم

### اسباب



اس بیاری کی وجہ وائرس ہے۔ یہ لگنے والی بیاری ہے۔ احتیاط کرنی چاہئے کہ ایک دوسرے کا تولیہ رومال اور تکیہ استعال نہ کیا جائے۔

#### علامات

### علاج

- ا۔ آسانی رنگ کی عینک دن میں دو تین گھٹے کے لئے استعال کریں
  - ۲۔ نیلے رنگ کے پانی سے آئکھوں کو زیادہ سے زیادہ و هوئیں
    - ۳۔ نیلے رنگ کی روشنی آئکھوں پر پندرہ منٹ تک ڈالیں
      - همه نیلا رنگ پانی صبح دوپهر شام
      - ۵۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
      - ۲۔ سبز یانی دونوں وقت کھانا کھانے کے بعد

# گوہا نجنی

گوہانجنی بلکوں کے جڑ کے ورم کو کہتے ہیں۔

## اسباب

جسمانی کمزوری ذیا بیطس اور نثاستہ دار غذا کے کثرت استعال سے پلکوں کی جڑ پر ایک خاص قسم کا بیکٹیریا حملہ آور ہو جاتا ہے۔

#### علامات

متاثرہ پپوٹے میں درد حدت اور بھاری پن کا احساس متاثرہ پپوٹا سرخ اور متورم ہوتا ہے۔ آنکھ کا رنگ سرخ ہو جاتا ہے۔ متاثرہ پلک کی جڑ پر پیپ سے بھرا ہوا نقطہ کی طرح ایک دانہ ہوتا ہے جب وہ پھٹ جاتا ہے۔ تو ورم ختم ہو جاتا ہے۔

## علاج

- ا۔ جس لیک کی جڑ میں ورم ہو اس لیک کو احتیاط سے نکال دیں
  - ۲۔ گہرے سبز رنگ کی روشنی پندرہ منٹ تک بلکوں پر ڈالیں
    - س نیلا رنگ پانی صبح و شام
    - ہم۔ بنفثی رنگ پانی دوپہر کھانے کے بعد
      - ۵۔ سبز رنگ یانی کھانے سے پہلے
    - ۲۔ سبز رنگ پانی میں صاف روئی بھگو کر آنکھ کو دھوئیں
- ے۔ خالص عرق گلاب میں نیلی شعاعیں جذب کر کے دن میں تین چار مرتبہ آئھوں میں ڈالیں

# پپوٹوں کا ورم

## اسباب

بچوں میں عموماً میہ مرض بیکٹیریا اور گندگی سے ہوتا ہے۔

بڑوں میں عموماً یہ مرض خشکی سر کی خشکی جلد کی خشکی اور الرجی کی وجہ سے ہوتا ہے۔

#### علامات

پپوٹوں کے کناروں پر مختکی نظر آتی ہے۔ مختکی کے ذرات ہٹانے پر پہوٹے کے کنارے سرخ اور متورم نظر آتے ہیں۔اور مجھی کبھار چھوٹے چھوٹے زخم بن جاتے ہیں۔ پپوٹوں میں خارش ہوتی ہے۔ پپوٹوں کا اندرونی حصہ گلابی ہوتا ہے۔

#### علاج

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ا۔ سبز رنگ پانی کھانے سے پہلے
- س پکوں پر نیلے رنگ کی روشنی ڈالیں

# آئکھ کی بیرونی جھلی کا ورم

## اسباب

یہ ایک بہت ہی عام بیاری ہے۔اس میں زیادہ تر بیکٹیریا کی وجہ سے سوزش ہوتی ہے لیکن وائرس الرجی اور کیمیکل کے Reactionکی وجہ سے بھی بیرونی جھلی متاثر ہوتی ہے۔

#### علامات

زیادہ تر آئکھ کی بیرونی جھلی گلابی ہوتی ہے۔آئکھ میں سے پانی نکلتا ہے جو کہ بعد میں پیپ کی شکل اختیار کر لیتا ہے۔آئکھ میں درد ہوتا ہے بعض صورتوں میں نظر دھندلا جاتی ہے۔ صبح اٹھتے وقت پلکیں آپس میں چپکی ہوئی ہوتی ہیں۔

## علاج

ا۔ نیلے رنگ کی روشنی پندرہ منٹ تک چہرہ خصوصاً آئکھوں پر ڈالی جائے۔ جس وقت روشنی ڈالیس آئکھیں بند رکھیں۔

۲۔ آسانی رنگ کے پانی سے آئھوں کو بار بار دھوئیں۔

سر نیلا رنگ پانی صبح و شام پئیں۔

سم۔ زیادہ روشنی اور دھوپ کے وقت آنکھوں پر سبز رنگ کی پٹی اس طرح باندھیں کہ آنکھوں کے سامنے پردہ پڑا رہے۔



كلرتفرايي

متفرق امراض

گھیا

اسياب

یہ ایک خود مدافعتی (Auto Immune) مرض ہے۔خود مدافعتی مرض کا مطلب یہ ہے کہ جسم کا مدافعتی نظام اپنے ہی جسم کے بعض حصول کے خلاف برسر پیکار ہو کر خود کو نقصان پہنچانا شروع کر دیتا ہے۔

بارش میں بھیگنے، سردی لگنے، بادی اور سرد چیزیں زیادہ استعال کرنے اور ریاح زیادہ ہونے سے یہ درد ہوتا ہے۔ریاح جوڑوں میں جمع ہو جائے تو شدید درد ہوتا ہے۔امراض خبیثہ کی وجہ سے بھی جوڑوں کا مدافعتی نظام خراب ہو جاتا ہے۔

#### علامات

ا۔ مرض شروع ہوتے وقت تھکن کا احساس زیادہ ہوتا ہے۔جوڑوں میں بلکا بلکا درد ہوتا ہے۔گھنے اور دوسرے جوڑ ٹھنڈے محسوس ہوتے ہیں۔جوڑوں پر ورم آ جاتا ہے۔

ا۔ اچانک پیر کے انگوٹھے کے جوڑ اور ہاتھوں کی انگلیوں میں شدید درد ہوتا ہے۔

مرض پرانا ہونے پر مریض کے ہاتھوں کی انگلیاں ٹیڑھی ہو جاتی ہیں اور جوڑوں کی حرکت کم سے کم ہو جاتی ہیں اور جوڑوں کی حرکت کم سے کم ہو جاتی ہے۔ ہاتھوں اور پیروں کی انگلیوں کے جوڑوں کے علاوہ کلائی کے جوڑ کہنی کندھے کو لہے گھنے ایڑھی کے جوڑ اور گردن کے جوڑ بھی متاثر ہو جاتے ہیں۔

جوڑوں میں درد کے ساتھ ساتھ سوجن اور دکھن ہوتی ہے۔ دبانے سے درد زیادہ ہوتا ہے اور جوڑوں کی حرکت میں کمی واقع ہو جاتی ہے۔ ہاضمہ خراب رہتا ہے دل کی دھڑکن تیز ہو جاتی ہے۔ سر میں شدید درد اور چکر آتے ہیں، تکلیف کی شدت سے رات کو نینر نہیں آتی۔ ہاتھ پیر کی انگلیوں میں سنساہٹ ہوتی ہے اور انگلیاں بھنچتی ہوئی محسوس ہوتی ہیں۔ کندھے دبانے سے ڈکاریں آتی ہیں، کمنیوں کے اندرونی جوڑ پر ہاکا سا درم آ جاتا ہے۔ دبانے سے میٹھا درد ہوتا ہے۔ زبان پر زردی مائل سفید تہہ جم جاتی ہے۔

## علاج

- ا۔ عنابی رنگ پانی صبح و شام کھانے کے بعد۔
  - ۲۔ نارنجی رنگ یانی ناشتہ کے بعد۔
- سر سبز رنگ یانی رات کو سوتے وقت کھانا کھانے کے دو گھٹے بعد۔
  - م۔ گھنوں پنڈلیوں پر سبز شعاعوں کا تیل مالش کریں۔
- ۵۔ کہنی ہاتھ اور دوسرے جوڑوں پر سرخ شعاعوں کا تیل مالش کریں۔
  - ۲۔ پیٹ پر پیلی شعاعوں کا تیل مالش کریں۔
  - ے۔ گردن اور کمر کے جوڑوں پر نیلی شعاعوں کا تیل ماکش کریں۔
- ۸۔ درد اگر تر سرد چیزوں اور بادی کی وجہ سے ہو تو سرخ رنگ پانی صبح و شام دیں۔
- 9۔ حبس ریاح کی صورت میں کندھوں پر زرد روشنی ڈالیں اور کندھوں کو دہائیں۔ کمر شانے اور پیلیوں کو دہائیں۔ کمر شانے اور پیلیوں کو دہانے سے اخراج ریاح ہوتا ہے۔ پیلیوں کو دہانے سے اخراج ریاح ہوتا ہے۔

نفرس

اسباب



یہ ایک ایسی بیاری ہے جس میں یورک اینڈ (Uric Acid) کی زیادتی ہو جاتی ہے۔

- ا۔ چوٹ لگنا
  - ۲۔ سرجری
- سه شراب بینا
  - ۹\_ انفیکشن

#### علامات

جوڑوں میں درد اور ورم ہوتا ہے۔عام طور پر پہلے پیر کے انگوٹھے کے جوڑ میں درد اور ورم ہوتا ہے۔اس کے ساتھ ساتھ ایڑی کے جوڑ گھنے کے جوڑ کلائی انگلیوں اور کہنی کے جوڑ متاثر ہو جاتے ہیں۔ نقرس پورک ایسڈ کی زیادتی سے ہوتا ہے اور گھٹیا میں پورک ایسڈ کا عمل دخل نہیں ہوتا۔

### علاج

- ا سرخ رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
- سے متاثرہ جوڑیر نارنجی رنگ کی روشنی پندرہ منٹ تک ڈالیں
- ہے۔ نیلی شعاعوں کا تیل کمر کے جوڑ پر اور سبز شعاعوں کا تیل گھٹنوں ایڑی کلائی اور کہنی پر صبح وشام دائروں میں مالش کریں

# بھوک نہ لگنا

## اسباب

میٹھی اور چکنی چیزوں کے زیادہ استعال سے صفرا بڑھ جاتا ہے جس کی وجہ سے بھوک اڑ جاتی ہے۔ بادی تقیل اور دیر ہضم چیزیں کھانے سے بلغم کی زیادی سے بھی بھوک نہیں لگتی۔ پیٹ میں کیڑے ہونے سے بھی بھوک ختم ہو جاتی ہے۔ پیٹ میں کیڑوں کی موجودگی آئتوں اور معدہ کی حرکت کو غیر معتدل کر دیتی ہے۔ زیادہ دیر بیٹھے رہنے اور چہل قدمی نہ کرنے سے معدہ کی کارکردگی اور اعصابی نظام خراب ہو جاتا ہے۔ فرج میں رکھی ہوئی چیزیں خصوصاً گوشت صحت کو متاثر کرتا ہے۔ ٹمپریچر کم ہونے کی وجہ سے بظاہر فرج میں رکھی ہوئی چیزیں اچھی حالت میں نظر آتی ہیں لیکن ان کے اندر نقص پیدا ہو جاتا ہے۔ بہی وجہ ہے کہ فرج سے نکال کر رکھی ہوئی چیزیں جلدی سڑ جاتی ہیں جب کہ تازہ گوشت دیر تک خراب نہیں ہوتا۔

#### علامات

بعض اوقات بغیر کسی سبب کے کھانا کھانے کو دل نہیں چاہتا۔ اگر بیہ کیفیت بڑھ جائے تو جسم کمزور ہو جاتا ہے۔ طبیعت کسلمند اور جسم ٹوٹا ٹوٹا رہتا ہے تھکن محسوس ہوتی ہے، دل متلاتا ہے، کھانے کی خواہش اس حد تک کم ہو جاتی ہے کہ مریض کو زبردستی کھلانا پڑتا ہے۔

- ا۔ زرد رنگ یانی صبح وشام
- ا۔ نیلا رنگ پانی دوپہر و رات کھانے سے پہلے
  - س سبز رنگ پانی کھانے کے بعد
  - اللہ سرخ رنگ یانی ناشتہ کے بعد
- دل متلانے اور متلی کا بار بار احساس ہونے کی صورت میں
  - ا فیروزی رنگ پانی صبح و شام

ا۔ سبز رنگ یانی کھانے سے پہلے

و زرد رنگ پانی کھانے کے بعد

## موطايا

یہ ایک غذائی بیاری ہے جو عموماً دل کی بیاری ریاحی بیاری ذیا بیطس اور بلڈ پریشر وغیرہ کا سبب بنتی ہے۔ موٹے لوگوں کی عمریں کم ہوتی ہیں۔

یہ مرض خون میں چربی کی مقدار بڑھنے سے ہوتا ہے۔ چربی کی مقدار بڑھنے کی وجوہات جینیاتی ماحولیاتی غذا میں بے اعتدالی کم چلنا پھرنا زیادہ بیٹھ رہنا اور ورزش نہ کرنا ہیں۔

#### علامات

مریض کے ظاہری حالات دکھنے سے ہی بیاری کا پتہ چل جاتا ہے لیکن دیئے گئے بیانے کے مطابق مریض کا معانہ کرنا چاہئے۔

- ا سیاه رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ سرخ رنگ یانی دو پہر و شام کھانے کے بعد
- سل سیاه رنگ کی روشنی پیٹ پر پندره منٹ تک ڈالیں
- سمدہ میں اگر زخم ہو تو اس علاج کے ساتھ ساتھ السر کا علاج بھی کریں
  - ۵۔ چہل قدمی اور کھانوں میں اعتدال از حد ضروری ہے۔

## دانت يبينا

## اسباب

آنتوں میں کیڑوں کی وجہ سے اور دیگر کئی وجوہات کی بنا پر بیہ مرض لاحق ہوتا ہے۔

#### علامات

مریض کے منہ سے پانی بہتا ہے۔ نظام ہضم درست نہیں رہتا جمائیاں اور انگرائیاں کثرت سے آتی ہیں۔ سوتے میں مریض گہری نیند میں دانت کر کر اتا اور پیتا ہے، رال بہتی ہے، آئسیں بے رونق ہوتی ہیں، ناخن کا رنگ پھیکا ہو جاتا ہے، چہرہ پھیکا پھیکا گتا ہے، کبھی پیٹ پھول کر ڈھول کی طرح ہو جاتا ہے۔

#### علاج

ا زرد رنگ پانی صبح و شام

۲۔ نیلا رنگ پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے

سر چھاچھ کو صبح دس بجے سے دو پہر دو بجے تک سرخ شعاعوں میں رکھیں۔اس کے بعد چوبیں گھنٹے اندھیرے میں رکھ کر مریض کو پلا دیں۔

# جسمانی کمزوری

جسمانی کمزوری عموماً کسی بیاری کی وجہ سے ہوتی ہے لیکن بعض او قات تشخیص نہیں ہوتی۔ مریض کمزوری اور تھکاوٹ محسوس کرتا ہے اور جسم ٹوٹنا ہوا محسوس ہوتا ہے۔



ا نارنجی رنگ پانی صبح و شام

۲۔ سرخ رنگ پانی دو پہر کھانے کے بعد

س نیلا یانی رات کو سوتے وقت کھانا کھانے کے بعد دو گھنٹے کے بعد

## بفا\_ بھوسی

مر عن غذائیں تلے ہوئے کھانے اور تمکیں چیزوں کا زیادہ استعال اس کے اساب ہیں۔

#### علامات

بالوں میں سفید ذرات پیدا ہو جاتے ہیں۔ بفاکی وجہ سے طبیعت میں عجیب طرح کی جھنجھلاہٹ پیدا ہو جاتی ہے۔

## علاج

ا منلے رنگ کا بانی صبح و شام

۲۔ نارنجی رنگ پانی دوپہر کھانے کے بعد

سر سبز رنگ پانی رات کھانے کے بعد

اللہ میں کہ کونوں سے تیار شدہ گلو سبز تیل سر میں لگانے سے خاطر خواہ فوائد سامنے آئے ہیں۔

# لو لگنا

## اسباب

موسم گرما میں گرمی کی شدت اور تیز گرم ہوا (لو) لگنے کا سبب بنتی ہے۔

#### علامات

سر میں درد ہوتا ہے پھر شدت کا بخار چڑھ جاتا ہے۔ پیاس شدید لگتی ہے اور پیشاب بار بار آتا ہے۔ سخت بے چینی ہوتی ہے، چہرہ اور آئکھیں سرخ ہو جاتی ہیں، دل کی دھڑ کن تیز ہو جاتی ہے، جسم پسینہ سے شرابور ہو جاتا ہے اور مریض بے ہوش ہو جاتا ہے۔ نبض باریک چلتی ہے۔ کبھی ابکائیاں آتی ہیں اور مجھی سرسامی کیفیت ہو جاتی ہے۔

#### علاج

- ا آسانی رنگ یانی صبح و شام
- ۲۔ سبز رنگ یانی کھانے کے بعد
- سر نارنجی رنگ یانی ناشتہ کے ایک گھنٹہ بعد
- الم مریض کو نیلے رنگ اور سبز رنگ روشنی میں پندرہ پندرہ منٹ لٹائیں

# ٹائی فائیڑ

## اسپاپ

یہ مرض ایک قشم کے بیکٹیریا سے پیدا ہوتا ہے۔

#### علامات

شروع شروع میں تھکن سر کا درد، کھانی اور گلے کی سوزش ہوتی ہے۔ بخار بھی ہو جاتا ہے۔ بخار روزانہ تھوڑا تھوڑا زیادہ ہوتا رہتا ہے۔ یہاں تک کہ 2 یا ۸ دن بعد بڑھنا رک جاتا ہے۔ مریض کو دست یا قبض

کی شکایت بھی ہو جاتی ہے۔ ٹائی فائیڈ بخار تقریباً مستقل رہتا ہے۔ کسی بھی وقت بخار ختم نہیں ہوتا۔ ٹائی فائیڈ کا بخار ملیریا بخار کی بہ نسبت کم ہوتا ہے۔ یعنی ٹائی فائیڈ بخار 100ڈ گری فارن ہائیٹ سے 102ڈ گری فارن ہائیٹ سے 105ڈ گری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے وقت بخار 103ڈ گری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے وقت بخار بھی میں دورہ کے وقت بخار کری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے وقت بخار کری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے وقت بخار کری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے وقت بخار کری فارن ہائیٹ سے 105 میریا میں دورہ کے دور

### علاج

- ا۔ نیلا رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے
  - ۲ فیروزی رنگ پانی صبح و رات
  - س زرد رنگ پانی دوپهر اور شام

## مليريا

### اسباب

پلاز موڈیم جراثیم خون میں داخل ہونے سے ملیریا ہو جاتا ہے۔ پلاز موڈیم مچھر کے کاٹنے سے ہوتا ہے۔اس مچھر کو Anopheles کہتے ہیں۔

#### علامات

ملیریا دورانیے کی صورت میں ہوتا ہے۔ہر مرتبہ دورہ کے وقت شدید سردی لگتی ہے اور کیکیاہٹ طاری ہو کر 105 ڈگری فارن ہائیٹ تک بخار ہو جاتا ہے۔ بخار چار سے آٹھ گھٹے تک رہتا ہے۔ ملیریا کا بخار تیسرے یا چوتھے دن ہوتا ہے۔درمیان کے دنوں میں بخار نہیں ہوتا۔

تھکن سر درد چکر آنا بھوک کی کمی مثلی تے پیٹ کا درد جوڑوں اور عضلات کا درد اور خشک کھانسی کی شکایت بھی ہو سکتی ہے۔

### علاج

- ا۔ آسانی رنگ پانی صبح دوپہر شام
- ۲۔ سبز رنگ پانی کھانے کے بعد
- سو۔ مریض کو روزانہ آسانی رنگ کی روشنی میں وس منٹ صبح اور سبز روشنی میں وس منٹ شام لٹائیں

## ایڈز

ایڈز HIV(Human Immune Deficiency Virus) کی وجہ سے ہوتا ہے۔ اس مرض میں جہم کے مدافعتی نظام میں شدید خلل واقع ہو جاتا ہے۔ جس کی وجہ سے مریض جلدی جلدی بیار ہونے لگتا ہے۔

یہ وائرس خون کی منتقلی کے ذریعے ماں سے بچے میں اور غیر فطری جنسی تعلقات کے ذریعے ایک مریض سے دوسرے کو منتقل ہوتا ہے۔ایڈز وائرس منتقل ہونے کے بعد تقریباً دو سے دس سال میں ایڈز کی علامات ظاہر ہوتی ہیں۔

- ا آسانی رنگ پانی صبح و شام
- ۲۔ زرد رنگ پانی کھانے سے پہلے
- ال سبز رنگ پانی کھانے کے بعد



- همه عنانی رنگ پانی دوپهر و رات
- ا منی روشنی رات کو سونے سے پہلے بغلوں میں دس سے پندرہ منٹ تک ڈالیں
- x 69 اینچ شیشه پر گهرا سبز رنگ پینٹ کروا کر صبح و شام پندره پندره منٹ دیکھیں
- ے۔ نیلی شعاعوں کا تیل گردن کے جوڑ پر اور بینگنی شعاعوں کا تیل ریڑھ کی ہڈی کے آخری جوڑ پر صبح و شام پانچ پانچ منٹ اینٹی کلاک وائز مالش کریں
- ۸۔ فیروزی شعاعوں کا تیل جنگھاسوں اور بغلوں میں سیرھے ہاتھ کے انگوٹھے سے پانچ پانچ منٹ مالش کریں۔



# قداور وزن كاچارك

| قد (جوتو ں کے بغیر ) |     |        | وزن ( کلوگرام ) کپڑوں کے بغیر |      |         |
|----------------------|-----|--------|-------------------------------|------|---------|
| نت                   | انچ | کم وزن | نا رمل و زن                   | موٹا | بهتمونا |
| 4                    | 9   | 34     | 42-53                         | 63   | 84      |
| 4                    | 10  | 35     | 44-55                         | 66   | 88      |
| 4                    | 11  | 36     | 45-56                         | 68   | 90      |
| 5                    | 0   | 37     | 46-58                         | 69   | 92      |
| 5                    | 1   | 38     | 47-59                         | 71   | 95      |
| 5                    | 1   | 39     | 49-61                         | 73   | 97      |
| 5                    | 2   | 40     | 50-62                         | 75   | 100     |
| 5                    | 3   | 41     | 51-64                         | 77   | 102     |
| 5                    | 4   | 42     | 52-66                         | 79   | 105     |
| 5                    | 5   | 43     | 54-67                         | 81   | 108     |
| 5                    | 5   | 44     | 55-69                         | 83   | 110     |
| 5                    | 6   | 45     | 56-71                         | 85   | 113     |
| 5                    | 7   | 46     | 58-72                         | 87   | 116     |
| 5                    | 8   | 47     | 59-74                         | 89   | 118     |
| 5                    | 9   | 48     | 61-76                         | 91   | 121     |
| 5                    | 9   | 50     | 62-77.5                       | 93   | 124     |

| 5 | 10 | 51 | 63-79 | 95  | 127 |
|---|----|----|-------|-----|-----|
| 5 | 11 | 52 | 65-81 | 97  | 130 |
| 6 | 0  | 53 | 66-83 | 99  | 132 |
| 6 | 0  | 54 | 68-85 | 102 | 136 |
| 6 | 1  | 55 | 69-86 | 104 | 138 |
| 6 | 2  | 57 | 71-88 | 106 | 141 |
| 6 | 3  | 58 | 72-90 | 108 | 144 |
| 6 | 4  | 59 | 74-92 | 111 | 147 |



# تجربات

## ڈاکٹر فیاض تھیم

(M.B.B.S., M.D. (U.S.A

#### Diplomate American Board of Medicine

ڈاکٹر فیاض کیم صاحب امریکہ کے شہر سپرنگ فیلڈ میں مقیم ہیں۔ ونگ میموریل ہیتال اینڈ میڈیکل سینٹرز میں میڈیکل اسپیشلٹ کی حیثیت سے خدمات سر انجام دے رہے ہیں۔ ڈاکٹر صاحب ایلوپیشک میڈیسن کے ساتھ ساتھ رنگ و روشن سے بھی علاج تجویز کرتے ہیں۔ کلو فنزیو تھراپی سے مریضوں کا کامیاب علاج کر چکے ہیں۔

انہوں نے کار تھرائی کو نسوانی امراض، مردانہ امراض، جوڑوں میں درد، کھانی، بخار، دمہ، پیٹ کے جملہ امراض اور کمر درد وغیرہ میں بہت مفید پایا ہے۔

## اينذريو

عمر: ۵۵ سال

مرض: فالج

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کے تیل کی گردن کے جوڑ پر اور دونوں کولہوں کے در میان ریڑھ کی

ہڈی کے جوڑ پر صبح و شام مالش۔متاثرہ جوڑوں پر سرخ شعاعوں کے تیل کی مالش۔سرخ روشن متاثرہ جوڑ پر صبح و شام ڈالی گئی۔نیلا پانی۔ نتائے: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مریض کے اعضاء میں حرکت آ گئی۔علاج جاری رکھنے کی ہدایت کی گئے۔

## رابرٹ کو

عمر: ۴۰ سال

مرض: گھیا

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کا تیل کولہوں کے درمیان کمر کے جوڑ پر صبح و شام مالش۔نیلی روشنی

صبح پندرہ منٹ تک۔سبز روشی شام پندرہ منٹ تک متاثرہ ٹانگ پر ڈالی گئی۔

نتائج: ٢، ٣ دن میں مرض کی شدت کم ہو گئی اور پندرہ دنوں میں مریض اللہ کے فضل سے

صحت یاب ہو گیا۔

## لارنس

عمر: ۵۳ سال

مرض: جوڑوں کا درد

تجویز کردہ علاج: نارنجی شعاعوں کا تیل جوڑوں پر مالش کے لئے۔نیلی روشنی متاثرہ جوڑوں پر صبح و

شام دس دس منٹ ڈالی گئی۔

نتائج: ایک ماہ میں مریض کے جوڑوں کے درد میں کافی آرام آگیا۔

عمر: ١٠ سال

مرض: اعضاء کی کمزوری

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کا تیل گردن کے جوڑ پر اور کولہوں کے درمیان کمر کے جوڑ پر صبح و

شام پانچ پانچ منٹ کے لئے مالش کی گئی۔ مریض کے جسم پر نارنجی روشنی صبح و شام پندرہ پندرہ منٹ تک ڈالی گئی۔

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے بچے کے اعضاء (Muscles) میں آہستہ آہستہ

توانائی بحال ہو گئی۔علاج جاری رکھنے کی ہدایت کی گئی۔

# فريدبلم

قمر: ۴۰ سال

مرض: تفکن کمزوری

تجویز کردہ علاج: مریض کے سر پر نیلی روشنی روزانہ پندرہ منٹ تک ڈالی گئی۔9\" x 12 "\'سنیلا رنگ

شیشه صبح اور نارنجی رنگ شیشه شام میں دیکھنے کی ہدایت کی گئی۔

نتائج: ١٥ دنول مين مريض نے اپنے اندر توانائی محسوس كي۔

كلر تفراني

# ڈاکٹر شگفتہ فیروز

.B.Sc., M.B.B.S

(F.R.S.H. (London), M.C.P.S. (F.MED

ڈاکٹر صاحبہ فیملی فنزیش ہیں۔ پاکستان سوسائی آف فیملی فنزیشن کی جوائٹ سیکرٹری ہیں۔ لاہور میں رہائش پذیر ہیں۔ کلر اینڈ ریز تھراپی (Colour and Rays Therapy) پر تقریباً آٹھ سال سے کام کر رہی ہیں۔ کلر اینڈ ریز تھراپی (عامی کے ایک ہزار مریضوں کا ریکارڈ جمع کیا ہے۔ مریضوں کا جو ریکارڈ انہوں نے ترتیب دیا ہے ان میں خواتین مرد اور بچے شامل ہیں۔

# پیشاب میں جلن

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: سات سے آٹھ دن

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: نیلا اور سبز رنگ پانی

علاج كا دورانيه: يانج دن

نتائج: ٥٩ فيصد

كار تقرايي

# ہائی بلڈ پریشر

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۴ تا ۵ سال

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: سبز رنگ یانی

علاج کا دورانیه: ۱۵ تا ۳۰ دن

نتائج: ۲۵ فیصد لوگول کا بلڈ پریشر کنڑول ہو گیا

## لو بلڈ پریشر

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ۲ تا ۳ ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: سرخ رنگ پانی

علاج كا دورانيه: ٤ تا ١٠ دن

نتائج: ٥٨ فيصد

240

السر

كلرتفرايي

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ تا ۳ ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: سبز رنگ اور زرد رنگ پانی

علاج کا دورانیه: ۲۵ دن

نتائج: ۵۸ فیصد

ایام میں کمی

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ۲ تا ۳ سال

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کردہ علاج: جامنی رنگ پانی جامنی تیل کی مالش کالہوں کے در میان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر

علاج كا دورانيه: ١٠ تا ١٥ دن

نتائج: ۵۸ فیصد

كلر تقرابي

## حمل کی الٹیاں

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ تا ۳ ماه

مرض کی شدت: شدید

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی

علاج کا دورانیه: ۷ تا۸ دن

نتائج: ۴۰ فيصد

## نمونيا

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ تا ۳ دن

مرض کی شدت: شدید

تجویز کرده علاج: نیلا اور نارنجی رنگ پانی

علاج كا دورانيه: ۵ تا ۷ دن

نتائج: ام فيصد

242

كلرتقرابي

ومه

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۱۰ تا ۱۵ دن

مرض کی شدت: شدید

تجویز کرده علاج: نیلا اور نارنجی رنگ پانی

علاج کا دورانیہ: ۷ تا ۱۰ دن

نتائج: ۵۵ فیصد

بخار

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ تا ۳ دن

مرض کی شدت: شدید

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی

علاج کا دورانیه: ۲ تا ۳ دن

نتائج: ۲۰ فیصد

## جوروں کا درد

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ تا ۳ ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: نیلا اور سرخ رنگ پانی سرخ تیل کی متاثره جوڑوں پر مالش

علاج كا دورانيه: ٤ تا ١٠ دن

نتائج: ١١ فيصد

نوٹ: مختلف بیاریوں مثلاً بخار، دمه، نمونیه، حمل کی الٹیاں، ہائی بلڈ پریشر وغیرہ میں کچھ ایسے کیسر بھی سامنے آئے جن میں ایلوپیتھک طریقه علاج شامل کیا گیا تو اللہ تعالیٰ نے شفا دی۔

# ڈاکٹر جاوید سمیع

(M.B.B.S., MD(P.G

## اختر سلطانه

عمر: ۴۰ سال

مرض: مرگی

تبویز کردہ علاج: B-Aqua, G-Aqua نیلی شعاعوں کے تیل کی گردن کے جوڑ پر صبح و شام مالش۔مرکضہ کو صبح و شام 9\" x 12\"فیروزی رنگ شیشہ دیکھنے کی ہدایت کی گئی۔ نتائے: مرکضہ پہلے سے Tegretol 200mg BD گولیاں لے رہی تھی لیکن اس کے باوجود مہینہ میں دو بار دورہ پڑتا تھا۔رنگ و روشنی کا علاج شامل کرنے کے بعد مرکضہ کے دوروں کے دورانیہ میں کی آگئی اور دو مہینے کے بعد دورے پڑنا بند ہو گئے۔

#### سلطان

عمر: ۵۰ سال

مرض: فالج

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کا تیل گردن اور کمر کے جوڑوں پر صبح و شام مالش، متاثرہ جوڑوں پر

سرخ شعاعوں کے تیل کی مالش صبح و شام۔متاثرہ حصوں پر سرخ روشنی صبح و شام ۲۰ منٹ تک ڈالی گئی۔

نتائج: ٢ ماہ میں مریض کے اعضاء میں آہشہ آہشہ حرکت پیدا ہوئی۔

## الله بخش

عمر: ۵۵ سال

مرض: اداسی، کام کاج میں دل نه لگنا

تجویز کرده علاج: B-Aqua, O-Aqua 9\" x 12"نیلا رنگ شیشه دیکھنے کی ہدایت کی گئی۔ نتائج: ایک ماہ میں مریض اپنے کام کاج میں دوبارہ لگ گیا۔

## شابانه

عمر: ١٠ سال

مرض: گرمی دانے

B-Aqua, G-Aqua : تجويز كرده علاج:

نتائج: ٢٠ دنوں كے علاج سے مريض كى تكليف ميں كافى حد تك كى آگئ

## اكرم

عمر: ۱۵ سال

مرض: کھانی

تجویز کرده علاج: B-Aqua, O-Aqua نارنجی اور نیلی شعاعوں کا تیل ہم وزن ملا کر سینہ اور کمر پر چھیچھڑوں کی جگہ صبح و شام مالش

نتائج: ١٠ ونول مين مريض الله كے فضل و كرم سے صحت ياب ہو گيا

## احسن

عمر: ۳۰ سال

مرض: دست

تجویز کروه علاج: Y-Aqua مرہم زرد کی مالش کرائی گئی۔

نتائج: ۵ دنوں میں مریض اپنے آپ کو بہت بہتر محسوس کرنے لگا اور ایک ہفتہ بعد صحت یاب ہو گیا۔

## ثناء الله

عمر: ۴۰ سال

مرض: گلے کا ورم

تجویز کردہ علاج: B-Aquaنیے پانی کے غرارے دن میں تین بار

نتائج: ایک ہفتہ کے علاج اور پر ہیز سے مریض صحت یاب ہو گیا۔

## عمرانه

عمر: ۳۵ سال

مرض: منتحکن، پریشانی اور موت کا خوف

تجویز کرده علاج: B-Aqua, O-Aqua 9 x 12 انچ فیروزی رنگ شیشه صبح و شام دیکھنے کی

ہدایت کی گئی۔

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مریض میں زندہ رہنے کا حوصلہ بحال ہو گیا۔

كلر تقرابي

# ڈاکٹر ناہید جاوید

.M.B.B.S., R.M.P

#### ناهيد

عمر: ٢٥ سال

مرض: ليكوريا

تجویز کردہ علاج: B-Rays Water, G-Rays Water نیلی شعاعوں کے تیل کی مالش کمر

کے آخری جوڑوں پر۔

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مرض کی شدت میں اطمینان بخش افاقہ ہوا۔

## رعنا خان

عمر: ۳۰ سال

مرض: تفكن

B-Rays Water, O-Rays Water تجويز كرده علاج:

نتائج: 10 دن کے علاج سے مریض کی توانائی بحال ہو گئی۔

## عاليه ناز

عمر: ۳۳ سال

مرض: ایام کی زیادتی

تجویز کردہ علاج: G-Rays Water سبز شعاعوں کے تیل کی مالش کمر کے آخری جوڑوں پر صبح و

شام پیٹ پر ناف کے اطراف میں جامنی شعاعوں کے تیل کی مالش

نتائج: ١٠ دنول مين مرئضه كي علامات و شكايات مين كافي حد تك افاقه هوا

## صنوبر

هر: ۱۴ سال

مرض: گفخ و قراقر

Y-Rays Water, O-Rays Water :تجويز كرده علاج

نتائج: ۵ دنوں کے علاج سے مر نضہ صحت یاب ہو گئی

تنبسم

عمر: ۲۶ سال

مرض: گلے کا ورم

تجویز کردہ علاج: B-Rays Water نیلے رنگ پانی کے غرارے ون میں تین بار

نتائج: ٧ دنول مين مرئضه شيك هو گئي

21

عمر: ۷ سال

مرض: کھانی

تجویز کردہ علاج: B-Rays Water, O-Rays Water سینہ پر نارنجی اور سبز شعاعوں کے

تیل کی ماکش صبح و شام

نتائج: ١٠ دنول كے مسلسل علاج سے مريض كو شفا نصيب ہوئى۔

انجم

عمر: ١٠ سال

مرض: نزله و زکام

تجویز کردہ علاج: B-Rays Water مریض کے سر پر نیلی روشنی روزانہ صبح و شام ڈالی گئی

نتائج: ۵ دنوں میں مرض ختم ہو گیا

فوزىيه

عمر: ۱۵ سال

مرض: پیٹ میں درد

250

تجویز کردہ علاج: G-Rays Water, Y-Rays Water ناف کے اطراف میں مرہم زرد

كى مالش صبح و شام ياخي ياخي منك

نتائج: مرئضه صحت یاب ہو گئ

1.9

عمر: ۳۰ سال

م ض: جوڑوں کا درد

O-Rays Water, R-Rays Water : تجویز کرده علاج:

B-Rays Water سرخ اور نارنجی شعاعوں کے تیل کی ماکش صبح وشام

نتائج: مسلسل علاج سے مریض کو بہت فرق پڑا لیکن بیاری ختم نہیں ہوئی

ڈاکٹر میاں مختار الحق

M.B.B.S

(FCPS-1 (Psychiatry

بينا اكرم روئنداد

عمر: ۱۲، ۳۰ اور ۳۵ سال

مرض: وقفہ وقفہ سے جنون کے دورے پڑتے ہیں

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی، سبز پانی سر میں نیلی شعاعوں کے تیل (یہ تیل تلوں کے تیل میں شعاعیں

جذب کر کے تیار کیا جاتا ہے) کی مالش کرائی گئی

نتائج: ١٥ دنول مين مرئضه كي حالت ٢٠٠ فيصد كنرول هو گئي۔علاج جاري ركھنے كي ہدايت

کی گئی۔ایک ماہ میں مریضوں کی حالت ۲۰ فیصد بہتر ہو گئی۔علاج جھوڑنے کے

بعد بینا کو تکلیف دوباره شروع ہو گئی۔

## محمد اظهر

عمر: ۲۲ سال

مرض: کچھ عرصہ سے پیٹ میں نفخ و قراقر کی تکلیف تھی

تجویز کرده علاج: زرد پانی

نتائج: ٢ دن كے علاج سے تكليف ختم ہو گئ

## خالد میمن

عمر: ۲۸ سال

مرض: پیشاب میں جلن

تجويز كرده علاج: نيلا پانى سبز پانى

كار تھرايي

نتائج: مریض کھیک ہو گیا

# وقار الحق

عمر: ۲۵ سال

مرض: گلے کا ورم

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی اور نیلے رنگ پانی کے غرارے

نتائج: مریض شیک ہو گیا

#### عرفان احمه

مر: ۴۰ سال

مرض: پیچیش

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، زرد پانی

نتائج: پیچش سے نجات مل گئی

# أكرام شهاني

عمر: ۴۵ سال

مرض: پیرون میں ورم

253

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، نارنجی پانی

نتائج: الله تعالى نے شفا دى ليكن علاج يورا نه كرنے سے مرض دوبارہ عود كر آيا

# محمود الحق

عمر: ۱۸ سال

مرض: ناف ٹلنا، پیٹ کی خرابی

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی زرد پانی مرہم زرد ناف کے چاروں طرف پیٹ پر نہار منہ مالش کرائی گئی

نتائج: الحمدللد مرض باقى نه ربا

### متاز بی بی

عمر: ۵۰ سال

مرض: جوڑوں میں درد

تجويز كرده علاج: نيلا پانى نارنجى پانى سرخ پانى

نتائج: ٤٠ فيصد فائده هوا

#### سائره بخارى

عمر: ۱۷ سال

كلر تقرابي

مرض: تکرار خیال، تکرار عمل

تجويز كرده علاج: نيلا بإني سبز بإني مرئضه كو 9\" x 12 \" نيلي شيشے كو ديكھنے كى ہدايت كى گئى

نتائج: الله شافی الله کافی مرکضه اب صحت یاب ہے۔

# اشرف سلطان احمه ، قمر جهال

عمر: ۴۰، ۴۵ اور ۳۵ سال

مرض: چمبل سورایس

تجویز کرده علاج: سبز پانی نیلا پانی

نتائج: ایک ماہ ۲۰ دن کے مسلسل علاج سے سورایس ختم ہو گیا

# فوزبيه الجم

عمر: ۲۵ سال

مرض: ليكوريا

تجویز کردہ علاج: سبز پانی جامنی پانی جامنی تیل کی کمر کے جوڑ پر مالش کرائی گئی

نتائج: ۵۵ فیصد

#### عمران خان، عروج

عمر: ۲۲ اور ۲۲ سال

مرض: شيز وفرينيا

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی سبز پانی اورنج پانی نیلی شعاعوں سے تیار کردہ تیل (تلوں کے تیل) کی سر پر اور گردن کے جوڑ پر مالش کرائی گئی۔9\" x 12 \" نیلے رنگ کا شیشہ

نتائج: ٢ ماه كے مسلسل علاج سے ٣٥ فيصد افاقه ہوا۔علاج جاري ركھنے كى ہدايت كى گئی۔

#### انتيبه

قمر: ۲۰ سال

مرض: بے خوابی

تجویز کرده علاج: سبز پانی نیلا پانی

نتائج: ٩٠ فيصد افاقه

# عبدالقادر ' نظير شاه

عمر: ۲۵ اور ۳۵ سال

مرض: یر قان

عبدالقادر: Bilirubin = 4mg/dl

256

نظير شاه: Bilirubin = 6mg/dl

تجویز کرده علاج: سبز اور نیلا پانی، مکمل آرام

نتائج: ۱۵ ون کے علاج سے عبدالقاور کا Bilirubinلیول 12.1mg/dl2.1 ون کے علاج سے عبدالقاور کا Bilirubinلیول Bilirubinلیول 30 فیصد افاقہ ہوا۔

ڈاکٹر مظفر الدین

M.B.B.S

(MD FCPS-1 (Surgery

جاويد احمه

عمر: ١٨ سال

مرض: منه میں چھالے

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، زرد پانی

نتائج: ٨ دنول مين مريض صحت ياب هو گيا

عمران

عمر: ۲۲ سال

مرض: گلے کا ورم

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی اور نیلے رنگ پانی کے غرارے دن میں تین بار

نتائج: سات دنول کے علاج سے ورم میں افاقہ ہوا

# حيولين

عمر: ۳۵ سال

مرض: معده كا زخم

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی

نتائج: ایک ماه میں مرکضه شمیک ہو گئی

### مر نديم

عمر: ۳۵ سال

مرض: جوڑوں کا درد

تجویز کردہ علاج: زرد اور نج اور سرخ پانی سرخ شعاعوں کے تیل کی مالش جوڑوں پر صبح و شام

نتائج: ١٥ دنول مين مريض كي حالت كافي حد تك شيك هو گئي

#### عدنان

عمر: ۳۰ سال

كار تھرايي

مرض: دست

تجویز کرده علاج: زرد پانی

نتائج: ٢٠ دنول مين مريض صحت ياب هو گيا

#### حيدر الملك

عمر: ۱۵ سال

مرض: نزله زكام

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، نیلی روشنی سر پر روزانه صبح و شام ۲۰ من تک ڈالی گئی

نتائج: ۲۰ ونوں میں مرض ختم ہو گیا

#### خالد

عمر: ۲۵ سال

مرض: اختلاج قلب

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی اور اور نج پانی

نتائج: مریض کو ۲۰ فیصد آرام ملا

#### امجد خان

عمر: ۴۰ سال

مرض: لو بلڈ پریشر

تجویز کرده علاج: اور نج یانی اور سرخ یانی

نتائج: دس دن علاج کے بعد فائدہ ہوا

### ارشاد على

عمر: ۴۰ سال

مرض: جريان

تجویز کردہ علاج: سبز پانی، نیلا پانی نیلی شعاعوں کے تیل کی مالش کمر کے نیلے جوڑوں پر

نتائج: ١٥ دنول كے علاج سے مریض یاب ہو گیا

### جاويد اختر

عمر: ۲۵ سال

مرض: سرعت انزال

تجویز کردہ علاج: نیلا بانی، سبز بانی نیلی شعاعوں کے تیل کی مالش کمر کے آخری جوڑوں پر صبح وشام

نتائج: ایک ماہ کے علاج سے مریض شفایاب ہو گیا

# ڈاکٹر عبدالغفور

M.B.B.S. (KMC) Peshawar

آپ بوسٹ گریجویٹ لیڈی ریڈنگ ہیتال بیثاور میں خدمات سر انجام دے رہے ہیں۔ایلوپیتھک طریقہ علاج کے ساتھ ساتھ ڈاکٹر صاحب نے کلر تھرائی کے اصول پر علاج شروع کیا تو مریضوں کی تعداد بڑھ گئے۔آپ کا مرتب کردہ ریکارڈ یہ ہے:

# امتیاز خان' ماجد علی شاه

عمر: ۴۰ سال اور ۴۵ سال

مرض: فالج

تجویز کردہ علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی، سرخ رنگ پانی۔سرخ شعاعوں کے تیل کی مالش

متاثرہ جگہ پر کرائی گئی

نتائج: ٢ ماه كے مسلسل علاج سے دونوں مریضوں كے اعضاء حركت كرنے لگے

#### شايد عالد

عمر: ۳۰ سال اور ۲۰ سال

مرض: اسهال

تجویز کرده علاج: زرو رنگ پانی، سبز رنگ پانی

كلر تھراپي

نتائج: سا دنوں میں مریض اللہ کے کرم سے ٹھیک ہو گئے

### بشير احمه

عمر: ۴۰ سال

مرض: کھانسی'بخار

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی، سبز رنگ پانی

نتائج: ۷ ونوں کے علاج سے مریض ٹھیک ہو گیا

#### امجد خان

عمر: ۱۸ سال

مرض: دماغی تھکن

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی

نتائج: هم دنول میں دماغی تھکن دور ہو گئی

#### ثناء الله خان

عمر: ۲۵ سال

مرض: پیشاب میں جلن

كلر تھرايي

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، سبز رنگ پانی

نتائج: ٢٠ ونول كے علاج سے شفا ہوئي

### ساجده بی بی میده جبین بشری ناز

عمر: ۲۵، ۳۰ اور ۳۵ سال

مرض: ایام کی زیادتی

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کے تیل کی کمر کے جوڑ پر مالش کرائی گئی۔نیلا رنگ پانی سبز رنگ پانی

نتائج: مريضول كو صحت ياب موني مين آٹھ دن لگے

# شاہد درانی، اسلم پرویز

عمر: ۲۹ اور ۳۰ سال

مرض: جسمانی کمزوری

تجویز کرده علاج: نارنجی رنگ پانی، سرخ رنگ پانی

نتائج: ١٠ دنول تك علاج كيا گيا-مريض نے اپنے اندر توانائي محسوس كي

كار تقرايي

# ڈاکٹر عامر فیاض

.M.B.B.S., R.M.P

#### فاروق

عمر: ۳۲ سال

مرض: اختلاج قلب

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی

نتائج: ١٠ دنول كے مسلسل علاج سے مريض صحت ياب ہو گيا

#### دضا احد

عمر: ۳۲ سال

مرض: بے چینی، تھکن

تجویز کرده علاج: سبز نیلا اور اورنج پانی 9\" x 12 \" فیروزی رنگ شیشه

نتائج: ١٥ دنول بعد مريض كي شكايات ميں كمي آگئي

عمر: ٢٩ سال

مرض: پیشاب میں جلن

تجویز کرده علاج: سبز پانی

نتائج: مريض صحت ياب هو گيا

جبار

عمر: ۵۵ سال

مرض: کمر کا درد

تجویز کردہ علاج: سبز پانی، نیلی شعاعوں کا تیل، کولہوں کے در میان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر صبح و

شام مالش

نتائج: مسلسل علاج سے مریض کے درد میں کافی حد تک کی آگئ

فضل ستار

عمر: ۲۰ سال

مرض: جریان

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی، سبز پانی نیلی شعاعوں کے تیل کی کمر کے آخری جوڑ پر مالش

#### افشال

عمر: ۳۵ سال

مرض: لیکوریا

تجویز کردہ علاج: سبز پانی نیلی شعاعوں کے تیل کی کمر کے آخری جوڑ پر مالش صبح و شام

نتائج: ایک ماہ میں مرئضہ کو اللہ تعالیٰ نے شفا دی

# سروار عالم

عمر: ۴۰ سال

مرض: يرقان

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی مسلسل آرام

نتائج: ١٠ ونول ميں مرض كى شدت ميں الله تعالى كے فضل و كرم سے كافى كمى آ گئى۔

مریض کو علاج جاری رکھنے کی تاکید کی گئی

#### جاويد جبار

عمر: ۳۷ سال

مرض: اداسی

تجويز كرده علاج: نيلا بإنى اورنج بإنى 9\" x 12 \" كهرا نيلا رنگ شيشه

نتائج: 10 دنوں میں مریض کے خیالات میں مثبت تبدیلی آئی

# حکیم و قار پوسف

(فاضل الطب الجراحت)

پاکستان اور بیرونی ممالک میں مشہور و معروف عظیمی دواخانہ کراچی میں پندرہ سال سے مطب کر رہے ہیں۔مطب میں مریضوں کا ہجوم رہتا ہے۔

حکیم وقار یوسف ن نے دس مختلف بیاریوں کے ایک ہزار مریضوں کا ریکارڈ مرتب کیا ہے۔ان میں مرد حضرات، خواتین اور بیچ سب شامل ہیں۔رنگ و روشنی سے علاج کے طریقہ پر شفایابی کا تناسب مندرجہ ذیل ہے۔

#### اختلاج قلب

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ۳۵، ۳۵ دن

مرض کی شدت: درمیانی

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی

علاج کا دورانیه: پندره دن

كار تقرابي

نتائج: ٥٠ فيصد

#### معدے میں تیزابیت

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: دو ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: سبز پانی، زرد پانی

علاج كا دورانيه: بيس دن

نتائج: ۲۰ فیصد

# وبريش و

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ۳ ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی

علاج کا دورانیه: پندره دن

نتائج: ١١ فيصد

كلر تقرابي

### ایام میں درد ہونا

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ۲ ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کردہ علاج: نیلی شعاعوں کا تیل کمر کے جوڑ پر مالش کرایا گیا۔نیلا پانی سبز پانی

نتائج: ٥٦ فيصد

# نمزوری اور تھکن

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

یماری کی کل مدت: ایک ماه

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: نارنجی رنگ پانی، سرخ رنگ پانی

نتائج: ۲۲ فیصد

ومه

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

كلر تھرايي

بیاری کی کل مدت: مسم سے ۵ ماہ

مرض کی شدت: در میانی

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی

نتائج: ۵۵ فیصد

غصه بے چینی

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: سے سم ماہ

مرض کی شدت: مجھی درمیانی مجھی شدید

تجویز کرده علاج: آسانی رنگ پانی، سبز رنگ پانی

نتائج: ١٨ فيصد

### احساس تمتری

مریضوں کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ایک سال

مرض کی شدت: مجھی درمیانی، مجھی شدید

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی

نتائج: ١٥ فيصد

#### جوروں کا درد

مریضول کی تعداد: ۱۰۰

بیاری کی کل مدت: ۵ سے ۲ ماہ

مرض کی شدت: مجھی درمیانی، مجھی شدید

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی، نارنجی رنگ پانی

نتائج: ۲۰ فیصد

نوٹ: بخار، دمہ اور اختلاج قلب کے بعض مریضوں کو اس وقت فائدہ ہوا جب رنگ و روشنی کے علاج کے ساتھ ساتھ یونانی طب سے بھی استفادہ کیا گیا۔ غصہ اور بے چینی کے مریضوں میں کوئی قابل تذکرہ کامیابی نہیں ہوئی۔ مریضوں نے علاج تو کیا گر اپنی طبیعت میں تبدیلی کے لئے کوشش نہیں کی۔احساس کمتری کے مریض علاج سے خوش ہیں مگر میں نتائج سے مطمئن نہیں ہوں۔

حكيم قاضي مقصود احمد

فاضل الطب والجراحت

آپ راولپنڈی میں مطب کرتے ہیں۔

#### امجد خان

عمر: ۵۵ سال

مرض: ١٠ سال سے نزلہ و زكام كا مرض تھا

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی

نتائج: ٤ دن كے مسلسل علاج سے مرض ختم ہو گيا

# محمد بشير

عمر: ۴۰ سال

مرض: ورکشاپ میں ریڈی ایٹر کا کھولتا ہوا پانی چہرہ پر پڑنے کی وجہ سے مریض کا چہرہ

حجلس گيا تھا

تجویز کردہ علاج: نیلا رنگ بانی صاف روئی سے چہرہ پر متاثرہ جگہوں پر لگایا گیا

نتائج: وو دن کے عمل سے مریض الحمداللہ بالکل صحت مند ہو گیا

#### مقصود احمد

عمر: ٢٢ سال

مرض: جنون اور پاگل بن کے دورے

تجویز کردہ علاج: نیلا رنگ پانی۔نیلا تیل (تلوں کے تیل میں شعاعیں جذب کر کے) سر پر مالش

کے لئے دیا گیا

نتائج: ١٥ دن كے علاج سے ٣٠ فيصد افاقه ہوا

# انيس بيكم

عمر: ۴۵ سال

مرض: ڈپریش، بے خوابی

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ پانی

نتائج: ٢٠ دن كے مسلسل علاج سے مركضه كو ٢٠ فيصد افاقه ہوا

#### شائلير

عمر: ڈیڑھ سال

مرض: بیکی کا نجیلا دھڑ گرم یانی کا دیکیچہ اللئے سے مکمل جل گیا تھا

تجویز کردہ علاج: نیلا رنگ پانی صاف روئی سے متاثرہ جگہوں پر لگایا گیا

نتائج: کوئی چھالہ پڑا اور نہ ہی زخم میں جلن رہی

### فرخنده اشرف

عمر: ۴۰ سال

كار تھرايي

مرض: مرئضه کو بھڑنے کاٹ لیا

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ بانی متاثره جگه پر لگایا گیا۔نیلا رنگ بانی صبح و شام پلایا گیا

نتائج: درد اور سوجن میں فوری افاقه ہو گیا

# محمر بشير

عمر: ۲۵ سال

مرض: بادی بواسیر

تجویز کرده علاج: زرد رنگ پانی

نتائج: مریض بفضل خدا مکمل تندرست ہے

# والده نديم قدوائي

عمر: ۵۵ سال

مرض: شوگر

تجویز کرده علاج: زرد رنگ پانی پیل رنگ پانی

نتائج: ۲۰ دنوں میں شوگر کنرول ہو گئی

### مصطفى شاه

عمر: ۵۵ سال

مرض: گردول میں انفیکشن

تجویز کرده علاج: نیلے اور سبز رنگ کا پانی

نتائج: ٤ دنوں كے علاج سے نہايت عمده نتائج مرتب ہوئے

# عثمان على

عمر: ۵۰ سال

مرض: ہائی بلڈ پریشر

تجویز کرده علاج: سبز رنگ پانی

نتائج: ١٠ دن كے علاج سے فائدہ ہوا

# فرخ رياض

عمر: ۲۰ سال

مرض: کھانسی

تجویز کردہ علاج: نارنجی رنگ یانی۔سینہ پر مالش کے لئے نارنجی شعاعوں کا تیل تجویز کیا گیا

نتائج: ٤ دن كے علاج سے مریض كو ٥٥ فيصد افاقه ہوا

# بلقيس بيكم

عمر: ۵۵ سال

مرض: اعصابی کمزوری، شو گر

تجویز کرده علاج: نیلا اور زرد رنگ پانی

نتائج: ١٠ دن كے علاج سے مرتضه كو كافى افاقه ہوا

#### منير احمه

عمر: ۳۰ سال

مرض: اولاد پیدا کرنے والے جرثومے کم تھے

تجویز کردہ علاج: جامنی رنگ بانی۔جامنی تیل کی مالش کولہوں کے در میان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر

كروائي گئي

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مریض کی رپورٹ میں جرثوموں کی تعداد بڑھ گئی

# كلثوم

عمر: ۲۲ سال

مرض: ایام کا کم آنا اور تکلیف سے آنا

تجویز کرده علاج: جامنی رنگ یانی

نتائج: كوئى قابل تذكره فائده نهيس موا

# حكيم محمر ذوالفقار كھوكھر

فاضل الطب والجراحت

آپ فیصل آباد میں مقیم ہیں۔عرصہ دراز سے مریضوں کا علاج رنگ و روشنی کے اصول پر کر رہے ہیں۔

#### محر سعيد

عمر: ٢٦ سال

مرض: مریض بچھلے ۲ ماہ سے شدید پریشانی (Tention) کا شکار تھا۔اسے ہر وقت تھکاوٹ کا احساس رہتا تھا۔کام میں دل نہیں لگتا تھا اور رات کو نیند آور گولیاں استعال کرنے کا عادی تھا۔

تجویز کرده علاج: نیلا رنگ یانی

نتائج: ایک ہفتہ کے علاج سے مریض کو شینش سے نجات مل گئی

# محد اكرم

عمر: ۴۰ سال

مرض: مریض کے سر میں دانے تھے اور ہر وقت خارش ہوتی تھی۔مریض سر منڈوا کر رکھتا تھا

تجویز کرده علاج: سبز رنگ یانی



#### نتائج: ایک ہفتہ کے مسلسل علاج سے خارش اور دانے نکانا ختم ہو گئے

بانو

عمر: ۴۰ سال

مرض: مرتضہ بے حد پریشانی(Tension) اور رحم میں تکلیف سے بے حال تھی۔ مرتضہ کو زیر ناف بہت تکلیف تھی

تجویز کردہ علاج: جامنی تیل زیر ناف اور کولہوں کے درمیان ریڑھ کی ہڈی کے جوڑ پر صبح و شام

مالش کروائی گئی۔ پینے کے لئے نیلی شعاعوں کا پانی دیا گیا

نتائج: ایک ماہ کے بعد مر نضہ ٹھیک ہو گئی

فريد احمه

عر: ۵۵

مرض: ول کی دھڑ کن بہت تیز ہوتی تھی اور گرمیوں میں جلد پر سیاہ نشان پڑ جاتے تھے

تجویز کرده علاج: ۱۵ دن تک سبز رنگ پانی پینے کو دیا گیا

نتائج: ایک ہفتہ میں حیرت انگیز نتائج سامنے آئے۔ول کی دھڑکن صحیح ہو گئی اور نشان بھی کافی حد تک ختم ہو گئے۔

278

# زبيره ببيم

عمر: ۲۶ سال

مرض: یہ خالصتاً نفسیاتی کیس تھا۔ مرکضہ کو ہسٹیریا (Hysteria) کے دورے پڑتے تھے

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی پینے کے لئے تجویز کیا گیا اور نیلے رنگ کی روشنی مرکضہ کے سر پر پندرہ منٹ تک روزانہ ڈالی گئی

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے ہسٹیریا ختم ہو گیا

حكيم سلام عارف

فاضل الطب والجراحت

#### افتخار

عمر: ۳۵ سال

مرض: عثقی

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی، سرخ پانی

نتائج: مریض کی حالت سنجل گئی

### امانت محسن

عمر: ۵۵ سال

مرض: ڈپریش

تجویز کرده علاج: اورنج پانی، نیلا پانی، زرد پانی 9\" x 12 \x ارنگ شیشه

نتائج: ٢٠ ونول مين مريض كي حالت كافي بهتر هو گئي

# محمد اكمل

عمر: ۲۵ سال

مرض: سرعت انزال

تجویز کردہ علاج: زرد پانی، سبز پانی، نیلا پانی، پریل شعاعوں کا تیل کولہوں کے در میان ریڑھ کی

ہڑی کے جوڑ پر مالش

نتائج: ٢٦ دنوں كے مسلسل علاج سے مريض صحت ياب ہو گيا

#### نديم

عمر: ٢٥ سال

مرض: بدخواني

تجویز کرده علاج: زرد بانی، آسانی بانی، سبز بانی

كلر تھرايي

نتائج: ١٠ دنول مين مريض كو بدخوابي سے نجات مل گئ

#### عزرا

عمر: ۳۰ سال

مرض: معده میں زخم

تجویز کرده علاج: زرد پانی، نیلا پانی، سبز پانی

صبح نہار منہ پیٹ پر مرہم زرد کی مالش

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مرض کی شدت کم ہو گئ

# انضمام

عمر: ١٠ سال

مرض: دست

تجویز کردہ علاج: زرد پانی، زرد شعاعوں کے تیل کی پیٹ پر مالش۔دودھ میں زرد روشنی دو گھنٹے

تک جذب کر کے پلایا گیا

نتائج: مريض ايك هفته مين صحت ياب هو گيا

#### جہان زیب

عمر: ۲۰ سال

مرض: منه میں چھالے

تجویز کرده علاج: زرد پانی، آسانی پانی، سبز رنگ پانی کی کلی اور غرارے دن میں تین بار

نتائج: ٨ دنول مين مريض صحت ياب هو گيا

# شهزاد

عمر: ۵۵ سال

مرض: لوبلڈ پریشر

تجویز کرده علاج: سرخ پانی اورنج پانی، گلابی رنگ شیشه

نتائج: ١٥ دنول مين مريض كو الله تعالى نے شفا دى

#### آفاق

عمر: ۲۵ سال

مرض: ہاضمہ کی خرابی، قبض

تجویز کردہ علاج: زرد پانی، سبز پانی، زرد شعاعوں کا تیل صبح نہار منہ اور رات کو سونے سے پہلے

کھانا کھانے کے ڈھائی گھنٹے بعد ناف کے چاروں طرف مالش

282

كلرخفرايي

نتائج: ١٥ دنول كے مسلسل علاج سے مريض كو الله تعالى نے صحت دى

# رياض احمه

عمر: ۱۰ سال

مرض: چراپن، غصه

تجویز کرده علاج: نیلا پانی، سبز پانی، سائیکو تھراپی

نتائج: مریض کے مزاج میں مثبت تبدیلی آگئی

#### جمال

عمر: سه سال

مرض: شخکن، کمزوری اور کام کاج میں دل نه لگنا

تجویز کرده علاج: اور نج پانی، نیلا پانی، زرد پانی

نتائج: مریض نے دوبارہ اپنا کام شروع کر دیا اور اپنے اندر انرجی محسوس کرنے لگا

#### عرفان

عمر: ۳۵ سال

مرض: یر قان

تجویز کرده علاج: آسانی بانی، سبز بانی 9\" x 12 \"فیروزی رنگ شیشه اور مسلسل آرام

نتائج: ۱۵ ونوں میں مرض کی شدت میں کمی آ گئی۔مریض کو علاج جاری رکھنے کی ہدایت کی گئی

حكيم نور عجم

فاضل الطب والجراحت

عظما

عمر: ۳۰ سال

مرض: شدید پریشانی

تجویز کرده علاج: نیلا پانی سبز پانی

9\" x 12 \\ فيروزي رنگ شيشه

نتائج: ١٥ دنول ميں مرض کی شدت ميں کمی آ گئ۔علاج جاری رکھنے کی ہدايت کی گئ

محر سعيد

عمر: ۳۰ سال

مرض: پیشاب میں جلن

كار تھرايي

تجویز کردہ علاج: سبز پانی۔ناف کے نیچے سبز شعاعوں کے تیل کی مالش نتائج: مریض صحت یاب ہو گیا

# محمر بشير

عمر: ۲۰ سال

مرض: نزله و زكام

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی، نیلی روشنی مریض کے سر پر صبح و شام ڈالی گئی

نتائج: مريض شفا ياب هو گيا

#### زبيده احسن

عمر: ۲۷ سال

مرض: خارش

تجویز کرده علاج: سبز پانی، سبز روشنی متاثره جگهوں پر صبح و شام ۲۰، ۲۰ منٹ تک ڈالی گئی

نتائج: ١٦ دن مين علاج مين كاميابي نهيس هوئي

الجحم

عمر: سه سال

مرض: ایام تکلیف سے آنا

تجویز کردہ علاج: جامنی بانی، سبز بانی، جامنی شعاعوں کے تیل کی زیر ناف مالش صبح و شام کولہوں

کے درمیان ریڑھ کی ہڑی کے جوڑ پر نیلی شعاعوں کے تیل کی مالش

نتائج: مرئضه الله کے فضل و کرم سے صحت یاب ہو گئ

حبيب

عمر: ۸ سال

مرض: تپ دق

تجویز کردہ علاج: اور نج پانی، نیلا پانی، نلی اور نارنجی شعاعوں کے تیل کے سینہ اور کمر پر پھیپھڑوں کی

جگه مالش

نتائج: تین ماہ کے علاج سے ایکسرے رپورٹ میں کھیپھڑوں پر داغ دھے نہیں تھے

داؤد

مر: ۲۵ سال

مرض: درد سر صفراوی

تجویز کرده علاج: زرد سبز اور نیلا پانی

نتائج: مريض صحت ياب هو گيا

#### امان الله

عمر: ۹۰ سال

مرض: چکر آنا

تجویز کردہ علاج: سرخ اور نارنجی پانی نیلی شعاعوں کے تیل کی گردن کے جوڑ پر مالش

نتائج: مریض کو چکر آنا بند ہو گئے

### ارشاد علی

عمر: ۴۰ سال

مرض: پاسیت

تجویز کرده علاج: نارنجی اور نیلا پانی 9\" x 12 \" فیروزی شیشه صبح اور نارنجی رنگ شیشه شام

نتائج: مریض میں دوبارہ جینے کی امنگ پیدا ہو گئی

#### عارفه

عمر: ۲۵ سال

مرض: تناؤكى وجه سے سر درد

تجویز کرده علاج: سبز پانی، نیلا پانی 9\" x 12 \"نیلا رنگ شیشه

#### خالد انور

عمر: سه سال

مرض: گردول کا انفیکشن

تجویز کردہ علاج: سبز پانی، نیلا پانی، گردوں کی جگه سبز شعاعوں کے تیل کی صبح و شام مالش

نتائج: ایک ہفتہ میں مرض کی شدت میں اطمینان بخش کی ہوئی

# ڈاکٹر احمہ متاز اختر

D.H.M.S., R.H.M.P. (Homoeo)

ڈاکٹر صاحب اٹک میں مقیم ہیں۔مطب میں مریضوں کا علاج ہومیو پیتھی اور کلرتھرائی سے کرتے ہیں۔

#### محمد طارق

عمر: ۵۳ سال

مرض: دل میں درد

تجویز کرده علاج: نیلا تیل دل کے مقام پر صبح و شام مالش۔ سبز پانی صبح و شام نارنجی پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے۔

نتائج: ۱۵ دن میں مریض کو درد سے افاقہ ہوا

# ثوبيه نذير

عمر: ۴۰ سال

مرض: ٢ سال سے شوگر كا مرض لاحق تھا

تجویز کردہ علاج: پیٹ کے اوپری حصہ پر دائیں طرف زرد تیل کی مالش صبح و شام۔زرد پانی صبح و

شام۔جامنی رنگ پانی دونوں وقت کھانے سے پہلے

نتائج: ایک ماه میں شو گر کنرول ہو گئی

### محمر رمضان

عمر: ۴۵ سال

مرض: جوڑوں میں درد

تجویز کرده علاج: نیلا پانی صبح و شام ـ سرخ پانی دن میں ایک بار ـ سرخ شعاعوں کا تیل جوڑوں پر

مالش کے لئے تجویز کیا گیا

نتائج: ١٥ دن مين مريض ٥٠ فيصد شفاياب هو گيا

عشرت فرزانه كوثر

عمر: ۳۵ اور ۴۵ سال

مرض: کھانسی

تجویز کرده علاج: نیلا پانی صبح و شام-نارنجی پانی دوپهر و رات

نتائج: ۸۰ فیصد

#### وقار احمه

عمر: ۵۵ سال

مرض: گلے کا کینسر

تجویز کردہ علاج: نیلا رنگ پانی صبح و شام کھانے سے پہلے۔ سرخ رنگ پانی صبح وشام کھانے کے

بعد \_ گلے پر سرخ رنگ کی روشنی صبح و شام پندرہ منٹ تک ڈالنے اور سرخ تیل

گردن پر دن میں دوبار مالش کرنے کی ہدایت کی گئی

نتائج: ٢ ماه میں مریض کو ٥٠ فیصد افاقه ہوا

#### ابرار اجر

عمر: ۴۵ سال

مرض: دل کی بیاری

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی صبح و شام، نارنجی تیل دل کے مقام پر صبح و شام۔ سبز تیل کی کمر پر دل کی جگھیں پھڑوں پر مالش کرائی گئی ۔ جگه کیھیں پھڑوں پر مالش کرائی گئی ككر تقرابي

نتائج: ایک ماه میں ۵۰ فیصد افاقه ہوا

# محمد عامر، نوید علی، حنا ظفر، ثوبیه درانی، ذیشان

عمر: ۲۰ سال تا ۲۵ سال

مرض: بیٹ میں درد اور پیٹ کے دوسرے امراض نفخ اور قراقر

تجویز کرده علاج: زرد شعاعول کا تیل پیٹ پر صبح و شام مالش۔زرد پانی صبح و شام

نتائج: ٢٠ ونول مين مريض صحت ياب هو گئے

# مقيم نجم الدين

عمر: ۵۵ سال

مرض: نزله زكام الرجي (عرصه ۵ سال)

تجویز کردہ علاج: نیلا پانی صبح و شام۔زرد پانی کھانے سے پہلے۔سبز پانی کھانے کے بعد

نتائج: ٢٠ دن مين مريض كو ٤٠ فيصد افاقه هوا

#### مقدس

عمر: ١٥ سال

مرض: پیچین

تجویز کردہ علاج: آسانی پانی صبح و شام۔زرد پانی دن میں ایک بار۔اسپغول کی بھوسی ایک ایک چیچہ دونوں وقت کھانے سے بیس منٹ پہلے

نتائج: ٧ دنول مين مريض شفاياب هو گيا

# ڈاکٹر جمیل احمہ صدیقی

(D.H.M.S., R.H.M.P. (Homoeo

جناب جمیل احمد صدیق ہومیوپیتھک ڈاکٹر ہیں۔کراچی میں پریکٹس کرتے ہیں۔کلر تھراپی کے سلطے میں ان کے تجربات مندرجہ ذیل ہیں۔

# محمد طارق

عمر: ۲۵ سال

مرض: خون کی کمی Anaemia ہیمو گلوبن کی مقدار gm/dl10 تھی

تجویز کردہ علاج: سرخ پانی صبح و شام کھانے کے بعد۔سرخ روشنی صبح و شام ریڑھ کی ہڈی پر دس دس

منٹ ڈالنے کی ہدایت کی گئی

نتانج: ۱۲ دن بعد هیمو گلوبن کی مقدار gm/dl12 تک پینچ گئ

### شهلا حبيب

عمر: ۱۵ سال



مرض: گیس پیٹ میں مرور قبض

تجویز کردہ علاج: کلر تھراپی کے اصول پر تیار شدہ گولیوں اور پانی کا مکسچر مرکضہ کو ۲ دن پلایا گیا

نتائج: مركضه بالكل تندرست هو گئی

# حرا صديقي

عمر: ۴ سال

مرض: بدهضمی دست

تجویز کردہ علاج: کلر تھراپی کے اصول پر تیار شدہ گولیوں اور پانی کا مکیچر مرئضہ کو ۲ دن پلایا گیا

نتائج: ۵۵ فيصد

# مريم

عمر: ۴۵ سال

مرض: ہائی بلڈ پریشر

تجويز كرده علاج: سبز پانی صبح وشام

نتائج: ۱۵ دنول میں مرئضه کا بلڈ پریشر کنڑول ہو گیا

#### عبرالقادر

عمر: ۲۵ سال

مرض: سر کے بالوں کا گرنا۔ دماغ کا بھاری پن

تجویز کردہ علاج: سر پر نیلے تیل کی مالش تجویز کی گئ۔

نتائج: مریض کو نزلہ بہنا شروع ہو گیا۔ نزلہ کا ذکر مریض نے نہیں کیا تھا۔ نزلہ بہہ جانے سے دماغ میں بھاری پن ختم ہو گیا اور بال بھی گرنا بند ہو گئے۔

# حنا صديقي

قمر: ۲ سال

مرض: منه میں چھالے، قبض

تجویز کردہ علاج: کلر تھراپی کے اسول پر تیار شدہ گولیوں اور پانی کا مکسچر مرکضہ کو پلایا گیا

نتائج: مركفه ٢ دن مين صحت ياب هو گئ

# ڈاکٹر حنا طاہر جلیل

(D.H.M.S., R.H.M.P. (Homoeo

ہومیو پیتے ڈاکٹر حنا طاہر جلیل گوجرانوالہ سے لکھتی ہیں کہ میں نے اپنے سسر صاحب (پایا) کا علاج کلر تھرانی کے طریقہ پر کیا ہے۔ربورٹ ارسال خدمت ہے:

پاپا کی تکلیف اس سال فروری کے وسط میں گلے کی خرابی سے شروع ہوئی۔انہوں نے ایک اینٹی بائیوئک دوا لی تو دو تین دن میں گلے کی تکلیف میں فرق آ گیا گر پیٹ خراب ہو کر قبض ہو گیا۔ڈاکٹر سے رجوع کیا گیا۔دو چار دن دوا کے استعال سے کوئی فرق نہیں پڑا۔ان دنوں پیٹ کی حالت یہ تھی کہ پیٹ تنا ہوا تھا۔ گردوں کے دونوں طرف درد محسوس ہوتا تھا۔طبیعت میں ہر وقت متلی کی کیفیت رہتی تھی اور منہ سے کھٹا پانی آتا تھا۔کسی طرح چین نہیں تھا۔خصوصاً لیٹنے سے بے چینی اور بڑھ جاتی اور کھٹا پانی آنا بھی بڑھ جاتا تھا۔کسا کھانے پینے کی رغبت ختم ہو گئی تھی مشکل سے چند نوالے کھانا کھاتے یا چائے پی لیتے تھے۔

متلی کی کیفیت مسلسل رہتی اور اکثر قے ہو جاتی تھی۔قے میں پانی کے علاوہ کچھ نہیں نکلتا تھا۔اجابت برائے نام تھی۔پیشاب بھی رک رک کر آتا اور بہت کم آتا تھا۔

فزیشن کی تشخیص کے مطابق پیٹ کے دائیں طرف گولہ تھا۔الٹرا ساؤنڈ کا مشورہ دیا گیا۔

الٹرا ساؤنڈ رپورٹ خاصی خراب تھی۔رپورٹ کی بنیاد پر سرجن سے رجوع کیا۔سرجن کے مطابق پیٹ میں مرض کی تین صورتیں تھیں:

- ا) آنتیں اکٹھی ہو گئی ہیں
- ان کے اندر Mass بن گیا ہے جس کی وجہ سے آنتوں کی حرکت رکی ہوئی ہے یا
  - m) آنتوں میں رسولی ہے۔

سر جن نے دو دن کے وقفے سے آپریش کی تاریخ مقرر کر دی۔ سر جن کی ہدایت پر جب بلڈ یوریا (Blood Urea) ٹیسٹ کرایا گیا تو وہ نار مل سے بہت بڑھا ہوا تھا۔ سر جن نے آپریش ایک ہفتے کے لئے ملتوی کر دیا اور Antibiotic استعال کرنے کو کہا۔

جس دن آپریشن ملتوی ہوا۔ میں نے کار تھراپی شروع کر دی۔ کھانے سے پیشتر زرد پانی صبح و شام معدہ کے مقام پر زرد روشنی ایک مرتبہ سبز پانی دو مرتبہ تجویز کیا۔دو یا تین دن کے اندر متلی کی کیفیت کم ہو گئی اور اگلے دن کھٹا پانی آنا بھی بند ہو گیا۔رات کو نیند بھی آنے لگی۔البتہ رات کو پیشاب کے لئے تین چار بار اٹھنا پڑتا تھا۔علاج کے تیسرے چوشے دن اجابت شروع ہو گئی۔اجابت کا رنگ سیاہ اور مینگنیوں



کی طرح تھا۔ تقریباً آٹھ دن بعد پیٹ کی حالت بھی نار مل ہوتی گئی۔ گردوں کے مقام پر درد بھی ختم ہو گیا۔ دس دن بعد طبیعت سنجل گئی اور اجابت بھی ٹھیک ہونے گئی۔ معدہ ٹھیک کام کرنے لگا اور بھوک کھل گئی۔ پندرہ دن بعد پھر الٹر اساؤنڈ ہوا۔ اب الٹرا ساؤنڈ رپورٹ میں حیرت انگیز تبدیلی تھی۔ آنتوں کی حالت نار مل تھی۔ سرجن نے معائنہ کے بعد بتایا کہ پیٹ کی حالت نار مل ہے اور آپریشن کی ضرورت نہیں ہے۔

کار تھراپی کے علاج سے وہ شدید تکلیف جس کی وجہ سے آپریش کرانا لازم تھا بالکل ختم ہو گئی ہے۔ پاپا Prostate Glands بڑھ کوئی تکلیف بتاتے ہیں تو ڈاکٹر کہتے ہیں کہ عمر کی وجہ سے مثانے کی غدود کا آپریش ہو۔ میں اس سلسلے میں بھی رنگ و روشنی سے علاج کر رہی ہوں۔ بھے لیسے میں بھی دنگ و روشنی سے علاج کر رہی ہوں۔ بھے لیسی سے کہ جہال اتن سیریس تکلیف ختم ہو گئی ہے انشاء اللہ یہ تکلیف بھی ختم ہو گئی۔

# ڈاکٹر ایس۔نیلوفر

(D.H.M.S., C.D.S., R.H.M.P. (Homoeo

Radiesthesia Specialist

ڈاکٹر صاحبہ ہومیو پیتھک ڈاکٹر ہیں۔ کراچی میں پریکٹس کرتے ہیں۔ کلر تھراپی کے سلسلے میں ان کے تجربات مندرجہ ذیل ہیں۔

# سلملي جليل

عمر: ۴۸ سال

مرض: مزمن کھانسی

كلر تقرابي

تجویز کرده علاج: نیلا تیل کمر پر چھیپھڑوں کی جگه ، نارنجی تیل سینہ پر، نیلا پانی، نارنجی پانی

نتائج: ٢١ دن كے علاج سے كھانى ميں ٦٠ فيصد افاقه ہوا

# عبدالغفار شاه

عمر: ۲۸ سال

مرض: ہاضمہ کی خرابی

تجویز کرده علاج: زرد پانی صبح شام، سبز پانی دوپهر رات

نتائج: ١٥ دن كے علاج سے مريض كا باضمہ تھيك ہو گيا

#### و قارالنساء

عمر: ١٦ سال

مرض: باتھوں میں پسینہ آنا

تجویز کرده علاج: آسانی پانی، زرد پانی، سبز پانی

نتائج: ١٠ دن كے علاج سے مركف نے ٥٠ فيصد بہترى محسوس كى

# محمر رفيق

عمر: ۵۰ سال

مرض: شوگر

تجویز کرده علاج: بینگنی پانی، زرد پانی

نتائج: شوگر كنرول هو گئ

کلر تھرانی کے ساتھ ساتھ ہومیوپیتھک دواؤں کا سہارا بھی لیا گیا

# عبدالصمد

عمر: ۴۰ سال

مرض: دماغی کمزوری

تجويز كرده علاج: زرد ياني Indigo ياني 9\" x 12 انتج Indigoشيشه

نتائج: ایک ماہ کے مسلسل علاج سے مریض کا حافظہ بہتر ہو گیا

# مقصود احمد

عمر: ۲۶ سال

مرض: پیچیش

تجویز کرده علاج: زرد پانی، سبز پانی، آسانی پانی، اسپغول کی بھوسی

نتائج: ٩ دن كے علاج سے مريض شيك ہو گيا

# زينت كمال

عمر: ٢٥ سال

مرض: احساس كمترى

تجويز كرده علاج: نارنجي يإني، سرخ يإني، 9\" 12\" نارنجي شيشه، سائيكو تقرايي

نتائج: سمون کے علاج سے مرکضہ کے اندر مثبت تبدیلی آئی۔علاج جاری رکھنے کی ہدایت کی گئ

محد اكبر

عمر: ٢٩ سال

مرض: بے خوابی

تجویز کردہ علاج: آسانی پانی، سفید پانی، سبز پانی 6\" 10 x\"آسانی شیشہ ۲۰ دن کے مسلسل علاج سے آہتہ آہتہ مریض کی نیند نارمل ہو گئی

# MOHAMMAD ZAFAR

**MSc Chemistry** 

**Senior Chemist** 

Feroz Sons Laboratories

Nowshera (N.W.F.P(

كلرتفراني

#### **SAMPLES:**

BChrome - YChrome - VChrome.

Sample are in solution from prepared by Colour Therapy Research Lab.

#### PREPARATION OF CHROMES:

Following informations about prepartion of chromes has been furnished by Dr. Mian Mukhtar-ul-Haq.

Chromes are basically glucose solution or distilled water. Under strict hygienic condition these are then kept in different coloured lights for specific time duration, e.g 100 hrs, 150 hrs, 200 hrs.

B Chrome means blue colour absorbed in solution.

G Chrome means green colour absorbed in solution.

Y Chrome means yellow colour absorbed in solution & so-on. To increase further the efficacy of chromes they are then kept under the pyramid effect.

#### **PURPOSE OF STUDY:**

The purpose of this study was to see the difference b/w colour treated & nontreated solution & to detect the change that converts a simple solution into medicine & gives it the ability to cure.



#### PROCEDURE:

I have compared the provided samples of chromes with comparable nontreated solution & noted their absorbance under different frequencies.

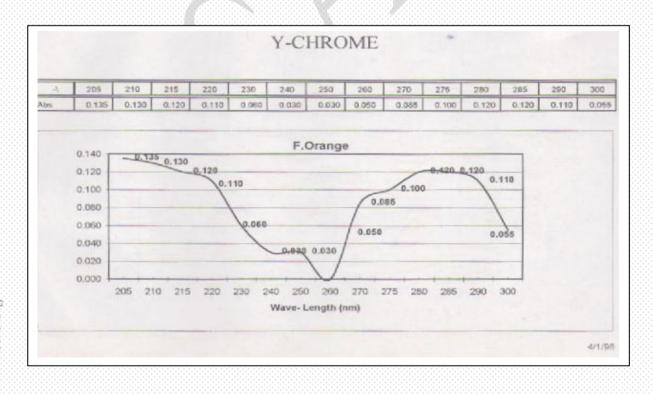
#### **RESULTS:**

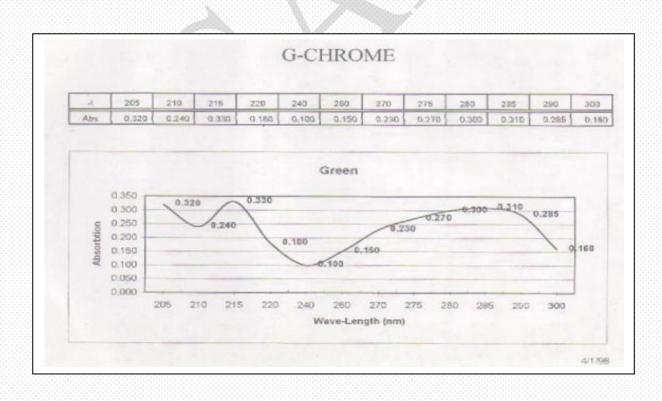
It has been revealed that under different frequencies different chromes has got different absorbance. (Tables 1 - 4) These confirms the hypothesis that coloured light brings a change in a solution or in water that enables them to cure diseases.

#### **SUGGESTIONS:**

These spectrophotometric study of chromes have made a new horizon for future research in colour therapy. This study was the brain child of Dr. Mian Mukhtar-ul-Haq. I hope that onward research on colour-therapy will contribute to the advancement of the frontiers of modern medicine







گلر تھرا**ي** 

# بیار بول کے اردو / انگریزی نام

# نظام ہضم' جگر اور لبلبہ کی بیاریاں

### Diseases of Digestive System, Liver & Pancreas

Peptic Ulcer

معدہ کا زخم

Gargling, Bloating, Flatulance

نفخ و قراقر معده

Worms Infestation

پیٹ کے کیڑے

Gastro- Enteritis

اسہال

Dysentry

بيجيث

Cholera

بهضه

Constipation

قبض

irritable Bowel Syndrome نتنی دباؤکی وجہ سے پیٹ کی خرابی

Dyspepsia

ہاضمہ کی خرابی

Hiccup

انج بنجلی

Chrones Disease

حچوٹی آنت کی سوزش

Ulcerative Colitis

بڑی آنت کی سوزش

(Haemorrhoides (Bleeding

خوانی بواسیر

(Haemorrhoides (Non Bleeding

ريح البواسير

Fistula ANO

بھگندر

Jaundice

ير قان

Hepatitis

ورم جگر

Cirrhosis

جگر کا سکڑ جانا

Ascites

استسقاء

Diabetes Mellitus

ذيا <sup>ببط</sup>س

Hematemesis

خونی تے



# Diseases of Respiratory System

Cattarrah / Coryza

نزله و زکام

Bronchitis

كھانىي

Asthma

Pnuemonia

نمونيا

Tuberculosis

ٹی پی

كلر تقيراني

# دل اور نظام خون کی بیاریاں

# Diseases of Heart & Circulatory System

Palpitation

اختلاج قلب

Angina

انجائنا

**Myocardial Infarction** 

دل کا دورہ

Anaemia

خون کی کمی

Low Blood Pressure

لو بلڈ پریشر

High Blood Pressure

ہائی بلڈ پریشر

Purpura

جسم پر نیلے نشانات

# مردانه امراض

### **Sexual Diseases**

Spermatorrhoea

جريان

Masturbation

جلق

Impotence

نامردي

**Premature Emission** 

سرعت انزال

# گردہ اور مثانہ کی بیاریاں

### Diseases of Kidney & Ureter

Bed Wetting, Urinary Incontinance بستر میں پیشاب

سوزاک Gonorrhoea

Pyelonephritis گردول کا ورم

Acute Pyelonephritis گردول کا حاد ورم

Chronic Pyelonephritis گردول کا مزمن ورم

Renal Colic ورو گرده

Cystitis, Urinary Tract Infections مثانه اور پیشاب کی نالی کا ورم

Haematuria الميشاب مين خون آنا

# دماغی امراض

# Diseases of Nervous System

صفراوی درد سر Migraine

آنکھوں کے نیچے اندھیرا آنا Vertigo

Dysarthria Discrete



Epilepsy

مرگی

Encephalitis

دماغی ورم

Meningitis

گردن توڑ بخار

Paralysis

فالج

Hydrocephalus

سر میں بانی بھر جانا

Bell\'s Palsy - Facial Nerve Palsy

بل لقوه

Parkinson\'s Disease

رعشه

Fainting

غشی۔بے ہوشی

Apoplexy

سكتنه

Sciatica

عرق النساء

ہار مونز کی بیاریاں

### Diseases of Harmones

Hyperthyroidism

تھائی رائیڈ ہار مونز کی زیادتی

Hypothyroidism

تھائی رائیڈ ہار مونز کی کمی

# نفساتى بياريان

# **Psychiatric Illnesses**

Schizophrenia

شيز وفرينيا

Depression

ڈپر یشن ڈپر

Mania

جنون

Acute Psychosis

پاگل بن

Dementia

نسيان

Night Mare

ڈراؤنے خواب

Insomnia

نیند نه آنا

Hysteria

ہسٹیریا

Panic Attacks

خوف اور دہشت

Phobia

فوبيا

Obsessive-Compulsive Disorder

تکرار خیال اور تکرار عمل

Tension Headache

ٹینشن کی وجہ سے سر درد

# جلد کے امراض

#### Skin Diseases

Frekles, Lentigo, Choasm

سیاه داغ

Acne Pimples

کیل۔مہاسے

**Prickly Heat** 

گرمی دانے

Urticaria

يتى الحجلنا

Ring Worm

واو

**Psoriasis** 

چمبل-سورياسس

Leukoderma

برص

# بچوں کی بیاریاں

### Children\'s Diseases

Teething

دانت نكلنا

**Bronchitis** 

كھانىي

Gstroenteritis

اسہال

Marasmus

ام الصبيان

Whooping Cough

کالی کھانسی

Small Pox

چيک

Chicken Pox

لاكڑا كاكڑا

Tatanus

كزار

Measles

خسره

عور توں کے امراض

# **Gynecological Diseases**

Dysmenorrhea

ایام تکلیف سے آنا

Amenorrhea

ایام کا رک جانا

Menorrhagia

ایام کی زیادتی

Vulvulitis

اندام نهانی پر ورم

Leukorrhea

ليكوريا

Infertility

بانجھ بن

Abortion

حمل ضائع ہو جانا

Hypolactation

دودھ کی کمی

# ناک' کان اور گلے کے امراض

### Ear, Nose & Throat Diseases

Mouth Ulcers

منه میں چھالے

**Acute Phyringitis** 

حاد گلے کا ورم

**Chronic Phyringitis** 

مزمن گلے کا ورم

Allegic Rhinitis

الرجی کی وجہ سے ناک کا بہنا

**Epistaxis** 

نكسير يجوثنا

**Sinusitis** 

سائی نس کا ورم

Toothache

دانتول کا درد

Bleeding Gums - Pyorrhea

بإئيريا

# آئکھ کی بیاریاں

### Eye Diseases

Ametropia

نگاہ کی کمزوری

Night Blindness

شكوري

Opthalmia Conjunctivitis

آشوب چیثم

Stye

گوہانجی

Blepharitis

پپوٹوں کا ورم

Conjunctivitis

آئکھ کی بیرونی جھلی کا ورم

متفرق امراض

# **Rheumatoid Diseases**

Rheumatoid Arthritis

گھا

Gout

نقرس

Anorexia

بھوک نہ لگنا

Obesity

موثابإ

Teeth Grinding During Sleep

سوتے میں دانت بیینا

Weakness

جسمانی کمزوری

Dandruff

بفا\_ بھوسی

Heat Storke

لو لگنا

Typhoid

ٹائیفائیڈ

Malaria

ملير با

Aids

ایڈز